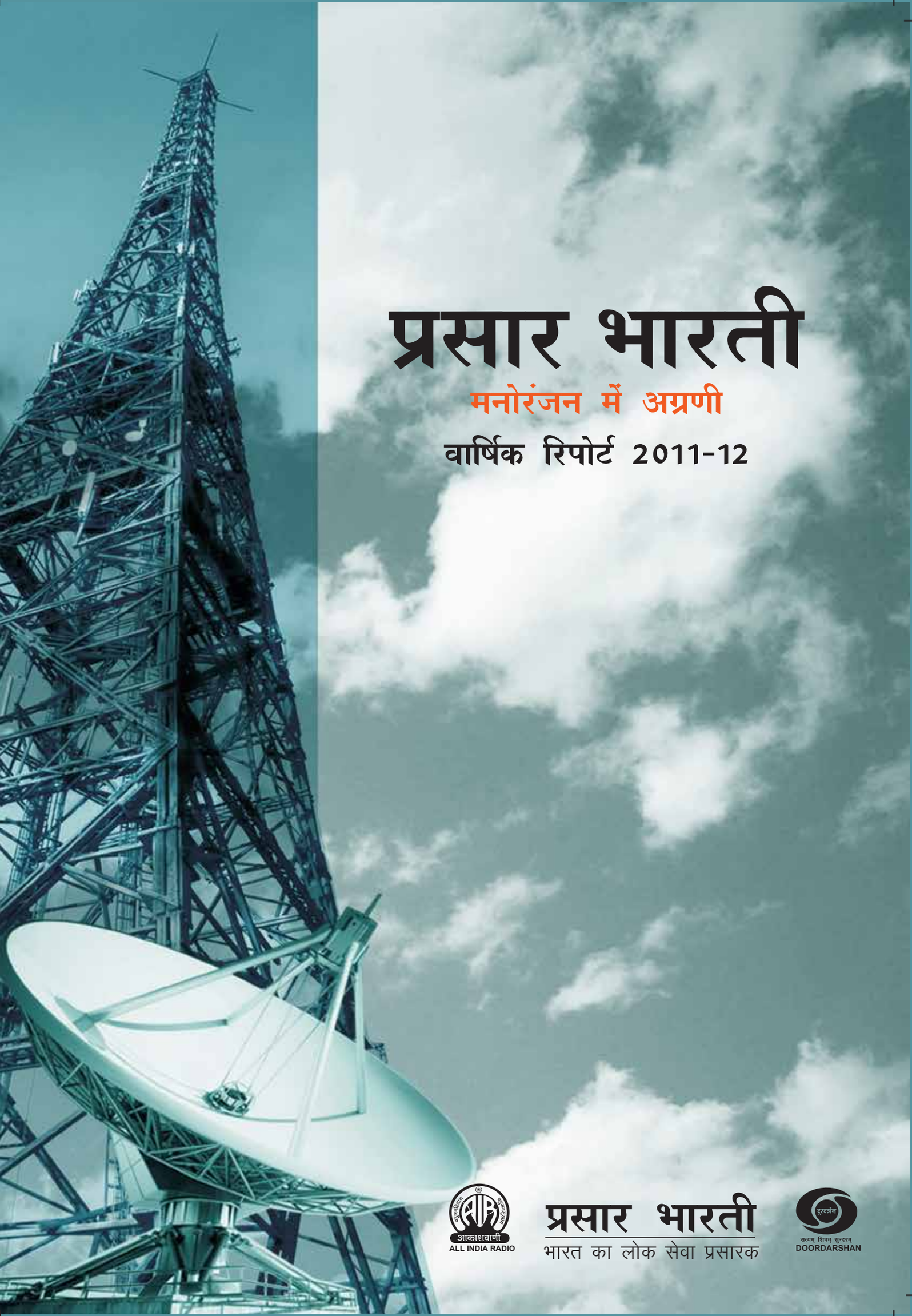

प्रसार भारती

मनोरंजन में अग्रणी

वार्षिक रिपोर्ट 2011-12

आकाशवाणी
ALL INDIA RADIO

प्रसार भारती
भारत का लोक सेवा प्रसारक

दूरदर्शन
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्
DOORDARSHAN

वार्षिक रिपोर्ट
2011–12

प्रसार भारती
भारत का लोक सेवा प्रसारक

आकाशवाणी

प्रसार भारती
PRASAR BHARATI
भारत का लोक सेवा प्रसारक

दूरदर्शन
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

डीडी फ्री डिश

आकाशवाणी

दूरदर्शन

प्रसार भारती बोर्ड

श्रीमती मृणाल पाण्डे
अध्यक्ष

श्री जवाहर सरकार
कार्यकारी सदस्य
(मुख्य कार्यकारी अधिकारी)

श्री ए.के. जैन
सदस्य (वित्त)

श्री व्ही. शिवकुमार
सदस्य (कार्मिक)

श्री राजीव टकरू
अपर सचिव, सूचना एवं
प्रसारण मंत्रालय

डॉ. जॉर्ज वर्गिस
अंशकालिक सदस्य

डॉ. सुनील कपूर
अंशकालिक सदस्य

श्री सुमन दुबे
अंशकालिक सदस्य

श्री मुज़्ज़फ़र अली
अंशकालिक सदस्य

श्री विक्रम कौशिक
अंशकालिक सदस्य

श्री एस के बरूआ
अंशकालिक सदस्य

श्री एल.डी. मंडलोई
महानिदेशक, दूरदर्शन
पदेन सदस्य

श्री त्रिपुरारी शरण
महानिदेशक, दूरदर्शन
पदेन सदस्य

विषय–सूची

अध्याय-I

प्रसार भारती – भारत का लोक सेवा प्रसारक 05-10

अध्याय-II

प्रसार भारती – भारत का लोक सेवा प्रसारक 11-12

अध्याय-III

वर्ष एक नज़र में 13-58

अध्याय-IV

चैनल एवं कार्यक्रम 59-130

आकाशवाणी चैनल 60

दूरदर्शन चैनल 67

अध्याय-V

प्रसार भारती – वित्त एवं लेखा 133-182

प्रसार भारती – निगम

1.1 परिचयः

प्रसार भारती, भारत का लोक सेवा प्रसारक है, जिसकी पहुंच सबसे ज्यादा है। यह संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक स्वायत्त निकाय है जिसमें दूरदर्शन (टेलीविजन नेटवर्क) तथा आकाशवाणी (रेडियो नेटवर्क) शामिल है, जो पहले सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार के अधीन थे।

प्रसार भारती की स्थापना 1997 में संसद के एक अधिनियम द्वारा की गई थी तथा इसका अधिदेश लोक प्रसारण सेवाओं को संगठित और संचालित करना है ताकि आम जनता को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन प्रदान करने के साथ–साथ रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारण का संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा सके।

1.2 उद्देश्य

प्रसार भारती अधिनियम 1990 में दिए गए, प्रसार भारती निगम के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैंः–

- देश की एकता और अखंडता तथा संविधान में दिए गए मूल्यों को अक्षुण्ण रखना।
- राष्ट्रीय अखंडता को बढ़ावा देना।
- सार्वजनिक हित के सभी विषयों की जानकारी प्राप्त करने के नागरिक अधिकारों को सुरक्षित रखना और सूचना को उचित और संतुलित रूप में प्रस्तुत करना।
- शिक्षा और साक्षरता के प्रसार, कृषि, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों की ओर विशेष ध्यान देना।
- महिलाओं से संबंधित मामलों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना, तथा बच्चों, बुजुर्गों और समाज के अन्य निर्बल वर्ग के लोगों के हितों की रक्षा करने के लिए विशेष उपाय करना।
- विविध संस्कृतियों, क्रीड़ा और खेलकूद तथा युवा मामलों को पर्याप्त कवरेज देना।
- सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना, श्रमजीवी वर्ग, अल्पसंख्यकों और जनजाति समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना।
- अनुसंधान को बढावा देना तथा प्रसारण सेवाओं का विस्तार और प्रसारण प्रौद्योगिकी का विकास।

प्रसार भारती बोर्ड

इस संगठन का प्रशासन प्रसार भारती बोर्ड द्वारा चलाया जाता है, जिसमें एक एक अध्यक्ष कार्यकारी सदस्य (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) एक सदस्य (वित्त), एक सदस्य (कार्मिक), छ अंश कालिक सदस्य, सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक प्रतिनिधि तथा पदेन सदस्यों के रूप में आकाशवाणी और दूरदर्शन के महानिदेशक सम्मिलित हैं। इसके अध्यक्ष एक अंश–कालिक सदस्य है जिनका कार्यकाल तीन वर्षों का होता है। कार्यकारी सदस्य का कार्यकाल 5 वर्षों का अथवा 65 वर्ष की आयु पूरी होने तक होता है, सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) पूर्ण–कालिक सदस्य के रूप में छः वर्ष की अवधि अथवा 62 वर्ष की आयु पूरी होने तक कार्य करते हैं।

प्रसार भारती बोर्ड की वर्ष में कम से कम 6 बैठकें होती हैं।

बोर्ड के सदस्यगण

वर्ष 2011–12 के दौरान प्रसार भारती ने छः बैठकें (102 से 107) आयोजित कीं। इन बैठकों के सदस्य इस प्रकार थेः–

अध्यक्ष	:	श्रीमती मृणाल पाण्डे
मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)	:	श्री जवाहर सरकार **(22 फरवरी, 2012 से) (अपराह्न)**
सदस्य (वित्त)	:	श्री ए.के. जैन
सदस्य (कार्मिक)	:	श्री व्ही. शिवकुमार **(28 अक्तूबर , 2011 तक)**
सूचना और प्रसारण मंत्रालय के प्रतिनिधि	:	श्री राजीव टकरू अपर सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय (मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में भी 22.02.2012 **तक सशक्त)(पूर्वाह्न)**
अंश कालिक सदस्य	:	डॉ. जॉर्ज वर्गिस **(22.11.2011 तक)**
	:	श्री सुनील कपूर
	:	श्री सुमन दुबे
	:	श्री मुज्ज़फ़र अली **(22.11.2011 तक)**
	:	श्री विक्रम कौशिक **(7.6.2011 को 103वीं बैठक से)**
	:	प्रो. एस. के. बरूआ **(6.9.2011 को 104वीं बैठक से)**
पदेन सदस्य	:	श्री एल. डी. मंडलोई आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के महानिदेशक के रूप में **(1.4.2011 से 28.7.2011 तक)** **आकाशवाणी के महानिदेशक के रूप में (29.7.2011 से)**
	:	श्री त्रिपुरारी शरण, **महानिदेशक, दूरदर्शन (29.7.2011 से)**

संगठनात्मक ढांचा

प्रसार भारती बोर्ड शीर्ष स्तर पर कार्य करते हुए संगठन की नीतियों के निर्माण और कार्यान्वयन और प्रसार भारती अधिनियम 1990 में दिए गए जनादेश का पालन सुनिश्चित करता है। कार्यकारी सदस्य, निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य करता है। प्रसार भारती सचिवालय में कार्यरत विभिन्न विषयों से संबंधित अधिकारी कार्यों,संचालन, योजनाओं और नीतियों के कार्यान्वयन को संगठित करने में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) को सहयोग देते हैं, साथ ही वे निगम के बजट, लेखा और सामान्य वित्तीय मामलों की देख–रेख करते हैं।

मुंबई, नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नै, बंगलौर, जालंधर और हैदराबाद में स्थित प्रसार भारती विपणन कार्यालय आकाशवाणी एवं दूरदर्शन दोनों के विपणन संबंधी कार्यों की देख–रेख करते हैं।

प्रसार भारती मुख्यालय में एकीकृत सतर्कता व्यवस्था भी है, जिसके प्रमुख मुख्य सतर्कता अधिकारी हैं।

आकाशवाणी महानिदेशालय और दूरदर्शन महानिदेशालय दोनों के प्रमुख, महानिदेशक हैं।

आकाशवाणी

महानिदेशक आकाशवाणी, आकाशवाणी नेटवर्क के संपूर्ण प्रशासन के प्रति उत्तरदायी हैं। इस नेटवर्क में दिनांक 01.04.2012 की स्थिति के अनुसार 277 आकाशवाणी केंद्र और 433 प्रसारण ट्रांसमिटर हैं जिसमें से 148 मीडियम वेव, 237 एफएम (फ्रीक्वेंसी मॉड्यूलेशन) और 48 शॉर्ट वेव ट्रांसमिटर हैं। आकाशवाणी में निम्नलिखित अधिकारी कर्तव्यों के निर्वहन में महानिदेशक की सहायता करते हैं :–

कार्यक्रम स्कंध

आकाशवाणी मुख्यालय में महानिदेशक की सहायता अपर महानिदेशक और केन्द्रों की देख–रेख व उत्तम पर्यवेक्षण के लिए क्षेत्रों के अपर महानिदेशक करते हैं। क्षेत्रीय अपर महानिदेशकों के मुख्यालय कोलकाता (पू.क्षे.), मुंबई (प.क्षे.–।, प.क्षे.–।।), लखनऊ (म.क्षे.–।), भोपाल (म.क्षे.–।।) और गुवाहाटी (उ.पू.क्षे.–। तथा ।।), चैन्ने (द.क्षे.–।) तथा बंगलुरू (द.क्षे.–।।), दिल्ली (उ.क्षे.–।।), चंडीगढ़ (उ.क्षे.–।) में स्थित हैं।

अभियांत्रिकी स्कंध

आकाशवाणी के तकनीकी मामलों में मुख्यालय में तैनात प्रमुख अभियंता, अपर महानिदेशक (इंजीनियरी) तथा क्षेत्रीय अपर महानिदेशक, महानिदेशक की सहायता करते हैं। आकाशवाणी की विकास योजनाओं में महानिदेशक की सहायता करने के लिए आकाशवाणी मुख्यालय में एक योजना एवं विकास एकक है। सिविल निर्माण गतिविधियों के संबंध में महानिदेशक के सहायतार्थ सिविल निर्माण स्कंध है जिसके प्रमुख मुख्य अभियंता हैं। सी सी डब्ल्यू दूरदर्शन की आवश्यकताओं को भी पूरा करता है।

प्रशासनिक स्कंध

सभी प्रशासनिक मामलों में उपमहानिदेशक (प्रशासन) और कार्यक्रम कार्मिकों के प्रशासनिक मामलों में अपर महानिदेशक (कार्यक्रम), महानिदेशक की सहायता करते हैं। आकाशवाणी के इंजीनियरिंग प्रशासन को एक निदेशक देखता है, जबकि प्रशासनिक और वित्तीय मामलों में निदेशक (प्रशासन एवं वित्त) महानिदेशक की सहायता करते हैं।

सुरक्षा स्कंध

आकाशवाणी की संस्थापनाओं, ट्रांसमीटरों, स्टुडियो कार्यालयों आदि की सुरक्षा से जुड़े मामलों में उपमहानिदेशक (सुरक्षा) की सहायता सहायक महानिदेशक (सुरक्षा) एवं एक उपनिदेशक (सुरक्षा) करते हैं। दूरदर्शन की सुरक्षा आवश्यकताओं की देख–रेख भी इन्हीं अधिकारियों द्वारा की जाती है।

श्रोता अनुसंधान स्कंध

आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों पर श्रोता अनुसंधान सर्वेक्षण करने में, महानिदेशक की सहायता श्रोता अनुसंधान का निदेशक करता है।

आकाशवाणी के अधीनस्थ कार्यालयों की संक्षिप्त गतिविधियां

आकाशवाणी के कई अधीनस्थ कार्यालय हैं, जो कि विशिष्ट कार्य करते हैं। उनकी बृहत गतिविधियों का संक्षेप में वर्णन इस प्रकार है:–

समाचार सेवा प्रभाग

समाचार सेवा प्रभाग, दिन–रात देश और विदेश में लगभग 647 समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है। ये बुलेटिन भारतीय और विदेशी भाषाओं में प्रसारित होते हैं। इस प्रभाग के प्रमुख महानिदेशक, समाचार हैं। इसमें 44 क्षेत्रीय समाचार युनिट हैं जहां क्षेत्रीय समाचार तैयार होते हैं जो समाचार राष्ट्रीय/क्षेत्रीय समाचार को इनपुट उपलब्ध कराते हैं।

विदेश सेवा प्रभाग

आकाशवाणी का विदेश सेवा प्रभाग 27 भाषाओं (16 विदेशी और 11 भारतीय) में कार्यक्रम प्रसारित करता है। ये सेवाएं प्रतिदिन 72 घंटे की होती हैं और 100 से अधिक देशों में सुनी जा सकती हैं।

प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा

प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा, आकाशवाणी केन्द्रों के बीच कार्यक्रम विनिमय का कार्य करती है, साथ ही ध्वनि अभिलेखागार के निर्माण व अनुरक्षण के साथ–साथ प्रसिदध् संगीतज्ञों की अनमोल रिकॉर्डिंग का व्यापारिक लोकार्पण जारी करती है और उसका विपणन जारी है।

अनुसंधान विभाग

अनुसंधान विभाग का कार्य आकाशवाणी एवं दूरदर्शन द्वारा अपेक्षित उपस्करों का अनुसंधान और विकास करना तथा आकाशवाणी और दूरदर्शन संबंधी जांच एवं कार्य अध्ययन करना है। इसके साथ ही इसके कार्यक्षेत्र में आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के नेटवर्क के सीमित क्षेत्रों में फील्ड ट्रायल हेतु आर एंड डी उपकरण के प्रोटोटाइप मॉडल का विकास करना भी सम्मिलित है।

केन्द्रीय भंडार कार्यालय

नई दिल्ली में स्थित केन्द्रीय भंडार कार्यालय का कार्य आकाशवाणी केंद्रों में तकनीकी उपस्करों के रखरखाव हेतु अपेक्षित अभियांत्रिकी सामान की खरीद, भंडारण और वितरण है।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम)

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) की स्थापना 1948 में महानिदेशालय में की गई थी। संस्थान अब किंग्ज़वे कैंप, दिल्ली में स्थित है तथा कार्यक्रम संबंधी स्टाफ़ और प्रशासनिक स्टाफ़ को सेवाकालीन प्रशिक्षण देता है और नए भर्ती हुए कर्मचारियों को प्रवेश पाठ्यक्रम एवं अल्पकालिक पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षण देता है। यह प्रशासनिक संवर्ग के कर्मचारियों के लिए विभागीय परीक्षाएं भी संचालित करता है।

इसके अतिरिक्त भुवनेश्वर, हैदराबाद, शिलांग, लखनऊ, अहमदाबाद और तिरुवनन्तपुरम में भी क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान हैं।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी)

महानिदेशालय के भाग के तौर पर किंग्ज़वे कैंप में स्थित कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) सन् 1948 से कार्य कर रहा है। यह संस्थान तकनीशियन से लेकर अधीक्षण अभियंता के स्तर तक के आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के इंजीनियरिंग स्टाफ के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन करता है। यह विभागीय और प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं का संचालन भी करता है। इस समय एक क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) भुवनेश्वर में है।

विज्ञापन प्रसारण सेवा तथा विविध भारती

विशेष रूप से विविध भारती केन्द्रों सहित 37 विविध भारती तथा विज्ञापन प्रसारण सेवा केन्द्र हैं। विज्ञापन प्रसारण सेवा केन्द्र प्राथमिक चैनलों तथा विविध भारती चैनलों पर विज्ञापन समय के विपणन के लिए उत्तरदायी हैं। विज्ञापन प्रसारण सेवा केन्द्र विज्ञापन समय के ब्रिकी, बिलिंग, लेखों, ग्राहक सेवा, एजेंसी पंजीकरण आदि के लिए मुंबई स्थित शीर्ष बिक्री कार्यालय केन्द्रीय बिक्री एकक के साथ समन्वय करता है।

दूरदर्शन

दूरदर्शन के प्रमुख महानिदेशक हैं। कार्यक्रम स्कंध में उपमहानिदेशक (कार्यक्रम), अभियांत्रिकी स्कंध में प्रमुख अभियंता, प्रशासन और वित्त स्कंध में अपर महानिदेशक (प्रशा. एवं वित्त) तथा समाचार एवं सामयिकी स्कंध में अपर महानिदेशक (समाचार) उनकी सहायता करते हैं।

कार्यक्रम स्कंध

आकाशावाणी की भांति दूरदर्शन में भी उपमहानिदेशक राष्ट्रीय क्षेत्रीय और आंचलिक स्तर पर कार्यक्रम प्रबंधन, प्रसारण और उपार्जन से संबंधित सभी कार्यों की देखरेख करते हैं। उनकी सहायता के लिए निदेशक/उपनिदेशक (कार्यक्रम) होते हैं। ये अधिकारी दूरदर्शन के कार्यक्रम संवर्ग से जुड़े हैं।

समाचार स्कंध

दूरदर्शन का समाचार स्कंध राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर दूरदर्शन चैनलों में प्रसारित सभी बुलेटिनों एवं अन्य समसामयिक कार्यक्रमों के उपार्जन संपादन एवं प्रसारण का उत्तरदायित्व उठाता है। समाचार स्कंध के प्रमुख महानिदेशक (समाचार) हैं।

इंजीनियरिंग विंगः

अभियांत्रिकी स्कंध प्रमुख अभियंता, अभियांत्रिकी स्कंध के प्रमुख हैं। उनकी सहायता के लिए दिल्ली, मुबई, चैन्ने, कोलकाता और गुवाहाटी में स्थित निदेशालय और आंचलिक कार्यालय के मुख्य अभियंता और निदेशक होते हैं। योजना, सिस्टम डिज़ाइन, परियोजना कार्यान्व्यन, प्रचालन और अनुरक्षण, मानव संसाधन एवं प्रशिक्षण जैसी गतिविधियों सहित संपूर्ण अनुरक्षण और तकनीकी गतिविधियों का दायित्व भी प्रमुख अभियंता पर है।

प्रशासन एवं वित्त

दूरदर्शन के प्रशासन एवं वित्त स्कंध के प्रमुख अपर महानिदेशक (प्रशा. एवं वित्त) हैं जो आंतरिक वित्तीय सलाहाकार के रूप में भी कार्य करते हैं और ये सामान्य प्रशासन, कार्मिक प्रबंधन, बजट और योजना समन्व्य एवं वित्त मामलों में महानिदेशक को सहयोग देते हैं। अपर महानिदेशक की सहायता के लिए उप महानिदेशक/उप निदेशक प्रशासन एवं वित्त होते हैं।

स्वीकृत पदसंख्या

आकाशवाणी में कार्यरत कर्मियों की स्कंधवार स्वीकृत पदसंख्या निम्नानुसार हैं :–

स्कंध	आकाशवाणी	दूरदर्शन
कार्यक्रम	6,915	3,764
समाचार स्कंध	232	170
अभियांत्रिकी	6,140	12,122
सी सी डब्ल्यू	1,457	–
आकाशवाणी मुख्यालय	810	–
प्रशासनिक (आकाशवाणी केन्द्र)	10,768	5,644
कुल	26,322	21,700

प्रसार भारती – लोक सेवा प्रसारक

प्रसार भारती की पहुंच आकाशवाणी (एआईआर) और दूरदर्शन (डीडी) नेटवर्क के माध्यम से अधिकतम जनसंख्या तक है और यह दुनिया के सबसे बड़े भूस्थलीय नेटवर्क में से एक है। प्रसार भारती – आकाशवाणी और दूरदर्शन की सामाजिक जिम्मेदारी, नेटवर्क की क्षमता के अनुरूप, बड़ी व्यापक है क्योंकि यह देश भर में लोगों तक पहुंचता है। पिछले वर्षों में प्रसार भारती ने प्रसार भारती अधिनियम की धारा 12 में निर्दिष्ट अपने विधायी आदेश को सफलतापूर्वक पूरा करके लोक सेवा प्रसारक की अपनी भूमिका सही सिद्ध की।

संभवतः दूरदर्शन और आकाशवाणी ही ऐसे मीडिया है जो लोक हित, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय सभी मामलों को स्वतंत्रतापूर्वक, सही और उद्देश्यपूर्ण ढंग से सूचित करते हुए नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित रखते हैं और ठीक तथा संतुलित सूचना प्रदान करते हैं जिसमें अपनी ओर से किसी राय या आदर्श का पक्ष लिए बगैर पक्ष–विपक्ष दोनों को शामिल किया जाता है। इनके विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से इस संगठन ने देश की एकता और अखण्डता और संविधान में उद्धृत मूल्यों को बनाए रखने का हमेशा प्रयास किया है।

इस संगठन ने शैक्षिक स्तर और शिक्षा विस्तार, कृषि ग्रामीण विकास, पर्यावरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया है। इसने समुचित कार्यक्रमों के प्रसारण द्वारा देश के विभिन्न क्षेत्रों की अलग–अलग संस्कृति और भाषा का समुचित कवरेज उपलब्ध करवाया है। युवाओं की विशेष आवश्यकताओं, महिलाओं की स्थिति और समस्या, सामाजिक न्याय, कर्मी वर्गों का कल्याण, अल्पसंख्यक और आदिवासी समुदाय की विशेष आवश्यकताएं बाल एवं दुर्बल वर्ग आदि के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समुचित कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया।
प्रसार भारती जैसे लोक सेवा प्रसारक के लिए यह आवश्यकता 800 से ज्यादा चैनलों को देखते हुए जो कि केवल व्यावसायिक कार्यक्रमों पर केंद्रित है, और बढ़ गई है। प्रसार भारती अत्यधिक व्यावसायिक इलैक्ट्रानिक्स मीडिया पर्यावरण में प्रसार भारती ही केवल एक संतुलित शक्ति के रूप में है। वास्तव में, प्रसार भारती द्वारा एक समयावधि में विकसित नैतिक मूल्यों और दिशानिर्देशों को इस उद्योग के लिए निर्देश चिह्न के रूप में देखते हैं।

प्रसार भारती–नीतिगत पहलें

प्रसार भारती बोर्ड ने वर्ष 2011–2012 में छः बैठकें (अर्थात 102वीं से 107वीं तक) आयोजित कीं जिसमें बहुत से नीतिगत और प्रशासनिक निर्णय लिए गए। ये निर्णय न केवल संगठन की लोक प्रसारक आकाक्षांओं का, अपितु प्रतिस्पर्धी वातावरण और तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के उद्देश्य को पूरा करते हैं। वर्ष के दौरान लिए गए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय निम्न प्रकार हैं:–

- डीटीएच प्लेट फार्म पर चैनलों के आबंटन हेतु ई–बोली प्रणाली की शुरूआत।
- दूरदर्शन के डीटीएच प्लेटफार्म की क्षमता का विस्तार।
- नए आकाशवाणी एफ एम रेडियो केंद्र बनाने के लिए आकाशवाणी को रू.300 करोड़ का आबंटन।
- प्रसार भारती सचिवालय संगठन की सरंचना।

प्रसार भारती सचिवालय में हिंदी का प्रगामी प्रयोग

प्रसार भारती सचिवालय का हिंदी अनुभाग दैनंदिन हिंदी एवं राजभाषा की नीतियों के कार्यान्वयन में रत है।

हिंदी अनुभाग नियमित रूप से निम्नलिखित गतिविधियां करता है:–

- प्रसार भारती की वार्षिक रिपोर्ट।
- ऑडिट रिपोर्ट।
- संसदीय प्रश्न।
- लेखा रिपोर्टें।
- अन्य रिपोर्ट और रिटर्न जब कभी ऐसा काम सौंपा जाए।
- सूचना अधिकार अधिनियम के जवाब का हिंदी अनुवाद।
- हिंदी की तिमाही प्रगति रिपोर्टें।
- सभी बैठकों की कार्यसूचियॉ और कार्यवृत्तों का हिंदी अनुवाद तैयार करना।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकों का आयोजन एवं कार्यवृत्त जारी तथा कार्यान्वित करना।
- राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी पत्राचार का हिंदी अनुवाद।
- हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन।
- हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी, हिंदी टंकण/आशुलिपि प्रशिक्षण दिलवाना।
- हिंदी दिवस/पखवाड़े इत्यादि और हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।
- आदेशानुसार हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए अन्य गतिविधियों का आयोजन करना।

प्रसार भारती – एक नजर में वर्ष

प्रसार भारती ने प्रसार भारती अधिनियम 1990 की धारा 12 में उल्लिखित उद्देश्यों एवं कार्यों पर अपना ध्यान केन्द्रित रखा। वर्ष 2011–12 के दौरान आकाशवाणी एवं दूरदर्शन ने कार्यक्रम एवं तकनीकी क्षेत्रों में सभी मुख्य कार्य निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप पूरे किए। निगम के लक्ष्यों एवं कार्यकलापों के शेष संदर्भ में वर्ष के दौरान हुई गतिविधियों का और की गई पहलों का संक्षिप्त रूप से वर्णन इस प्रकार है:–

आकाशवाणी की गतिविधियां

वर्ष 2011–12 के दौरान उपलब्धियां

कार्यक्रम गतिविधियां

- दिनांक 24.04.2011 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली से राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के उद्घाटन सत्र का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 7.5.2011 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली से गुरूदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर के 150 वें जन्मदिवस के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 13.05.2011 को अतिरिक्त समाचार बुलेटिनों सहित 9.00 बजे प्रातः से 2.00 बजे सायं के दौरान निर्धारित हिंदी तथा अंग्रेजी में समाचार बुलेटिनों को शामिल करते हुए असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुदुच्चेरी तथा केरल में विधानसभा चुनावों के परिणामों पर विशेष समग्र लाइव कार्यक्रम।
- दिनांक 13.05.2011 को असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुदुच्चेरी तथा केरल में विधानसभा चुनावों के परिणामों के संबंध में रेडियो ब्रिज कार्यक्रम।
- संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर दिनांक 23.05.2011 को प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के 22.05.2011 को दिए गए भाषण की रिकार्डिंग का प्रसारण।
- दिनांक 24.05.2011 को आदिस अबाबा में दूसरे अफ्रीका इंडिया फोरम सम्मिट में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के संबोधन की रिकार्डिंग का प्रसारण।
- दिनांक 09.07.2011 को केन्द्रीय सभागार, संसद भवन से सार्क सभापतियों तथा संसद सदस्यों के संगठन के पांचवें सम्मेलन के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 12.07.2011 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली से मंत्रिपरिषद में नए सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 16.07.2011 को एन ए एस सी काम्पलेक्स, डी पी एस मार्ग, नई दिल्ली से 83वें आई सी ए आर फाउंडेशन दिवस का सीधा प्रसारण।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के संबंध में निम्नलिखित कार्यक्रम प्रसारित किए गए–

(i) माननीया राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल द्वारा 14.08.2011 को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संदेश का हिंदी तथा अंग्रेजी में प्रसारण। संबंधित आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा क्षेत्रीय भाषा संस्करणों का भी प्रसारण किया गया।

(ii) दिनांक 15.08.2011 को माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा लाल किला, दिल्ली पर ध्वज फहराने के समारोह तथा राष्ट्र को संबोधन पर हिंदी तथा अंग्रेजी में लाइव कमेंट्री।

(iii) दिनांक 15.08.2011 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न समोराहों पर रेडियो रिपोर्ट।

- दिनांक 5.9.2011 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में माननीया राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा अवार्ड–2010 के वितरण समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 8.9.2011 को मानेकशा केन्द्र, परेड रोड, धौला कुंआ, नई दिल्ली से अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 9.9.2011 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली से 58वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वितरण समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 9.9.2011 को 58वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वितरण समारोह पर रेडियो रिपोर्ट।
- हिंदी दिवस की पूर्वसंध्या पर 13.9.2014 को केंदीय गृहमंत्री पी.चिदंवरम के संदेश का प्रसारण।
- 14.09.2014 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में हिंदी दिवस के अवसर पर सीधा प्रसाारण।
- दिनांक 15 सितंबर, 2011 को नई दिल्ली में 'प्रिवेंटिंग एंड रिसपांडिंग टू वायलेंस अगेंस्ट वीमेन एंड गर्ल्स फ्राम लेजिसलेशन टू इफैक्टिव एनफोर्समेंट' पर एशियाई संसदों के क्षेत्रीय सेमिनार के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 24.09.2011 को यू एन महापरिषद में दिए गए प्रधानमंत्री के भाषण के सीधे प्रसारण सहित समग्र द्विभाषी लाइव विचार विमर्श।
- दिनांक 24.09.2011 को यू एन महापरिषद में प्रधानमंत्री के भाषण की रिकार्डिंग का प्रसारण।
- दिनांक 2.10.2011 को राष्ट्रपिता और पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री की वर्षगांठ के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों की रेडियो रिपोर्ट।

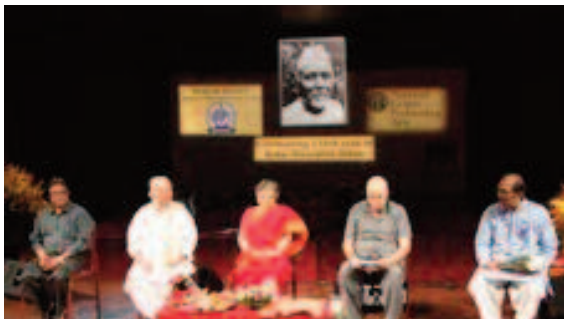

रेडियो समारोह में प्रसार भारती की अध्यक्ष, श्रीमती मृणालं पांण्डे

दुष्यन्त कुमार स्मृति व्याखान

- दिनांक 28.09.2011 को एन.डी.एम.ए. के 24वें स्थापना दिवस के अवसर पर ''आपदा प्रबंधन'' विषय पर मेजर जनरल आर.के. कौशल, राष्ट्रीय सलाहकार, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ विशेष साक्षात्कार का प्रसारण।
- 13.10.2011 को सिक्किम में भूकंप राहत कार्य पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 13.10.2011 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली से प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा श्रम पुरस्कार के वितरण समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 15.10.2011 को विज्ञान भवन में आयोजित केन्द्रीय सूचना आयोग के छठे वार्षिक सम्मेलन पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 31.10.2011 को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 27वीं पुण्य तिथि पर 1, अकबर रोड से मैमोरियल कंसर्ट का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 31.10.2011 को तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय संघटन पुरस्कार

समारोह का सीधा प्रसारण।

- दिनांक 31.10.2011 को श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि की याद में राजधानी में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 31.10.2011 को श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि पर राजधानी में आयोजित विभिन्न समारोहों पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 10.11.2011 को अदू सिटी, मालदीव में 17वें सार्क सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री के भाषण के सीधे प्रसारण सहित लाईव द्विभषी विचार–विमर्श।
- दिनांक 10.11.2011 को अदूसिटी, मालदीव में 17वें सार्क सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा दिए गए भाषण की रिकार्डिंग का प्रसारण।
- दिनांक 11.11.2011 को राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर वर्ष भर के 'शिक्षा का हक अभियान' नामक राष्ट्रीय अभियान की शुरूआत के अवसर पर हरियाणा के मेवात जिले में नुह में कार्यक्रम पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 11.11.2011 को नई दिल्ली में आयोजित एशिया–पेसेफिक ब्राडकास्टिंग यूनियन (ए बी यू) महापरिषद तथा अन्य संबंधित समारोहों पर समेकित रिपोर्ट।
- दिनांक 12.11.2011 को प्रसारण भवन में महात्मा गांधी के दौरे की 64वीं वर्षगांठ की याद में 'लोक सेवा प्रसारण दिवस' के अवसर पर प्रसारण भवन के परिसर से विशेष समारोह का सीधा प्रसारण।
- प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा मालदीव की संसद में दिनांक 12.11.2011 को दिए गए भाषण की रिकार्डिंग का प्रसारण।
- हैदराबाद में आयोजित भारत के 17वें अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म समारोह के संबंध में निम्नलिखित कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया:
  (i) दिनांक 13.11.2011 को कर्टेन रेज़र।
  (ii) दिनांक 14.11.2011 को उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण।
  (iii) दिनांक 15.11.2011 से 19.11.2011 तक प्रतिदिन रेडियो रिपोर्टें।
  (iv) दिनांक 20.11.2011 को समापन समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 14.11.2011 को 31वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के उद्घाटन समारोह पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 22.11.2011 को पणजी, गोवा में 42वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पर कर्टेन रेज़र।
- दिनांक 23 नवंबर 2011 तथा 3 दिसंबर 2011 को क्रमशः 42वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन तथा समारोह का पणजी, गोवा से सीधा प्रसारण। दिनांक 24 नवंबर, 2011 से 3 दिसंबर 2011 तक भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पर प्रतिदिन रेडियो रिपोर्ट।
- श्रीमती इंदिरा गांधी के जन्मदिवस की याद में 19.11.2011 को समारोहों पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 3.12.2011 को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग व्यक्ति दिवस के अवसर पर विकलांग व्यक्तियों के सशक्तीकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कारों के वितरण समारोह का सीधा प्रसारण।

- 13 दिसंबर 2001 को संसद पर आंतकवादी हमले के दौरान अपना जीवन न्यौछावर करने वाले शहीदों को पुष्प श्रद्धांजली हेतु संसद भवन से 13 दिसंबर 2011 को समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 18.12.2011 को नए मंत्रिपरिषद सदस्यों के शपथग्रहण समारोह का राष्ट्रपति भवन से सीधा प्रसारण।
- दिनांक 19.12.2011 को मुंबई में राष्ट्रपति के फ्लीट रिव्यू पर कर्टेन रेज़र।
- दिनांक 20.12.2011 को मुंबई में आयोजित राष्ट्रपति के फ्लीट रिव्यू का सीधा प्रसारण तथा राष्ट्रपति के फ्लीट रिव्यू पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 20.12.2011 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए एस आई के) के 150वें वर्षगांठ समारोह के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 3.1.2012 को आई आई टी, भुवनेश्वर में आयोजित 99वीं राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 7.1.2012 को भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के समापन समारोह पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 8.1.2012 और 9.1.2012 को जयपुर में प्रवासी दिवस समारोह के उद्घाटन सत्र और विदायी सत्र का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 8.1.2012 तथा 9.1.2012 को जयपुर में आयोजित प्रवासी भारतीय दिवस समारोह पर समग्र रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 23.1.2012 को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जन्म दिवस के संबंध में दिल्ली में आयोजित विभिन्न समारोहों पर रेडियो रिपोर्ट।

गणतंत्र दिवस–2012 समारोह के संबंध में निम्नलिखित कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया:

(i) गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर दिनांक 25.1.2012 को माननीया राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल का राष्ट्र के नाम संदेश।

(ii) दिनांक 25.1.2012 को कवियों की राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिकार्डिंग का प्रसारण।

(iii) दिनांक 26.1.2012 को नई दिल्ली में जनपथ से गणतंत्र दिवस परेड तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण।

(iv) दिनांक 29.1.2012 को बीटिंग रिट्रीट समारोह पर रेडियो रिपोर्ट।

- दिनांक 30.1.2012 को महात्मा गांधी के शहीदी दिवस पर नई दिल्ली में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 18.2.2012 को राष्ट्रपति भवन में माननीया राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल द्वारा साक्षर भारत यात्रा के उद्घाटन पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 18.2.2012 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित दूसरे राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो सम्मेलन के उद्घाटन सत्र पर रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 20.2.2012 को बी पी पाल ऑडीटोरियम, आई ए आर आई दिल्ली से भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आई ए आर आई) के स्वर्ण जयंती दीक्षांत का सीधा प्रसारण।

- दिनांक 20.2.2012 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित दूसरे राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो सम्मेलन के विदाई सत्र पर एक रेडियो रिपोर्ट।
- दिनांक 12.3.2012 को बजट सत्र के प्रथम दिन संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को माननीय राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल का संबोधन।
- दिनांक 14.3.2012 को केन्द्रीय रेल मंत्री, श्री दिनेश त्रिवेदी द्वारा लोक सभा में रेल बजट 2012–13 पेश करने का सीधा प्रसारण।
- केन्द्रीय वित्त मंत्री, श्री प्रणव मुखर्जी द्वारा दिनांक 16.3.2012 को लोकसभा में केन्द्रीय बजट 2012–13 पेश करने का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 5.3.2012 के अफ्रीकी एशियाई ग्रामीण विकास संगठन के स्वर्ण जयंती समारोह का सीधा प्रसारण।
- दिनांक 10.3.2012 को 43वें सी आई एस एफ दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर श्री एच वी चतुर्वेदी, इंस्पेक्टर जनरल का संदेश।
- दिनांक 29.3.2012 को नई दिल्ली में आयोजित बी आर आई सी एस सम्मेलन पर विशेष कार्यक्रम, सम्मेलन पर शुरूआती विचार–विमर्श के पश्चात प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह सहित उच्चाधिकारियों के भाषणों का सीधा प्रसारण तथा उसके पश्चात लाइव विचार–विमर्श।
- जब भी जानकारी प्राप्त हुई विभिन्न महत्वपूर्ण राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं की कवरेज।

राज्य विधानसभा चुनाव

- गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड राज्य विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय चुनाव आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुसार राजनैतिक दलों के प्रसारण आयोजित किए गए।
- दिनांक 6.3.2012 गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड में राज्य विधान सभाओं के आम चुनाव के संबंध में विशेष कम्पोजिट लाइव कार्यक्रम तथा लाइव फोन–इन कार्यक्रम।
- भारतीय चुनाव आयोग के चरणबद्ध मतदाता शिक्षा और मतदान सहभागिता (एस वी ई ई पी) अभियान सहायक कार्यक्रमों का आकाशवाणी केन्द्रों विशेष रूप से उन राज्यों जहां पर विधानसभा चुनाव होने वाले थे, जो कि गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड।

भारतीय शास्त्रीय संगीत तथा आकाशवाणी हिन्दुस्तानी संगीत

अप्रैल, 2011 से मार्च 2012 के बीच संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम और रविवासरीय अखिल भारतीय संगीत सभा में निम्नलिखित विख्यात कलाकारों को शामिल किया गया:

रामूप्रसाद शास्त्री (वायलिन), उमा कांत रमा कांत गुंडेचा (ध्रुपद धमार), वरूण कुमार पॉल (गिटार), जयश्री पाटनेकर (गायन), सुनीलकांत गुप्ता (बांसुरी), पंडित अजय चक्रवर्ती (गायन), बाबूलाल गंर्धव (बेला बहार), पंडित लक्ष्मण दास सिंधू (सुगम शास्त्रीय गायन), मदन शंकर मिश्र (सितार), पंडित चितरंजन ज्योतिषी (गायन), पंडित रमेश प्रेम (विचित्र वीणा), पंडित तोताराम (पखावज), विदुषी शन्नो खुराना (गायन), पंडित

अरविन्द पारिख (सितार), मोहम्मद मोहातरम साबरी (सितार), बी एस नारंग (गायन), उस्ताद शौकत हुसैन (गायन), श्रीमती गीता बनर्जी (सुगम संगीत गायन), श्रीमती पुष्पराज कोष्टी (सुरबहार), एम. वेंकटेश कुमार (गायन), देबो प्रसाद चक्रवर्ती (सितार), साधना देशमुख मोहिते (गायन), अविनिंदर श्योलिकार (सितार), शुभदा प्राडकर (गायन), मानस कुमार छमोह (वायलिन), नंद किशोर (तबला), श्रुति नितिन गोखले (गायन), हरशंकर भट्टाचार्य (सितार), अभय फागरे (बांसुरी), विद्या धर व्यास (गायन), मोहमूद खान (सितार), तथा शरद सुतावाना (गायन)।

अखिल भारतीय लोकगीत और सुगम संगीत समेल्लन

पण्डवानी – उषा बाई बारले एवं साथी

आकाशवाणी ने 2011 में आकाशवाणी संगीत सम्मेलन आयोजित किया। निम्नलिखित प्रतिभाशाली कलाकारों ने सम्मेलन में प्रस्तुति की:–

सतीश प्रकाश कमार, रामदेश पाण्डे, रत्नाकर गोखले, प्रकाश संगीत, विदुषी पूर्णिमा चौधरी, मुस्तफा रजा, कमल भौंडे, संगीता शंकर, हरविंदर कुमार शर्मा, मोहन लाल मिश्रा, विदुषी कृष्णा चक्रवर्ती, कमल कामले, विकास कासलकर, पंडित रोनू मजूमदार, पंडित कैवल्य कुमार गौरव, पंडित मणि प्रसाद, पुरबायन चटर्जी, पंडित समरेश चौधरी, विपुल कुमार राय, उदय भावलकर, विनायक तोरवी, सतीश चंद्र, विदुषी अश्वनी भिडे देशपाण्डे, उस्ताद मजहर अली तथा जावेद अली और अनुपमा महाजन।

आकाशवाणी रेडियो संगीत सम्मेलन में पंडित हरिप्रसाद चौरसिया

वसंती संगीत संध्या

आकाशवाणी ने फरवरी 2012 के दौरान जालंधर, पटियाला, शिमला, उदयपुर, जयपुर, जोधपुर, कोटा तथा अजमेर में स्टॉफ कलाकारों द्वारा शास्त्रीय संगीत कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया।
आकाशवाणी ने आकाशवाणी संगीत सम्मेलन के समान क्षेत्रीय लोक और सुगम संगीत समारोह भी शुरू

किया। आकाशवाणी संगीत सम्मेलन तथा क्षेत्रीय लोक और सुगम संगीत का उद्देश्य हमारे देश की बहुमूल्य सांस्कृतिक धरोहर को बढावा देना और उसका प्रचार–प्रसार करना है।

आकाशवाणी संगीत प्रतियोगिता नई प्रतिभाओं की खोज के लिए आकाशवाणी का एक नियमित कार्यक्रम है। वर्ष 2011 के लिए क्रमशः हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत के लिए ये प्रतियोगिताएं क्रमशः दिल्ली और चैन्नई में आयोजित की गईं।

कर्नाटक संगीत

वित्त वर्ष अर्थात अप्रैल, 2011 से मार्च, 2012 की शुरूआत दिनांक 15 से 17 अप्रैल, 2011 में चैन्नई में आयोजित त्रिमूर्ति और अन्य वग्गयकारा संगीत समारोह से हुई। इस समारोह में युवा तथा प्रसिद्ध दोनों तरह के कलाकारों ने अवसर की शोभा बढाई। त्यागराज रचना श्रीमती गीता राजशेखर द्वारा, रामनांदपुरम श्रीनिवास इंयगर रचना श्री डी वी मोहनकृष्णा, श्यामा शास्त्री रचना श्रीमती विजयलक्ष्मी सुब्रामणियन, इराईमन थाम्बी रचना चेप्पड श्री ए ई वामनन नंबूदरी, मुथ्थुस्वामी दीक्षितार रचना श्री ए सदाशिवम, जयचामराजा वोडियार रचना डॉ. नागावल्ली नागराज द्वारा प्रस्तुत की गई। इन कार्यक्रमों का प्रसारण जून से जुलाई 2011 के दौरान राष्ट्रीय संगीत कार्यक्रम में किया गया।

तुरंत बाद दूसरा महत्वपूर्ण आयोजन आकाशवाणी संगीत प्रतियोगिता 2010 (कर्नाटक संगीत) पुरस्कार वितरण समारोह था जिसमें पुरस्कार विजेताओं द्वारा संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जो कि अप्रैल में चेन्नई में आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष हुआ।

वर्ष 2011 के लिए राष्ट्रीय लोक तथा सुगम संगीत समारोह दक्षिण भारतीय विशेषज्ञों के लिए दक्षिण भारत में कोयम्बटूर, शिमोगा (भद्रावती) तथा विजयवाडा में आयोजित हुआ जिसमें तमिल सुगम संगीत श्रीमती उषा रंजन (चेन्नई), मलयालम सुगम संगीत श्री वी. मुरलीधरन (तिरूवनंतपुरम), तमिल सुगम संगीत श्री टी. कोट्टाई सामी और पार्टी (मदुरई), कन्नड सुगम संगीत सुश्री सी. पुष्पलता (मैसूर), मलयालम लोक संगीत श्री सी.के. कुन्हीरामन (कोझीकोड), कन्नड सुगम संगीत श्रीमती रेणुका नकोड (धारवाड), तेलुगू सुगम संगीत श्री कालगा कृष्ण मोहन (हैदराबाद), मलयालम सुगम संगीत श्री के वी अबूटी (कोझीकोड), तथा तेलुगू लोक संगीत श्री पत्री कुमार स्वामी (हैदराबाद) द्वारा प्रस्तुत किए गए।

इस वर्ष आकाशवाणी संगीत सम्मेलनों की संगोष्ठी एक अन्य प्रमुख आयोजन था। इस वर्ष आकाशवाणी संगीत सम्मेलनों की संगोष्ठी 25 सितंबर 2011 को 24 जगहों पर आयोजित की गईं जिनमें देश भर की 12 जगहों पर कर्नाटक संगीत शामिल था तथा इनमें देश के जाने माने तथा प्रतिभावान कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी। इन संगोष्ठियों में शामिल होने वाले कर्नाटक संगीत के कलाकारों में श्री संजय सुब्रामनियन (गायन), श्री एस शंकर (गायन), डा. एल सुब्रामनियन (वायलिन), श्री मन्नरागुड्डी ई एसवरन (मृदंगम), श्रीमती रंजनी और श्रीमती गायत्री (गायन डुएट), श्री कलाहस्ती सुब्रामनियन (नागस्वरम) तथा श्री डी श्रीनिवास (वीणा) शामिल थे।

इन संगीत सम्मेलनों की रिकार्डिंगों का प्रसारण 22.10.2011 से 1.12.2011 तक किया गया।

दिनांक 13 जनवरी 2012 को संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम में **त्यागराजा अराधना संगीत महोत्सव** का **तिरूवायारू** से और इसके साथ ही संत रचनाकार त्यागराजा के **165वें आराधना महोत्सव अवसर** पर उसी

दिन अर्थात **13 जनवरी, 2012** को पंचरत्न गोष्ठी गणम् का भी सीधा प्रसारण किया गया।

कृषि एवं गृह प्रसारण

आकाशवाणी का कृषि एवं गृह प्रसारण अनुभाग ग्रामीण श्रोताओं हेतु कार्यक्रम गतिविधियों का मार्गदर्शन, मानीटरिंग तथा पर्यवेक्षण करता है, जिन्हें कि विशेष रूप से कृषि समुदाय की रोजमर्रा की मौसमी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया जाता है तथा देश भर में 188 रेडियो केन्द्रों से हिंदी तथा विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं/बोलियों में प्रसारित किया जाता है।

आकाशवाणी ने स्थानीय कृषकों को दैनिक बाजार दरों, मौसम रिपोर्टों तथा सूक्ष्म स्तर पर दैनिक संबंधित जानकारी प्रदान करने के लिए कृषि एवं सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय के साथ सहयोग से फरवरी, 2004 से कृषि सेवाओं को मास मीडिया सहायता पर एक विशेष परियोजना 'किसानवाणी' शुरू करके अपने कृषि प्रसारणों का विस्तार किया है।

कार्यशालाएं

वित्त वर्ष 2011–12 में आकाशवाणी महानिदेशालय ने कृषि एवं सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय के साथ सहयोग से अपने किसानवाणी कार्यक्रम निर्माताओं के छह मूल्यांकन तथा पुनश्चर्या कार्यशालाएं भी आयोजित कीं। कार्यक्रम की गुणवत्ता तथा सामग्री में सुधार के लिए गुवाहाटी, चैन्नई, अहमदाबाद, भुवनेश्वर, पालमपुर तथा पटना में सफलतापूर्वक कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

रेडियो किसान दिवस

कोलकाता में रेडियो किसान दिवस का आयोजन

कुरूक्षेत्र में रेडियो किसान दिवस का आयोजन

आकाशवाणी 15 फरवरी को किसान दिवस के रूप में अपने सभी केन्द्रों पर मनाता है जिसमें विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। वे किसान जिन्होंने आकाशवाणी पर कृषि कार्यक्रमों के प्रसारण से लाभ प्राप्त किया है वे अपनी स्थानीय भाषा/बोली में दूसरे साथियों के साथ अपने अनुभवों का आदान–प्रदान करते हैं।

पर्यावरण

इसकी महत्ता को ध्यान में रखते हुए आकाशवाणी, वन्यप्राणी एवं वन सरंक्षण को एक चुनौती के रूप में

लेता है एवं इसमें विकास गतिविधियों और सामाजिक रीति–रिवाजों को महत्व देता है। आकाशवाणी वनरोपण, वन्यप्राणी संरक्षण एवं पारिस्थितिक संतुलन संबंधी सरकार के प्रयासों की सफलता को प्रस्तुत करता है। भूमि के कटाव तथा मरूस्थलीकरण के बारे में जागरूकता सृजित करने के लिए प्रत्येक वर्ष आकाशवाणी केन्द्रों पर वर्ल्ड डे टू काम्बेट डेजर्टीफिकेशन भी मनाया जाता है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रम

आकाशवाणी पर नियमित रूप से स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। इनमें शामिल विषय हैं:– विवाह की उम्र बढाना, पहले बच्चे में देरी, दो बच्चों में अंतराल, देरी के उपाय, मातृत्व देख–रेख, शिशु उत्तर जीविका, नारी सशक्तीकरण, इंटर स्पाउस कम्युनिकेशन में संवर्धन/पुरूष की जिम्मेदारी, पुत्र प्राप्ति की वरीयता की समाप्ति, मेडिकल टर्मिनेशन आफ प्रेगनेंसी,सांस्थानिक विधि प्रावधानों का संवर्धन, पुनर्प्रजनन मार्ग संक्रमण प्रबंधन (आर टी आई), और लैंगिक संचारी संक्रमण (एसटीआई),गर्भपूर्व जांच तकनीक (नियमन एवं दुरूपयोग निवारण) अधिनियम,1994, एडस, नशाखोरी, स्तनपान, बाल–अधिकार, बाल मजदूरी, कन्या संतान, विकलांगता, क्षयरोग कोढ, एवं पुनर्प्रजनन, बाल स्वास्थ्य आदि हैं।

बाल दिवस के उपलक्ष्य पर बाल कार्यक्रम संध्या

बाल कार्यक्रम

आकाशवाणी अपने सभी केन्द्रों से बच्चों के लिए तीन आयु समूहों में कार्यक्रम प्रसारित करते हैं अर्थात 5 से 7 वर्ष के बीच के और 8 से 14 वर्ष के बीच के बच्चे और ग्रामीण बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।

महिला कार्यक्रम

इन कार्यक्रमों में महिलाओं के सामाजिक–आर्थिक विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आहार एवं पोषण, वैज्ञानिक, गृह प्रबंधन, महिला उद्यमी, शिक्षा, प्रौढ शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, लिंग भेद इत्यादि विषय होते हैं। बालिका के जन्म का स्वागत करने के लिए सामाजिक जागरूकता सृजित करने के लिए पूरे वर्ष बालिका की स्थिति तथा महत्व पर केन्द्रित विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विधिक साक्षरता के माध्यम से महिलाओं में अधिकारों और विशेषाधिकारों के प्रति सामाजिक जागरुकता पैदा करना भी है। ग्रामीण महिला कार्यक्रम में श्रोताओं से संपर्क बनाने के लिए विभिन्न लोक परंपराओं का विशेष रुप से उपयोग किया जाता है।

प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा

प्रत्यंकन सेवा का आरंभ 3 अप्रैल 1954 को हुआ तथा इसका मुख्य कार्य उच्च गणमान्य व्यक्तियों सहित विशेष रूप से भारत के राष्ट्रपतियों तथा प्रधानमंत्रियों के भाषणों का अनुलेखन तैयार करना है। यह एकांश भविष्य में प्रसारण के लिए रिकार्डिंग को संरक्षित रखने के लिए ''आकाशवाणी–टी एस रिकार्डस'' शीर्षक के तहत विनाइल डिस्कों को तैयार करने का भी कार्य करता है। 1 अप्रैल 1959 से इस सेवा का नाम बदलकर इसे 'प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा' कर दिया गया था तथा इसके कार्यालय के स्वतंत्र प्रभार वाले निदेशक के तहत कर दिया गया था। चूंकि रिकार्डों को तैयर करने का कार्य अत्यंत खर्चीला हो गया, इस कार्य को जून 1967 में बंद कर दिया गया तथा संरक्षण के नए मोड जैसे एनालॉग मैग्नटिक टेप आदि प्रयोग में आ गए। देश में अनौपचारिक रूप से संग्रह किया जाता था पर एक व्यवस्थित कार्यकलाप के रूप में इस कार्य को बाद में इस एकांश को सौंप दिया गया।

इस कार्यालय में निम्नलिखित सक्रिय इकाईयां हैं–

1. केन्द्रीय अभिलेखागार
2. कार्यक्रम विनिमय एकक (अंतर्देशीय एवं विदेशी)
3. प्रत्यंकन राष्ट्रपतियों/प्रधानमंत्रियों के भाषण
4. सुसज्जीकरण एकक
5. विज्ञापन रिलीज तथा मार्केटिंग
6. डिजिटल स्वर अभिलेखागार

कवि सम्मेलन

दिल्ली में 25 सितंबर 2011 को आकाशवाणी संगीत सम्मेलन में श्रीमती अश्विनी भिडे देशपांडे, गायिका की प्रस्तुति

आकाशवाणी अभिलेखागार 'आकाशवाणी संगीत' तथा विज्ञापन द्वारा रिलीज

अप्रैल, 2003 से आकाशवाणी का केन्द्रीय अभिलेखागार 'आकाशवाणी संगीत' बैनर के अंतर्गत संगीत एलबम जारी कर रहा है। अब तक 66 एलबम जारी की गई हैं। 10 फरवरी 2012 को विदुषी शरण रानी की दो सी डी जारी की गई थीं।

ध्वनि अभिलेखागार

आकाशवाणी के स्वर अभिलेखागार को देश का राष्ट्रीय अभिलेखागार भी कहा जा सकता है क्योंकि इसमें

विभिन्न श्रेणियों की दुर्लभ बेशकीमती रिकार्डिंग की 16500 घंटे की अवधि से भी अधिक की संगीत और स्पोकन वर्ड रिकार्डिंगों का खजाना है। यह भारतीय संगीत लाइब्रेरी की सबसे बड़ी लाइब्रेरी है तथा इसमें हिन्दुस्तानी, कर्नाटक तथा लोक परम्पराओं की 12000 से भी अधिक टेप हैं।

लाइब्रेरी में 11 मई 1947 की सोदपुर आश्रम कोलकाता में तथा 29 जनवरी 1948 को बिरला हाउस, दिल्ली में क्रमशः पहली और अंतिम प्रार्थनाओं सहित महात्मा गांधी के भाषणों की रिकार्डिंग का संग्रह अलग से सुरक्षित है। आकाशवाणी दिल्ली से 12 नवंबर 1947 को केवल एक बार किया गया प्रसारण भी सुरक्षित रखा गया है। आकाशवाणी के अभिलेखागार में पंडित जवाहर लाल नेहरू की रिकार्डिंगों के तीन हजार एनालॉग टेप भी सुरक्षित हैं।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. राधा कृष्णन, रबींद्र नाथ टैगोर, सुभाष चंद्र बोस, डा. बी आर अंबेडकर, सरदार वल्ल्भ भाई पटेल, सरोजनी नायडू इत्यादि जैसे अन्य प्रसिद्ध व्यक्यिों की आवाजों की रिकार्डिंगों को भी सुरक्षित रखा गया है। इसके अलावा पुरस्कृत रेडियो ड्रामा, रुपक, वृत्तचित्र, आदि और मेमोरियल लेक्चर भी लाइब्रेरी में उपलब्ध हैं। लाइब्रेरी में सभी राष्ट्रपतियों एवं प्रधानमंत्रियों की रिकार्डिंग को सुरक्षित रखा गया है।

रेडियो आत्मकथा

रेडियो आत्मकथा तथा प्रसिद्ध व्यक्तित्वों के वर्ग में यहां प्रसिद्ध व्यक्तित्वों के जीवन में विभिन्न अवसरों की 252 से अधिक रिकार्डिंग हैं। विभिन्न आकाशवाणी केन्द्रों से प्राप्त होने वाले इनपुट के आधार पर रिकार्ड किए जाने वाले व्यक्तित्वों का चयन किया जाता है तथा निदेशालय के अनुमोदन के पश्चात् इन रेडियो आत्मकथाओं को रिकार्ड किया जाता है।

डिजिटल ध्वनि अभिलेखागार

सभी अभिलेखों की रिकार्डिंग को डिजिटलीकृत करने के लिए वर्ष 2001 से एक विशेष परियोजना शुरु की गई और यह परियोजना 2005 में पूर्ण हो गई। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्य मानकों और नई टेप नंबरिंग प्रणाली के साथ् प्रसारण नेटवर्क में आकाशवाणी मुख्य डिजिटल लाइब्रेरी में से एक बन गई।

डिजिटल मीडियम में परिवर्तित किए गए कार्यक्रम लगभग 16400 घंटे के हैं। डिजिटल फार्मेट में परिवर्तित रिकार्डिंग का ब्यौरा इस प्रकार है :–

प्रधानमंत्रियों के भाषण	:	3300 घंटे
राष्ट्रपतियों के भाषण	:	1250 घंटे
महात्मा गांधी	:	280 घंटे
सरदार पटेल	:	35 घंटे
गुरूदेव टैगोर तथा टैगोर से संबंधित रिकार्डिंग	:	175 घंटे
रेडियो आत्मकथा	:	525 घंटे
हिन्दुस्तानी शास्त्रीय	:	3100 घंटे
कर्नाटक शास्त्रीय	:	1450 घंटे
सुगम संगीत	:	1050 घंटे

लोक तथा आदिवासी संगीत : 600 घंटे

इस समय डिजिटल लाइब्रेरी की पूरी सुविधा है। डिजिटलीकरण का दूसरा चरण जो 2008 में शुरू हुआ जिसमें 500 घंटे की रिकार्डिंग को डिजिटलीकृत किया गया। अभी लगभग 5000 घंटे के कार्यक्रम के एनालॉग टेप हैं जिन्हें डिजिटलीकरण के दूसरे चरण के दौरान डिजिटलीकृत किया जाना है।

कार्यक्रम विनिमय एकक

इस एकक का मुख्य कार्य उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रमों का केन्द्रों में उनकी आवश्यकतानुसार विनिमय करना है। कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी में इस कार्य के लिए संगीत और उच्चरित शब्द कार्यक्रमों की रिकार्डिंगों के लगभग 8000 टेप सुरक्षित रखे गए हैं।

विभिन्न भारतीय भाषाओं के संगीत और उच्चरित शब्दों के कार्यक्रमों के अतिरिक्त कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी में बंगला, अंग्रेजी, गुजराती, कन्नड, मलयालम, मराठी, उड़िया, संस्कृत, तमिल और तेलुगु भाषाओं के पाठ भी सुरक्षित रखे गए हैं। कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी में देश की सभी प्रमुख भाषाओं तथा बोलियों में लोक तथा जनजातीय संगीत की एक पृथक संदर्भ लाइब्रेरी भी है।

प्रत्यंकन एकक

इस सेवा के मुख्य कार्यों में से एक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए भाषणों की रिकार्डिंग को तैयार करना और उनको खंडों के रुप में क्रमवार सुरक्षित रखना है।

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक सभाओं में दिए गए सभी भाषणों को रिकार्ड करना आकाशवाणी केन्द्रों का अनिवार्य कार्य है। भाषणों की रिकार्डिंग की टेपें प्रत्यंकन तथा कार्यक्रम विनिमय सेवा द्वारा विभिन्न संबंधित आकाशवाणी केंद्रों से प्राप्त की जाती हैं। सभी प्रत्यंकनों को बांधकर बंडल बनाए जाते हैं और अभिलेखागार में सुरक्षित रखा जाता है। राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री के सभी भाषण विस्तृत डाटा एंट्री के साथ सी डी में सुरक्षित रखे जाते हैं।

सुसज्जीकरण एकक

इसकी स्थापना कुछ वर्ष पूर्व संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की सहायता से की गई थी जिसका उद्देश्य अभिलेखागार में रखी पुरानी रिकार्डिंगों का सुसज्जीकरण करना है। यहां पर संगीत तथा महात्मा गांधी, पंडित नेहरू आदि की सैंकड़ों घंटों की रिकार्डिंगों को सुज्जित किया गया था। इस समय यह एकक आकाशवाणी तथा दूरदर्शन अभिलेखागार द्वारा जारी रिकार्डिंग की आडियो गुणवत्ता का ध्यान रखता है।

नई वेबसाइट

महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी और श्री राजीव गांधी जैसे राष्ट्रीय नेताओं के भाषणों की एक वेबसाइट तैयार की गई थी ताकि पूरे विश्व की जनता द्वारा इन महान नेताओं के भाषणों को सुना जा सके। वेबसाइट पर इन नेताओं की दृश्य – क्लिप भी होगी जो दूरदर्शन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आकाशवाणी व्यावसायिक वेबसाइट विकसित करने की प्रकिया में है जिसमें केवल आकाशवाणी संगीत एलबम की जानकारी ही नहीं अपितु आकाशवाणी अभिलेखागारों की रिकार्डिंग उपलब्ध होगी।

विज्ञापन स्कंध

राजस्व अर्जित करने की जिम्मेदारी आकाशवाणी के विज्ञापन सैटअप की है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान रेडियो प्रसार में तेजी से बदलते परिदृश्य के बावजूद आकाशवाणी के विज्ञापन स्कंध ने अपने केन्द्रीय विक्रय एकक, मुंबई तथा भारत के विभिन्न भागों में स्थित 15 मुख्य विज्ञापन प्रसारण सेवा केन्द्रों तथा मुंबई, नई दिल्ली, चेन्नै, बैंगलूरु, हैदराबाद, कोलकाता, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी तथा जालंधर के 10 विपणन विभागों के जरिए लोकसेवा प्रसारक के रुप में अपनी मूल पहचान के साथ वर्ष दर वर्ष राजस्व में संवर्धन किया है।

राजस्व

पिछले पाँच वर्षों के दौरान आकाशवाणी द्वारा विज्ञापनों सहित सभी स्रोतों से आकाशवाणी का कुछ अर्जित राजस्व निम्न तालिकानुसार है

2006–07	283.65 करोड़ रुपए
2007–08	289.21 करोड़ रुपए
2008–09	291.49 करोड़ रुपए
2009–10	303.18 करोड़ रुपए
2010–11	372.96 करोड़ रुपए
2011–12	359.65 करोड़ रुपए

विपणन विभाग

प्रसार भारती के समग्र राजस्व अर्जन में विपणन प्रभाग के देर 90के दशक के अंत में अस्तित्व में आने के बाद काफी बढ़ोत्तरी हुई है। इन हाउस मार्केटिंग में आने के लिए और अधिक राजस्व अर्जन के लिए प्रसार भारती द्वारा मुख्य शहरों में विपणन प्रभाग खोले गए। पहला विपणन विभाग मुंबई में स्थापित किया गया और इस समय नई दिल्ली, चेन्नै, बेंगलूर, हैदराबाद, कोलकाता, गुवाहाटी, कोच्चि और तिरूवंनतपुरम और जालंधर में भी विपणन विभाग कार्य कर रहे हैं। दिल्ली, मुंबई,कोलकाता और चेन्नै में स्थित विभागों को क्षेत्रीय केन्द्र नामित किया गया है।

खेल

वर्ष 2011–12 के दौरान, आकाशवाणी ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय खेल घटनाओं को उचित एवं प्रभावी कवरेज प्रदान की है। महत्वपूर्ण खेल प्रसारणों के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं–

(1) क्रिकेट

1. भारत–आस्ट्रेलिया 4 टेस्ट मैच श्रृंखला, दो टी–20 एवं भारत–आस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच आस्ट्रेलिया त्रिकोणीय श्रृंखला जिसमें केवल भारत ने भागीदारी की (8 मैच) और दिसंबर 2011 से मार्च 2012 तक त्रिकोणीय श्रृंखला के 3 फाइनल।

आकाशवाणी दिल्ली के लिए श्री कपिलदेव का साक्षात्कार रिकार्ड किया गया

2. बंग्लादेश में आयोजित एशिया कप– 2012 के 16, 18 और 22 मार्च, 2012 को आयोजित एक दिवसीय मैचों का सीधा प्रसारण।

3. 23.05.2012 को बेंगलोर में खेले गए इलिमिनेटर मैच, 25.05.2012 को चेन्नै में खेले गए द्वितीय क्वालिफायर मैच और 27.05.2012 को चेन्नै में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मैच का सीधा प्रसारण।

(2) फुटबाल

1. 25 नवंबर 2011 को दिल्ली में खेले गए अंडर–17 लडकों के सुब्रोतो कप फुटबाल टूर्नामेंट के फाइनल मैच का सीधा प्रसारण।

2. 9 से 11 नवंबर 2011 तक दिल्ली में खेले गए 9वें दक्षिण एशिया फुटबाल फेडरेशन (एस ए एफ एफ) चैम्पियनशिप का सीधा प्रसारण।

3. 10 जनवरी 2012 को दिल्ली में खेले गए भारत–बेयरन म्यूनिख प्रदर्शनी मैच का सीधा प्रसारण।

4. 16 मार्च 2012 को कोलकाता में खेले गए 116वें आई एफ ए शील्ड टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण।

5. 25, 26 और 28 मई, 2012 को कटक उड़ीसा में खेले गए संतोष ट्राफी 2012 के 66वें राष्ट्रीय फुटबाल चैम्पियनशिप का सीधा प्रसारण।

(3) हाकी

1. 25.11.2011 को दिल्ली में खेले गए 48वें नेहरू सीनियर हाकी टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण।

2. 11.11.2011 को कोलकाता में खेले गए 116वें बेगटन कप हाकी टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण।

(4) टेनिस

1. 8 जनवरी, 2012 को चेन्नै में खेले गए एटीपी चेन्नै ओपन टेनिस टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण।

2. 25 जून 2012 को हिंदी सहित अंग्रेजी में एक प्रीव्यू कार्यक्रम और उसके बाद विम्बलडन टेनिस चैम्पियनशिप– 2012 की हिंदी और अंग्रेजी प्रत्येक में 26 जून 2012 से 7 जुलाई 2012 तक प्रतिदिन रेडियो रिपोर्ट।

(5) टेबल टेनिस

30.01.2012 को लखनऊ में आयोजित 73वीं वरिष्ठ राष्ट्रीय एवं अंतर्राज्य टेबल टेनिस चैम्पियनशिप–

2012 पर रेडियो रिपोर्ट।

आकाशवाणी केन्द्रों ने अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड के अनुरोध पर अपने क्षेत्राधिकार अंतर्गत आयोजित व्यावसायिक खेल घटनाओं की उपयुक्त कवरेज प्रदान की।

5 मार्च 2012 को पटना में आयोजित पहली विश्व कप महिला कबड्डी चैम्पियनशिप 2012 पर रेडियो रिपोर्ट। 31 मई 2012 को मास्को में खेली गई विश्व शतरंज चैम्पियनशिप 2012 पर रेडिया रिपोर्ट 28 मई 2012 को दिल्ली में आयोजित भारतीय कुश्ती ग्रांड प्रिक्स–2012 के उद्घाटन पर रेडियो रिपोर्ट।

29 अप्रैल 2012 को इंडियन ओपन वर्ल्ड सुपर सीरिज बैडमिंटन चैम्पियनशिप 2012 के पुरूष एकल, महिला एकल, पुरूष डबल, महिला डबल और मिक्सड डबल मैचों के फाइनल मैचों का सीधा प्रसारण।

आकाशवाणी आस्ट्रेलिया में चल रही भारत–आस्ट्रेलिया क्रिकेट श्रृंखला 2011–12 की भी लाइव रेडियो कवरेज प्रदान कर रही है। जब भी आकाशवाणी को दूसरी खेल घटनाओं की सूचना और अनुरोध प्राप्त होगा उसकी उपयुक्त कवरेज की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक

आकाशवाणी महानिदेशालय का अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक आकाशवाणी से संबधित सभी विदेशी प्रसारण/मीडिया संगठनो के मामलों का निपटान करता है। इसके कार्यों में भारत सरकार और आकाशवाणी से संबंधित मामलों में विदेशों के बीच सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों को कार्यान्व्यन का समन्वय, विदेशी प्रसारण एवं मीडिया संगठनों के साथ आपसी सहयोग संबंधित मामले निपटाना, विदेशी प्रशिक्षण विदेशों में होने वाली अंतर्राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन एंव बैठकों में प्रतिभागीता अंतर्राष्ट्रीय रेडियो प्रतिस्पर्धाओं में

नई दिल्ली में आयोजित 48वीं एबीयू आम सभा में 'ऑटोबायोग्राफी आफ ए स्पेरो' ने एबीयू 2011 पुरस्कार जीता।

2011 में एबीयू प्रोडक्शन ग्रांट 'अरली वार्निंग एंड इंडिजीनीयस नॉलेज' ने जीता।

प्रतिभागिता देश के भीतर कार्यशालाओं की मेज़बानी करना शामिल है। इस वर्ष के दौरान इस एकक की मुख्य उपलब्धियां इस प्रकार हैं :–

- आकाशवाणी और इसके स्टाफ ने नई दिल्ली में 2 से 8 नवम्बर 2011 को प्रसार भारती द्वारा 48वीं एबीयू जनरल असेम्बली और एसोसिएट मीटिंग की मेज़बानी में सक्रिय भागीदारी निभाई।
- श्री बिजू मैथ्यू, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, तिरूवनंतपुरम द्वारा निर्मित कार्यक्रम 'ऑटोबायोग्राफी आफ ए स्पेरो' ने बाल कार्यक्रम कोटि में 2011 में एबीयू पुरस्कार जीता। यह पुरस्कार नई दिल्ली में हुई 48वीं एबीयू जनरल असेम्बली के दौरान पुरस्कार समारोह में दिया गया।
- सुश्री मीनू खरे, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी गोरखपुर द्वारा निर्मित हिंदी भाषा में 'जॉय लिव' शीर्षक कार्यक्रम को यूनिसेफ का सम्मानित 'ग्लोबल 2011 इंटरनेशनल चिल्ड्रनस डे आफ ब्रॉडकास्टिंग (आईसीडीबी) एवार्ड फार रेडियो' प्राप्त हुआ।
- श्री बिजू मैथ्यू, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, तिरूवनंतपुरम और श्री आर. सुदर्शन कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, चैन्ने ने भी एबीयू के लिए 'अरली वार्निंग एंड इंडिजीनियस नॉलेज' पर कार्यक्रम निर्मित करने के लिए 2011 में एबीयू प्रोडक्शन ग्रांट जीता।
- आकाशवाणी और रेडियो नीदरलैंड वर्ल्डवाइड ने 1 जून 2011 से 31 मई 2012 तक एक वर्ष के लिए 'अर्थबीट' शीर्षक पर मौसम संबंधी मामलों पर रेडियो धारावाहिक के सह निर्माण को जारी रखने की स्वीकृति दी जिसे देशभर में 20 चुने हुए आकाशवाणी केंद्रों से प्रसारित किया गया।
- श्रीमती पुष्पिंदर कौर, उप निदेशक (समाचार), समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, दिल्ली को यूनेस्को एबीयू ऑनलाइन ट्रेनिंग ऑन रेडियो जर्नलिज़्म और प्रोडक्शन और रेडियो प्रोग्राम नेटवर्क ऑन सस्टेनेबल डेवलप्मेंट पर क्षेत्रीय कार्यशाला में भागीदारी हेतु चुना गया जो कुआलालाम्पुर, मलेशिया में 27 से 30 जून 2011 को हुई।
- आकाशवाणी ने नई दिल्ली में 13 से 17 जून 2011 तक कॉनफिल्कट सेंस्टिव रिपोर्टिंग पर एबीयू की सहायता से एक एबीयू/यूनेस्को/देशीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जिसमें 21 कार्यक्रम और समाचार कर्मियों ने भाग लिया। श्रीमती बेटिना एम्बेक, वेएमो कम्यूनिकेशन फाउंडेशन, जर्मनी इसकी पाठ्यक्रम निदेशक थीं।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम)

किंग्जवे कैम्प दिल्ली में स्थित प्रसार भारती का कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान आकाशवाणी और दूरदर्शन के विभिन्न केन्द्रों में काम कर रहे सेवारत कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए जिम्मेदार है। 01.01.1990 से इसे आकाशवाणी महानिदेशालय का अधीनस्थ कार्यालय घोषित किया गया था। इसके बाद आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के स्टाफ को प्रशिक्षण देने के लिए पूरे देश के विभिन्न क्षेत्रों को कवर करने के लिए दूसरे छह प्रशिक्षण संस्थान नामतः कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) भुवनेश्वर एवं अहमदाबाद, हैदराबाद लखनऊ,

शिलांग और तिरूवन्नतपुरम में स्थित क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान अस्तित्व में आए। विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के समन्वय के लिए अलग–अलग जगहों पर स्थित प्रशिक्षण केन्द्रों का नियंत्रण कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) दिल्ली द्वारा किया जाता है।

बाह्य सशुल्क पाठ्यक्रम

वाणी प्रमाण–पत्र कार्यक्रम

आकाशवाणी देश का पहला इलैक्ट्रोनिक मीडिया है जहां उद्घोषकों/प्रस्तुतकर्ताओं/सूत्रधारों और समाचार वाचकों ने प्रस्तुतिकरण में अलग पहचान बनाई है। अद्भुत विशेषता के आधार पर, कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) के प्रसारण मीडिया में निष्पादकों के लिए विशेष पाठ्यक्रम तैयार किए हैं। वाणी प्रमाणपत्र एक ऐसा पाठ्यक्रम है जो प्रस्तुतकर्ताओं इत्यादि के कौशल को उभारने में सहायक है।

आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा पांच दिन का वाणी (वायस आर्टिकुलेशन एंड नरचरिंग इनिशियेटिव) प्रमाणमत्र पाठ्यक्रम चलाया जाता है। इस पाठ्यक्रम के परीक्षार्थी का चयन प्रत्येक केन्द्र से आडिशन के बाद किया जाता है और फिर प्रशिक्षण दिया जाता है। इस अवधि के दौरान कुल 77 पाठ्यक्रम चलाए गए जिसमें 1277 भागीदारों को प्रशिक्षित किया गया।

जनसंचार (व्यावहारिक प्रशिक्षण)

राजधानी/क्षेत्रीय केन्द्रों पर भुगतान पर मान्यता प्राप्त संस्थानों/विश्वविद्यालयों के जन संचार के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण (व्यावहारिक प्रशिक्षण) दिया गया।

एयर इंडिया

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम), दिल्ली क्षमता विकसित करने के मद्देनजर एयर इंडिया के केबिन क्रू के लिए वायस कल्चर प्रशिक्षण कार्यक्रम करता है, जो कि हाजिरजवाब कर्मचारी तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है, जिससे प्रतिस्पर्धा सफलता प्राप्त की जा सके। प्रशिक्षणार्थियों को उनके कौशल को उभारने में सहायता के लिए सिद्धांत और व्यावहारिक अभ्यास से वायस कल्चर के विभिन्न पहलुओं पर आधारित एक पांच/चार दिन का व्यापक कार्यक्रम अप्रैल 2011 से मार्च 2012 में इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से 4,36,787 (चार लाख छत्तीस हजार सात सौ सत्तासी) का राजस्व अर्जित किया गया था।

इग्नू

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम), दिल्ली इग्नू के सहयोग से पी जी डी ए पी पी (श्रव्य कार्यक्रम प्रस्तुति स्नातकोत्तर डिप्लोमा) एवं पी जी डी आर पी (रेडियो प्रसारण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा) कर रहे इग्नू के छात्रों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। ये व्यावहारिक प्रशिक्षण आकाशवाणी के विभिन्न अभिनिर्धारित केन्द्रों पर प्रदान किया जाता है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान कोई पाठ्यक्रम आयोजित नहीं किया गया था।

अर्जित राजस्व

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) ने अप्रैल 2011 से मार्च 2012 के दौरान विभिन्न बाह्य सशुल्क पाठ्यक्रमों जैसे कि वाणी, एयर इंडिया, इग्नू इत्यादि से कुल 60,19,555/– रूपए का राजस्व अर्जित किया।

प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा वर्ष के दौरान 77 इन–हाउस कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। **कार्यक्रम अधिकारियों के लिए मूल कानूनी जानकारी, नेतृत्व कौशल, लोक सेवा प्रसारण में चुनौतियां, किसान वाणी, प्रबंधन विकास कार्यक्रम, प्रस्तुति कला, डिजिटल कन्वरजेन्स, स्टाफ प्रकार एवं रेडियो प्रोग्रामिंग, प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण, वायस कल्चर एवं संचार इत्यादि कुछ महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।** आकाशवाणी और दूरदर्शन के प्रशासनिक स्टाफ एवं कार्यक्रम और अभियांत्रिकी स्कंध में तैनात स्टाफ के लिए प्रशासनिक पाठ्यक्रम आयोजित किए **जिसमें सूचना का अधिकार एवं रिकार्ड प्रबंधन, अनुशासनात्मक प्रक्रिया और विभागीय जांच, वित्तीय प्रबंधन, एडवांस कंप्यटूर एपलिकेशन कापी राइट एवं बौद्धिक विशेषता अधिकार, केन्द्र प्रबंधन, कार्यालय प्रबंधन, कोर्ट मामले देखना जैसे बहुत से विषय शामिल हैं।**

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) के सहयोग से रेडियो के लिए **हार्ड डिस्क आधारित रिकार्डिंग प्रणाली, डिजिटल ओडियो प्रस्तुति और संपादन, डिजिटल प्रोडक्शन एवं पोस्ट प्रोडक्शन** जैसे पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।

रिर्पोटाधीन अवधि के दौरान एबिड के सहयोग से कन्फलिक्ट सेंस्टिव रिपोर्टिंग एवं यूनिसेफ के सहयोग से पोलियो उन्मूलन पर पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।

विदेश प्रसारण सेवा

आकाशवाणी ने विदेश प्रसारण के दायरे में 1 अक्तूबर 1939 को तब प्रवेश किया जब दूसरा विश्व युद्ध प्रारंभ हो चुका था, और जब इसने देश के पूर्वोत्तर सीमांत कहे जाने वाले इलाके में अपने श्रोताओं के लिए पश्तो में सेवाएं प्रारंभ की थीं। तब आकाशवाणी का विदेश प्रसारण प्रभाग, भारत को विश्व के अन्य देशों से संपर्क सूत्र में पिरोए रहा, विशेषकर उन देशों से जिनके हित भारत के साथ जुड़े हैं क्योंकि वहां भारत के लोग रहते हैं। उन भारतीयों ने जिन्होंने रोजी रोटी की तलाश में वर्षों पहले अपना वतन छोड़ दिया था आज विश्व के हर क्षेत्र में रहते हैं और आज भी यह जानने के इच्छुक हैं कि उनकी जन्म भूमि में उनके लिए क्या है। संभवतः विदेश प्रसारण सेवा के कार्यक्रमों के प्रसारण का फोकस, उन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सरोकारों पर भारतीय सोच पर केंद्रित होगा, जो उनसे संबंधित है।

विश्व के विदेश रेडियो नेटवर्क में आकाशवाणी की विदेश प्रसारण सेवा की पहुंच और विस्तार उच्च श्रेणी का है। इसका प्रसारण लगभग 100 देशों में 27 भाषाओं में किया जाता है।

विदेश प्रसारण के माध्यम से आकाशवाणी के प्रसारण का उद्देश्य विदेशों में श्रोंताओं को भारतीय लोकाचार से जोड़े रखना है। विदेशी श्रोताओं तक पंहुचने वाली भाषाएं– अंग्रेजी, फ्रैंच, रुसी,स्वाहिली, अरबी, फारसी, पश्तु, दरी, बलूची, सिंहली, नेपाली, तिब्बती, चीनी, थाई, बर्मी तथा इंडोनेशियन हैं। हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम एवं गुजराती की सेवाएं विदेशों में बसे भारतीयों के लिए हैं, जबकि उर्दू, पंजाबी, सिंधी, सराइकी, कन्नड और बंगाली भाषाओं की सेवाएं भारतीय उप–महाद्वीप के श्रोताओं के लिए हैं। प्रसारण मिले जुले रुप में होता है जिसमें आमतौर पर समाचार बुलेटिन, समीक्षाएं, सम–सामयिकी और भारतीय प्रेस की समीक्षा के अलावा न्यूज रील, खेलकूद और साहित्य पर पत्रिका कार्यक्रम, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक, विज्ञान एवं ऐतिहासिक विषयों पर वार्ताएं और परिचर्चाएं शामिल होती हैं। विकासीय गतिविधियों पर रुपक, महत्वपूर्ण घटनाएं और प्रथाएं, शास्त्रीय लोकगीत और भारत के विविध क्षेत्रों का आधुनिक संगीत कार्यक्रम एक बडे भाग के रुप में प्रसारित होता है।

अप्रवासीय भारतीय प्रतिनिधिमंड़ल के युवा सदस्यों ने हाल ही में दिल्ली के आकाशवाणी विदेश सेवा प्रभाग में दौरा किया।

श्री सुदेश पचौरी, मीडिया व्यक्तित्व ने गिरिजा प्रसाद माथुर स्मृति व्याख्यान पर 15 सितबंर 2011 को नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

वर्तमान सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत विदेश प्रसारण प्रभाग ने लगभग 25 विदेशी प्रसारण संगठनों को संगीत, उच्चरित शब्द और मिले जुले कार्यक्रमों की रिकार्डिंग प्रदान करना जारी रखा।

विदेश प्रसारण सेवा का सार्क देशों, पश्चिम एशिया, खाड़ी और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के प्रसारण मूल रुप से गृह सेवार्थ बनाए गए। अंग्रेजी के रात 9.00 बजे के राष्ट्रीय बुलेटिन प्रसारित किए जाते रहे। इसके अलावा, विदेश प्रसारण प्रभाग ने अपने सभी प्रसारणों में विश्व के सभी देशों में समसामयिक और संगत मुद्दों पर प्रसारण जारी रखा।

आगामी नीतिगत पहलें

नवीकरण : विदेश प्रसारण सेवा की कुछ भाषाओं जैसे नेपाली, तिब्बती, बलूची, दरी और पुश्तो खाड़ी देशों की भाषाओं की सेवाओं का नवीकरण विचाराधीन है।

डी टी एच सेवा : विदेश प्रसारण सेवा की उर्दू सेवा 28.06.2006 से डी टी एच 24 घंटे उपलब्ध है। आकाशवाणी की और सेवाओं को भी डी टी एच पर लाने का प्रस्ताव है।

विदेश प्रसारण में विदेश मंत्रालय की भूमिका :

विश्व के विभिन्न भागों में संदेश के प्रभाव को अधिक अर्थपूर्ण बनाने हेतु सेवा को सुदृढ़ करने और विदेश प्रसारण हेतु निधिपोषण की जरुरतों को पूरा करने के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा इंगित प्राथमिकता वाले अधिक कार्यक्रमों को शामिल करने का प्रयास जारी है।

तथापि, यह उल्लेख करना उचित होगा कि विदेश मंत्रालय द्वारा विदेश सेवा प्रभाग की बलूची, दरी और पुश्तो सेवाओं के लिए अतिथि टी ए की व्यवस्था की है।

पहला बैच मई, 2009 में और 8 टी ए अतिथियों का तीसरा बैच नवंबर, 2010 में आया था। अतिथि टी ए हमारे एककों में कार्य कर रहे हैं और साथ ही साथ हमारी सेवाओं से अनुभव भी प्राप्त कर रहे हैं।

महत्वपूर्ण घटनाओं की कवरेज:

1 अप्रैल 2011 से 31 मार्च 2012

- शीर्षक 'लेफ्ट साइड रूम' वार्ड नं– 4 (फार ए बी यू प्रवेश) एक विशेष रूपक का अप्रैल 2011 में प्रसारण किया गया।

- आधुनिक भारत की राजधानी दिल्ली के 100वें वर्ष पर एक श्रृंखला शीर्षक ''दिल्ली 100 श्रृंखला'' (4 एपिसोड) का प्रसारण किया गया।
- पूर्वावलोकन सहित भारत अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड फेयर 2011 की कवरेज।
- नवंबर 2011 में ए बी यू रेडियो वर्किंग पार्टी मीटिंग (विषयवस्तु प्रस्तुति)
- जगजीत सिंह और भूपेन हजारिका जैसे महान व्यक्तियों के लिए विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम
- लेह समारोह 2011 की व्यापक कवरेज
- रविन्द्रनाथ टैगोर, फैज अहमद फैज, बाबा नागार्जुन, पंडित पन्ना लाल घोष, निर्मल वर्मा और रामधारी सिंह दिनकर पर विशेष जन्मदिवस महोत्सव कार्यक्रम।
- स्वतंत्रता दिवस 2011 पर विशेष कार्यक्रम (लालकिले की प्राचीर से देश के प्रधानमंत्री के संबोधन और 14.8.2011 को राष्ट्रपति का देश के नाम संबोधन की रेडियो रिपोर्ट)
- पूर्वावलोकन सहित प्रवासी भारतीय दिवस 2012 (जनवरी में) की व्यापक कवरेज।
- आटो एक्सपो 2012 की कवरेज।
- गणतंत्र दिवस 2012 (रेडियो रिपोर्ट और 25.01.2012 को देश के नाम राष्ट्रपति का प्रसारण)
- अनौखे किडनी बैंक पर विशेष रूपक–किडनी फेडरेशन आफ इंडिया की एक परियोजना (मार्च 2012)
- बीटिंग रिट्रीट महोत्सव 2012 पर विशेष कार्यक्रम ''देश की आवाज'' के तौर पर आकाशवाणी के विदेश सेवा प्रभाग भारत का ''विश्व को एथन्टिक विन्डो टू द वर्ल्ड'' है। विश्व में भारत की बढ़ती हुई प्रतिष्ठा के साथ आने वाले समय में विदेश प्रसारण के लिए महत्वपूर्ण रोल का अनुमान है।

समाचार सेवा प्रभाग

आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग गृह, क्षेत्रीय, विदेश और डी टी एच सेवाओं में लगभग 90 भाषाओं/बोलियों में कुल लगभग 56 घंटों के लिए 647 समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है। 41 आकाशवाणी केन्द्रों से एफ एम मोड पर हर घंटे 312 समाचार सुर्खियों का भी प्रसारण किया जाता है। समाचार सेवा प्रभाग और उसके क्षेत्रीय समाचार एककों (आर एन यू) से एक माह में 1371 समाचार आधारित कार्यक्रमों का भी प्रसारण किया जाता है। ये कार्यक्रम आम आदमी से जुडे मामलों और सरकार द्वारा की गई विकास पहलों पर केंद्रित होते हैं।

समाचार सेवा प्रभाग अपने 44 क्षेत्रीय समाचार एककों के माध्यम से देश भर के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की सूचना जरूरतों को पूरा करता है। ये इकाइयां घरेलू सेवा में प्रतिदिन 76 क्षेत्रीय भाषाओं/बोलियों में 23 घंटों से ज्यादा के 177 क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन और विदेश सेवा में 1 घंटे से ज्यादा की अवधि के 6 भाषाओं में 10 समाचार बुलेटिन प्रसारित करती है। उपर्युक्त समाचार बुलेटिनों के अलावा, क्षेत्रीय समाचार एकांश एफ एम रैनबो पर मुख्य बुलेटिन भी प्रसारित करता है और क्षेत्रीय समाचार एकांश द्वारा अन्य आवृतियां भी प्रत्येक महीने प्रसारित की जाती हैं।

गुवाहाटी, सिल्चर, कोलकाता, कर्सियांग, त्रिची चेन्नै, पुदुच्चेरी, कोच्चि, तिरूवन्नतपुरम की क्षेत्रीय समाचार एकांशों द्वारा 2011 के दौरान क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन और राष्ट्रीय समाचार बुलेटिन से असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुदुच्चेरी के विधानसभा चुनावों मतदान के दिन की व्यापक कवरेज भी की गई।

विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों सहित विश्व के विभिन्न भागों के लोगों तक पहुंचने के लिए समाचार सेवा प्रभाग की एक नई बहुभाषीय न्यूज वेबसाइट www.newsonair.nic.in है। अद्यतन राष्ट्रीय, राज्य, अंतर्राष्ट्रीय, व्यापार और खेल समाचारों तक पहुंच के अलावा श्रोता अंग्रेजी और हिंदी सहित 28 क्षेत्रीय भाषाओं में 165 समाचार बुलेटिन/समाचार आधारित कार्यक्रमों की आडियो सुन सकते हैं। वेबसाइट पर 27 भाषाओं में 90 समाचार बुलेटिनों से ज्यादा के आलेख उपलब्ध हैं। वेबसाइट पर समाचारों और आडियो बुलेटिनों/कार्यक्रमों के अभिलेख ढूंढे जा सकने वाले आरूप में हैं जो लोगों के लिए काफी उपयोगी हैं। वेबसाइट पर प्रत्येक समाचार के लिए आर एस एस फीड दिए जाते हैं। ओडियो बुलेटिन देखने वालों के लिए पोडकास्टिंग सुविधा उपलब्ध है वो इन्हें अपने हैंडसेट/कंप्यूटर पर देख सकते हैं।

समाचार सेवा प्रभाग की वेबसाइट की यू एस पी और बढ़ाने के लिए अप्रैल 2011 से दिसंबर 2011 तक वेबसाइट पर 12 और क्षेत्रीय बुलेटिन डाले गए थे। उपरोक्त अवधि के दौरान प्रतिदिन की हिट्स की औसत संख्या अप्रैल 2011 में 13656 से बढकर दिसंबर 2011 में 20836 हो गई यह बढ़ोतरी 34% है। इससे वेबसाइट की लोकप्रियता भी बढ़ी है वेबसाइट पर अतिरिक्त विशेषताएं प्रदान करने और वेबसाइट की सुरक्षा के लिए वेबसाइट सेल ने एन आई सी की मदद से वेबसाइट के पुनर्विकास का कार्य शुरू कर दिया है। श्रोताओं से प्राप्त उनकी प्रतिक्रियाओं पर नियमित रूप से उत्तर दिए जाने के कारण उन पर उपुर्यक्त कार्रवाई की गई थी। वेबसाइट देखने वालों द्वारा दिए गए कुछ सुझावों को वेबसाइट पर डाल दिया गया है।

समाचार सेवा प्रभाग न्यूज़–आन–फ़ोन (एन ओ पी), एस एम एस और इलैट्रानिक डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से भी अपने श्रोताओं को समाचार प्रदान करता है। श्रोताओं को 14 आकाशवाणी केन्द्रों से 10 भाषाओं में अद्यतन समाचारों के मुख्य अंश प्रदान किए जा रहे हैं।

आकाशवाणी नई दिल्ली के समाचार सेवा प्रभाग द्वारा तैयार एवं प्रसारित विशेष कार्यक्रम–

1. समाचार सेवा प्रभाग सामान्य लोगों से संबंधित समाचारों, समसामयिक मामलों और अन्य मामलों पर प्रतिदिन और साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित करता है जिसकी सामान्य जागरूकता के लिए संचारित करने की जरूरत है। सामान्यतः समाचार सेवा प्रभाग सरकार के नीति संबंधी कार्यक्रम और उपलब्धियों की जानकारी देता है। प्रतिदिन ऐसे विषयों पर स्पाटलाइट/समाचार विश्लेषण/सामयिकी कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। प्रतिदिन चार विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिसमें विभिन्न बुलेटिन और समाचार संबंधी कार्यक्रमों के अलावा साप्ताहिक कार्यक्रम मनी टाक, पब्लिक स्पीक, चर्चा का विषय है, वाद संवाद, सुर्खियों के परे, करंट अफेयर्स, हयूमन फेस, इन्टरव्यू ऑफ वीक इत्यादि शामिल हैं। वर्ष के दौरान समाचार सेवा प्रभाग के रूपक, एकक टाक्स एण्ड करेंट एफेयर यूनिट के विभिन्न समाचार बुलेटिनों और समाचार आधारित कार्यक्रमों में कवर किए गए मुख्य मामले/घटनाएं इस प्रकार हैं–

- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, सर्व शिक्षा अभियान, मध्याह्न भोजन योजना, महिला सशक्तीकरण, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन एन आर एच एम, जवाहर लाल नेहरू शहरी नवीकरण मिशन, राजीव आवास योजना, सूचना का अधिकार (आर टी आई), एकीकृत शिशु विकास योजना (आई सी डी एस) और भारत निर्माण सहित यू पी ए सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रम हैं।

- राष्ट्रपति की स्विटज़रलैंड, आस्ट्रिया, दक्षिण कोरिया, मन्गोलिया और मॉरिशस के दौरे की व्यापक कवरेज/स्वतंत्रता दिवस समोराह के अवसर पर श्रीमती प्रतिभा पाटिल द्वारा गरीबों को मुफ्त न्याय, लडकियों के अनुपात में सुधार और महिला सशक्तिकरण पर दिया गया भाषण समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय और क्षेत्रीय समाचार एकांशों से प्रसारित किया गया था।
- डॉ. सिंह के फ्रांस में जी–20 सम्मेलन मालदीव में सार्क सम्मेलन, माले में इंडो–मालदीव सम्मेलन, आशियान सम्मेलन और बाली में पूर्व एशिया सम्मेलन, सिंगापुर में इंडो–सिंगापुर सम्मेलन प्रिटोरिया में बरिक सम्मेलन, चीन में बरिक सम्मेलन, कजाखस्तान में इंडो–कजाखस्तान सम्मेलन बेल्जियम में इंडो–बेल्जियम सम्मेलन, जर्मनी में इंडो–जर्मनी सम्मेलन, दक्षिण कोरिया में जी–20 सम्मेलन, इथोपिया में द्वितीय इंडो–अफ्रीका सम्मेलन, तन्ज़ानिया में इंडो–तन्ज़ानिया सम्मेलन, काबुल में इंडो–अफगान पार्टनरशिप सम्मेलन, मास्को में इंडो–रूस सम्मेलन में भागीदारी और न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद विस्तार में भारत की स्थायी सदस्यता की साझीदारी के लिए संयुक्त राष्ट्र आम सभा में उनका भाषण।
- स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के 1971 के बंगलादेश मुक्ति युद्ध में उनकी विशेष भूमिका के लिए उच्चतम सिविलियन अवार्ड प्राप्त करने के लिए यू पी ए अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी का दौरा, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वास्थ्य के सोशल आडिट के लिए श्रीमती गांधी के निर्देश, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन पर उनकी प्राथमिकताएं और समाज के पिछड़े वर्ग के लोगों की भलाई के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विधेयक। श्रीमती सोनिया गांधी द्वारा राजस्थान में गरीबी रेखा के नीचे बी पी एल परिवारों के उत्थान के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण जीविका मिशन का शुभारंभ।
- उपराष्ट्रपति मोहम्मद अंसारी का सरकार के राष्ट्रमंडल मुखियाओं चोगम सम्मेलन में भागीदारी के लिए आस्ट्रेलिया, इंडो–टर्की सहयोग बढ़ाने के लिए टर्की, नए स्वतंत्र देश दक्षिण सुडान के ऐतिहासिक अवसर पर भारत के प्रतिनिधित्व के लिए जुबा, यूगांडा के राष्ट्रपति श्री योवेरी मुसेवेनी से मिलने कम्पाला का दौरा, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था बढ़ाने के लिए जल के सही उपयोग पर जोर, हैदराबाद में विश्व उर्दू सम्पादक सम्मेलन में विषयपरक रिपोर्टिंग के लिए उर्दू संवाददाताओं से अपील और उर्दू भाषा बढ़ाने के लिए आह्वान।
- लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार का स्वीटज़रलैंड का दौरा, विदेश मंत्री श्री एस. एम. कृष्णा का नेपाल दौरा, योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. मोंटेक सिंह आहलुवालिया का दक्षिणी कोरिया, यू एस ए और फ्रांस का दौरा, श्री कमलेश शर्मा राष्ट्रमंडल के महासचिव के लिए दोबारा निर्वाचित और पी आई बी अर्थव्यवस्था संपादकों का सम्मेलन।
- जर्मन चांसलर सुश्री एन्जला मारकेल द्वारा नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए जवाहर लाल नेहरू अवार्ड प्राप्त, जापान के प्रधानमंत्री श्री योशिहीको नोडा का भारत दौरा दक्षिण सूडान के राष्ट्रपति कार्यालय के मंत्री डॉ. प्रिसिला कछ का भारत दौरा।
- विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों में भारत का महत्व और रक्षा सहयोग पर केन्द्रित सामरिक महत्व की साझेदारी को प्रोत्साहन और आतंकवाद और पाइरेसी से निपटने की पूरी कवरेज दी गई।
- सरकार के पर्यावरण और प्रदूषण नियंत्रण की कोशिशों की कवरेज, समय–समय पर इन विषयों पर विभिन्न कार्यक्रम तैयार किए गए थे।

- पारिस्थितिकी और पर्यावरण के सरंक्षण के लिए उठाए जा रहे कदमों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस विषय पर वैश्विक तस्वीर प्रस्तुत करने के लिए डर्बन सम्मेलन की चर्चा को खासकर दर्शाया गया।
- सूखा, चक्रवात, बाढ़ और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएं और ऐसी परिस्थितियों में इनसे निपटने के लिए सरकार की कार्रवाई को पर्याप्त कवरेज दी गई।
- पी एस एल वी सी 16 और पी एस एल वी सी 18 का सफल प्रक्षेपण, अग्नि मिसाइल का सफल् प्रयोग और सात हजार करोड़ रूपए के गंगा आंदोलन योजना, राष्ट्रीय गंगा नदी घाटी परियोजना के लिए एक अरब डालर का विश्व बैंक ऋण।
- न्याय दिलाने के लिए राष्ट्रीय मिशन की स्थापना और लोगों को जल्दी न्याय दिलाने के लिए कानून में सुधार और भ्रष्टाचार के मामलों से निपटने के लिए 71 फास्ट ट्रेक विशेष सी बी आई अदालतों की स्थापना।
- 60 माओवादी प्रभावित जिलों के प्रभावी विकास के लिए विशेष आर्थिक और विकासशील योजना की घोषणा।
- कृषि भूमि का गैरकृषि उद्देश्यों के लिए अधिग्रहण चर्चा का विषय था। अवधि के दौरान उच्चतम न्यायालय का फैसला आया। इस विषय पर तैयार विभिन्न कार्यक्रमों को पूरी कवरेज दी गई थी।
- मुद्रास्फीति को रोकने और वृद्धि बढ़ाने के भारत के रिज़र्व बैंक की पहल और योजनाएं।
- आधारभूत संरचना क्षेत्र में विदेशी पूंजी निवेश आकर्षित करने और निर्यात बढ़ाने का सरकार का निर्णय।
- उच्च मुद्रास्फीति एक और मामला था। मुद्रास्फीति और खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों को कम करने की सरकार की कोशिशें को पर्याप्त कवरेज देने के लिए कार्यक्रम पहले से तैयार कर लिए गए थे।
- पंचायती राज संस्थाओं की कवरेज।
- समाचार सेवा प्रभाग के विभिन्न कार्यक्रमों में पदम विभूषण, पदम भूषण और पदमश्री प्राप्त करने वाले बहुत महत्वपूर्ण व्यक्तियों और केन्द्रीय मंत्रियों, दिल्ली की मुख्यमंत्री, राज्य सरकारों के मंत्रियों, योजना आयोग के सदस्यों, विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के आयोगों के अध्यक्ष शामिल किए गए थे।
- बढ़ता भ्रष्टाचार समाज में चर्चा का विषय, सरकार द्वारा उठाए गए कानूनी और कार्यकारी कदम की प्रस्तुत हालिस्टिक तस्वीर दर्शाई गई थी।
- असम, पश्चिम बंगाल, पुदुच्चेरी, तमिलनाडु और केरल पांच राज्यों में चुनाव अभियान, मतदान, मतों की गिनती, नेताओं के चुनाव की सही और वस्तुगत कवरेज प्रदान करने और समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालयों से विशेष द्विभाषी अंग्रेजी और हिंदी रेडियो ब्रिज कार्यक्रमों के माध्यम से समाचार सेवा प्रभाग द्वारा कवरेज। भारत के चुनाव आयोग (ई सी आई) द्वारा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मणिपुर और गोवा के आने वाले राज्य सभा चुनावों की घोषणा को व्यापक कवरेज दी गई थी।
- पेड न्यूज पर बैन सहित चुनाव आयोग की नियमावली। दिशानिर्देश को व्यापक कवरेज दी गई थी, चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक प्रत्याशी के लिए अलग खाता खोलना, प्रत्येक पार्टी की चुनाव

संबंधी गतिविधियों पर आयकर विभाग की कड़ी सतर्कता और विधानसभा चुनावों के दौरान काले धन के प्रयोग पर रोक के लिए आयकर विभाग के 200 से ज्यादा अधिकारियों की नियुक्ति।

- ''संसद के समक्ष मामले'', ''आज संसद में'', ''संसद समीक्षा'' जैसे कार्यक्रमों के तहत कवर की गई संसद की महत्वपूर्ण कार्यवाही और सभी मुख्य राष्ट्रीय और क्षेत्रीय बुलेटिन।
- समाचार सेवा प्रभाग की खेल कवरेज में सचिन तेंदुलकर के दोहरे शतक के रिकार्ड को तोड़ते हुए वीरेन्द्र सहवाग का विश्व रिकार्ड शामिल, चीन में एशिया हाकी चैम्पियन ट्राफी के शुरू आती मैच में नई दिल्ली की पाकिस्तान पर जीत, बैंडमिंटन में स्वीस ओपन ग्रांड, प्रिक्स चैम्पियनशिप में साइना नेहवाल की जीत, ग्रेटर नोएडा में बुद्धा इन्टरनल ट्रैक पर फार्मूला वन की शुरूआत और भारत का सेफ कप पर कब्जा।
- गोवा में भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह और हैदराबाद में भारत के अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव की कवरेज।
- अदालतों और सी बी आई जैसी जांच एजेंसियों से आए महत्वपूर्ण निर्णयों को व्यापक कवरेज दी गई थी।

2. **रिपोर्टिंग यूनिट, वार्ता और सामयिक मामला एकांश और रूपक एकांश विशिष्ट व्यक्तियों के कुछ विशेष साक्षात्कार किए थेः–**

- वित्त मंत्री, श्री प्रणब मुखर्जी
- पंचायती राज और पिछडे मामलों के मंत्री, श्री किशोर चन्द्र देव,
- संसदीय मामला मंत्री, श्री पवन कुमार बंसल,
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री, श्री वीरभद्र सिंह,
- प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री, श्री वी नारायणस्वामी,
- दिल्ली की मुख्यमंत्री, श्रीमती शीला दीक्षित,
- मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ एस वाई कुरैशी,
- विक्रम साराभाई, वीर राघव, उपग्रह केन्द्र के निदेशक,
- श्रम मंत्री, मल्लिकार्जुन एम खडगे,
- राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष, ममता शर्मा,
- संसदीय मामला राज्यमंत्री, हरीश रावत,
- पिछड़े मामलों एवं पंचायती राज मंत्री वी किशोर चन्द्र देव,
- योजना आयोग की सदस्य, सुश्री सैयद हमीद,
- लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार,
- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के महानिदेशक दिलीप चैनाय,
- उत्तरपूर्व क्षेत्र के राज्यमंत्री, पवन कुमार घाटोवार,
- सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण मंत्री, मुकुल वासनिक
- मुख्य सूचना आयुक्त सत्यानन्द मिश्रा

- भारत के जनगणना आयुक्त, डॉ सी चन्द्रमौली।

श्रोता अनुसांधान एंकाश

श्रोता अनुसांधान एंकाश विभिन्न केंद्रों द्वारा प्रसारित कार्यक्रम की गुणात्मक एवं परिणात्मक प्रतिक्रिया इकठ्ठा करने के लिए आकाशवाणी का देशभर में 38 श्रोता अनुसंधान इकाइयों का व्यापक नेटवर्क है। प्रतिक्रिया के आधार पर श्रोताओं की आवश्यकतानुसार कार्यक्रम तैयार एवं संशोधित किए जाते हैं। इस प्रकार ज्यादा से ज्यादा श्रोताओं के लिए श्रोतानुकूल और गुणवत्ता मूलक कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।

गुणात्मक और परिणात्मक प्रतिक्रिया इकठ्ठा करने के लिए आकाशवाणी के श्रोता अनुसंधान एककों द्वारा विभिन्न प्रकार की अनुसंधान पद्धतियां इस प्रकार हैं–

i श्रोताओं के पत्र का विश्लेषण

ii कार्यक्रम विषयवस्तु विश्लेषण

iii केंद्रित समूह चर्चा (एफ जी डी)

iv क्षेत्र सर्वेक्षण

(क) रेडियो श्रोता सर्वेक्षण

(ख) तुरंत प्रतिक्रिया परीक्षण

(ग) फीड फारवर्ड परीक्षण

(घ) टेलीफोन सर्वेक्षण

(ड.) पेनल अध्ययन

1. **श्रोता पत्र विश्लेषण –** विभिन्न कार्यक्रमों के लिए श्रोताओं से काफी पत्र प्राप्त हुए हैं। इन पत्रों को अलग किया गया और विश्लेषण किया गया। तदानुसार कार्यक्रमों की योजना बनाई गई, तैयार किए गए एवं संशोधन किया गया।

2. **विषयवस्तु विश्लेषण और एफजीडी–** लगातार कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार के लिए विषय के विशेषज्ञों के पैनल की मदद से कार्यक्रमों की विषयवस्तु का विश्लेषण किया जाता है। कार्यक्रमों की गुणवत्ता देखने के लिए समय–समय पर विशेषज्ञों के पेनल के साथ केंद्रित समूह चर्चा भी आयोजित की जाती है।

3. क्षेत्र सर्वेक्षण

(क) रेडियो श्रोता सर्वेक्षण– श्रोताओं की विशेषताओं, संख्या, सुनने की आदतों और श्रवण को प्रभावित

वर्ष	क्र. सं	अध्ययन का शीर्षक	सं. स्टेशनों के अध्ययन जहां आयोजित
2011-12			
	i)	प्राइमरी चैनल पर रेडियो श्रोता सर्वेक्षण	39 केंद्र
	ii)	एफएम चैनलों–रेनबों और गोल्ड पर रेडियो श्रोता सर्वेक्षण	प्रस्ताव प्रक्रियाधीन

करने वाले अन्य कारकों सहित विस्तृत श्रोता आंकड़े प्राप्त करने के लिए नियमित अंतराल पर रेडियो श्रोता सर्वेक्षण किए जाते हैं।

वर्ष 2011–12 के दौरान अनुसंधान इकाइयों द्वारा किए गए परीक्षण नीचे दिए गए हैं :– 2011–12 जैसा कि ऊपर उल्लेख अध्ययनों के अलावा, विभिन्न अन्य छोटे अध्ययन स्थानीय स्टेशन की जरूरतों के हिसाब से नियमित अंतराल पर संबंधित श्रोता अनुसंधान इकाइयों द्वारा स्टेशन स्तर पर आयोजित की गई।

तथ्यों पर एक नजर

प्रसारण केंद्र	**277**
• क्षेत्रीय केंद्र	116
• स्थानीय रेडियो केंद्र	86
• विशेष विविध भारती केंद्र (चंडीगढ, कानपुर, वडोदरा)	03
• रिले केंद्र	67
• सामुदायिक रेडियो केंद्र	05
रेडियो ट्रांसमीटर	**433**
• मीडियम वेव	148
• शार्ट वेव	48
• एफ एम	237

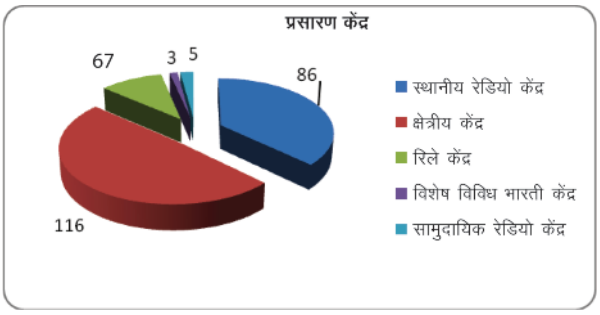

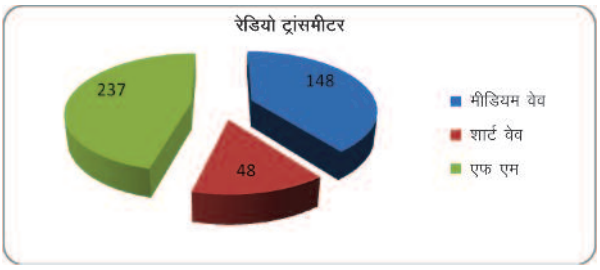

		क्षेत्र अनुसार (%)	जनसंख्या अनुसार (%)
(क)	प्राथमिक ग्रेड सिग्नल (एम डब्ल्यू+एफएम)	91.85	99.18
(ख)	केवल एफ एम सिग्नल	24.55	35.76
(ग)	केवल मीडियम वेव सिग्नल के अनुसार	90.52	98.38

घरेलू सेवा

त्रिस्तरीय प्रसारण सेवा	राष्ट्रीय	क्षेत्रीय एवं स्थानीय
प्रसारण की भाषा	भाषाएं	22
	बोलियां	146

आकाशवाणी समाचार

- o 1937 में स्थापित
- o प्रामाणिकता के लिए भरोसा

एनएसडी प्रसारण

o	कुल दैनिक समाचार बुलेटिन	647
o	(गृह और विदेश सेवा, 75 भारतीय और चीनी सहित 26 विदेशी भाषाओं में)	
o	आर एन यू से प्रतिदिन 75 भाषाओं/बोलियों में क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन	463
o	प्रतिदिन समाचार प्रसारण की अवधि	55 घंटे 50 मिनट

विज्ञापन सेवा

सीबीएस/वी बी एस केंद्र	40
एक दिन की अवधि	15 घंटे

116 प्राइमरी चैनलों 86 स्थानीय रेडियो केंद्र

37 विविध भारती और 12 मेट्रो एफ एम से विज्ञापन स्वीकार किए जाते हैं।

विदेश सेवा		अवधि प्रतिदिन
भारतीय	10	38 घंटे
विदेशी	16	32 घंटे 45 मिनट
कुल	**26**	**70 घंटे 45 मिनट**
कैपटिव अर्थ स्टेशन	32	
स्टूडियो	215	

भारत में रेडियो यंत्रों की संख्या

• रेडियो सेट	137 मिलियन
• कुल सेटों में एफ एम सेटों की संख्या	80 मिलियन
• जनसंख्या (2001 जनगणना)	1027 मिलियन
• रेडियो सेट तक पहुंच वाली जनसंख्या का प्रतिशत	58 %
• एक दिन में आकाशवाणी के वास्तविक श्रोताओं की संख्या	460 मिलियन
• एक दिन में आकाशवाणी के प्राथमिक चैनल के श्रोताओं की संख्या	267 मिलियन (58.0%)
• एक दिन में आकाशवाणी के विविध भारती श्रोताओं की संख्या	215 मिलियन (46.7%)
• एक दिन में आकाशवाणी के एफ एम रेनबो के श्रोताओं की संख्या	180 मिलियन (39.2%)
• एक दिन में आकाशवाणी के एफ एम गोल्ड के श्रोताओं की संख्या	86 मिलियन (18.8%)

स्रोतः आकाशवाणी रेडियो श्रोता सर्वेक्षण – 2012

हिंदी का प्रगामी प्रयोग

आकाशवाणी महानिदेशालय (मुख्यालय) के हिंदी एकक संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन एवं राजभाषा नीति कार्यान्वयन के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित है तथा गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा समय–समय पर जारी आदेशों/अनुदेशों को समस्त आकाशवाणी केन्द्रों/कायालयों में क्रियान्वित करवाने तथा वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहा है। हिंदी एकक द्वारा वर्ष

2011–12 में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित नियमित कार्यो के अलावा राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में गति प्रदान करने के लिए निम्नलिखित उल्लेखनीय कार्य किए गए:–

वर्ष 2011–12 में आयोजित हिंदी दिवस/हिंदी पखवाडा

वर्ष 2011–12 में आकाशवाणी महानिदेशालय (मुख्यालय) द्वारा दिनांक 14.09.2011 से 29.09.2011 तक हिंदी पखवाडा मनाया गया। इस दौरान हिंदी की 16 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। पखवाड़ा के दौरान जो प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, विशेषतः यह ध्यान दिया गया कि इन प्रतियोगिताओं में हिंदीतर भाषी अधिकारी/कर्मचारी अधिक से अधिक भाग लें। इसे ध्यान में रखते हुए हिंदीतर भाषी अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए अलग से प्रतियोगिताएं आयोजित की गई इन प्रतियोगिताओं में अधिकारियों/कर्मचारियों ने बढ़चढ़ कर हिस्स लिया। हिंदी प्रतियोगिताओं में 80 पुरस्कार विजेता अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। इन पुरस्कारों पर रू 95,500/– खर्च हुए।

प्रशासन

1. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछडा वर्ग के लिए आरक्षण

प्रसार भारती ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछडा वर्ग के आरक्षण को कार्यान्वित करने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। नोडल मंत्रालय/विभागों द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग को सरकारी सेवा और वैयक्तिक मामलों में आरक्षण देने संबंधी सभी समुचित निर्देश एवं अनुदेश आकाशवाणी के सभी कार्यालयों और क्षेत्रीय इकाईयों को परिचालित कर दिए गए। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के समन्वय अधिकारी संबंधितों के हितों की रक्षा करने संबंधी अनुदेशों के कार्यान्वयन पर निगरानी रखते हैं। दिनांक 19.11.2008 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 36038/1/2008–स्थापना (आरक्षण), विशेष भर्ती अभियान दिनांक 01.07.04 और अनुवर्ती दिनांक 01.11.2008 और भारत सरकार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के 14.01.2009 के अ.शा. पत्र सं. 14011/01/2009 –प्रशासन –I के आदेशों के अनुसरण में कार्रवाई की गई। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग की आरक्षित बैकलॉग रिक्तियों को भरने के लिए सभी कैपिटल केंद्रों को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समन्वय अधिकारियों को नामित करने का निर्देश दिया है। अधिकांश मुख्य केन्द्रों में समन्वय अधिकारी नामित कर दिए गए हैं।

2. लोक शिकायत और निवारण तंत्र

केन्द्र स्तर पर, क्षेत्रीय मुख्यालय स्तर पर और केंद्रीय मुख्यालय स्तर पर प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के निर्देशानुसार शिकायत निवारण और समाधान तंत्र की स्थापना की गई। आकाशवाणी के सभी कार्यालयों में सूचना और सुविधा काउंटर बनाए गए हैं। शिकायतों के निपटान की स्थिति की रिपोर्ट नियमित रुप से सूचना और प्रसारण मंत्रालय को भेजी जाती है। वर्ष 2011–12 में आकाशवाणी में 303 स्टाफ शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसमें से 302 स्टाफ शिकायतों का निपटान कर दिया गया और शेष 1 प्रक्रियाधीन है। इस निदेशालय के उपमहानिदेशक (प्रशासन) को स्टाफ शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त किया है।

3. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का कार्यान्वयन

लोक सशक्तीकरण और प्रशासनिक पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के क्रम में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के विभिन्न प्रावधानों की लोगों को जानकारी देने के लिए आकाशवाणी के सभी केंद्रों द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रसारित किए गए हैं। सभी आकाशवाणी केंद्रों के कार्यालय प्रमुखों

को कहा गया है कि वे अपने कार्यक्रमों में इस अधिनियम की मुख्य विशेषताओं को उजागर करें। सितंबर, 2008 से इस अधिनियम को फ्लैगशिप कार्यक्रमों में शामिल कर लिया गया है। आकाशवाणी भविष्य में भी इस अधिनियम के प्रचार–प्रसार को निरंतर जारी रखेगा।

सूचना का अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए आकाशवाणी महानिदेशालय में 60 केंद्रीय जन सूचना अधिकारी (सी पी आई ओ) और 6 अपील प्राधिकारी और क्षेत्रीय स्तर पर 295 सी पी आई ओ और 20 अपील प्राधिकारी नियुक्त किए गए हैं। वर्ष 2011–12 (01.04.2011 से 31.03.2012) में 658 आर टी आई आवेदन प्राप्त हुए और उनका निर्धारित समय में जवाब दिया गया। वर्ष 2011–12 (01.04.2011 से 31.12.2012) के दौरान अपील प्राधिकारी को 292 अपीलें प्राप्त हुई और उन सबका निपटान किया गया।

महिला सशक्तीकरण

आकाशवाणी के पूरे देश में 320 केंद्र/कार्यालय हैं, जिनमें 17853 कार्मिक हैं जो कार्यक्रम, अभियांत्रिकी एवं प्रशासन तीन शाखाओं में कार्यरत हैं। आकाशवाणी में समूह 'क' एवं 'ख' और 'ग' में महिलाओं की संख्या 24.6% से अधिक हैं। इस संगठन के अध्यक्ष के पद पर महिला अधिकारी कार्यरत है। निदेशक (प्रशासन) के पद पर भी आकाशवाणी महानिदेशालय में महिला अधिकारी कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त एस ए जी, जे ए जी, एस टी एस, जे टी एस, स्तरों पर भी कार्यक्रम और इंजीनियरिंग स्कंधों में महिला अधिकारी कार्यरत हैं। आकाशवाणी महानिदेशालय के दिनांक 23.09.2008 के परिपत्र सं. 1/29/2008–डब्लयू सी/डब्लयू एल के द्वारा महिलाओं की शिकायत/महिलाओं के उत्पीडन की शिकायतों के लिए सभी आकाशवाणी केंद्रा/कार्यालयों में महिला सैल स्थापित करने के निर्देश दिए गए। तदनुसार सभी आकाशवाणी केन्द्रों/कार्यालयों में महिला सैल स्थापित हैं।

विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण

1. भारतीय संविधान विकलांग व्यक्तियों सहित सभी के लिए सम्मिलित समाज अस्पष्ट जनादेश और सभी के लिए समानता, स्वतंत्रता न्याय और प्रतिष्ठा सुनिश्चित करता है। भारत सरकार विकलांगों को समान अवसर और समाज के निर्माण में उनकी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए **"विकलांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों की सुरक्षा और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम 1995** को कानून बनाया है।

2. पी डब्ल्यू डी के आशय के लिए प्रसार भारती ने सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। समय–समय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सभी नीतियों निर्देशों की अनुपालना की जाती हैं।

अभियांत्रिकी

(1) नेटवर्क और कवरेज में बढोतरी

आकाशवाणी विश्व के सबसे बडे प्रसारण नेटवर्कों में से एक है। स्वतंत्रता के समय छह रेडियो केन्द्र और 18 ट्रांसमीटर्स (6 मीडियम वेव और 12 शार्ट वेव) थे। जो देश की 11% जनसंख्या और 2.5 प्रतिशत क्षेत्र को कवर करते थे।

31 मार्च 2012 तक आकाशवाणी नेटवर्क 277 केन्द्रों और 433 ट्रांसमीटरों (148 मीडियम वेव 48 शार्ट वेव और 237 एफ एम) का हो गया है जो देश के 91% में फैली 99% जनसंख्या को कवरेज प्रदान करता है। पंचवर्षीय योजनाओं में आकाशवाणी केन्द्रों और ट्रांसमीटर्स की बढ़ोतरी दर्शाते हुए ग्राफिक्स संलग्न हैं।

(2) वर्ष के दौरान हुई गतिविधियों की झलक–

1. पिछले साल से केन्द्रों की संख्या 241 से बढ़कर 277 और ट्रांसमीटर्स की संख्या 385 से बढ़कर 433 हो गई है।

I. वर्ष (2011–12) के दौरान स्थापित नए केन्द्र/ट्रांसमीटर

1.	सीतामढी (बिहार)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	13.04.2011
2.	भटवारी (उत्तराखंड)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	14.04.2011
3.	गया (बिहार)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	15.04.2011
4.	श्रींगेरी (कर्नाटक)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	25.04.2011
5.	उधमपुर (जम्मू और कश्मीर)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	29.04.2011
6.	ओंगोल (आंध्र प्रदेश)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	06.05.2011
7.	नेल्लौर (आंध्र प्रदेश)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	06.05.2011
8.	गुरेज (जम्मू और कश्मीर)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	06.05.2011
9.	तिथवाल (जम्मू और कश्मीर)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	06.05.2011
10.	रामपुर (हिमाचल प्रदेश)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	23.05.2011
11.	नीमच (मध्य प्रदेश)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	17.07.2011
12.	बेरथीन (हिमाचल प्रदेश)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	19.07.2011
13.	चिरापूंजी (मेघालय)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	25.08.2011
14.	चम्बा (हिमाचल प्रदेश)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	12.09.2011
15.	मंडी (हिमाचल प्रदेश)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	27.09.2011
16.	सुंदर नगर (हिमाचल प्रदेश)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	27.09.2011
17.	किशन गंज (बिहार)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	28.09.2011
18.	प्रताप नगर (उत्तराखंड)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	04.10.2011
19.	बचेर (उत्तराखंड)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	18.11.2011
20.	उड़ी (जम्मू और कश्मीर)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	21.11.2011
21.	सूर्यापेट (आंध्र प्रदेश)	1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर (रिले केन्द्र)	07.12.2011
22.	राजगढ़ी (उत्तराखंड)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	01.01.2012
23.	जेमीथंग (अरूणाचल प्रदेश)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	07.03.2013
24.	कालकतांग(अरूणाचल प्रदेश)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	07.03.2012
25.	बोम्डीला (अरूणाचल प्रदेश)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	07.03.2012
26.	तलीहा (अरूणाचल प्रदेश)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	07.03.2012
27.	सेपा (अरूणाचल प्रदेश)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	07.03.2012
28.	सेनापति (मणिपुर)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	07.03.2012
29.	रेगडिल (मिजोरम)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	07.03.2012
30.	लैसवराय (मिजोरम)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	07.03.2012
31.	समटोर (नागालैण्ड)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	07.03.2012
32.	टनकपुर (उत्तराखंड)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	20.03.2012

33.	उखीमट (उत्तराखंड)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	22.03.2012
34.	खेतीखान (उत्तराखंड)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	26.03.2012
35.	बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	28.03.2012
36.	मग्लादेवी फोर्ट (जम्मू और कश्मीर)	100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर (एल पी टी रिले केन्द्र)	31.03.2012

ii. वर्ष (2011–12) के दौरान विद्ममान केन्द्रों पर स्थापित टांसमीटर

1.	सिलचर (असम)	विद्ममान सेटअप में 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर जोडा गया
2.	तवांग (अरूणाचल प्रदेश)	विद्ममान सेटअप में 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर जोडा गया
3.	जीरो (अरूणाचल प्रदेश)	विद्ममान सेटअप में 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर जोडा गया
4.	कोकराझार (असम)	विद्ममान सेटअप में 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर जोडा गया
5.	डिब्रूगढ (असम)	विद्ममान सेटअप में 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर जोडा गया
6.	विजयवाडा (आंध्र प्रदेश)	1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से बदला गया और 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर अतिरिक्त चैनल के तौर पर।
7.	गंगटोक (सिक्किम)	10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर और 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर अतिरिक्त चैनल के तौर पर स्थापित किया गया।
8.	बेंगलूर (कर्नाटक)	अतिरिक्त चैनल के तौर पर 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर
9.	पटना (बिहार)	10 किलोवाट एफ एम टांसमीटर अतिरिक्त चैनल के तौर पर स्थापित किया गया।
10.	रांची (झारखंड)	11 किलोवाट एफ एम टांसमीटर अतिरिक्त चैनल के तौर पर स्थापित किया गया।
11.	बीकानेर (राजस्थान)	10 किलोवाट एफ एम टांसमीटर अतिरिक्त चैनल के तौर पर स्थापित किया गया।
12.	श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर)	(6.10.2012 को सूचना और प्रसारण सचिव द्वारा उद्घाटन) 10 किलोवाट एफ एम टांसमीटर अतिरिक्त चैनल के तौर पर स्थापित किया गया।
13.	तिरूनलवेल्ली (तमिलनाडु)	10 किलोवाट एफ एम टांसमीटर अतिरिक्त चैनल के तौर पर स्थापित किया गया।
14.	सोलापुर (महाराष्ट्र)	1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 10 किलोवाट एफ एम टांसमीटर से बदला गया। (31.12.12 को 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर बंद किया गया।)
15.	जालंधर (पंजाब)	1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 10 किलोवाट एफ एम टांसमीटर से बदला गया। (11.12.12 को 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर बंद किया गया।)
16.	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	10 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 10 किलोवाट एफ एम टांसमीटर से बदला गया। (11.12.12 को 10 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर बंद किया गया।)
17.	जोरहाट (असम)	2X5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर को 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से बदला गया।
18.	पुदुच्चेरी (पुदुच्चेरी)	5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर अंतरिम सेटअप की जगह 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर नियमित सेटअप चालू हुआ।
19.	वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर अंतरिम सेटअप की जगह 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर नियमित सेटअप चालू हुआ।
20.	गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)	1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर अंतरिम सेटअप की जगह 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर नियमित सेटअप चालू हुआ।

21.	हैदराबाद (विज्ञापन प्रसारण	5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर अंतरिम सेटअप की जगह 10 किलोवाट सेवा) (आंध्र प्रदेश) एफ एम ट्रांसमीटर नियमित सेटअप चालू हुआ।
22.	औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर अंतरिम सेटअप की जगह 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर नियमित सेटअप चालू हुआ। (21.05.2012 को 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर बंद किया गया।)
23.	कानपुर (उत्तर प्रदेश)	1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर अंतरिम सेटअप की जगह 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर नियमित सेटअप चालू हुआ। (21.05.2012 को 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर बंद किया गया।)
24.	शिमला (हिमाचल प्रदेश)	1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर अंतरिम सेटअप की जगह 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर नियमित सेटअप चालू हुआ।
25.	रायपुर (छत्तीसगढ)	1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर अंतरिम सेटअप की जगह 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर नियमित सेटअप चालू हुआ।
26.	बेल्लारी (कर्नाटक)	1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर अंतरिम सेटअप की जगह 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर नियमित सेटअप चालू हुआ।
27.	गुलबर्गा (कर्नाटक)	1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर अंतरिम सेटअप की जगह 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर नियमित सेटअप चालू हुआ।
28.	मदुरै (तमिलनाडु)	1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर अंतरिम सेटअप की जगह 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर नियमित सेटअप चालू हुआ।
29.	रोहतक (हरियाणा)	1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर अंतरिम सेटअप की जगह 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर नियमित सेटअप चालू हुआ।
30.	अलवर (राजस्थान)	2X3 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर में उन्नयन
31.	कुरूक्षेत्र (हरियाणा)	2X3 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर में उन्नयन
32.	बांसवाडा (राजस्थान)	2X3 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर में उन्नयन
33.	चितौडगढ (राजस्थान)	2X3 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर में उन्नयन
34.	हैदराबाद (रैनबो)	2X3 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर (आंध्र प्रदेश) में उन्नयन
35.	कोचिन (केरल)	2X3 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर में उन्नयन
36.	नागपुर (महाराष्ट्र)	2X3 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर में उन्नयन
37.	पुणे (महाराष्ट्र)	2X3 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर में उन्नयन
38.	सूरत (गुजरात)	2X3 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर में उन्नयन
39.	मैसूर (कर्नाटक)	स्थाई स्टूडियो सेटअप चालू किया गया।
40.	जयपुर (राजस्थान)	स्थाई स्टूडियो सेटअप चालू किया गया
41.	तवांग (अरूणाचल प्रदेश)	स्थाई स्टूडियो सेटअप चालू किया गया
42.	लेह (जम्मू और कश्मीर)	स्थाई स्टूडियो सेटअप चालू किया गया
43.	चंडीगढ	अतिरिक्त चैनल के तौर पर 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर स्थापित किया गया।

2. जम्मू और कश्मीर के लिए विशेष पैकेज

(i) फेज–I जम्मू और कश्मीर में आकाशवाणी सेवाओं के विस्तार एवं सुधार के लिए विशेष पैकेज फेज–I को कार्यान्वित कर दिया गया है। जम्मू ओर कश्मीर में अब 16 आकाशवाणी केन्द्र और 25 प्रेषित्र (मीडियम वेव 14, एफ एम 8, शार्ट वेव 3) हैं। रेडियो सिग्नल राज्य की 99.52 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करते हैं।

(ii) फेज–II– विद्यमान आकाशवाणी केन्द्रों की केपटिव विद्युत आपूर्ति को और सुदृढ करने के लिए अतिरिक्त डीजल जनरेटरों एवं यू पी एस उपलब्ध करवाने के लिए योजना को अनुमोदित कर दिया गया। यह बिजली आपूर्ति बाधित होने पर और आपातकाल या प्राकृतिक आपदा की स्थिति में भी प्रसारण की निरंतरता को सुनिश्चित करने में सहायक होगी। प्राप्ति की स्थिति नीचे दी गई है:

(iii) फेज–III– फेस–III के विशेष पैकेज हेतु – 100 करोड की राशि के लिए सरकार का अनुमोदन 18 अगस्त 2010 को प्राप्त हुआ। उपस्कर की खरीद और विभागीय गतिविधियों के लिए प्रशासनिक अनुमोदन भी जारी किया गया।

स्कीम में चार एफ एम और पाँच टी वी उच्च शक्ति प्रेषित्र स्थापित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त कवरेजरहित क्षेत्रों के लिए 4 निम्न शक्ति 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर को भी शामिल किया गया है। स्थल की पहचान कर ली गई है और अधिग्रहण प्रगति पर है। ट्रांसमीटर की खरीद के लिए निविदा कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

3. पूर्वोत्तर विशेष पैकेज फेज–II

पूर्वोत्तर और द्वीपीय प्रदेशों की आकाशवाणी सेवाओं के विस्तार एवं सुधार के लिए विशेष पैकेज का कार्यान्वयन किया जा रहा है। पैकेज में सम्मिलित हैं:

(1) 1 किलोवाट एफ एम केन्द्रों की संख्या –19

1.	अरुणाचल प्रदेश	:	अनिनि, बोमडीला, चांगलांग, दापोरजिओ, खोंसा
2.	असम	:	करीमगंज, लुमडिंग, गोलपाडा
3.	मणिपुर	:	उखरुल, तमेंगलांग
4.	मेघालय	:	चेरापूंजी
5.	मिजोरम	:	तुइपांग, चम्फाई, कोलासिब
6.	नागालैंड	:	वोखा, जुनहेबोटो, फेक
7.	त्रिपुरा	:	उदयपुर, नूतन बाजार

(i) स्थलों का अधिग्रहण

19 नए एफ एम केन्द्र स्थापित करने के लिए नए स्थलों की जरुरत थी। राज्य सरकार की ओर से स्थल और मांग पत्र देने में विलंब हुआ है।

- अप्रैल, 2010 से पहले, अरुणाचल प्रदेश में बोमडीला, चांगलांग, खोंसा और दापोरजिओ, असम में गोलपाड़ा, करीमगंज और लुमडिंग, मेघालय में चेरापूंजी, मिजोरम में चम्फई, कोलासिब और तुइपांग, नागालैंड में फेक और वोखा, त्रिपुरा में नूतन बाजार और उदयपुर में 15 जगहों पर स्थल ले लिया है।
- चालू वर्ष के दौरान जुनहेबोटो (नागालैंड) में स्थल को अंतिम रुप दे दिया और भुगतान कर दिया गया है जल्दी ही इस स्थल को लिए जाने की सम्भावना है।

- अब तक, अनिनि (अरुणाचल प्रदेश), तमेंगलांग (मणिपुर) और उखरुल (मणिपुर) तीन जगहों पर संबंधित राज्य सरकारों द्वारा स्थल के आबंटन के कारण अधिग्रहण लम्बित है।
- तमेंगलांग में वैकल्पिक स्थल का प्रस्ताव दिया गया है कानून और व्यवस्था की स्थिति में सुधार के बाद सर्वेक्षण दल स्थल का दौरा करेगा। उखरुल की जमीन, वहां के विद्यमान जिला पुलिस अधीक्षक के कार्यालय के नई इमारत में शिफ्ट हो जाने के बाद, जो अभी तैयार नहीं है, स्थानांतरित कर दी जाएगी। अनिनि के लिए स्थल अभी राज्य सरकार द्वारा दिया जाना है। मामले को आगे बढ़ाया जा रहा है।

(ii) सिविल कार्य :–

1. *सुरक्षा बाडा*

- बोमदीला, लुमडिंग, तुइपांग, उदयपुर, नूतन बाजार, दापोरजिओ, कोलासिब, बोमदीला, खोंसा, चम्फई और गोलपाड़ा और चेरापूंजी और वोखा 12 जगहों पर सुरक्षा बाडे के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया गया है।
- फेक और चांगलांग 2 जगहों पर कार्य प्रगति पर है करीमगंज के लिए कार्य सौंपा गया।

2. *ट्रांसमीटर बिल्डिंग*

- तुइपांग, नूतन बाजार, उदयपुर, गोलपाडा, दोपारजिओ, लुमडिंग, चम्फई और कोलासिब 8 जगहों पर ट्रांसमीटर बिल्डिंग का तकनीकी क्षेत्र तैयार हैं तथा विभागीय कार्य लिया जा चुका है। अंतरिम ऐंटीना सहित 6 जगहों पर प्रेषित्र संस्थापित कर दिए गए हैं। टावर कार्य दे दिया गया है। दो जगहों पर संस्थापन कार्य प्रगति पर है।
- खोंसा, चेरापूंजरी, वोखा, फेक, करीमगंज, बोमडीला और चांगलांग 7 जगहों में कार्य प्रगति पर है।

(2) सिलचर – 5 किलोवाट एफ एम प्रेषित्र और गंगतोक– 10 किलोवाट एफ एम प्रेषित्र

- सिलचर और गंगतोक में एफ एम प्रेषित्र का सिविल कार्य पूरा हो गया है तथा विभागीय कार्य प्रगति पर है।
- 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर दिल्ली में प्राप्त हो गया है और सिलचर भेजा जा रहा है तथा गंगतोक के लिए 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर संस्थापित और मापन का कार्य प्रगति पर है।

(3) 100 स्थानों में 100 वाट एफ एम रिले प्रेषित्र – 89 स्थानों पर संस्थापित करने का कार्य पूरा कर लिया गया है। 3 स्थानों पर कार्य प्रगति पर है। राज्य सरकार (2 अरुणाचल प्रदेश) से अनुमति प्राप्त होने और कानून व्यवस्था (मणिपुर में 4 और त्रिपुरा में 2) में सुधार के बाद 8 स्थानों पर कार्य शुरु किया जाएगा।

(4) चिनसुरा–1000 किलोवाट मीडियम वेव प्रेषित्र (विद्यमान 1000 किलोवाट मीडियम वेव प्रेषित्र का प्रतिस्थापन) ट्रांसमीटर प्राप्त कर लिया गया और संस्थापनाधीन है।

(5) कावारती– 10 किलोवाट मीडियम वेव प्रेषित्र (1 किलोवाट मीडियम वेव प्रेषित्र का प्रतिस्थापन) – ट्रांसमीटर प्राप्त कर लिया गया और संस्थापनाधीन है।

(6) डिजीटल सैटेलाइट समाचार एकत्रण प्रणाली (संख्या 3)– 12.7.2011 को खरीद आदेश दिए गए।

दिसंबर 2011 में प्राप्त होने की संभावना है।

(7) गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय को बढ़ावा देने के लिए, गुवाहाटी में उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए स्थायी कार्यालय परिसर और स्टाफ क्वाटर्स देने के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है।

(8) जयपुर (राजस्थान) और तवांग (अरुणाचल प्रदेश) में डिजीटल उपकरणों और रिकार्डिंग, एडिटिंग और प्लेबैक के लिए कंप्यूटरीकृत हार्ड डिस्क वर्क स्टेशनों के साथ स्थायी स्टुडियो सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। 16 डिजीटल ट्रासमिशन कंसोल की खरीद के लिए आर्डर दिया गया और 17 डिजीटल रिकार्डिंग कंसोल खरीदे गए।

ग. नई पहलें:

1. 11वीं योजना के प्रारुप में आकाशवाणी नेटवर्क का डिजिटलीकरण मुख्य महत्व वाले क्षेत्रों में से एक है। सरकार ने 898.32 करोड़ रु की लागत से प्रेषित्र के डिजिटलीकरण, आकाशवाणी नेटवर्क में स्टुडियो कनेक्टिविटी की आवश्यकता की योजना को अनुमोदित कर दिया है। इसमें निम्नलिखित सम्मिलित है:–

- 98 स्टूडियो का डिजिटलीकरण व संयोजन।
- विद्यमान केंद्रो पर 31 पुराने मीडियम वेव प्रषित्रों का नए डी आर एम प्रेषित्रों द्वारा प्रतिस्थापन।
- अरुणाचल – चीन सीमा पर 3 स्थानों में मीडियम वेव डी आर एम प्रेषित्रों का सीमित बिजली संयत्र के साथ उन्नयन।
- 6 स्थानों पर 10 किलोवाट मीडियम वेव मोबाइल का मीडियम वेव डी आर एम प्रेषित्र से प्रतिस्थापन।
- 36 कंपटिएबल मीडियम वेव प्रषित्रों का डी आर एम प्रणाली में परिवर्तन।
- 24 स्थानों पर नए 1 किलोवाट/5 किलोवाट एफ एम डिजिटल कंपटिएबल प्रेषित्र।
- एफ एम कवरेज क्षेत्र से बाहर ग्रामीण एव अर्धशहरी क्षेत्रों विद्यमान आकाशवाणी और दूरदर्शन के एल पी टी स्थानें पर एफ एम कवरेज को बढाने और संयोजन के लिए 100 स्थानों पर 100 वाट एफ एम डिजिटल कंपटिएबल प्रेषित्र।
- 34 दूरवर्ती और सीमा क्षेत्रों में पुराने एफ एम प्रेषित्रों का समान क्षमता वाले प्रषित्रों से प्रतिस्थापन एवं 6 एक किलोवाट मीडियम वेव प्रेषित्रों की 10 किलोवाट एफ एम प्रेषित्रों से प्रतिस्थापन ।
- 5 शार्ट वेव प्रेषित्रों का डी आर एम शार्ट वेव प्रेषित्रों से प्रतिस्थापन।
- दिल्ली के अभिलेखागार सुविधा में वृद्धि और चेन्नै, मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद में अभिलेखागार सुविधा का सृजन।
- 44 विद्यमान नई इकाइयों में वृद्धि और 7 नई क्षेत्रीय समाचार इकाइयों का सृजन।
- 16 स्थानों से न्यूज–आन्–फोन सेवा की शुरुआत और 13 स्थानों पर विद्ममान न्यूज–आन–फोन सेवाओं में वृद्धि
- डिजिटल स्टूडियो प्रेषित्र लिंक।
- तिरुचिरापल्लि, मदुरै और धारवाड पर 3 नए कैप्टिव अर्थ केन्द्र।

2. क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों सहित कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) एवं कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) का संवर्धन – मंत्रालय द्वारा 31.08.2010 को 20 करोड रुपए की लागत के एस एफ

सी प्रस्ताव को अनुमोदन दिया गया। योजनाओं में कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), दिल्ली एवं क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) मुंबई पर सुविधाओं का संवर्धन,कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), तिरुवन्नतपुरम, हैदराबाद, लखनऊ और अहमदाबाद में छात्रावास का निर्माण शामिल है। सी सी डब्ल्यू के समन्वय से सिविल जरुरतों को अन्तिम रुप दिया जा रहा है। उपकरण विनिर्देशों को अन्तिम रुप दिया गया।

3. गुवाहाटी में कार्यालय आवास/स्टाफ क्वाटर्स और श्रीनगर में होस्टल आवास – मंत्रालय द्वारा 20 करोड की लागत का एस एफ सी प्रस्ताव अनुमोदित किया गया। गुवाहाटी में स्टाफ क्वाटर्स के लिए आकलन और श्रीनगर में होस्टल आवास को स्वीकृति दी गई और कार्य देने के लिए निविदा कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। गुवाहाटी में कार्यालय आवास का आकलन स्वीकृत है।

घ. आकाशवाणी संसाधन के कार्यकलाप

- प्रसार भारती ने प्रसारण क्षेत्र में परामर्श कार्य और टर्की समाधान उपलब्ध कराते हुए राजस्व अर्जन तथा आकाशवाणी और दूरदर्शन हार्डवेयर, मानव संसाधन एवं तकनीकी विशेषज्ञों के विशाल संसाधनों का उपयोग करने के लिए "आकाशवाणी संसाधन" नाम से स्वतंत्र केंद्र प्रारंभ किया है।

  इसमें देश में 37 स्थानों में इग्नू को अपने ज्ञानवाणी केंद्रों के लिए एफ एम प्रेषित्र स्थापित करने के लिए परामर्श एवं टर्की समाधान उपलब्ध करवाए गए हैं। प्रसार भारती ने इन एफ एम प्रेषित्रों के परिचालन एवं अनुरक्षण का कार्य भी लिया है।

- निजी एफ एम प्रसारकों के साथ किराए के आधार पर इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे– भूमि, इमारत एवं टावर में भी साझेदारी की जा रही है। वर्तमान में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के निजी एफ एम प्रसारण की योजना के फेज । के अधीन 3 शहरों में 9 निजी एफ एम चैनल परिचालन में है। फेज–।। के अधीन 86 शहरों में 219 एफ एम चैनल परिचालन में है। सैलुलर मोबाइल ऑपरेटर अपनी सेवाओं के लिए प्रसार भारती के इंफ्रास्ट्रक्चर को शेयर कर रहे हैं।

- प्रसार भारती प्रसारण की विभिन्न शाखाओं में ऑन साइट एवं संस्थागत प्रशिक्षण उपलब्ध करवाकर भी राजस्व अर्जन कर रहा है।

- आकाशवाणी संसाधनों ने अप्रैल, 2011 से मार्च 2012 की अवधि के दौरान 57.40 करोड रु सकल राजस्व अर्जित किया।

ड. आई टी प्रभाग की गतिविधियां:

1. **आकाशवाणी की वेबकॉस्टिंग एवं पोडकास्टिंग सेवाएं:–** आकाशवाणी अपने रेडियो प्रेषित्र नेटवर्क के द्वारा प्रसारण करता है। यह कार्यक्रम आकाशवाणी द्वारा वेबकास्टिंग एवं पोडकास्टिंग तकनीकी उपयोग से विश्व भर में इंटरनेट पर उपलब्ध करवाए जाएंगे। 11वीं योजना में अनुमोदित वेबकास्टिंग एवं पोडकास्टिंग सेवाओं का प्रावधान कार्यान्वयन में है। शुरूआत में, मुख्य परियोजना के रूप में सीधे प्रसारण हेतु एक चैनल की योजना बनाई गई।

2. **ऑनलाइन न्यायिक मामले मानीटरिंग प्रणाली–** प्रसार भारती में न्यायिक मामलों की मानीटरिंग के लिए ऑनलाइन प्रणाली का विकास किया गया। प्रणाली का बुनियादी संस्करण पहले ही विकसित किया जा चुका है। प्रणाली विभिन्न स्टेक होल्डरों द्वारा किए गए न्यायिक मामलों की स्थिति को ऑनलाइन अद्मतन करने और आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के लिए विभिन्न रिपोर्टें बनाने में सहायता करेगी।

3. **नए एयरनेट का विकास–** आकाशवाणी के विभिन्न कार्यालयों के बीच सूचनाओं का आदान–प्रदान करने वाली विद्यमान ऑनलाइन प्रणाली पुरानी हो गई है और नई प्रौद्योगिकी को सहायता देने में असमर्थ है। नई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई एयरनेट ऑनलाइन प्रणाली का विकास किया जा रहा है।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी)

दिल्ली का कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) अभियांत्रिकी कार्मिकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करता है। प्रशिक्षण सुविधाओं को बढाने के लिए भुवनेश्वर और शिलांग में भी क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए गए है।

दिल्ली में इस संस्थान को वर्ष 1948 में स्थापित किया गया था और तब से यह इलैक्ट्रानिक मीडिया में तकनीकी प्रशिक्षण के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र के रुप में उभरा है। सुव्यवस्थित पुस्तकालय एवं नवीनतम मल्टी मीडिया उपकरणों के साथ कंप्यूटर केंद्र इस संस्थान का भाग है।

यह संस्थान विभागीय अभ्यर्थियों के साथ–साथ हमारे जैसे विदेशी संगठनों के अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण पाठयक्रम का संचालन करता है। विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में भी वर्कशॉप का आयोजन किया जाता है। संस्थान अभियांत्रिकी सहायकों की सीधी नियुक्ति के लिए भर्ती परीक्षा का आयोजन करता है और साथ ही अधीनस्थ अभियांत्रिकी संवर्गों की पदोन्नति के लिए विभागीय प्रतियोगी परीक्षा का भी आयोजन करता है।

प्रशिक्षण संस्थान का नाम	आयोजित पाठयक्रमों की संख्या	प्रशिक्षित कर्मचारियों की संख्या
कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), दिल्ली	81	1623
क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), भुवनेश्वर	32	1043
क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), शिलांग	12	157

क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), भुवनेश्वर मुख्य रूप से पूर्वी क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। संस्थान विभिन्न विषयों जैसे श्रव्य–दृश्य मापन, श्रवय/दृश्य सम्पादन, आकाशवाणी/दूरदर्शन ट्रांसमीटर, दाब प्रबंधन, कंप्यटूर नेटवर्किंग, कंप्यूटर जागरूकता, दूरदर्शन स्टूडियो, उपस्कर और लाइटिंग, पुनश्चर्या पाठयक्रम, ओबी, भू–केन्द्र, डी एस एन जी आदि पर प्रशिक्षण आयोजित करता है।

क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी), शिलांग मुख्यतः पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। संस्थान आकाशवाणी/दूरदर्शन ट्रांसमीटर, दूरदर्शन स्टूडियो, हार्ड–डिस्क, आधारित रिकार्डिंग प्रणाली और वास्तविक स्टूडियो, आई टी जागरूकता, कंप्यूटर नेटवर्क, डिजिटल भू केन्द्र/डी एस एन जी/डी डी एच, पुनश्चर्या पाठयक्रम आदि का आयोजन करता है।

क. प्रशिक्षण पाठयक्रमों का ब्यौरा और प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या

ख. विभिन्न सेन्टरों/केन्द्रों पर कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) द्वारा 27 बाहय पाठ्यक्रम आयोजित किए।

ग. अन्तर्राष्ट्रीय भागीदारीः भूटान प्रसारण निगम के चार प्रतिभागियों ने भुगतान आधार पर 9–20 मई, 2011 की अवधि के लिए "तकनीकी के लिए पुर्नश्चर्या पाठ्यक्रम'' के लिए प्रवेश प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।

घ. कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) द्वारा अभियांत्रिकी छात्रों के लिए चार/छः सप्ताह का

डिप्लोमा/ डिग्री ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण चलाया गया और इसमें कुल 246 अभियांत्रिकी छात्रों ने भाग लिया।

2. कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) दिल्ली द्वारा अर्जित राजस्व

(i) मई–जून 2011 के दौरान छात्रों के लिए अभियांत्रिकी में 246 छात्रों के लिए डिग्री और डिप्लोमा प्रशिक्षण पाठयक्रम चलाए गए जिससे रु 7,70,998/– का राजस्व अर्जित किया।

(ii) इस अवधि के दौरान 15 यूपी के पालिटेक्निक के 10 अभ्यार्थियों के लिए एफ एम रेडियो ट्रांसमीटर में 12 से 16 फरवरी 2012 तक एक पाठयक्रम चलाया गया और 1,37,500/– रु का राजस्व अर्जित किया।

3. कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान में होस्टल सुविधाएं

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान के छात्रावास में 124 सुसज्जित कमरों के साथ पांच ब्लॉक हैं। 20 कमरों में डबल बैड के साथ बाथरूम और एयर कडीशनर (डीलक्स कमरे) और 60 कमरों में सिंगल बैड के साथ बाथरूम और एयर कंडीशनर (सेमी डीलक्स कमरे) हैं। बाकि 44 एकल कमरे बिना सलंग्न (कॉमन बाथरुम के साथ) बाथरुम के हैं। 64 सदस्यों की क्षमता वाला एक एसी डाइनिंग हाल है। आधुनिक किचन सुविधाओं के साथ उचित दर पर पूरे दिन का भोजन उपलब्ध कराना है। आर ओ प्लांट ठीक से कार्यकर रहा है और प्रतिभागियों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराता है। साथ में लगे लॉन का भी अच्छी तरह रख–रखाव किया जाता है। रहने और खाने की सुविधाओं के अलावा प्रशिक्षुओं को दूसरी सुविधाएं जैसे कपडे धुलाना, आने जाने के लिए टैक्सी और चिकित्सा परामर्श भुगतान पर मुहैया कराए जाते हैं।

कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) द्वारा वर्ष के दौरान रू 21,62,770/– का राजस्व अर्जन किया गया।

4. स्टाफ/कर्मचारी कल्याण गतिविधियां:–

(i) छात्रावास के डीलक्स कमरों में केबल टी वी कनेक्शन और रेफ्रीजरेटर उपलब्ध कराए गए।

(ii) छात्रावास में 40 तकनीकी पुस्तकों के साथ एक पुस्तकालय शुरू किया गया। छात्रावास में आवास के दौरान प्रशिक्षुओं द्वारा इन पुस्तकों का उपयोग किया गया।

वर्ष 2011–12 के लिए अनुसंधान एवं विकास से संबंधित

आकाशवाणी एवं दूरदर्शन का अनुसंधान विभाग एव महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास संगठन है जो ध्वनि और दूरदर्शन प्रसारण के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास गतिविधियों की लगा हुआ है। वर्तमान वर्ष के दौरान इस कार्यालय की मुख्य उपलब्धियां निम्नलिखित हैं :–

1 अप्रैल 2011 से 31 मार्च 2012 की अवधि के दौरान उपलब्धियां

(क) टेलीमेट्री प्रणाली समूह

(i) मीडियम वेव टेलीमेट्री

- आकाशवाणी कोटा में पीएसटीएन और जीपीआरएस/जीएसएम में अपने सामान्य प्रशासन प्रचालन के लिए एएम टेलीमेट्री प्रणाली का पहले ही परीक्षण किया जा चुका है। अवधि के दौरान आकाशवाणी महानिदेशालय और मुख्य अभियंता (उत्तरी क्षेत्र) द्वारा बताएं गए परिवर्तन/सुझावों जैसे अग्नि अलार्म आदि को सम्मिलित कर अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर में संशोधन किया जा चुका है।
- विजवल बेसिक कोड के उपयोग से अनुप्रयोग साफ्टवेयर (जी.यू.आई) का लिंक्स ओएस से एमएम विन्डो ओएस में परिवर्तन।

- लैब में मॉडयूलेशन कार्ड में संशोधन सरंचना और परिक्षण किया गया।
- संशोधित साफ्टवेयर का लैब परिक्षण पूरा किया गया।
- अग्रिम टेलीमेट्री प्रणाली के लिए हार्डवेयर की खरीद का कार्य प्रगति पर है।

(ii) **एम एम टेलीमेट्री समूह**

आकाशवाणी कार्सियांग में मार्च 2011 के अंतिम सप्ताह में एफएम टेलीमेट्री प्रणाली आधारित जीएसएम का विकास और चालू करने के बाद एमएम टेलीमेट्री प्रणाली में टीसीपी/आईपी प्रोटोकॉल के उपयोग से और संशोधन किए गए ताकि इसे लेन क्नेक्टीविटी वाले किसी भी स्थान पर उपयोग किया जा सके। इथरनेट सर्वर डीवाइस के नेट कनेक्ट सीरियल खरीदे गए और उसके समनुरूप बनाए गए तथा ट्रांसमीटर कंट्रोलर और पीसी के बीच इथरनेट कनेक्टिवीटी में सीरियल के कार्यान्वयन के लिए लैब में कुछ परिक्षण किए गए।

विजवल बेसिक में टीसीपी/आईपी कनेक्टिविटी के लिए अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर (जीयूआई) का विकास किया गया और स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क के साथ परिक्षण किया गया। आगे इंटरनेट के साथ परीक्षण किए गए। आर एण्ड एसकेएफएम ट्रांसमीटर के साथ प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए अध्ययन भी किए जा रहे हैं। हार्डवेयर और साफ्टवेयर में आवश्यक संशोधन किए गए। आगे अनुप्रयोग साफ्टवेयर में कमियों को दूर करने और संशोधनों का कार्य पूरा किया गया।

(iii) स्वचालित वीएलपीटी के लिए टेलीमेट्री समूहः

अनुसंधान विभाग ने स्वचालित वीएलपीटी के लिए जीएसएम/एसएमएस आधारित रिमोट मानीटरिंग और कंट्रोल प्रणाली का विकास किया है। डीएमसी मासिक और संबद्ध वीएलपीटी जुन्नार और कर्जत में दो ऐसी इकाईयों की संस्थापना की गई है। प्रणाली सफलतापूर्वक कार्य कर रही है। एसएमएस के माध्यम से विद्युत आपूर्ति सुविधा और स्वचालित स्विचिंग इकाई भी पुनः स्थापना की शुरूआत की गई है। आगे डीएमसी की आवश्यकतानुसार अनुप्रयोग साफ्टवेयर और हार्डवेयर में संशोधन पूरे किए गए।

(iv) 100 वाट एफएम ट्रांसमीटर के लिए रिमोट मानीटरिंग और कंट्रोल प्रणाली

100 वाट एमएम ट्रांसमीटर के लिए 'जीएसएम/एसएमएस' आधारित रिमोट मानीटरिंग और कंट्रोल प्रणाली का विकासात्मक कार्य पूरा किया गया।

ख) ऐंटीना लैब

- हानि की बेहतर भरपाई तथा सिमेटरिकल स्पीलीटर के प्रयोग से 10 किलोवाट उच्च शक्ति एफएम ऐंटीना के परीक्षण का कार्य किया गया।
- मीडियम वेव ट्रांसमीटर के लिए अद्यतन लागत प्रभावी क्रास फील्ड ऐंटीना के प्रस्तुति मापन हेतु अध्ययन तथा संबंधित विनिर्देश और मानदंड के लिए सेटअप का विकास करना।
- नियत स्थान के साथ–साथ चल वाहन के लिए डीआरएम अभिग्रहण हेतु ऐंटीना की संरचना।
- 4बे और 6बे क्रास ऐंटीना के लिए आरएफ कॉकसीयल स्पीलीटर के उपयोग से 20 से 40 किलोवाट उच्च शक्ति एफएम ऐंटीना का डिजाइन और विकास।

ग) प्रसार प्रयोगशाला

अप्रैल 11 से मार्च 2012 की अवधि के दौरान प्रयोगशाला में प्रसार से संबंधित निम्नलिखित अध्ययन किए गए हैं–

- पूर्ण डीआरएम/सिमुकलकास्ट/मल्टीकास्ट मोड में डीआरएम प्रसारण की नियमित मानीटरिंग।
- आकाशवाणी भवन में डीआरएम सकाय द्वारा आयोजित डीआरएम शोकेश सह कार्यशाला में सक्रिय भागीदारी और अचल वैन तथा अन्य सर्वेक्षण उपस्कर उपलब्ध कराके डीआरएम प्रसारण के अभिग्रहण सर्वेक्षण में सहायता कि।

- आकाशवाणी महानिदेशालय की इच्छानुसार 1 किलोमीटर की त्रिज्या दूरी के भीतर सिग्नल के संतोषजनक अभिग्रहण के लिए नांगली में आकाशवाणी मीडियम ट्रांसमीटर (दिल्ली ए, दिल्ली बी,) सर्वेक्षण।
- आकाशवाणी महानिदेशालय की इच्छानुसार 1 किलोमीटर की त्रिज्या दूरी के भीतर सिग्नल के संतोषजनक अभिग्रहण के लिए मालरोड में आकाशवाणी मीडियम वेव ट्रांसमीटर (दिल्ली सी, दिल्ली डी, और नेशनल चैनल) का अभिग्रहण सर्वेक्षण। बाद में आगामी अध्ययनों के लिए सर्वेक्षण का 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर, 15 किलोमीटर, 20 किलोमीटर और 24 किलोमीटर तक विस्तार किया गया।
- प्रयोगशाला में फर्श, प्लास्टर, सफेदी और बिजली की तारों से संबधित विभागीय कार्य पूरा किया गया।
- डीआरएम ट्रांसमीशन पर आगामी अध्ययन जारी है।

घ) ध्वनि समूह

आकाशवाणी और दूरदर्शन के अनुसंधान विभाग को ध्वनि अभियांत्रिकी के क्षेत्र में गहन अनुसंधान और विकास अनुभव है। ध्वनि प्रयोगशाला निरंतर आकाशवाणी और दूरदर्शन केन्द्रों के विभिन्न ध्वनि माप इलैक्ट्रो–ध्वनि ट्रांसडूसरज के मूल्यांकन अर्थात विद्यमान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार माइक्रोफोन और स्पीकर सहित ध्वनि समाग्री का परीक्षण और मूल्यांकन (एनआरसी, एसटीसी, एफआईआईसी आदि) के कार्यों में लगी हुई हैं। आगे योजनागत परियोजना के तहत ध्वनि मापन अवसंरचना के उन्नयन का कार्य प्रगति पर है।

अर्जन/प्राप्ति

वर्ष 2011–12 के दौरान, 31 मार्च 2012 ध्वनि सामग्री/ट्रांसडूसर के परीक्षण शुल्क के विरूद्ध विभिन्न फर्मों से रू 287780/– की राशि प्राप्त की।

आकाशवाणी केन्द्रों का विभागीय ध्वनि मापन

आकाशवाणी जयपुर और दूरदर्शन केन्द्र चंडीगढ में ध्वनि मापन किए गए और क्षेत्रीय कार्यालय, केन्द्र और आकाशवाणी महानिदेशालय के प्राधिकारियों को रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

ङ) अंतर्राष्ट्रीय मानीटरिंग और रिसीविंग केन्द्र, टोडापुर, नई दिल्ली

टोडापुर, इन्द्रपुरी नई दिल्ली में स्थित अंतर्राष्ट्रीय मानीटरिंग और रिसीविंग केन्द्र आकाशवाणी की मीडियम वेव और शार्ट वेव के प्रसारण सिग्नल और आंतरिक तथा विदेशी सेवाओ के डीटीएच सिग्नल की मानीटरिंग करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2011–12 की अवधि के दौरान की गई गतिविधियां निम्नलिखित है–

1. आकाशवाणी के एमएफ और एचएफ ट्रांसमीटर की आवृति जांच

(अ) सभी शार्ट वेव और मीडियम वेव नामतः किग्जवें, खामपुर, अलीगढ़, बेंगलौर, गोरखपुर, चैन्ने, पणजी, मुंबई, चिनसुरा, राजकोट, जालंधर, तुतीकोरिन, गुवाहाटी जो आकाशवाणी की आंतरिक विदेशी और विविध भारती सेवाओं का प्रसारण करते हैं, की मानीटरिंग निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ की गईः–

(i) ट्रांसमीटर का कार्य अर्थात ब्रेकडाउन, माडयूलेशन, डिसटोरेशन, क्रॉसटॉक, अत्याधिक आवृति परिवर्तन और

(ii) कार्यक्रम की सही सारणी, और उनकी तकनीकी गुणवत्ता की जांच।

(आ) लखनऊ, भोपाल, हैदराबाद, जयपुर, शिमला, श्रीनगर, लेह, जम्मू और मुंबई में क्षेत्रीय शॉर्टवेव ट्रांसमीटर की मानीटरिंग की गई।

क्र.स.	निगरानी का ब्यौरा	अवसरों की संख्या
1.	अति विशिष्ट प्रसारण ट्रांसमीशन	14
2.	विशेष निगरानी	10

2. आकाशवाणी के शॉटवेव चैनलों के हस्तक्षेप का चिन्हित ना होना और स्पष्ट चैनल निगरानी

आकाशवाणी की आंतरिक, विदेशी और विविध भारती सेवाएं उपलब्ध कराने वाले चैनलों में हस्तक्षेप करने वाले केन्द्रों को चिन्हित करना और स्पष्ट चैनल निगरानी नियमित रूप से की गई। इन निगरानियों में पाई गई कमियों का उपचारात्मक कार्रवाई करने में प्रयोग किया गया। गणतंत्र दिवस, खेल, राष्ट्रीय घटनाएं, अति विशिष्ट प्रसारण और अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं पर कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए प्रत्येक सिग्नल एरियल/फ्रीक्वेंसी सेडयूल को निर्धारित करने से पहले निर्णय लेने के लिए विभिन्न चैनलों की विशेष मानीटरिंग नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार की गई।

3. आरएन चैनलों/एफएम चैनलों की मानीटरिंग

(क) प्रसारण भवन, नई दिल्ली से मूलरूप से प्रसारित इनसेट–3 सी में सभी सात चैनलों की मानीटरिंग की गई। इन चैनलों दिन–रात घंटों के आधार पर रोज मानीटर किया गया। कार्यक्रम की गुणवत्ता और विषयवस्तु के संबंध में पाई गई कमियों को सही समय पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रसारण भवन, नई दिल्ली को बताया गया तथा रिपोर्ट ई–मेल की गई।

(ख) सभी क्षेत्रीय आरएन चैनलों (सात केन्द्रों) को समग्र प्रस्तुति हेतु दिन में तीन बार मानीटर किया गया और रिपोर्ट ई–मेल की गई।

(ग) दिल्ली केन्द्र के दोनों एफएम चैनलों की रोजना प्रति घंटा के आधार पर मानीटरिंग की गई और रिपोर्ट ई–मेल की गई।

4. डीटीएच रेडियो मानीटरिंग

21 डीटीएच रेडियो चैनलों की रोजना प्रतिघंटा आधार पर नियमित मानीटरिंग की गई। संबंधित केन्द्रों तथा नेशनल चैनल को पाई गई कमियों के बारे में तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के लिए बताया गया तथा रिपोर्ट ई–मेल की गई।

5. विदेशी संगठनों के ट्रांसमीशन की मानीटरिंग

भारत की ओर विकीर्णित देशों के ट्रांसमीशन की तकनीकी मानीटरिंग पारस्परिक आधार पर नियमित रूप से की गई। आवधिक रिपोर्टें तैयार की गई तथा संबंधित प्रसारण संगठनों को ई–मेल द्वारा भेजा गया।

प्राथमिक सेवा: आकाशवाणी

प्राथमिक चैनल के कार्यक्रम संगठन

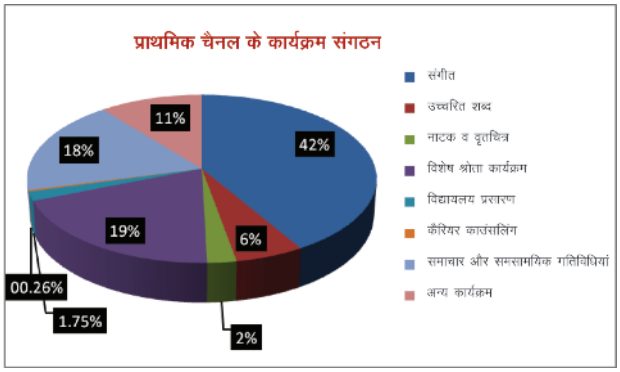

क्र. सं.	कार्यक्रम	प्रतिशत
1.	संगीत	42.0
2.	उच्चरित शब्द	06.0
3.	नाटक व वृतचित्र	02.0
4.	विशेष श्रोता कार्यक्रम	19.0
5.	विद्यालय प्रसारण	01.7
6.	कैरियर काउंसलिंग	00.3
7.	समाचार और समसामयिक गतिविधियां	18.0
8.	अन्य कार्यक्रम	11.0

वर्ष 2011–12 के दौरान आकाशवाणी के क्षेत्रीय केन्द्रों के प्राथमिक चैनल से प्रसारित कार्यक्रमों का स्वरूप निम्नलिखित है:

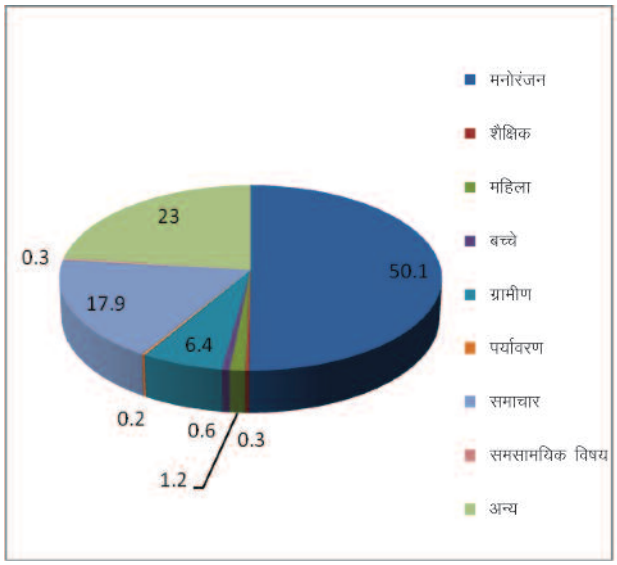

कार्यक्रम	प्रतिशत
मनोरंजन	50.1
शैक्षिक	0.3
महिला	1.2
बच्चे	0.6
ग्रामीण	6.4
पर्यावरण	0.2
समाचार	17.9
समसामयिक विषय	0.3
अन्य	23.0

स्थानीय रेडियो केन्द्र : आकाशवाणी

आकाशवाणी के स्थानीय रेडियो केन्द्रों से प्रसारित कार्यक्रमों के सम्मिश्रण का प्रतिशत निम्नलिखित है:

आकाशवाणी

स्टूडियो अवधि (घंटों) का वास्तविक सुविधाओं की प्रस्तुति में उपयोग:–

कार्यक्रम स्रोत	प्रतिशत
घरेलू कार्यक्रम और कमीशन्ड कार्यक्रम	99.07
प्रायोजित कार्यक्रम	0.93
प्राप्त कार्यक्रम	..

आकाशवाणी

1 अप्रैल, 2011 से 31 मार्च, 2012 की अवधि के दौरान आकाशवाणी से प्रसारित 90 प्रतिशत से अधिक कार्यक्रमों का निर्माण घरेलू था। यह स्टुडियो सुविधाओं के अधिकतम उपयोग द्वारा सुनिश्चित किया गया।

प्रसारण समय (घंटों में) में विभिन्न सुविधाओं का उपयोग

वर्ष 2011–12 के दौरान प्रसारण समय (घंटो में) प्रतिमाह प्रसारण सुविधाओं का औसतन उपयोग निम्न प्रकार था:–

(1) मीडियम वेव ट्रांसमीटर 52,179 घंटे

(2) शार्ट वेव ट्रांसमीटर 18,862 घंटे

(3) एफ एम ट्रांसमीटर 64,997 घंटे

आकाशवाणी का विस्तार

पंचवर्षीय योजना	अब तक	की स्थिति	केन्द्रों की संख्या					कवरेज %	
		प्रसारण केन्द्रों	सहायक/मेगावाट रिकार्ड केन्द्र		शा–वे–	एफएम	कुल	क्षेत्र	जनसंख्या
जनसंख्या	15–08–47	06	–	06	12	–	18	2–50	11–00
	01–04–51	25	01	29	17	–	46	12–00	20–00
पहली पंचवर्षीय योजना (51–56) के अंत में	31–09–56	26	02	29	17	–	46	31–00	46–00
दूसरी पंचवर्षीय योजना (56–61) के अंत में	31–09–61	30	04	33	26	–	59	37–00	55–00
तीसरी पंचवर्षीय योजना (61–66) के अंत में	31–03–66	54	02	82	28	–	110	52–00	70–00
	31–03–69	66	03	97	30	–	127	56–00	73–00
चौथी पंचवर्षीय योजना (69–74) के अंत में	31–03–74	71	04	108	32	–	140	67–50	80–30
पांचवीं पंचवर्षीय योजना (74–78) के अंत में	31–03–78	84	02	124	32	01	157	77–63	89–35
	31–03–80	84	02	124	32	01	157	77–73	89–40
	31–03–81	85	02	125	32	03	160	78–08	89–55
	31–03–82	85	02	125	32	03	160	78–83	89–65
	31–03–83	86	02	126	33	03	162	78–83	89–65
	31–03–84	86	02	126	33	03	162	78–90	89–69
छठी पंचवर्षीय योजना (80–85) के अंत में	31–03–85	88	02	128	35	04	167	79–78	90–27
	31–03–86	88	02	128	35	04	167	79–78	90–27
	31–03–87	93	02	133	35	04	172	82–20	93–40
	31–03–88	94	02	134	35	04	173	82–93	94–52
	31–03–89	97	02	137	36	05	178	83–71	94–91
सातवी पंचवर्षीय योजना (85–90) के अंत में	31–03–90	100	02	137	41	08	186	83–78	94–96
	31–03–91	108	02	139	43	15	197	84–60	95–40
	31–12–91	125	02	139	43	37	219	85–00	94–70
	29–02–92	126	02	140	43	37	220	85–40	95–90
आठवीं योजना के प्रारंभ में	01–04–92	128	02	140	43	39	222	85–40	95–90
आठवीं पंचवर्षीय योजना (92–97) के अंत में	31–03–97	187	01	147	52	98	297	90–00	97–30
नवीं योजना के प्रारंभ में	31–03–02	208	–	149	55	130	334	89–66	98–84
नवीं पंचवर्षीय योजना (97–02) के अंत में	31–12–05	222	–	144	54	158	356	91–42	99–13
दसवीं योजना (02–07)	31–12–06	215	–	146	54	161	361	92–92	99–49
ग्यारहवीं योजना (07–12)	31–12–07	231	–	149	54	170	372	91–79	99–14
	31–03–12	277	–	148	48	237	433	91–87	99–19

अख्यान:

- **हैदराबाद, औरंगाबाद, मैसूर, त्रिवेंद्रम और बडौदा, राजवंशी राज्यों के 5 और प्रसारण केन्द्रों को अधिग्रहित किया गया।**
- शिलांग और चंडीगढ को प्रसारण केन्द्रों में बदला गया।

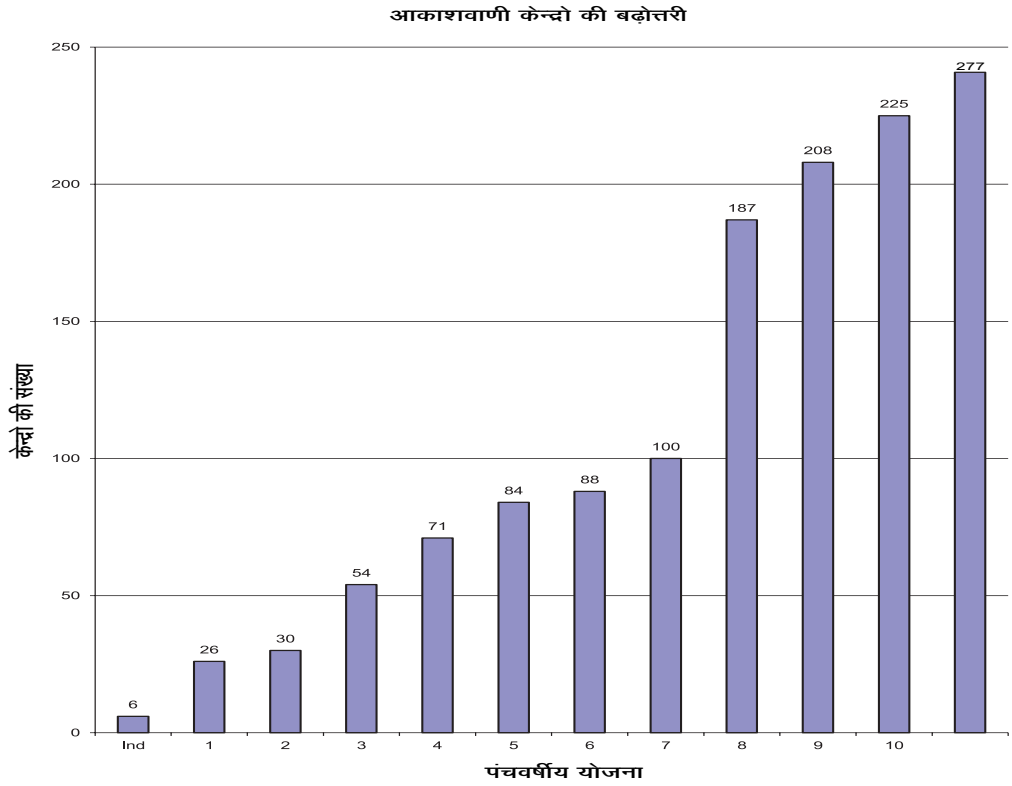
आकाशवाणी केन्द्रो की बढ़ोत्तरी
केन्द्रो की संख्या
250
200
150
100
50
0
6
26
30
54
71
84
88
100
187
208
225
277
Ind
1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
पंचवर्षीय योजना

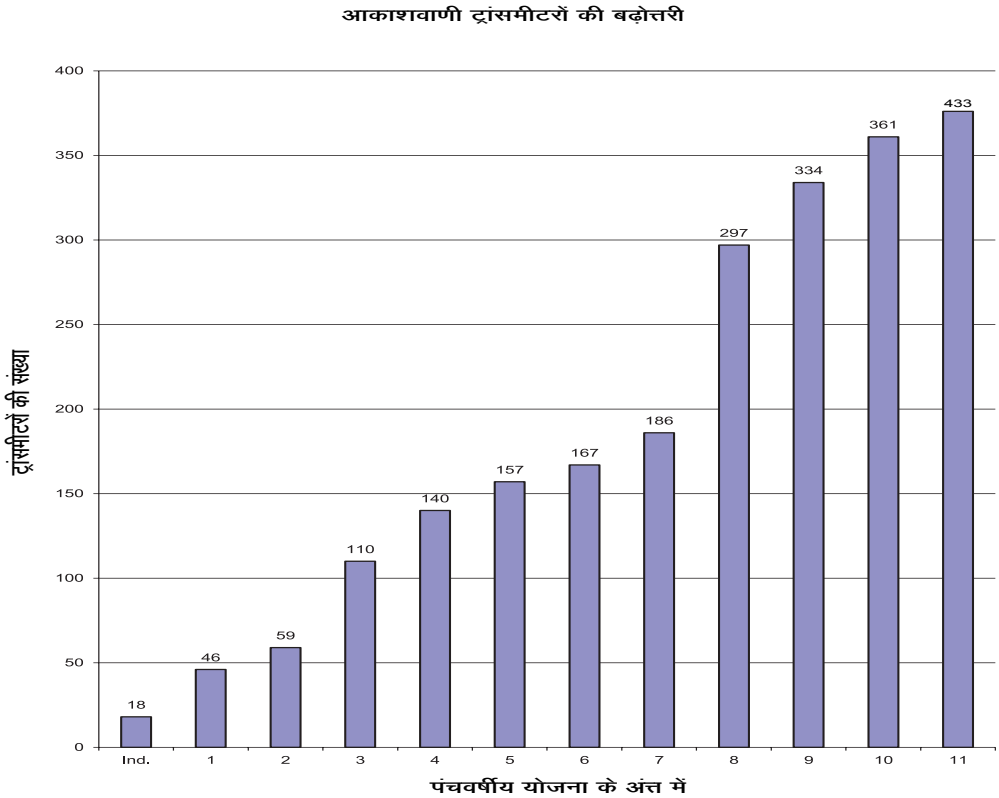
आकाशवाणी ट्रांसमीटरों की बढ़ोत्तरी
ट्रांसमीटरों की संख्या
400
350
300
250
200
150
100
50
0
18
46
59
110
140
157
167
186
297
334
361
433
Ind.
1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
पंचवर्षीय योजना के अंत में

पंचवर्षीय योजना के अंत में स्थिति
आकाशवाणी की राज्यवार कवरेज

31–03–2012 की स्थिति के अनुसार

क्र–स.	राज्य का नाम	चालू		10वीं योजना के पूरा होने के बाद	
		क्षेत्र %	जनसंख्या %	क्षेत्र %	जनसंख्या %
		(जनसंख्या)		(जनसंख्या)	
1.	आंध्र प्रदेश	99.00	99.50	99.00	99.50
2.	अरूणाचल प्रदेश	57.00	76.00	58.70	76.50
3.	असम	96.70	98.87	97.80	99.29
4.	बिहार	99.00	99.00	99.00	99.00
5.	छत्तीसगढ़	93.80	97.35	93.90	97.58
6.	दिल्ली	99.00	99.00	99.00	99.00
7.	गोवा	99.00	99.00	99.00	99.00
8.	गुजरात	99.00	99.00	99.00	99.00
9.	हरियाणा	99.00	99.00	99.00	99.00
10.	हिमाचल प्रदेश	52.00	88.91	53.71	89.66
11.	जम्मू और कश्मीर	48.05	99.50	48.22	99.52
12.	झारखंड	99.00	99.00	99.00	99.00
13.	कर्नाटक	96.40	97.30	98.48	98.75
14.	केरल	99.60	99.80	99.60	99.80
15.	मध्य प्रदेश	99.30	99.40	99.40	99.50
16.	महाराष्ट्र	98.67	98.99	99.00	99.68
17.	मणिपुर	94.96	98.46	99.00	99.68
18.	मेघालय	97.50	98.45	97.50	98.45
19.	मिजोरम	59.56	73.27	67.55	80.85
20	नागालैंड	81.50	87.67	83.10	88.88
21	उड़ीसा	98.27	99.00	99.47	99.70
22	पंजाब	99.00	99.00	99.00	99.00
23	राजस्थान	94.00	99.00	98.47	99.80
24.	सिक्किम	72.00	95.60	73.00	96.68
25.	तमिलनाडु	99.00	99.00	99.00	99.00
26.	त्रिपुरा	84.31	89.00	99.00	99.00
27.	उत्तर प्रदेश	99.90	99.90	99.90	99.90
28.	उत्तराखंड	54.69	80.10	66.37	87.36
29.	पश्चिम बंगाल	99.00	99.00	99.00	99.00
II	संघ शासित राज्य				
1.	अडमान और निकोबार दीप समूह	99.00	99.00	99.00	99.00
2.	चंडीगढ़	99.00	99.00	99.00	99.00
3.	दादर और नगर हवेली	99.00	99.00	99.00	99.00
4.	दमन और दियू	99.00	99.00	99.00	99.00
5.	लक्षद्वीप और मिनीकाय द्वीप समूह	99.00	99.00	99.00	99.00
6.	पुदुच्चेरी	99.00	99.00	99.00	99.00
राष्ट्रीय औसत		**91.82**	**99.16**	**92.92**	**99.49**

चैनल और कार्यक्रम

पिछले आठ दशकों में आकाशवाणी के उल्लेखनीय विकास ने इसे विश्वभर में सबसे बडे मीडिया संगठन में से एक बना दिया हैा इस नई सहस्त्राब्दि में आकाशवाणी के पास 277 केंद्र और 433 प्रेषित्र हैं। भारत जो कि एक सामुदायिक समाज है (Plural Society) इसकी सूचना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नेटवर्क ने नई तकनीकी एवं नई कार्यक्रम निर्माण की तकनीक को अपना कर विस्तार किया है। आकाशवाणी की सेवाओं का डिजीटलीकरण किया जा रहा है।

उद्देश्य

आकाशवाणी जनसमुदाय को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन, कल्याण और खुशहाली (बहुजन हिताय बहुजन सुखाय) को बढ़ावा देने के लिए प्रयत्नशील है :–

(क) देश की एकता को बनाए रखना और संविधान में प्रतिष्ठित लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखना।

(ख) राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, स्थानीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अभिरुचियों की सूचना की निष्पक्ष एवं संतुलित प्रस्तुति जिसमें अपने मत अथवा विचारधारा को प्रस्तुत किए बिना असमान दृष्टिकोणों को प्रस्तुत करना भी सम्मिलित है।

(ग) संपूर्ण देश की अभिरुचियों एवं दिलचस्पियों को बढ़ाना, देश में सौहार्द एवं समझदारी की आवश्यकता को ध्यान में रखना और यह सुनिश्चित करना कि कार्यक्रमों में वे सारे विभिन्न तत्व हों, जो भारत की संयुक्त संस्कृति को दर्शाते हैं।

(घ) समस्त वर्गों के व्यक्तियों को जागरूक, सूचित, शिक्षित करना, और उन्हें मनोरंजन एवं समृद्धि प्रदान करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को बनाना और प्रसारित करना।

(ड.) विकासशील गतिविधियों में कार्यक्रमों को उसके सभी पक्षों के साथ बनाना और प्रसारित करना जिसमें कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और विज्ञान एवं तकनीकी में विस्तार का कार्य सम्मिलित है।

(च) ग्रामीण, अशिक्षित और शोषित जनसंख्या का, युवाओं की विशेष आवश्यकताओं और रूचियों को ध्यान में रखकर, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों की, जनजातीय जनसंख्या और सीमा क्षेत्रों, पिछड़े एवं दूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों की सेवा करना है।

(छ) सामाजिक न्याय और शोषण के विरूद्ध युद्ध को बढ़ावा देना और असमानता, छूआछूत एवं समिति संकीर्ण निष्ठाओं जैसी बुराईयों को कम करना।

(ज) ग्रामीण जनसंख्या, अल्पसंख्यक, समुदायों, महिला, बाल, अशिक्षितों के साथ–साथ समाज के अन्य कमजोर एवं असुरक्षित वर्गों की सेवा करना।

(झ) राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना।

त्रिस्तरीय प्रसारण

अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कई वर्षों से आकाशवाणी ने राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय नाम से प्रसारण की त्रिस्तरीय प्रणाली विकसित की है। यह इस देश में महाद्वीपीय सीमा और सामुदायिक समाज के श्रोताओं की सूचना, शिक्षा एवं मनोरंजन की आवश्यकताओं को पूरा करता है। आकाशवाणी लगभग देश की पूरी जनसंख्या 2010 जनगणना के अनुसार 121.0 करोड़ की जनसंख्या को समाचार, संगीत उच्चरित शब्द और अन्य कार्यक्रम उपलब्ध करवाता है। आकाशवाणी की व्यापक पहुंच खासकर ग्रामीण

एवं जनजातीय क्षेत्रों में पहुंचने के कारण इसको प्राथमिकता प्रदान करता है और कभी–कभी केवल आकाशवाणी ही सूचना एवं मनोरंजन का एकमात्र साधन होता है।

राष्ट्रीय चैनल राष्ट्रीय कार्यक्रमों का प्रसारण करता है, जिसे देश के बड़े हिस्से में मीडियम वेव पर सुना जा सकता है। वर्तमान में इसका प्रसारण शार्ट वेव पर भी प्रारंभ हो गया है। क्षेत्रीय और उप–क्षेत्रीय केंद्रों के प्रसारण का एक दूसरा पहलू है जिसमें क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों का प्रसारण और क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहलूओं को बढ़ावा दिया जाता है। इसके अतिरिक्त मेट्रो शहरों में एफ एम चैनल जनसमूह मुख्यतः युवाओं की आधुनिक आवश्यकताओं को पूरा करता है। 37 स्थानों पर विविध भारती को भी एफ एम प्रसारण में परिवर्तित कर दिया गया है। देश के विभिन्न भागों में छोटे शहरों के श्रोताओं की आवश्यकताओं एवं रूचियों को पूरा करने के लिए एफ एम मोड पर 86 केंद्र हैं। वर्तमान में पिछले कुछ वर्षों में स्थानीय जनजातीय जनसंख्या की सेवा के लिए उत्तर–पूर्व में 5 स्थानों पर सामुदायिक रेडियो केन्द्रों की स्थापना की गई।

क्षेत्रीय चैनल

आकाशवाणी के क्षेत्रीय चैनल अधिकतर राज्यों की राजधानियों और प्रदेशों की मुख्य भाषाओं सांस्कृतिक क्षेत्रों में स्थित हैं। देश में कुल मिलाकर 116 चैनल 29 राज्यों और 6 संघ राज्यों में फैले हैं। आकाशवाणी का लोक सेवा प्रसारक अंग, क्षेत्रीय चैनल अपने श्रोताओं के जीवन को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से सूचना और मनोरंजन के कार्यक्रम प्रस्तुत करता है। क्षेत्रीय चैनल का मुख्यतः मीडियम वेव फ्रिक्वेंसी पर प्रसारण होता है और इसमें संयुक्त कार्यक्रम का सम्मिश्रण होता है। यह भारतीय शास्त्रीय संगीत पर मुख्य बल देते हुए कला और संस्कृति को बढावा देता है। प्राथमिक चैनलों पर कुल प्रसारण में से 40 प्रतिशत प्रसारण संगीत का होता है जिसमें शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, शास्त्रीय, लोक संगीत, फिल्म और अन्य समसामयिक विभिन्न भाषाओं का संगीत सम्मिलित होता है। प्रसारण समय 20 से 30 प्रतिशत समाचार और समसामयिक विषयों के कार्यक्रमों का होता है। रेडियो नाटक और ड्रामा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम, महिलाओं व बच्चों के लिए कार्यक्रम, कृषि एवं गृह कार्यक्रम प्राथमिक चैनलों के अन्य महत्वपूर्ण खंड हैं जिनका उद्देश्य ग्रामीण जनसमूहों का सशक्तीकरण है। आकाशवाणी के समस्त चैनलों में से इन चैनलों की पहुंच सबसे ज्यादा है और यह सबसे ज्यादा समझी जाने वाली भाषा में अपने श्रोताओं तक पहुंचने का प्रयास करते है।

11 अक्टूबर 2011 को आकाशवाणी द्वारा आयोजित सरदार पटेल स्मृति व्याखान श्रृखंला में मानवीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री जयराम रमेश के व्याख्यान के दौरान

विख्यात नर्तकी श्रीमती सोनल मानसिहं का हाल ही में आकाशवाणी में साक्षात्कार लेती सुनीता बुद्धिराजा

स्थानीय रेडियो केंद्र (एल आर एस)

भारत में स्थानीय रेडियो तुलनात्मक दृष्टि से प्रसारण की नई अवधारणा है। छोटे से क्षेत्र के लिए सेवा

उपलब्ध करवाते हुए प्रत्येक केंद्र उपयोगी सेवाएं उपलब्ध करवाता है और समाज के दिल तक सीधे पहुंचता है जो माइक्रोफोन के उपयोग से समाज के जीवन को समृद्ध करता है और प्रतिबिंबित करता है। स्थानीय रेडियो जमीन से जुडी, घनिष्ठ एवं अबाधक दृष्टिकोण इसे क्षेत्रीय नेटवर्क से अलग करता है। स्थानीय रेडियो के कार्यक्रम विशिष्ट होते हैं। यह कार्यक्रम लचीले एवं सहज होते है जिससे केंद्र स्थानीय समुदाय के प्रवक्ता के रूप में कार्य कर पाता है।

एफ एम रेनबो

आकाशवाणी के एफ एम रेनबो चैनल का प्रारंभ उस समय हुआ था जब मुख्यतः बड़े शहरों में रेडियो का सुनना घट रहा था। समाज के उच्च वर्ग के व्यक्तियों की सोच थी कि रेडियो कार्यक्रम सुनना फैशन के बाहर है क्योंकि उनके अनुसार यह कार्यक्रम मध्यम वर्ग के रेडियो श्रोताओं की आवश्यकताओं को पूरा करता है। साउंड रिकार्डिंग के क्षेत्र में किए गए तकनीकी सुधारों ने युवा संगीत प्रेमियों को अन्य संगीत वाद्य प्रणालियों के विकल्प अपनाने के लिए विवश किया क्योंकि मीडियम वेव मोड में गानों की रिसेप्शन क्वालिटी स्टीरियोफोनिक सिनेमा घरों अथवा डिजिटल इलैक्ट्रानिक उपकरणों की तुलना में उतनी सजीव नहीं थी। एफ् एम रेडियो ने श्रोताओं को बाधा रहित उच्चकोटि का संगीत प्रसारण सुनिश्चित कर इस फर्क को प्रभावशाली रूप से भरा है। श्रोताओं की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार एफ एम चैनल पर कम्पीयर की प्रस्तुति शैली में बदलाव किया गया है। कम्पीयर की संवाद शैली ने युवाओं की नब्ज़ को पकड़ा और उन्हें रेडियो के करीब आने के लिए आकर्षित किया। एफ एम प्रसारण रेडियो श्रोताओं को 24 घंटे मनोरंजन प्रदान करता है। शीघ्र ही एफ एम ने आधुनिक रेडियो की प्रतिष्ठा प्राप्त कर ली क्योंकि वह अपनी शैली में बोल रहा था और उन्हें रेडियो सुनने का आनंद प्रदान कर रहा था। रेडियो श्रोताओं की बढ़ोत्तरी से रेडियो को अपना पुराना गौरव एक बार फिर प्राप्त हो गया।

वर्तमान समय में आकाशवाणी के पास 237 एफ एम प्रेषित्र हैं जिससे वह देश में 29.18 प्रतिशत क्षेत्र और 41.43 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करता है। इसमें से एफ एम रेनबो चैनल 21 स्थानों नामतः दिल्ली, मुंबई, चेन्नै, कोलकाता, बैंगलूरु, लखनऊ, पणजी, जालंधर, कटक, कोडईकनाल, तिरूचिरापल्ली, कोयम्बटूर, विशाखापटनम एवं विजयवाडा पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त दिल्ली रेनबो, मसूरी, कानपुर, अलीगढ, कसौली, कर्सियांग एवं शिलांग से पूर्ण रूप से और आंशिक हैदराबाद, पणजी, धर्मशाला और भटिंडा से रिले किया जाता है। एफ एम चैनल में पॉप संगीत, फिल्म संगीत और शास्त्रीय व भक्ति संगीत, मुख्य समाचार सम्मिलित हैं। मीडियम वेव और शार्ट वेव पर एफ एम चैनल के लाभ निम्नलिखित हैं:–

- उच्च गुणवत्ता ध्वनि

डॉ नामवर सिंह के साथ 'शाम की चाय'

'शाम की चाय' कार्यक्रम में डॉ नामवर सिंह का सम्मान करते हुए आकाशवाणी दिल्ली के केन्द्र निदेशक

- स्टीरियो प्रसारण
- इन्टरफेस व शोर का न होना
- दिन और रात में एक समान कवरेज
- उपयोगी सेवा प्रदान करने की क्षमता

एफ एम गोल्ड

एफ एम गोल्ड 1 सितंबर 2001 से दिल्ली में उचित सूचना व मनोरंजन चैनल के रूप में प्रारंभ हुआ था जिसमें 30 प्रतिशत समाचार एवं सामयिक विषयों के कार्यक्रम और 70 प्रतिशत मनोरंजन कार्यक्रम थे। वर्तमान में एफ एम रेनबो के 24 घंटे प्रसारण की तुलना में एफ एम गोल्ड चैनल का दैनिक प्रसारण 18 घंटे है। वर्तमान में एफ एम चैनल 4 महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नै में उपलब्ध है। यह अतिरिक्त चैनल अपने श्रोताओं को क्षेत्र में चल रहे समानांतर आकाशवाणी चैनल और निजी एफ एम चैनल के बीच चुनने का विकल्प प्रदान करता है। यह चैनल मनोरंजन के साथ सूचना उपलब्ध करवाने का प्रयास करता है और ट्रैफिक, एयरलाइनों, रेल, मौसम रिपोर्ट आदि की जानकारी की अद्यतन सूचना उपलब्ध करवाता है।

आकाशवाणी की प्रदर्शनी देखते हुए माननीय सूचना एंव प्रसारण मंत्री सुश्री अंविका सोनी।

2 दिसंबर 2011 को आकाशवाणी द्वारा आयोजित राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान श्रृखंला में भाषण देती हुई लोकसभा की माननीय स्पीकर सुश्री मीरा कुमार

सामुदायिक रेडियो केन्द्र

जनसंख्या के लिए पूर्वोत्तर में स्थानीय जनजातीय 5 स्थानों में सामुदायिक रेडियो केन्द्र स्थापित किए गए:–

1.	मोन	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1584 किलोहर्टज
2.	तेंगसेंग	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्टज
3.	नांगस्टांग	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1485 किलोहर्टज
4.	विलियमनगर	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्टज
5.	सेहा	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्टज

डी टी एच सेवा

डी टी एच रेडियो चैनल उपग्रह सेवा उन श्रोताओं के लिए है जिनके पास टी वी सेट हैं। डी टी एच सेवा प्रसार भारती के डी टी एच प्लेटफार्म के द्वारा उपल्ब्ध है जिसकी अपलिंकिंग सुविधाएं टोडापुर,

दिल्ली में है। यह स्थलीय प्रसारण सेवा नहीं है और डी टी एच के कार्यक्रमों को साधारण रेडियो पर नहीं सुना जा सकता। डी टी एच पूरे देश के साथ–साथ पड़ोसी देशों को भी कवर करेगा। डी टी एच 24 घंटे चलने वाली डिजिटल प्रसारण सेवा है। कार्यक्रमों की योजना इस प्रकार बनाई गई है कि पुनः प्रसारण कम से कम हो।

डी टी एच सेवा विभिन्न भाषाओं के चैनलों को देश के हर कोने में उपलब्ध करवाता है। डी टी एच प्रसारण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू डिजीटल क्वालिटी है। निम्नलिखित चैनल डी टी एच पर उपलब्ध हैं।

1. **हिंदी :** मूलरूप से आकाशवाणी दिल्ली केन्द्र इसका उदगम केन्द्र है अन्य हिंदी केंद्रों से कार्यक्रमों के लिए दिल्ली के साथ आकाशवाणी लखनऊ, आकाशवाणी जयपुर, आकाशवाणी भोपाल, आकाशवाणी शिमला और आकाशवाणी पटना के पास हिंदी डी टी एच चैनल से जुड़ने की सुविधाएं हैं ।
2. **गुजराती :** आकाशवाणी, अहमदाबाद केंद्र इसका उदगम केन्द्र है। गुजरात डी टी एच चैनल में वडोदरा, राजकोट, भुज और सूरत से गुजराती कार्यक्रमों को समायोजित किया जाता है।
3. **मराठी :** आकाशवाणी, मुंबई इसका उदगम केंद्र है। एफ एम रेनबो और एफ एम गोल्ड के अतिरिक्त नागपुर व पुणे के मराठी कार्यक्रम डी टी एच चैनल का हिस्सा हैं।
4. **बंगाली :** आकाशवाणी, कोलकाता इसका उदगम केंद्र है। कोलकाता 'ए' के कार्यक्रम एफ एम कोलकाता और सिलिगुड़ी, बांग्ला डी टी एच चैनल का हिस्सा है।
5. **तेलुगु :** आकाशवाणी हैदराबाद इसका अपलिंक केंद्र है। हैदराबाद के मुख्य केंद्र के कार्यक्रमों के अतिरिक्त सी बी एस हैदराबाद, विजयवाड़ा, कड़प्पा, विशाखापट्टनम भी कार्यक्रम उपलब्ध करवाते हैं।
6. **तमिल :** आकाशवाणी, चेन्नै इसका अपलिंक केंद्र है। तमिल डी टी एच चैनल में चेन्नै से कार्यक्रम एफ एम त्रिची, पांडिचेरी मदुरै, विज्ञापन प्रसारण सेवा चेन्नै एफ एम रेनबो चेन्नै इसमें सम्मिलित हैं।
7. **कन्नड़ :** आकाशवाणी बैंगलोर इसका मुख्य केन्द्र है। कन्नड़ डी टी टी चैनल में विज्ञापन प्रसारण सेवा बंगलौर, एफ एम रेनबो धारवाड़, मैसूर, मैंगलोर सम्मिलित हैं।
8. **पंजाबी :** आकाशवाणी जालंधर मुख्य रूप से पंजाबी डी टी एच चैनल के लिए कार्यक्रम प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त जालंधर 'बी' एफ एम जालंधर और चंडीगढ़ के कार्यक्रम भी इस चैनल से प्रसारित किए जाएंगे।
9. **पूर्वोत्तर सेवा :** आकाशवाणी शिलांग और पूर्वोत्तर में अन्य राजधानी केन्द्र
10. **विविध भारती सेवा :** मुंबई
11. **एफ एम रेनबो :** दिल्ली
12. **एफ एम गोल्ड :** दिल्ली
13. **उर्दू :** विदेश प्रसारण सेवा
14. **मलयालम :** आकाशवाणी तिरूवनंतपुरम
15. **उड़िया :** आकाशवाणी कटक
16. **असमिया :** आकाशवाणी गुवाहाटी

17. **एफ एम रेनबो :** आकाशवाणी चेन्नै

18. **एफ एम गोल्ड :** आकाशवाणी मुंबई

19. **एफ एम रेनबो :** आकाशवाणी बेंगलूरू

20. **एफ एम रेनबो :** आकाशवाणी मुंबई

21. **अमरूथावारशिनी/रागम :** आकाशवाणी बेंगलूर/तिरूचिरापल्ली

विविध भारती

प्रसिद्ध विविध भारती सेवा एक दिन में 15 घंटे मनोरंजन उपलब्ध कराती है। 37 विज्ञापन प्रसारण सेवा–विविध भारती केंद्रों और मुंबई, दिल्ली, चेन्नै और गुवाहाटी से 4 शार्ट वेव ट्रांसमीटरों से एक सिंक्रोनाइज़्ड मीटर द्वारा जो देश के किसी भी भाग में समान वेवलेंथ पर सुनी जा सकती है। कार्यक्रम मुंबई में तैयार किए जाते हैं और अन्य आकाशवाणी विविध भारती केंद्रों द्वारा रिले किए जाते हैं। क्षेत्रीय केंद्र अपनी संबंधित भाषाओं में कुछ कार्यक्रम अपने निर्धारित समय पर तैयार करते हैं:–

ट्रांसमीटर	समय (प्रत्येक दिन)
I	प्रातः 05.55 से 10.05 बजे
II	दोपहर 12.00 से 05.30 शामबजे
III	शाम 06.15 से 11.00 बजे

आकाशवणी दिल्ली में 12 नवबर को लोक सेवा प्रसारण दिवस समारोह में पंडित भोला प्रसाद की प्रस्तुति

विविध भारती केन्द्र

कुल 37 स्टेशनों और ट्रास.–38 (एफएम–31, मिडियम वेव–7

क्र.सं	स्थान	राज्य	क्षेत्र	ट्रांसमीटर (मिडियम वेव/एफएम)	पॉवर	फ्रीक्वेंसी कि.हर्ट्/मेगाहर्ट्ज
1	अहमदाबाद	गुजरात	पश्चिम	एफएम	10 किलोवाट	96.7
2	इलाहाबाद	उत्तर प्रदेश	उत्तर	एफएम	10 किलोवाट	100.3
3	बेंगलूर	कर्नाटक	दक्षिण	एफएम	10 किलोवाट	102.9
4	भोपाल	मध्य प्रदेश	पश्चिम	एफएम	6 किलोवाट	103.5
5	चंडीगढ़ *	केंद्र शासित प्रदेश	उत्तर	एफएम	6 किलोवाट	103.1
6	चेन्नै	तमिलनाडु	दक्षिण	मिडियम वेव	20 किलोवाट	783
7	कटक	उड़ीसा	पूर्व	मिडियम वेव	1 किलोवाट	1314
8	दिल्ली	दिल्ली	उत्तर	मिडियम वेव	20 किलोवाट	1368
9	धारवाड़	कर्नाटक	दक्षिण	एफएम	10 किलोवाट	103
10	गुवाहाटी	आसाम	पूर्व	एफएम	10 किलोवाट	100.8
11	हैदराबाद	आंध्र प्रदेश	दक्षिण	एफएम	6 किलोवाट	102.8
12	इंदौर	मध्य प्रदेश	पश्चिम	एफएम	6 किलोवाट	101.6
13	जबलपुर	मध्य प्रदेश	पश्चिम	एफएम	10 किलोवाट	102.9
14	जयपुर	राजस्थान	उत्तर	एफएम	6 किलोवाट	100.3
15	जालंधर	पंजाब	उत्तर	मिडियम वेव	1 किलोवाट	1350
16	जम्मू	जम्मू व कश्मीर	उत्तर	एफएम	10 किलोवाट	104.5
17	जमशेदपुर	झारखंड	पूर्व	एफएम	6 किलोवाट	100.8
18	जोधपुर	राजस्थान	उत्तर	एफएम	6 किलोवाट	102.1
19	कानपुर *	उत्तर प्रदेश	उत्तर	एफएम	10 किलोवाट	1449
20	कोलकाता	पश्चिम बंगाल	पूर्व	मिडियम वेव	20 किलोवाट	1323
21	कोझीकोड	केरल	दक्षिण	एफएम	10 किलोवाट	103.6
22	लखनऊ	उत्तर प्रदेश	उत्तर	एफएम	10 किलोवाट	1278
23	मुंबई	महाराष्ट्र	पश्चिम	मिडियम वेव	50 किलोवाट	1188
24	नागपुर	महाराष्ट्र	पश्चिम	एफएम	6 किलोवाट	100.6
25	पणजी	गोवा	पश्चिम	एफएम	10 किलोवाट	1539
26	पटना	बिहार	पूर्व	एफएम	6 किलोवाट	102.5
27	पुणे	महाराष्ट्र	पश्चिम	एफएम	6 किलोवाट	101
28	राजकोट	गुजरात	पश्चिम	एफएम	10 किलोवाट	95.8
29	रांची	झारखंड	पूर्व	एफएम	6 किलोवाट	103.3
30	सिलिगुड़ी	पश्चिम बंगाल	पूर्व	एफएम	10 किलोवाट	101.4
31	श्रीनगर	जम्मू व कश्मीर	उत्तर	एफएम	10 किलोवाट	102.6
32	सूरत	गुजरात	पश्चिम	एफएम	6 किलोवाट	101.1
33	त्रिवेंद्रम	केरल	दक्षिण	एफएम	10 किलोवाट	101.9
34	उदयपुर	राजस्थान	उत्तर	एफएम	1 किलोवाट	101.7
35	वडोदरा *	गुजरात	पश्चिम	एफएम	10 किलोवाट	93.9
36	वाराणसी	उत्तर प्रदेश	उत्तर	एफएम	1 किलोवाट	100.60
37	विजयवाड़ा	आंध्र प्रदेश	दक्षिण	मिडियम वेव	1 किलोवाट	1503

* विशेष विविध भारती केन्द्र

राष्ट्रीय प्रसारण

राष्ट्रीय प्रसारण शाम 6.50 बजे से अगले दिन सुबह 6.10 बजे तक रात्रि सेवा के रूप में प्रसारण करता है। 18 मई, 1988 को राष्ट्रीय प्रसारण सेवा आरंभ हुई।

पूरे भारत को ही अपना क्षेत्र मानकर चैनल के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करके पूरे देश की विविध सांस्कृतिक गतिविधियों पर कार्यक्रम तैयार किए जाते है।

राष्ट्रीय प्रसारण विज्ञान, स्वास्थ्य, खेलकूद, साहित्य हास्य, समसामयिक सामाजिक मामले और सांस्कृतिक धरोहर से निर्धारित कार्यक्रमों को हिन्दी, उर्दू और अंग्रेजी इन तीन भाषाओं में प्रसारण करता है ताकि अपने श्रोताओं को इन सभी विषयों की जानकारी मिलती रहे। एक दिन छोड़कर हिन्दी और अंग्रेजी में प्रसारित होने वाले विविधा कार्यक्रम का मुख्य उद्देष्य षिक्षा, सांस्कृतिक और सामाजिक आर्थिक विकास है। इसी प्रकार उर्दू कार्यक्रम मंज़र का प्रसारण प्रतिदिन किया जाता है। अर्थषास्त्र, विज्ञान, खेल, संगीत और साहित्य पर पत्रिका कार्यक्रम का नियमित आधार पर प्रसारण किया जाता है। साप्ताहिक कार्यक्रम फोकस में कैरियर मार्गदर्शी समसामयिक मामले और सामाजिक मुद्दे शामिल किए जाते हैं। अन्य साप्ताहिक कार्यक्रमों में वरिष्ठ नागरिकों और मुलाकात में विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तित्वों को प्रस्तुत किया जाता है। रेडियो परामर्श कार्यक्रम हेलो जिन्दगी में जीवन और स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न पहलुओं को शामिल किया जाता है। कार्यक्रम हंसते हंसाते सप्ताह में दो बार प्रसारित किया जाता है। शास्त्रीय संगीत (हिन्दुस्तानी और कार्नेटिक) और क्षेत्रीय संगीत निर्धारित अवधि पर प्रतिदिन प्रसारित किए जाते हैं।

श्रोताओं को शामिल करने और कार्यक्रम गतिविधियों, फौजी भाईयों के कार्यक्रम जय जवान सहित उनके संदेशों/अनुरोध के कार्यक्रम में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए इन कार्यक्रमों को सप्ताह में छः दिन प्रसारित किया जाता है।

केवल राष्ट्रीय प्रसारण से रातभर हर घंटे समाचार बुलेटिन हिन्दी और अंग्रेजी में प्रसारित किए जाते हैं। जब भी संसद सत्र चलता है, राष्ट्रीय प्रसारण से श्रोताओं के लाभ के लिए ''प्रश्न काल'' की रिकार्डिंग का प्रसारण किया जाता है।

'रमजान' के पवित्र महीने के दौरान 50 मिनट का विषेष कार्यक्रम 'सहरगाही' हर रोज (प्रातः 4.10 बजे से 5.00 बजे तक) प्रसारित किया जाता है जिसमें मानवीय मूल्यों और भारत–मुस्लिम संस्कृति पर बल दिया जाता है।

नेशनल चैनल रेडियो कार्यक्रमों में डिप्लोमा के लिए इग्नू के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देता है।

राष्ट्रीय प्रसारण के कार्यक्रम 31 मीटर बैंड (9425 किलोहर्टज और 9470 किलोहर्टज) की शार्टवेव सहायता के साथ मीडियम वेव ट्रांसमीटर पर नागपुर में (1916 एम – 1566 किलोहर्टज) और दिल्ली (246.9 एम– 1215 किलोहर्टज) पर उपलब्ध हैं।

दूरदर्शन

दिल्ली में प्रायोगिक आधार पर सितंबर, 1959 में टेलीविजन का प्रसारण आरंभ हुआ। नियमित टीवी सेवा बाद में 1965 में शुरु हुई। टेलीविजन 1976 में आकाशवाणी से अलग हुआ और दूरदर्शन अस्तित्व में आया तथा दूरदर्शन का एक अलग निदेशालय बनाया गया रंगीन टीवी और उपग्रह के माध्यम से राष्ट्रीय नेटवर्क 1982 में शुरु हुआ। दूरदर्शन ने देश के कोने–कोने तक केवल अपने नेटवर्क का ही विस्तार नहीं किया अपितु प्रसारण के क्षेत्र में नए तकनीकी विकास के साथ कदम बढ़ाए हैं। इस समय दूरदर्शन 35 उपग्रह चैनल संचालित कर रहा है। यह देश में निःशुल्क डीटीएच सेवा (केयू–बैंड) भी प्रदान कर रहा है। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के लिए, जहां केयू–बैंड/सिग्नल प्राप्त नहीं होते, 10 चैनलों के बुके के साथ सी–बैंड में डीटीएच सेवा चला रहा है । नवंबर, 1997 में प्रसार भारती के अस्तित्व में आने पर और दूरदर्शन इसका अंग बन गया । आज दूरदर्शन विश्व के अग्रणी प्रसारण संगठनों में गिना जाता है। दूरदर्शन के शुरु होने से लेकर इसका विकास अनुलग्नक–I पर दिया गया है ।

स्थलीय कवरेज हेतु विभिन्न क्षमता के 1415 ट्रांसमीटर कार्य कर रहे हैं। 1242 डीडी–1 ट्रांसमीटर (प्रसारण की पूरी अवधि के दौरान 108 ट्रांसमीटर क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रसारित करते हैं, 169 डीडी न्यूज ट्रांसमीटर तथा 4 डिजिटल ट्रांसमीटर हैं)। ट्रांसमीटरों के राज्य–वार वितरण हेतु अनुलग्नक 4 देखें। स्थलीय मोड में डीडी–1 चैनल देश की 92% जनसंख्या और 81% क्षेत्र को कवर करता है। डीडी न्यूज चैनल के लगभग 49% जनसंख्या तथा लगभग 26% क्षेत्र की कवरेज करता है ।

कार्यक्रम निर्माण हेतु देश में 66 स्टुडियो केंद्र हैं। इनमें 17 मुख्य स्टुडियो केंद्र राज्यों की राजधानियों में, एक केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र दिल्ली में, एक प्रादेशिक निर्माण केंद्र गुवाहाटी में तथा 47 अन्य स्टुडियो केंद्र देश के विभिन्न स्थानों में स्थित हैं। स्टुडियो केंद्रों की राज्यवार संख्या अनुलग्नक–III में दी गई है। 66 स्टुडियो केंद्रों में से 22 पूरी तरह से डिजिटल हैं तथा 31 आंशिक रुप से डिजिटल है। शेष 13 स्टुडियो केंद्र एनालॉग हैं। चल रही परियोजनाओं के पूरा होने पर 4 स्टुडियो केंद्रों को छोड़कर सभी स्टुडियो केंद्र पूरी तरह डिजिटल बन जाएंगे। शेष–4 स्टुडियो केंद्रों को 12वीं योजना के दौरान डिजीटलीकृत करने की योजना है।

दूरदर्शन नेटवर्क

डीडी : नेशनल

डीडी नेशनल विश्व में सबसे बड़ा स्थलीय नेटवर्क है जो देश की 92% जनसंख्या और 81% क्षेत्र को कवर करता है। डीडी नेशनल दर्शकता की दृष्टि से देश का नं.1 चैनल है। चैनल मनोरंजन, सूचना और शिक्षा का स्वस्थ मिश्रण प्रदान करता है। इसकी सेवा प्रातः 5.30 बजे से मध्यरात्रि तक स्थलीय मोड में उपलब्ध है। उपग्रह मोड में यह 24 घंटे उपलब्ध है। इस लोक सेवा चैनल के विभिन्न कार्यक्रमों का प्रसारण समय इस तरह निर्धारित किया गया है कि यह अलग–अलग समय पर भिन्न–भिन्न दर्शकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

वर्ष 2011–12 में वर्ष के मुख्य राष्ट्रीय आयोजनों जैसे गणतंत्र दिवस परेड/स्वतंत्रता दिवस समारोह, संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री का संबोधन, संसद में महत्वपूर्ण बहसों, रेल और आम बजट का प्रस्तुतीकरण, लोक सभा और राज्य सभा में प्रश्न काल आदि का सीधा प्रसारण किया गया। कवरेज के साथ–साथ विभिन्न सरकारी विभागों, विकास कार्यक्रमों, समाज से संबंधित विशेष कार्यक्रमों के लिए बड़े अभियान चलाए गए जैसे पल्स पोलियो अभियान, कैंसर निरोधी, कुष्ठ रोग, क्षय रोग, डेंगू

स्वाइन फ्लू तथा स्वास्थ्य संबंधी अन्य मामले, सभी के लिए प्राथमिक शिक्षा, एड्स, उपभोक्ता शिक्षा, सड़क सुरक्षा तथा समाज के कमजोर वर्गों के लिए कानूनी सहायता पर अभियान चलाए गए।

डीडी नेशनल पर शाम को प्रसारित किए गए कुछ प्रसिद्ध धारावाहिकों में बंटी बबली की मम्मी, मेरे देश की बेटी, हम, एक आंगन के हो गए दो, मुआवजा मदद या अभिशाप, शमा, मंगलसूत्र–एक मर्यादा, कैसी ये जिंदगी, आशियाना, संकटमोचन हनुमान, यहां के हम सिकंदर, कानाफूसी, मगर के नगर, जननी, नूरी, हम ऐसे क्यों हैं आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त ग्रामीण भारत, पंचायती राज तथा पर्यावरण दर्शन भी प्रसारित किए गए।

राष्ट्रमंडल खेल दिल्ली 2010 से पहले डीडी–नेशनल पर मार्च 2010 से सितंबर, 2011 तक प्राइम टाइम स्लॉट में खेल कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का प्रसारण किया गया । दूरदर्शन पर आईसीसी क्रिकेट विश्व कप श्रृंखला 2011, 34 वें राष्ट्रीय खेल, विबंलडन तथा रोलैंड ग्रास टेनिस (फ्रेंच ओपन) का भी प्रसारण किया गया।

चैनल में नई जान फूंकने के लिए वर्ष 2005 में स्ववित्त पोषित योजना लागू की गई थी। यह योजना नेशनल चैनल पर मिड–प्राइम–टाइम स्लॉट तथा प्राइम टाइम स्लॉट के लिए थी। एसएफसी के परिणामस्वरूप कार्यक्रमों की गुणता में वृद्धि हुई है। इससे दर्शकता में असाधारण वृद्धि हुई तथा दूरदर्शन के राजस्व में भी महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

डीडी न्यूज

देश में डीडी न्यूज ही एकमात्र द्विभाषी समाचार चैनल है। 3 नवंबर, 2003 को आरंभ होने के बाद से ही दूरदर्शन न्यूज चैनल लोक सेवा प्रसारक की भूमिका बखूबी निभा रहा है। एक मात्र स्थलीय–सह–सेटेलाइट समाचार चैनल की अपनी अलग पहचान के साथ डीडी न्यूज गैर–केबल, गैर–सेटेलाइट घरों तक पहुंचता है जो कि जनसंख्या का मुख्य भाग है। यह देश में सबसे अधिक पहुंच वाला न्यूज चैनल है तथा 'ऑल होम' श्रेणी में मार्केट लीडर है।

चैनल के कार्यक्रमों में राजनीति, व्यापार संबंधी मामलों, खेलकूद, अंतर्राष्ट्रीय न्यूज इवेंट्स, संसद की कार्यवाही, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, केंद्र सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रम, अपराध आदि से संबंधित मामले व्यापक रूप से कवर किए जाते हैं। ब्राड बैंड आधारित एफटीपी लिंक प्रसारण हेतु दूर–दराज के क्षेत्रों से इनपुट उपलब्ध कराए जाते हैं। बिहार विधानसभा चुनाव की व्यापक कवरेज की गई जिसमें राज्य के प्रमुख जिलों को कवर करने तथा चुनाव संबंधी मुद्दों को सामने लाने के लिए तैनात किए गए संवाददाताओं के लाइव इनपुट शामिल किए गए।

जम्मू और कश्मीर तथा उत्तर–पूर्व राज्यों की विशेष कवरेज तथा सिक्किम भूकंप की विशेष कवरेज इस वर्ष की मुख्य घटनाएं रहीं। भारत के प्रधानमंत्री द्वारा अफगानिस्तान की संसद तथा इथोपिया में भारत अफ्रीका शिखर सम्मेलन को संबोधन का डीडी न्यूज पर सीधा प्रसारण किया गया ।

न्यूजरूम पूरे देश में 24x7 के आधार पर वर्ष भर आयोजनों की व्यापक कवरेज करके अपने लाखों दर्शकों तक नवीनतम समाचार पहुंचाने में लगा रहा। चैनल के मुख्य केंद्र, न्यूजरूम की अनुभवी संपादकीय टीम ने अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, संस्कृत में तथा मूक और बधिरों के लिए भी न्यूज बुलेटिन तैयार किए हैं। दूरदर्शन समाचार प्रातः 6.15 बजे मूक और बधिरों के लिए प्रतिदिन 15 मिनट के समाचार प्रसारित करता है।

बिजनेस न्यूज डेस्क ने दिल्ली से सायं 'बिजनेस रैप' दोपहर बाद में मुंबई से 'बिजनेस आवर' की दैनिक न्यूज कवरेज में सरकार की आर्थिक नीति के संबंध में निर्णयों, कार्पोरेट जगत की गतिविधियों, वित्त, अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था तथा स्टॉक मार्केट संबंधी बहुत से मामलों को कवर किया। केंद्रीय बजट, रेल

बजट, रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति की उदघोषणा का विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से चर्चा के साथ सीधा प्रसारण किया गया। जी 20 के लिए प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के विदेश दौरे, ब्रिक्स बैठक तथा आईएमएफ की बैठकों की हमारे संवाददाताओं के माध्यम से इनपुट के साथ कवरेज की दी गई। सप्ताह के अंत में 'मनी मंत्र' कार्यक्रम में वैयक्तिक वित्त संबंधी मामलों को लिया गया।

सप्ताहांत कार्यक्रम 'मार्केट दिस वीक' और 'बाजार इस हफ्ते' में शेयर बाजार विश्लेषण तथा फोन पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिए गए।

दर्शकों को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 पर 'जानने का हक' नामक कार्यक्रम के माध्यम से जानकारी दी गई। फ्लैगशिप कार्यक्रम पर 'मेरे देश की धरती', विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों पर 'मेहनत रंग लाएगी' तथा विभिन्न सामाजिक–आर्थिक मुद्दों पर 'एहसास' नामक कार्यक्रम भी प्रसारित किए गए।

चीन में आयोजित एशियाई हॉकी चैंपियनशिप टूर्नामेंट जिसमें भारत की पुरुष टीम विजयी हुई, को विशेष प्रबंधों के माध्यम से फील्ड रिपोर्ट के साथ व्यापक रूप से कवर किया गया। देश में पहली बार हुई फार्मूला वन रेस और देश को प्रतिष्ठा दिलाने वाले 'द बुद्धा इंटरनेशनल सर्कट' को व्यापक रूप से कवर किया गया।

डीडी न्यूज इंटरनेट का प्रयोग करते हुए एफटीपी के माध्यम से बड़े समाचार और फुटेज प्राप्त करता है। कार्य में सुधार लाने और उसे सरल बनाने के लिए एफटीपी के लेन पर नवीनतम केनोवल एनएलई लगाई गई है। इससे एफटीपी कंटेंट के एनएलई के टाइमलाइन पर सीधे प्राप्त करने और प्राप्त सामग्री का वाइस ओवर सहित तत्काल एडिटिंग करने में आसानी हो गई है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त न्यूज ऑटोमेशन सिस्टम से एवीएन (एशिया विजन न्यूज) कंटेट को सीधे भेजने और प्राप्त करने हेतु एनएलई को एवीएन एफटीपी के समनुरूप बनाया गया है। इससे एनएलई के माध्यम से कंटेट अपलोड करके सभी एपीएन देशों में डीडी न्यूज के कंटेट शेयर किए जा सकते हैं।

आवश्यकता को पूरा करने के लिए एमटीएनएल से एक समर्पित इंटरनेट लीज लाइन प्राप्त की गई है। यह लाइन संरक्षित फायरवाल से होकर गुजरती है तथा इसे सुरक्षा, प्रशासनिक नियंत्रण और वायरस के खतरे से बचाव के लिए प्रोक्सी सर्वर से भली भांति समनुरूप बना कर ईएनपीएस नेटवर्क से जोड़ा गया है। इससे ईएनपीएस सिस्टम पर इंटरनेट पहुंच की सुविधा प्राप्त हुई है और इसमें वायरस का खतरा नगण्य है तथा पत्रकार इंटरनेट से सीधे ईएनपीएस पर कट और पेस्ट सहित कोई भी स्टोरी ले सकते हैं।

देश में डीडी न्यूज के 26 क्षेत्रीय समाचार एकांश हैं। ये क्षेत्रीय समाचार एकांश 19 भाषाओं/बोलियों में प्रतिदिन 109 बुलेटिन प्रसारित करते हैं ।

मौसम समाचार डीडी न्यूज चैनल का महत्वपूर्ण अंग है। वर्ष के दौरान हिंदी और अंग्रेजी में मौसम पूर्वानुमान सहित दो मिनट का मौसम कैप्सूल दिन में तीन बार प्रसारित किया गया।

डीडी न्यूज की वेबसाइट www-ddnews-gov-in अद्यतन समाचार अपडेट उपलब्ध कराती है। इसे देश के अंदर और बाहर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। वेबसाइट के निम्नलिखित श्रेणियों को समर्पित पृष्ठ है – मनोरंजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक, स्वास्थ्य, चार महानगरों (नई दिल्ली, मुंबई, चेन्नै, कोलकाता) की मौसम रिपोर्ट एक दैनिक पोल प्रश्न (समसामयिक विषय पर जिसमें दर्शक हां या नहीं में उत्तर दे सकते हैं)।

जब भी (www-ddnews-gov-in) वेबसाइट में समाचारों को अद्यतन किया जाता है मुख पृष्ठ के चार मुख्य

समाचारों तथा टॉप स्टोरी को भारत सरकार की वेबसाइट (www-india-gov-in) से जोड़ा गया है। वेबसाइट में वर्ष 2011 के निम्नलिखित आयोजनों के संबंध में विशेष रुप से समर्पित पृष्ठ हैं ।

- राज्य विधान सभा चुनाव परिणाम (अप्रैल मई, 2011 में असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल तथा पुदुच्चेरी)
- 2011–आईसीसी क्रिकेट विश्च कप (फरवरी से अप्रैल, 2011)

डीडी भारती

डीडी भारती का शुभारंभ 26 जनवरी, 2002 को किया गया था। डीडी भारती चैनल साहित्य, थिएटर, कला, शिल्प, चित्रकला, मूर्तिकला, वास्तुकला, सफरनामा, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शीर्ष कलाकारों द्वारा प्रस्तुत शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य कार्यक्रमों पर केंद्रित है। इस बैंड में सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व वाले स्मारक तथा स्थान, प्रतिष्ठित कवियों एवं लेखकों इत्यादि के जीवन एवं कृतियां भी प्रसारित की जा रही हैं। चैनल को 7 जून, 2010 से नया रूप दिया गया था। तब से चैनल पर कला, साहित्य और संस्कृति के कार्यक्रमों का प्रसारण किया जा रहा है। आठ घंटे का लूप लागू किया गया है जिसे दिन में तीन बार प्रसारित किया जा रहा है।

डीडी भारत ने अक्तूबर, 2011 तक प्रत्येक वीरवार तथा रविवार को 20.00 बजे उत्कृष्ट फीचर फिल्मों का प्रसारण किया है।

डीडी भारती चैनल ने निम्नलिखित प्रायोजित कार्यक्रमों को आकर्षित किया है :–

(क) सिंधु संस्कृति एवं परंपराओं को दर्शाता 'सिंधु दर्शन' कार्यक्रम जून–2011 तक सप्ताह में एक बार तथा इसके बाद अक्तूबर, 2011 तक सप्ताह में दो बार

(ख) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संस्कृत भाषा का 'संस्कृत भाषा शिक्षणम' कार्यक्रम सप्ताह में तीन बार ।

इन हाउस कार्यक्रमः डीडी भारती ने 'अज्ञेय', 'नागार्जुन', केदारनाथ 'अग्रवाल', 'फैज अहमद फैज', गोपाल सिंह 'नेपाली', तथा 'शमशेर बहादुर सिंह' के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर उनकी साहित्यिक कृतियों पर 'शब्द शताब्दी' नामक एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम का निर्माण किया। इसके पश्चात डीडी भारती द्वारा जयपुर, पटना, इलाहाबाद, वाराणसी तथा दिल्ली जैसे दूरदर्शन केंद्रों पर आमंत्रित दर्शकों के समक्ष उपर्युक्त में साहित्यकारों पर 'शताब्दी स्मरण' नामक श्रृंखला का निर्माण किया गया।

डीडी भारती द्वारा निर्मित अन्य साहित्यिक कार्यक्रमों में पत्रिका, सृजन तथा कला परिक्रमा, भारतीय संविधान के निर्माण पर चर्चा, प्रतिष्ठित व्यक्तियों के जन्म दिवस तथा पुण्य तिथि के अवसर पर विशेष कार्यक्रम शामिल हैं।

सीधा प्रसारण तथा कवरेजः– डीडी भारती पूरे देश के संगीत, नृत्य तथा साहित्यिक कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण कर रहा है जैसे : सचल तीर्थ वागर्थ–निशांतकेतु–स्वाति सत्कार ग्रंथ–30 अप्रैल, 2011 को दिल्ली से, गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर का जन्म शताब्दी वर्ष–2011–6 मई, 2011 को ढाका से, ग्लोबल वार्मिंग और आपदा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार : लॉ एंड सोसायटी–24 जुलाई, 2011 को दिल्ली से, अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह 2011–8 सितंबर, 2011 को दिल्ली से, प्रधानमंत्री श्रम पुरस्कार 2010–13 अक्तूबर, 2011 को दिल्ली से, 17वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म समारोह, का उद्घाटन समारोह–14 नवंबर 2011 को हैदराबाद से, अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समोरोह का समापन समारोह–3 दिसंबर, 2011 को पणजी (गोवा) से, अशक्त व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह–3 दिसंबर, 2011 को

दिल्ली से, अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन–1 जनवरी, 2012 को भोपाल से, 15वें विश्व संस्कृत सम्मेलन का उद्घाटन समारोह–5 जनवरी, 2012 को विज्ञान भवन दिल्ली से, द्वीप पर्यटन उत्सव (आईटीएफ)– 5 जनवरी, 2012 पोर्ट ब्लेयर से, राष्ट्रपति का सदेश 25 जनवरी 2012 को दिल्ली से, गणतंत्र दिवस समारोह –26 जनवरी 2012 को दिल्ली से, बीटिंग रिट्रीट – 29 जनवरी, 2012 को जनपथ, नई दिल्ली से।

बाहरी एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापन के तहत कार्यक्रम :– इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्चविद्यालय (इग्नू)

पीएसबीटी/यूनेस्को : डीडी भारती चैनल पर प्रत्येक वीरवार और शुक्रवार को 16.00 से 16.30 बजे तक प्रतिष्ठित निर्देशकों द्वारा निर्मित विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर उत्कृष्ट वृत्त चित्रों का प्रसारण किया जा रहा है।

डीडी : उर्दू

15 अगस्त 2006 को आरंभ : डीडी उर्दू दिनांक 11 नवंबर 2007 से 24X7 चैनल बन गया। डीडी उर्दू कार्यक्रमों की शुरूआत की पहली अधिसूचना 2009 में जारी की गई जिसके बाद दूसरी अधिसूचना 2011 में आई। पहली अधिसूचना की प्रतिक्रिया में 616 प्रस्ताव प्राप्त हुए और दूसरी अधिसूचना की प्रतिक्रिया में 430 प्रस्ताव। इन प्रस्तावों की दिनांक 26 दिसंबर 2011 से 24 फरवरी 2012 तक मूल्यांकन समिति द्वारा जांच की गई और डीडी उर्दू की शुरूआत के लिए 580 प्रस्तावों को अनुमोदन प्राप्त हुआ।
2011–12 में डीडी के मुख्य प्रसारण निम्न प्रकार हैं:

1. दिनांक 14.08.2011 को भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय का राष्ट्र के नाम संदेश कर उर्दू संस्करण।
2. स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले के प्राचीर से प्रधान मंत्री का राष्ट्र के लिए भाषण का सीधा प्रसारण।
3. दिनांक 25.01.2012 को भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय का राष्ट्र के नाम संदेश का उर्दू संस्करण।
4. महात्मा गांधी के जन्म दिवस पर विशेष कार्यक्रम।
5. सादत हसन मंटो की पुण्य तिथि (18.01.2012) पर 'उर्दू अदब के सतून' कार्यक्रम।
6. फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ शताब्दी (13.02.2012) पर 'जबान–ए–इश्क' कार्यक्रम।
7. मिर्जा गालिब की पुण्य तिथि (15.02.2012) पर 'ऐतराफ–ए–गालिब' कार्यक्रम।
8. मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद की पुण्य तिथि (22.02.2012) पर 'शख्सियत–ए–हिंद' कार्यक्रम।
9. साहिर लुधियानवी के जन्म दिवस (08.03.2012) पर 'फिक्र–ए–नाव का तर्जुमन' कार्यक्रम।
10. इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि (31.10.2011) पर 'शख्सियत–ए–हिंद' कार्यक्रम।
11. मीर तकी मीर पर दिनांक 21.09.2011 को 'सरताज–ए–सुख्न' विशेष कार्यक्रम।

डीडी–इंडिया

दूरदर्शन ने दिनांक 14 मार्च, 1995 को अपने अंतर्राष्ट्रीय चैनल की शुरुआत के साथ पूरे विश्व के लिए दरवाजे खोल दिए। प्रारंभ में डीडी–वर्ल्ड के नाम से जाने जाने वाले इस चैनल को वर्ष 2002 में डीडी–इंडिया का नाम दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के कार्यक्रमों में भारतीय समाज, संस्कृति, राजनीतिक और आर्थिक विषयों के अपडेट शामिल होते हैं। डीडी इंडिया की शुरुआत विदेशों में रहने वाले भारतीयों

से संपर्क स्थापित करने तथा उच्च गुणवत्ता के कार्यक्रमों के माध्यम से पूरे पूरे विश्व को वास्तविक भारत के बारे में बताने, के साथ हुई थी जो लोक सेवा प्रसारण की उच्चतम परंपरा के अनुसार लोगों को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन प्रदान करेगा। डीडी इंडिया पर न्यूज बुलेटिन, सामयिक घटनाओं पर रूपक, मनोरंजक कार्यक्रम, फीचर फिल्में, संगीत एवं नृत्य, धारावाहिक, वृत्तचित्र, समाचार एवं समसामयिकी, आयोजन एवं पर्यटन आदि पर कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। पूरे देश में उर्दू, गुजराती, तमिल, तेलुगू, मलयालम, संस्कृत तथा पंजाबी में 15 मिनट के न्यूज बुलेटिन प्रसारित किए जाते हैं।

24 घंटे निरूशुल्क उपलब्ध डीडी–इंडिया चैनल को नई दिल्ली से अपलिंक किया जाता है। डीडी–इंडिया को इंटेलसेट उपग्रह से अपलिंक किया जा रहा था तथा 5 मार्च, 2011 को इंटेलसेट के साथ करार की समाप्ति तक इसकी विश्व के 86 देशों तक पहुंच थी । तथापि जब से डीडी–इंडिया को इनसेट–4बी, सी–बैंड पर अपलिंक किया गया है, इसकी पहुंच निम्नलिखित 38 देशों तक है जो इनसेट–4बी फुटप्रिंट में आते हैं।

एशिया

अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, ब्रूनेई, दारुस्सलाम, चीन (कुछ भाग), कंबोडिया, हांग कांग, इस्राइल, मलेशिया (अंशतः), म्यांमार, लाओस, नेपाल, पाकिस्तान, सिंगापुर, श्रीलंका, थाइलैंड, वियतनाम, भारत।

सीआईएस

अर्मीनिया, अजरबैजान, जार्जिया (कुछ भाग), किर्गीस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमनिस्तान (कुछ भाग), युक्रेन, उज्बेकिस्तान (कुछ भाग)।

मध्यपूर्व

बहरीन, ईरान, इराक, कुवैत, ओमान (कुछ भाग) कतर, सउदी अरब, सीरिया, तुर्की (कुछ भाग) संयुक्त अरब अमीरात, यमन (कुछ भाग) ।

डीडी–इंडिया दूरदर्शन की उपग्रह डीटीएच सेवा डीडी डायरेक्ट प्लस पर उपलब्ध है।

चैनल वितरित करने तथा पूरे विश्व के फुट प्रिंट में लाने की नीति पर विदेश मंत्रालाय के परामर्श से विचार किया जा रहा।

डीडी इंडिया अपने नियत बिंदु चार्ट को नया रुप देकर कार्यक्रमों की विषयवस्तु को समृद्ध बनाने हेतु प्रभावशाली कदम उठा रहा है। इस समय 8 घंटे के कार्यक्रमों का प्रसारण किया जा रहा है तथा इसे विश्व के प्रमुख टाइम जोन के अनुरुप 24 घंटे में दो बार रिपोर्ट किया जा रहा है।

डीडी स्पोर्ट्स

दूरदर्शन के स्पोर्ट्स चैनल की शुरुआत 18 मार्च 1999 को की गई थी। 25 अप्रैल, 1999 को चैनल के प्रसारण की अवधि एक दिन में 10 घंटे से बढा कर 12 घंटे कर दी गई तथा चैनल की लोकप्रियता को देखते हुए जून, 2000 से इसे 24 घंटे का चैनल बना दिया गया। वर्ष के दौरान चैनल ने सराहनीय कार्यक्रमों/खेल आयोजनों की कवरेज अपने दर्शकों तक पहुंचाई जिनमें से कुछ निम्न प्रकार हैं :

1. मुंबई स्टैंडर्ड चार्टर्ड मैराथन
2. दिल्ली हाफ मैराथन
3. पुणे मैराथन

4. बैंगलोर मैराथन

5. डेविस कप

6. संतोष ट्राफी

7. नेशनल गेम्स 2011, रांची

इसके अतिरिक्त डीडी स्पोर्ट्स ने भारत में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न खेल–कूद आयोजनों को भी कवरेज दी। महत्वपूर्ण इन–हाउस प्रोडक्शंस इस प्रकार हैं :

(क) राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खेलकूद आयोजनों को सम्मिलित करते हुए अंग्रेजी तथा हिंदी (प्रत्येक 30 मिनट का) में एक घंटे का लाइव कार्यक्रम 'स्पोर्ट्स ऑवर'

(ख) कार्यक्रम 'स्पोर्ट्स पल्स'

(ग) प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विभिन्न खेलकूद आयोजनों की लाइव रनिंग कमेंट्री के साथ ओ. बी कवरेज

(घ) भारत और इंग्लैंड के बीच एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला से पहले/बाद में परिचर्चा कार्यक्रम

(ड.) दिनांक 3.9.2011 से 11.9.2011 तक चीन में हुई एशियन चैंपियंस ट्राफी पर स्टुडियो परिचर्चा का सीधा प्रसारण

(च) दिनांक 04/6/2011 से 16/06/2011 तक भारत और वेस्ट इंडीज के बीच खेली गई एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला पर 'कैरिबियन टूर' नामक स्टुडियो परिचर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण।

(छ) दिनांक 05.05.2011 से 15.05.2011 तक 'सुल्तान अजलान शाह इंटरनेशनल हाकी चैंपियनशिप' पर परिचर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण।

स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टिंग सिग्नल्स (प्रसार भारती के साथ अनिवार्य भागीदारी) अधिनियम, 2007 19 मार्च, 2007 को अधिसूचित हुआ। दूरदर्शन खेलकूद अधिनियम की अनुपालना में राष्ट्रीय महत्व के खेलकूद आयोजनों का प्रसारण अपने नेशनल चैनल तथा निःशुल्क डीटीएच नेटवर्क पर कर रहा है।

नॉन ओलंपिक तथा पारंपरिक खेलों को कवर करने के लिए कैश आउटफ्लो व्यवस्था शुरु करने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय भी लिया गया कि जिन खेल संघों तथा एसोसिएशनों के साथ दूरदर्शन का अधिकार शुल्क भुगतान करने का करार है, उनके द्वारा आयोजित विभिन्न खेल आयोजनों को कवर करना जारी रखा जाए।

खेलों को बढ़ावा देने के प्रसार भारती के लोक सेवा अधिदेश को ध्यान में रखते हुए, समय–समय पर प्रसार भारती निम्नलिखित के संबंध में कैश आउटफ्लो की छूट देता है:–

- सैनिक तथा अर्द्ध सैनिक बल
- अशक्त व्यक्तियों के लिए खेल
- शैक्षिक एवं सांस्कृतिक संस्थान
- ग्रामीण क्षेत्रों में खेल – राष्ट्रीय अथवा प्रादेशिक स्तर
- महिला खेल आयोजनों को बढ़ावा देना चाहे वे किसी भी क्षेत्र में हों

- जम्मू और कश्मीर, उत्तर पूर्वी राज्यों, हिमाचल प्रदेश, रांची, छत्तीसगढ़, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह जैसे दूर–दराज के क्षेत्रों में हुए आयोजन ।
- फरवरी 2012 में तिरुवनंतपुरम में होने वाले राष्ट्रीय खेलों का सीधा प्रसारण ।
- लंदन ओलंपिक 2012

क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल (आरएलएससी)

इस समय दूरदर्शन के 11 क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल हैं जो राज्य की क्षेत्रीय/स्थानीय भाषाओं में 24 घंटे कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। राज्य में क्षेत्रीय प्रसारण के दौरान ये कार्यक्रम स्थलीय मोड में तथा अन्य समय के दौरान उपग्रह मोड में उपलब्ध हैं। राज्य से बाहर के दर्शकों को भी ये कार्यक्रम उपग्रह मोड में उपलब्ध हैं। आरएलएससी के लिए क्षेत्रीय केंद्रों में क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों में कार्यक्रम निर्मित किए जाते हैं तथा इनमें से अधिकतर कार्यक्रम क्षेत्र विशेष पर होते हैं। 11 क्षेत्रीय चैनल इस प्रकार हैं :

डीडी सह्याद्रि	डीडी मलयालम	डीडी उड़िया
डीडी पौढ़िगै	डीडी चंदना	डीडी पंजाबी
डीडी गिरनार	डीडी बांग्ला	डीडी सप्तगिरि
डीडी कशीर	डीडी नार्थ ईस्ट	

डीडी सह्याद्रि

15 अगस्त, 1994 को शुरु हुआ डीडी सह्याद्रि मराठी भाषा का उपग्रह चैनल है जो 2000 में उपग्रह मोड में 24 घंटे का चैनल बन गया। सह्याद्रि चैनल प्रातः 6.00 से 9.00 बजे तक (रविवार को छोड़कर) तथा 15.00 से 20.00 बजे तक स्थलीय पर भी उपलब्ध है।

दूरदर्शन के मुंबई, पुणे तथा नागपुर स्टुडियो में इसके कार्यक्रम बनाए जाते हैं। कार्यक्रम के उच्च निर्माण मूल्यों के कारण डीडी सह्याद्रि महाराष्ट्र में एक घरेलू नाम है। निजी उपग्रह चैनलों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद डीडी सह्याद्रि ने लोकप्रिय धारावाहिकों, सूचनाप्रद कार्यक्रमों, आम बहसों तथा फिल्म आधारित कार्यक्रमों के द्वारा प्लेटफार्म पर अपना स्थान बनाए रखा है। डीडी सह्याद्रि महाराष्ट्र के प्रतिष्ठित नागरिकों और हस्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान हेतु नवरत्न पुरस्कार, माणिक पुरस्कार, सह्याद्रि मराठी सिने पुरस्कार, नवज्योति पुरस्कार, कृषिरत्न पुरस्कार तथा हिरकानी पुरस्कार जैसे विभिन्न सह्याद्रि पुरस्कारों से भी सम्मानित करता है।

महाराष्ट्र में सभी मराठी टीवी चैनलों में से डीडी सह्याद्रि ही एकमात्र लोक सेवा प्रसारक है। चैनल पर सूचनाप्रद, शैक्षणिक तथा अन्य लोक सेवा कार्यक्रमों के प्रसारण को 46 प्रतिशत से भी अधिक समय दिया जाता है।

डीडी सह्याद्रि सी–बैंड में इनसैट–3ए के माध्यम से मुंबई में अपलिंक किया जाता है तथा इनसैट–3ए के संपूर्ण फुटप्रिंट क्षेत्र में देखा जा सकता है। यह डीडी–डायरेक्ट प्लस पर भी उपलब्ध है।
1 अप्रैल, 2011 से मार्च, 2012 तक की अवधि के दौरान प्रसारित मुख्य कार्यक्रमः

पौढ़िगै चैनल

क्षेत्रीय भाषा 'तमिल उपग्रह चैनल' 'पौढ़िगै' ने पोंगल दिवस अर्थात 15.01.2001 से 24 घंटे के प्रसारण के साथ कार्य करना शुरु किया। प्रसारित कार्यक्रमों की शैली को देखते हुए इसे सूचना मनोरंजन चैनल के

रूप में तराशा गया है। 2011–12 के दौरान कार्यक्रमों की विषय वस्तु के अनुसार चैनल की कार्यक्रम संरचना निम्न प्रकार है :
डीडी–5 पौढ़िगै चैनल के कुल प्रसारण घंटे निम्न प्रकार हैं :

2011–12 के दौरान प्रसारित महत्वपूर्ण इन–हाउस निर्माण

पौढ़िगै कालै थेंड्रल, निधि मंद्रा सिधीगल, सिधीगल, एमरजेंसी एक्शन, सुवैयो सुवाय (रैसिपि), एल्लाम संगीथमथान, नाम विरुनथीनार, थुल्लाथा मनामम थुल्लम, कारा सारम (टॉक शो), वालिबा वाली, वनिगा थागावलगल, थेनीर नेरम, कोंजम कविधाय कोंजम थेनीर, अलागुकलै, एंड्रम इनिमै, सिरिप्पु वेदिगाल, पोनविलायम भूमि (कृषि), हैलो उंगालुदन (फोन–इन–लाईव) सुथ्थामम सूजालम, कोंजम सलनगै तथा कनाबिरन कढैयामुधम।
संघ राज्य क्षेत्र पुदुच्चेरी के प्रसिद्ध मंदिर उत्सव का डीडी पौढ़िगै पर तिरुनल्लार (करैक्काल) से डीएसएनजी के साथ दिनांक 21.12.2011 को विज्ञापनों के साथ शनि गोचर का एक घंटे का सीधा प्रसारण किया गया।

डीडी गिरनार

गुजराती में डीडी–II के रुप से मशहूर क्षेत्रीय भाषा उपग्रह सेवा (एसआरएलएस) की शुरुआत 01.10.1993 को दिल्ली से अपलिंकिंग के द्वारा हुई तथा वही सेवा दिनांक 15.08.1994 से स्थानीय रूप में अपलिंक की गई। 15 सितंबर, 2008 से चैनल को डीडी गिरनार का नाम दिया गया। क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल पर दिनांक 01.05.2000 से 24 घंटे का प्रसारण शुरु हुआ। यह राज्य के 86 प्रतिशत क्षेत्र तथा 87 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करता है। टीवी की उपलब्धता वाले सभी घरों में 2.3 प्रतिशत भागीदारी के साथ डीडी–गिरनार चैनल की पहुंच 29.1 है। रथयात्रा, जन्माष्टमी तथा पतंग महोत्सव कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया गया। चैनल ने विभिन्न समसामयिक विषयों तथा सरकारी योजनाओं पर कार्यक्रम निर्मित करके प्रोडक्शन हाउस के रूप में सफलतापूर्वक अपनी पहचान स्थापित कर ली है।

दूरदर्शन केंद्र, अहमदाबाद के रजत जयंती के अवसर पर डीडी गिरनार ने फिल्म, थियेटर, संगीत, साहित्य, कुशल नारी, सामाजिक सेवा, उद्योग, कृषि, खेल इत्यादि जैसे क्षेत्रों में गुजरात की महत्वपूर्ण उपलब्धि तथा योगदान हेतु गिरनार शिरोमणि पुरस्कार–2012 की स्थापना की । आयोजन की रिकार्डिंग 19 अप्रैल, 2012 वीरवार को रविन्द्रनाथ टैगोर हाल, अहमदाबाद में की गई ।

डीडी कशीर

दिनांक 27.03.1995 से यद्यपि प्रतिदिन 4 घंटे का स्थलीय प्रसारण शुरू हुआ था, एक पृथक क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल के रूप में 'डीडी कशीर' की औपचारिक शुरूआत 26.06.2000 को हुई। डीडी कशीर घाटी के विभिन्न भागों में स्थित स्थलीय एक्स–मीटरों के माध्यम से प्रतिदिन 24 घंटे का प्रसारण करने वाला उपग्रह चैनल है।

डीडी कशीर के कार्यक्रम सोमवार से शनिवार तक 16.00 बजे से 20.00 बजे तक 4 घंटे के लिए डीडी–1 पर साथ–साथ प्रसारित किए जाते हैं। डीडी कशीर के मुख्य कार्यक्रम इस प्रकार हैं :

सद्भावना, जानूब एशिया, खबरनामा, पीटीवी सच क्या है, हम भी मुंह में जबान रखते हैं, हालात–ए–हाजरा, पाकिस्तान रिपोर्टर, कशीर नाउ, कश्मीर नामा, सरहद के दो रुख, डेट लाइन कश्मीर, तर्ज–ए–हयात, दरसीहा, सच तो ये है। गुड मार्निंग जम्मू और कश्मीर–मार्निंग शो कार्यक्रम में जम्मू और कश्मीर राज्य

के तीनों क्षेत्रों अर्थात् जम्मू, कश्मीर और लद्दाख से प्राप्त इनपुट दिए जाते हैं। जनसंख्या के सभी वर्ग के दर्शकों को आकर्षित करने के लिए सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक सहिष्णुता तथा राष्ट्रीय अखंडता विषयक कार्यक्रमों का निर्माण किया जाता है ।

डीडी मलयालम

15 अगस्त, 1994 को शुरू हुआ डीडी मलयालम 2000 में 24 घंटे की प्रसारण सेवा वाला चैनल बन गया। चैनल को तिरुवनंतपुरम, त्रिचुर तथा कालीकट के दूरदर्शन स्टुडियो से सहयोग मिलता है । स्थलीय मोड में डीडी मलयालम की केरल की 100% जनसंख्या तक पहुंच है। डीडी मलयालम की पूरे देश तथा विश्व के 68 देशों तक पहुंच है।

विशिष्ट दर्शक बनाए रखते हुए डीडी मलयालम ने समसामयिकी, वाद विवाद, क्विज शो, पारस्परिक लाइव स्वास्थ्य कार्यक्रम, लाइव संगीत शो, शेयर बाजार विश्लेषण, महिला कार्यक्रम, यूथ शो, बाल कार्यक्रम, मार्निंग शो, सांस्कृतिक पत्रिका, फिल्म आधारित कार्यक्रमों इत्यादि जैसे कार्यक्रमों की नई शैली की शुरूआत के साथ सूचना और मनोरंजन के बाजार में गहरी छाप छोड़ी है ।

डीडी चंदना

15 अगस्त, 1994 को चैनल की शुरूआत हुई। डीडी चंदना कन्नड़ भाषा उपग्रह चैनल है। बंगलौर और गुलबर्गा के दूरदर्शन स्टुडियो के सहयोग से यह 2000 में 24 घंटे प्रसारण सेवा वाला चैनल बन गया तथा 24 मार्च 2003 से इसकी कवरेज का 30 से अधिक देशों तक विस्तार किया गया। केंद्र ने कुछ नवाचारी कार्यकमों की शुरूआत चैनल ड्राइवर के रूप में की जैसे कन्नड़ फिल्मी गीतों पर आधारित कार्यक्रम– 'मधुर मधुरवी मंजला गाना' तथा धार्मिक/राष्ट्रीय उत्सवों के दौरन विशेष कार्यक्रम। इन कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण/आस्थगन/रिकार्ड किया हुआ कार्यक्रम केंद्र के लिए राजस्व अर्जन का एक स्त्रोत भी बन गया।

- नव वर्ष 2012 के स्वागत में 31 दिसम्बर, 2011 की रात को एक विशेष कार्यक्रम प्रसारित किया गया।

बेलगु तथा एंटा हेली क्विज कार्यक्रम दर्शकों के बीच लोकप्रिय हैं। ये ज्ञात/अज्ञात अनुभवी तथा संबंधित क्षेत्र के युवाओं की उपलब्धियों को दिखाने के लिए आदर्श कार्यक्रम हैं। इस मंच का उद्देश्य दर्शकों को नई प्रतिभाओं से परिचय कराना है।

हैलो चीफ मिनिस्टर, हैलो मिनिस्टर, हैलो लोकायुक्त, हैलो पुलिस कमिश्नर जैसे कार्यक्रम प्रसारण की प्रक्रिया में हैं।

कन्नड़ भाषा के कार्यक्रम कुल प्रसारण का 99.3% है जबकि अन्य भाषा (उर्दू, कोदवा, कोकंणी तथा तुलु) के कार्यक्रम 0.7% हैं।

डीडी बांग्ला

डीडी बांग्ला अस्थाई भू केंद्र से सी–बैंड अप–लिंकिंग सिस्टम के साथ 20 अगस्त, 1992 को शुरू हुआ। उपग्रह के माध्यम के इस महाद्वीप में इसकी पहुंच 36 देशों तक है। किंतु डीडी बांग्ला कार्यक्रम कोलकाता से 15 अगस्त, 1994 से शुरू हुए। डीडी बांग्ला का 24 घंटे प्रसारण 1 जनवरी, 2000 से शुरू हुआ। प्रातः 06–45 बजे मार्निंग बंगाली न्यूज बुलेटिन 26 जनवरी, 2000 को शुरू हुआ। डीडी बंगला उपग्रह चैनल की डिजीटल अपलिंकिंग 1 अप्रैल, 2004 को हुई।

डीडी बांग्ला ने बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने तथा आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भमिका निभाई है तथा देश के बंगाली दर्शकों के बीच यह एक लोकप्रिय टीवी चैनल रहा है।

डीडी नार्थ ईस्ट

उत्तर–पूर्व क्षेत्र के विकास के लिए 15 अगस्त, 1994 को डीडी नार्थ–ईस्ट की शुरूआत हुई तथा 27 दिसंबर, 2000 को यह 24 घंटे प्रसारण सेवा वाला चैनल बन गया।

कार्यक्रम निर्माण केंद्र (पूर्वोत्तर), दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी वह मंच है जहां से दूरदर्शन 24 घंटे अबाधित कार्यक्रम सेवा प्रस्तुत कर रहा है। डीडी नार्थ–ईस्ट (डीडी–13) का कवरेज क्षेत्र सभी सात उत्तर–पूर्वी राज्यों तक बढ़ाया गया है तथा सिक्किम भी अब कार्यक्रम निर्माण केंद्र (पूर्वोत्तर), दूरदर्शन केंद्र गुवाहाटी के नेटवर्क के अन्तर्गत आ गया है। कार्यक्रम निर्माण केंद्र (पूर्वोत्तर), के अतिरिक्त, दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी के इन–हाउस कार्यक्रमों समाचारों सहित सायं 5.30 बजे से 8.00 बजे (सोमवार से शुक्रवार) तक अपराह्न 3.00 बजे से रात्रि 8.00 (शानिवार और रविवार) तक शुरू करते हुए दूरदर्शन के विभिन्न केंद्रों के योगदान से डीडी नार्थ ईस्ट का प्रसारण होता है। डीडी नार्थ–ईस्ट संपूर्ण उत्तर–पूर्व क्षेत्र के 76.6% क्षेत्र तथा 84. 6% जनसंख्या को कवर करता है।

डीडी नार्थ–ईस्ट पर प्रसारित किए गए कार्यक्रमः

	इन–हाउस	कमीशंड	प्रायोजित
स्थलीय	40%	20%	40%
एनईएससी (डीडी–13)	90%	8%	2%

डीडी–13 अर्थात उत्तर–पूर्व उपग्रह सेवा के कार्यक्रम विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में देखे जाते हैं। ये कार्यक्रम डीटीएच मोड पर भी उपलब्ध हैं।

कार्यक्रम निर्माण केंद्र (पूर्वोत्तर), दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी को 2011–12 में देबव्रत गोस्वामी द्वारा निर्मित कार्यक्रम 'मुक्ति संग्राम' के लिए प्रतिष्ठित गांधी दर्शन पुरस्कार, 2010 मिला।

2011–12 के दौरान गतिविधियां :

- 2011–12 में कार्यक्रम निर्माण केंद्र (पूर्वोत्तर), दूरदर्शन द्वारा एक विशेष उत्तर–पूर्व प्रतिभा खोज संगीत रियल्टी शो का सफलतापूर्वक निर्माण किया गया। इस रियल्टी शो में संपूर्ण उत्तर पूर्व क्षेत्र से प्रतिभागियों ने भाग लिया। 3 दिसंबर, 2011 को प्रागज्योति आईटीए सेंटर, मकोवा से 'सुरसंगम' भव्य समापन समारोह का सीधा प्रसारण किया गया। सुरसंगम के प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार पाने वाले विजेताओं को क्रमशः एक लाख रुपये, पचहत्तर हजार रुपय तथा पचास हजार रुपय का नकद पुरस्कार दिया गया। यह नकद राशि विभिन्न स्थानीय संगठनों द्वारा प्रायोजित की गई थी ।
- दूरदर्शन के स्वर्ण जयंती समारोह के भाग के रूप में 23.6.2011 को हिंदी गीतों का एक विशेष कार्यक्रम लाइव प्रसारित किया गया।
- उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में निम्नलिखित 12 दूरदर्शन केंद्र कार्यरत हैं :

1. दूरदर्शन केंद्र, आइज़ोल

नवें एशियाई खेलों से ठीक पहले आइजोल के निकट स्थित तुइखोल्लांग में अक्तूबर 1982 में 100 वाट का एक अल्प शक्ति ट्रासंमीटर स्थापित किया गया था । उस समय ट्रासंमीटर दिल्ली से प्रसारित कार्यक्रम रिले करता था और आइजोल तथा निकटवर्ती गांवों को कवर करता था। वर्ष 1989 में उस ट्रांसमीटर को 1 कि.वा. के उच्च शक्ति ट्रांसमीटर में अपग्रेड कर दिया गया था। डीडी मेट्रो के प्रसारण के लिए 100 वाट का एक अन्य अल्प शक्ति ट्रांसमीटर लगाया गया था जिसने 12.06.1995 से कार्य करना आंरभ किया था। बाद में इसे बदल कर डीडी नयूज कर दिया गया था। कार्यक्रम निर्माण केंद्र ने 1800 से 1900 बजे तक एक घंटे के स्थानीय प्रसारण के साथ 12.06.1995 से कार्य आंरभ किया जिसे बाद में बढ़ा दिया गया। क्षेत्रीय समाचार एकांश ने मिजो समाचार बुलेटिन के साथ 26.01.2003 से अपनी सेवा आंरभ की।

पूवोत्तर खेल

चपचुरकुट उत्सव

डीडी–1 और डीडी न्यूज के ट्रांसमीटरों को क्रमशः 10 कि.वा. में अपग्रेड कर दिया गया जो अप्रैल 2004 से कार्य करने लगे। कवरेज एरिया बढ़ जाने के कारण ट्रांसपोजर बंद कर दिया गया तथा पुर्जे खोल लिए गए।

वर्ष 2012 के दौरान केंद्र के कार्यकलाप और उपलब्धियां

यद्यपि दूरदर्शन केंद्र, आइजोल यद्यपि बड़े आयोजनों की लाइव कवरेज के लिए पूर्णतः सुसज्जित नहीं है, फिर भी उसने अन्य दूरदर्शन केंद्रों की सहायता से उत्तर–पूर्वी खेलों का सफलतापूर्वक लाइव प्रसारण करके सराहनीय कार्य किया है ।

अन्य आयोजनों की कवरेज (2011–12)

1. 30.06.2011 को मिजोरम स्थापना दिवस
2. 15.08.2011 को प्रातः 9.00 बजे से 11.00 बजे तक स्वतंत्रता दिवस परेड का सीधा प्रसारण
3. 08.01.2012 से 20.01.2012 तक राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप
4. 26.01.2012 को गणतंत्र दिवस समारोह
5. 02.03.2012 को चप्चुर्कुट त्यौहार
6. 20.03.2012 को राज्यपाल का संदेश
7. 20.03.2012 से 22.03.2012 तक उत्तर–पूर्वी खेल

2011–12 के दौरान प्रसारित कुछ लोकप्रिय कार्यक्रम

कार्यक्रम शीर्षक	**प्रसारण तिथि**
विकिरण पर परिचर्चा का सीधा प्रसारण	09.04.2011

ए.आर. मैदान में चप्चुर्कुट 2012 समारोह का सीधा प्रसारण	02.03.2012
26वें उत्तर–पूर्वी खेलों के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण	20.03.2012
26वें उत्तर–पूर्वी खेलों के समापन समारोह का सीधा प्रसारण	23.03.2012
जन सूचना अभियान पर टीवी रिपोर्ट	17.03.2012
क्रिसमस पर संदेश	24.12.2011
सेंट्रल हाल में नव वर्ष कार्यक्रम	31.12.2011
58वें अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह पर संदेश	15.11.2011
बाल उत्पीड़न निरोध विश्व दिवस पर परिचर्चा	19.11.2011

2. दूरदर्शन केंद्र, गंगटोक

केंद्र में डीडी नेशनल और डीडी न्यूज के लिए 1–1 कि.वा. शक्ति के दो उच्च शक्ति ट्रांसमीटर हैं। ये चैनल पूरे गंगटोक शहर और उप–नगरीय क्षेत्रों में उपलब्ध हैं। केंद्र के पास डीडी नेशनल चैनल को रिले करने के लिए सिक्किम के उत्तर जिले में मंगन, पश्चिम जिले में गेजिंग, दक्षिण जिले में नाम्ची तथा पूर्वी जिलें में रंगपो और सिंगताम में पांच अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर हैं। यह केंद्र कृषि, भारत निर्माण, सिक्किम राउंड, स्वस्थ भारत पर 30–30 मिनट के और संगीत पर 15 मिनट के कार्यक्रम तैयार करता

राजभाषा पर संसदीय समिति की बैठक गंगटोक में आयोजित की गई

गणतंत्र दिवस पर राज्यपाल का संदेश

है। अधिकांश कार्यक्रम ओबी आधारित हैं। केंद्र का प्रसारण समय सोमवार से शुक्रवार को सायं 6.00 बजे से 7.00 बजे तक है। यह राज्य के 80.4 प्रतिशत क्षेत्र और 95.7 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करता है। कार्यक्रमों की भाषा नेपाली है ।

वर्ष 2011–12 के दौरान केंद्र के कार्यक्रलापः

1. गंगटोक में आयोजित स्पिक मैके उत्तर–पूर्वी राज्य सम्मेलन पर टीवी रिपोर्ट
2. राष्ट्रीय वेटरंस टेबल टेनिस चैंपियनशिप की कवरेज

(3) दूरदर्शन केंद्र, तुरा

दूरदर्शन केंद्र तुरा का स्थानीय प्रसारण प्रायोगिक आधार पर 26 जनवरी 1993 को आंरभ हुआ था, लेकिन बाद में 21 मई 1993 को कमीशन किया गया था। स्थानीय कार्यक्रमों का प्रसारण 31 मई 1993 से आंरभ हुआ था। दूसरे चैनल डीडी–2 का उद्घाटन 16 दिसंबर 1995 को किया गया था और मेट्रो उच्च शक्ति ट्रांसमीटर का उद्घाटन 19 अगस्त 2000 को किया गया था। इस समय दूरदर्शन केंद्र, तुरा सोमवार से शुक्रवार तक सायं 5.30 बजे से 7.45 बजे तक कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है। बीच में सायं 7.15 से 7. 30 बजे तक समाचार प्रसारित किए जाते हैं। केंद्र सायं 7.45 बजे दूरदर्शन केंद्र, शिलांग से 15 मिनट

का 'सिटी स्केन' कार्यक्रम रिले करता है। केंद्र के 90% कार्यक्रम गारो भाषा में होते है जिनमें हाजोंग, रवा, कोच, बोडो आदि के लोक संगीत/नृत्य के कार्यक्रम होते हैं। केंद्र बंगाली, हिंदी और नेपाली भाषाओं के कार्यक्रम भी बनाता है।

वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान केंद्र ने डीसीडी से 3,00,000/–रुपये और इन–हाउस से 84,033/–रुपये का राजस्व अर्जित किया।

वर्ष 2011–12 के दौरान केंद्र द्वारा निर्मित कार्यक्रम :

- उत्तर–पूर्व निदेशकों के सम्मेलन के अवसर पर आकाशवाणी तुरा के सहयोग से दो घंटे के संगीत कार्यक्रम का सीधा प्रसारण।
- कल्याणी– स्थानीय स्वास्थ्य देखभाल कार्यकम।
- रोविंग आई– अंग्रेजी– समाचारों पर आधारित साप्ताहिक कार्यक्रम।
- युवा और बाल कार्यक्रम।
- गारो हिल्स की लोक विधाएं– ईएफपी– गीत और नृत्य की प्रायः सभी लोक विधाओं को सम्मिलित करते हुए।
- कृषि और अग्रणी कार्यक्रम

(4) दूरदर्शन केंद्र शिलांग

शिलांग में 100 वाट का पहला अल्प शक्ति ट्रांसमीटर वर्ष 1983–84 में लगा था। 1990 में लाइतकोर पीक पर 1 किलोवाट का नया ट्रांसमीटर लगाया गया। दूरदर्शन केंद्र शिलांग अंततः 1993 में चालू हुआ। 2004 में 1 किलोवाट के ट्रांसमीटर का 10 किलोवाट के ट्रांसमीटर में उन्नयन किया गया। ट्रांसमीटर के पावर के उन्नयन के परिणामस्वरूप शिलांग और उसके आसपास के इलाकों में सिग्नलों की गुणवता में भारी सुधार आया और इसके कवरेज क्षेत्र में भी व्यापक तौर पर विस्तार हुआ। यह मेघालय के 95.1 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र और 97.8 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करता है। यहां से सभी कार्य–दिवसों में ढाई घंटे तथा शनिवार और रविवार को 5 घंटे के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। इस केंद्र में स्थानीय भाषा के कार्यक्रमों को प्रसारित करने पर जोर दिया जाता है।

चैनल के संबंध मे दृष्टिकोण

- दूरदर्शन केंद्र, शिलांग के कार्यक्रमों को उपग्रह और डीटीएच प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराना।
- दूरदर्शन केंद्र, शिलांग से सायं 3.00 बजे से रात 8.00 बजे तक 5 घंटे की क्षेत्रीय सेवाएं आंरभ करना।

महत्वपूर्ण प्रसारित कार्यक्रम

- दूरदर्शन की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए जोवई और मोकिर्वट जैसे दूरदराज के क्षेत्रों में राज्य की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को पेश कर संगीत समारोहों की श्रृंखला प्रस्तुत की गई।
- समर्पित स्वास्थ्य कार्यक्रम– कल्याणी–II का शुभारंभ ।
- बाब दिलान की 70वीं वर्षगांठ पर उन्हें श्रद्धांजलि देना।
- गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं वर्षगांठ पर छः एपिसोड की श्रृंखला।
- शिलांग के सभी इन्टर स्कूलों की बिना तैयारी किए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन।

- शिलांग के सभी प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को प्रमुखता देते हुए क्षेत्र में निहित युवा प्रतिभाओं की विशिष्टताओं का उल्लेख करते हुए "साउण्ड एण्ड सब्सटेंस" नामक युवा कार्यक्रम के अंतर्गत बिना तैयारी के भाषण की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

(5) दूरदर्शन केंद्र, सिल्चर

बराक घाटी में दूरदर्शन 04.12.1984 को पहुंचा तथा अल्प शक्ति ट्रांसमीटर के जरिए दिल्ली से कार्यक्रम रिले किया गया। उच्च शक्ति ट्रांसमीटर का प्रचालन 26.09.1987 को आंरभ हुआ। दूरदर्शन केंद्र, सिल्चर ने स्थानीय तौर पर तैयार किए गए 30 मिनट के कार्यक्रम को अपने स्टुडियो से 30.04.1993 से प्रसारित करना आंरभ किया जिसे 03.09.1995 से 1 घंटे का और पुनः 01.08.2000 से इसे दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी से 1900 से 1930 बजे तक अंग्रेजी और असमी बटोरी में प्रसारित किए जाने वाले पूर्वोत्तर क्षेत्र के समाचार बुलेटिन को छोड़कर 2 घंटे (18.00 से 20.00 बजे) का कर दिया गया। 02.07.2004 से स्थानीय प्रसारण समय बढ़ा कर 02.30 घंटे कर दिया गया। केंद्र ने 30.10.2008 से वाणिज्यिक राजस्व अर्जित करना आंरभ किया। केंद्र ने वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान 14,53,401/–रुपये का राजस्व अर्जित किया।

केंद्र की उपलब्धियां और कार्यकलापः

केंद्र ने बंगाली नव वर्ष, अंग्रेजी वर्ष की समाप्ति, समुदाय और जातीय समूहों से जुड़े त्योहारों पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम तैयार किए तथा जाने–माने संत फकीर माखा शाह पर विशेष डाक्युमेंट्री फिल्म तैयार की।

केंद्र से प्रसारित कुछ लोकप्रिय कार्यक्रम इस प्रकार हैं :

आइन–कानून (फोन पर सीधे कानूनी सलाह देने का कार्यक्रम), स्वास्थ्य चर्चा (स्वास्थ्य पर लाइव फोन–इन कार्यक्रम), मुखो–मुखी (राजनीति, प्रशासन आदि के क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख हस्तियों से साक्षात्कार पर आधारित कार्यक्रम), हस्ते माना (हर्षोल्लास व्यंग्य)।

(6) दूरदर्शन केंद्र, डिब्रूगढ

09 सितंबर, 1984 को डिब्रूगढ़ में दूरदर्शन के अल्प शक्ति ट्रांसमीटर का औपचारिक उद्घाटन हुआ जिसे 31 मार्च, 1988 को उच्च शक्ति ट्रांसमीटर में अपग्रेड कर दिया गया ताकि राज्य के विभिन्न भागों में दूरदर्शन के कार्यक्रमों को प्रसारित किया जा सके। 31 मई, 1993 को दूरदर्शन केंद्र, डिब्रूगढ़ के उद्घाटन के साथ एक संपूर्ण दूरदर्शन केंद्र अस्तित्व में आया। डीडी–1 के लिए इसका 10 किलोवाट का उच्च शक्ति ट्रांसमीटर है तथा डीडी न्यूज सर्विस के लिए 100 वाट का अल्प शक्ति ट्रांसमीटर है। स्टुडियो में तीन कैमरा सैट–अप है। केंद्र का कुल कवरेज क्षेत्र 21,706 वर्ग किलोमीटर है।

केंद्र से प्रसारित किए गए कुछ लोकप्रिय कार्यक्रम इस प्रकार हैं :

- क्षेत्र की सभी महत्वपूर्ण गतिविधियों को शामिल करते हुए साप्ताहिक समाचार पत्रिका का प्रसारण।
- ''हैलो डॉक्टर''
- मुक्त मंच (ज्वलंत मुद्दों पर दर्शकों से चर्चा)।
- हैलो मुर्चाना
- मुखा मुखी
- सरकार द्वारा प्रायोजित "फ्लैगशिप" कार्यक्रम।

(7) दूरदर्शन केंद्र, ईटानगर

अल्प शक्ति ट्रांसमीटर ईटानगर 1982 में चालू हुआ जिसे 1991 में बढ़ाकर 1 किलोवाट का कर दिया गया। केंद्र ने 05.02.1996 से पूरी तरह से कार्य करना शुरु किया। यह केंद्र राज्य के 82.7 प्रतिशत क्षेत्र और 89.7 प्रतिशत की जनसंख्या को कवर करता है। केंद्र अपने 92 प्रतिशत कार्यक्रम इन–हाउस तैयार करता है तथा प्रसारण के लिए कुछ कार्यक्रम बाहर से कमीशंड और प्रायोजित किए जाते हैं।

केंद्र ने वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान 11 लाख रुपए का राजस्व अर्जित किया।

2011–12 की अवधि के कार्यकलाप :

- आल इण्डिया गवर्नर्स गोल्ड कप फुटबाल टूर्नामेंट की कवरेज ।
- गणतंत्र दिवस और स्वंतत्रता दिवस के अवसर पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री के संदेशों का प्रसारण।
- "कृषि विस्तार को जन संचार समर्थन" नामक योजना के अन्तर्गत फसलों पर एक संगोष्ठी का आयोजन

(8) दूरदर्शन केंद्र, अगरतला

टीवीआरसी, अगरतला ने अक्तूबर, 1982 से कार्य करना आंरभ किया जिसे 05 दिसम्बर 1986 को बढ़ाकर उच्च शक्ति ट्रांसमीटर में अपग्रेड कर दिया गया। अन्ततः 27 जनवरी, 1987 को इसका उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम तैयार करने के लिए 20.11.1992 को स्टुडियो का उद्घाटन किया गया किन्तु स्थानीय कार्यक्रमों का प्रसारण वर्ष 1995 से आंरभ हो पाया। बंगाली और कोकबोरोक भाषा/बोली में समाचारों का प्रसारण 18 दिसंबर, 2005 से शुरु हुआ। केंद्र के प्रसारण का समय सोमवार से शुक्रवार सायं 5.30 से 8.00 बजे तक तथा शनिवार को सायं 3.00 से 8.00 बजे तक का है।

(9) दूरदर्शन केंद्र, कोहिमा

दूरदर्शन केंद्र, कोहिमा ने आकाशवाणी परिसर, कोहिमा में लगे अपने अल्प शक्ति ट्रांसमीटर (100 वाट) से डीडी–1 (नेशनल) का प्रसारण 1982 में आरंभ किया। 18 अक्टूबर, 1987 को इसे अपग्रेड कर 1 किलोवाट के उच्च शक्ति ट्रांसमीटर में परिवर्तित किया गया। 22 दिसंबर, 1995 को पी.पी.सी. कोहिमा को औपचारिक तौर पर शुरु किया गया। 01 मई, 2003 से स्थानीय कार्यक्रमों के प्रसारण की अवधि को बढ़ाकर प्रतिदिन 2 घंटे कर दिया गया। 01 मई, 2003 से इसने 10 मिनट के स्थानीय समाचारों का प्रसारण भी आंरभ किया। 01 अप्रैल, 2004 को दूरदर्शन की प्रसारण शक्ति को 1 किलोवाट से बढ़ाकर 10 किलोवाट किया गया। 22.03.2012 से डिजीटल अपलिंकिंग की सुविधा को बढ़ाकर सिंगल कैरियर मोड से टू कैरियर मोड में कर दिया गया है। सभी स्टुडियो और भू–केंद्र डिजीटल मोड में कार्य कर रहे हैं। यह केंद्र संपूर्ण राज्य के 71.5 प्रतिशत क्षेत्र और 72.4 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करता है।

केंद्र ने वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान 3 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया है।

वर्ष 2011–12 के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम इस प्रकार है ।

फ्लैगशिप कार्यक्रम, स्वास्थ्य की देखभाल, वरिष्ठ नागरिकों और निरूशक्त व्यक्तियों से संबंधित कार्यक्रम, टीवी रिपोर्ट/पाश्चात्य संगीत, अंग्रेजी में भक्तिमय गीत, लोक गीत/नृत्य, विकास संबंधी सामान्य कार्यक्रम (सीपी/आईएचपी), महिला कार्यक्रम (सीपी/आईएचपीओ–1.3, यूथनेट (सीपी/आईएचपी)–2,4 (बुधवार), नागाओं की बोलियों में गीत, कलर्स (मनोरंजन कार्यक्रम), पूर्वोत्तर के समाचार, रिलीविंग द वीक, आदि।

डीडी–6 (उड़िया)

उड़िसा का आरएलएससी जिसे डीडी–6 (उडिया) के नाम से जाना जाता है, को 02.11.1993 को चालू किया गया। तथापि, उत्कल दिवस (01.04.2001) से इसे 24 घंटे का चैनल बना दिया गया। इस समय डीडी–6 (उडिया) चैनल को प्रति सप्ताह 55 घंटे 30 मिनट के प्रसारण का स्थलीय सहयोग मिल रहा है और शेष 112 घंटे 30 मिनट की अवधि का प्रसारण विशिष्ट रुप से उपग्रह के माध्यम से उपलब्ध है। इसके अधिकतर कार्यक्रम भुवनेश्वर, संबलपुर और भवानीपटना में तैयार किए जाते हैं। डीडी–6 (उडिया) के कार्यक्रमों की भाषावार संरचना से पता चलता है कि प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों में उडिया का हिस्सा 96.57 प्रतिशत है, तत्पश्चात वाणिज्यिक/प्रोमो/फिलर्स का हिस्सा (2.39 प्रतिशत) तथा दिल्ली से हिंदी समाचार का हिस्सा (1.04 प्रतिशत) है।

2011–12 की अवधि के दौरान डीडी–6 (उड़िया) के कार्यकलाप इस प्रकार हैं :

"उत्कल प्रज्ञान सम्मान–2011", भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की रथयात्रा तथा भगवान जगन्नाथ की बहुदा यात्रा का पुरी से सीधा प्रसारण। 12.07.2011 को सुना बेशा (देवताओं के स्वर्णिम वस्त्र) का पुरी से 3 घंटे का सीधा प्रसारण किया गया। 'सप्तरंगा' शीर्षक से दूरदर्शन के स्थापना दिवस कार्यक्रम का 15.09.2011 को भव्य तौर पर प्रसारण किया गया।

डीडी पंजाबी

डी.डी. पंजाबी चैनल 06 अगस्त, 1998 को आरंभ किया गया था तथा 05 अगस्त 2000 से यह 24 घंटे का चैनल बन गया है। प्रारंभ में यह 21 साइमलकास्ट एनालॉग चैनल था तथा 22 मार्च 2004 को इस चैनल को डिजीटल प्रसारण चैनल में बदल दिया गया। यह 24 घंटे का निरंतर चलने वाला पंजाबी चैनल है जिसे भारत और अन्य ऐसे देशों में व्यापक तौर पर देखा जाता है जहां इन्सेट–3ए और इन्सेट–4बी उपग्रह के पदचिह्न उपलब्ध हैं। डीडी पंजाबी उपग्रह इन्सेट–4बी पर डीटीएच प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध है।

स्थलीय मोड में डीडी पंजाबी की पंजाब राज्य में लगभग शत–प्रतिशत पहुंच है। डीडी पंजाबी चैनल पर प्रसारण के लिए पंजाबी कार्यक्रमों की आपूर्ति करने का एक मुख्य स्रोत दूरदर्शन केंद्र, जालंधर है। डीडी पंजाबी के प्रसारण को अमृत वेला, सजरी सवेर, दिन का प्रसारण, शाम का प्रसारण और रात का प्रसारण शीर्ष के अंतर्गत 5 भागों में बांटा गया है। इस चैनल पर खेल, लाइव आयोजनों और मनोरंजन से भरपूर कार्यक्रम भी प्रसारित किए जाते हैं।

2011–12 के दौरान प्रसारित किए गए अन्य कार्यक्रम इस प्रकार हैं : कानूनी नुक्ते, अज्ज दा मसाला, डॉक्टर नू मिलो, 'खिड़की' (मिडल ईस्ट के लिए 14.00 बजे सीधा प्रसारित किए जाने वाला एक घंटे का मैगजीन कार्यक्रम)।

डीडी पंजाबी ने वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरन 10.51 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया ।

डीडी सप्तगिरि

डीडी सप्तगिरी तेलुगू भाषा का उपग्रह चैनल है जिसे हैदराबाद, विजयवाड़ा और वारंगल स्थित दूरदर्शन के स्टुडियो का सहयोग मिल रहा है। इसे 10 अक्टूबर, 1993 को आरंभ किया गया था तथा वर्ष 2000 में यह 24 घंटे का चैनल बन गया। इस चैनल ने अपने दर्शकों के लाभ के लिए 23.04.2009 से अपनी वेबसाइट शुरु की है।

डीडी सप्तगिरि पर प्रसारित किए गए कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम इस प्रकार हैं :

- मुथयाला सरम :– देशभक्ति के गानों पर आधारित मुथयाला सरम (मोतियों की माला) नामक विशेष कार्यक्रम।
- दशहरा त्योहार की पूर्व संध्या पर 06.10.2011 को नए लोगो का शुभारंभ।
- आईटीएफ टेनिस टूर्नामेंट (विलंबित सीधा प्रसारण), कबड्डी प्रीमियर लीग, इंडियन वॉलीबाल लीग, पोलो सीजन 2011, टालीवुड स्टार्स क्रिकेट (डीडी सप्तगिरि पर), सीनियर नेशनल इंडियन स्टाइल रेसलिगं, नेशनल रैंकिग टेबल टेनिस टूर्नामेंट, 57वां सीनियर नेशनल बाल बैडमिंटन चौम्पियनशिप फार मैन एण्ड वुमैन (विलंबित सीधा प्रसारण), आईटीएफ फ्यूचर टेनिस टूर्नामेंट, भारत बनाम आस्ट्रेलिया महिला टी–20 सीरिज को कवर किया।

दूरदर्शन के अन्य अनुभाग

डीडी विज्ञापन

दूरदर्शन की विज्ञापन सेवा सामान्यत : प्रत्यायित और पंजीकृत एजेंसियों के माध्यम से विज्ञापनों और प्रायोजकों की बुकिंग करने तथा साथ ही साथ एजेंसी कमीशन के बगैर अग्रिम भुगतान पर सीधी व्यवस्था करने के लिए उत्तरदायी है। ऐसे क्षेत्रीय केंद्रों पर नई वाणिज्यिक इकाइयां स्थापित की गई हैं जहां पहले ऐसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। दूरदर्शन ऐसे उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों और अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों पर भी स्क्रॉल विज्ञापन स्वीकार करता है जहां मूलरूप से कार्यक्रम तैयार नहीं किए जाते हैं। वर्ष 2011–12 के दौरान विज्ञापन अनुभाग द्वारा 1128.48 करोड़ रुपये का कुल राजस्व अर्जित किया गया।

विकास संप्रेषण प्रभाग

दूरदर्शन ने सरकारी एजेंसियों से अपना राजस्व बढ़ाने के लिए मार्च, 2001 में विकास संप्रेषण प्रभाग की स्थापना की। सीधी मार्केटिंग करके, बिचौलियों (प्राइवेट एजेंसिंयां) को खत्म करके, सक्रिय रुख अपनाकर, विपणन के ठोस तौर–तरीके और नीतियां अपनाकर तथा समय पर कार्य आरंभ कर उसे पूरे करने के परिणाम स्वरुप विकास संप्रेषण प्रभाग के राजस्व में निरंतर वृद्धि के साथ भारी लाभ हुआ है। वर्ष 2011–12 के दौरान प्रभाग के राजस्व में इसकी सथापना से लेकर अब तक 1300 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त 16 केंद्रों द्वारा 10 भाषाओं और बोलियों में 1664 कार्यक्रम भी तैयार किए गए हैं।

प्रभाग की स्थापना से इनहाउस प्रोडक्शन के लिए राज्य सरकारों के साथ भागीदारी करने का एक मंच भी तैयार हुआ है। इस मॉडल को सामाजिक सरोकार रखने वाले कार्यक्रमों को तैयार करने और उन्हें प्रसारित करने में दूरदर्शन की सहभागी चाहने वाली अधिक से अधिक सरकारी और गैर–सरकारी एजेंसियों को लेकर कृषि और नैरोकास्टिंग सैल की स्थापना करने में भी दोहराया गया है। इस वर्ष यूनीसेफ से हमारी भागीदारी लोकप्रिय सीरियल "क्योंकि जीना इसी का नाम है" के लिए आगे भी जारी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत के सबसे लंबे समय से चल रहे स्वास्थ्य अभियान कार्यक्रम 'कल्याणी' (दूरदर्शन का स्वयं तैयार कार्यक्रम) को विश्वव्यापी शीर्ष –15 'अभिनव' कार्यक्रमों में से चुना है जिसने वर्ष के दौरान महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े कार्य को आगे बढ़ाया। कार्यक्रम का विशिष्ट प्रभाव होने के परिणामस्वरुप प्रगति मैदान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा इसका प्रदर्शन किया गया। 21 राज्यों में 13 भाषाओं और 17 बोलियों में अभियान का विस्तार किया गया है।

नैरोकास्टिंग

2004 में आरंभ किए गए कृषि विस्तार में जन संचार सहयोग कार्यक्रम में तीन स्तरीय दृष्टिकोण अपनाया गया है :

1. राष्ट्रीय चैनल पर : सोमवार से शनिवार तक प्रातः 06.30 बजे से 07.00 बजे तक देश विशिष्ट कृषि कार्यक्रम का प्रसारण किया जाता है।

2. 18 क्षेत्रीय चैनलों पर : क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनलों (आर.एल.एस.एस.) पर सप्ताह में पांच दिन (सोमवार से शुक्रवार) सांय 06.00 बजे से 06.30 बजे तक राज्य विशिष्ट कृषि कार्यक्रम का प्रसारण किया जाता है।

3. नैरोकास्टिंग मोड में : सप्ताह में पांच दिन (सोमवार से शुक्रवार) शाम के समय पीजीएफ और क्षेत्रीय केंद्रों में लगे 180 से भी अधिक ट्रांसमीटरों के माध्यम से सप्ताह में दो बार तैयार किए गए क्षेत्र विशिष्ट कार्यक्रम का प्रसारण किया जा रहा है जो कि संपूर्ण देश के 140 जिलों से भी अधिक जिलों के किसानों की क्षेत्र विशिष्ट जानकारी की आवश्यकता को पूरा कर रहे हैं।

कार्यक्रम में कृषि, बागवानी, पशुपालन और मात्स्यिकी के सभी पहलुओं को शामिल किया जाता है। फोन पर सीधी बातचीत का साप्ताहिक कार्यक्रम, मौसम और फसल से संबंधित संगोष्ठियों की जानकारी प्रदान करना इस कार्यक्रम की महत्वूर्ण विशेषताएं हैं। इस कार्यक्रम में कृषि से संबंधित समाचारों का बुलेटिन, मंडी भाव बुलेटिन (बाजार मूल्य), न्यूनतम समर्थन मूल्य का प्रचार, खरीफ की फसल के दौरान बीज के उपचार से संबंधित अभियान तथा प्रत्येक कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय द्वारा दी गई अन्य जानकारी को भी कृषि दर्शन कार्यक्रम में प्रसारित किया जाता है।

55 निर्माण केंद्रों द्वारा प्रत्येक दिन प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों की तारीख–वार सूची को विस्तार कर्मियों, योजनाकारों और शिक्षित किसानों की जानकारी के लिए विशिष्ट पोर्टल (www-dacnet-nic-in/csms) पर अपलोड किया जाता है।

पर्यावरण दर्शन

दूरदर्शन ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से वर्ष 2011–12 के दौरान डीडी नेशनल और 18 क्षेत्रीय केंद्रों में "पर्यावरणीय जागरुकता में जन संचार सहयोग" नामक योजना क्रियान्वित की है। इसमें संबंधित भाषाओं में संबंधित क्षेत्रों के पर्यावरण संबंधी विभिन्न विशिष्ट मदों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। पर्यावरण दर्शन के निर्माताओं की क्षमता का विकास करने की दृष्टि से केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा दिल्ली में दो दिन की एक कार्यशाला आयोजित की गई।

केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र (सीपीसी)

डीडी स्पोर्ट्स :

(क) 24X7 घंटे का प्रसारण।

(ख) अंग्रेजी और हिंदी में 30 मिनट का 'स्पोर्ट्स आवर' नामक एक घंटे के कार्यक्रम का इन–हाउस निर्माण जिसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के खेल आयोजनों को शामिल किया जाता है।

(ग) डीडी स्पोर्ट्स पर प्रसारण के लिए 'मिशन लंदन–2012' नामक साप्ताहिक कार्यक्रम का इन–हाउस निर्माण।

(घ) 'स्पोर्ट्स पल्स' नामक पाक्षिक कार्यक्रम का इन–हाउस निर्माण।

(ड.) लंदन ओलम्पिक–2012 के संबंध में खेल से पहले के प्रदर्शन/भारतीय पहलवानों के साक्षात्कारों पर स्टुडियो में सीधी चर्चा ।

(च) जोहांसबर्ग, साउथ अफ्रीका में 26.11.2011 से 04.12.2011 तक चैंम्पियन चैलेंज इंटरनेशनल हॉकी चैंम्पियशिप पर स्टुडियो में सीधी चर्चा।

(छ) आस्ट्रेलिया में खेली गई हाकी की अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला पर स्टुडियो में सीधी चर्चा।

(ज) इंग्लैड में 31.08.2011 से खेली गई भारत बनाम इंग्लैंड एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला पर स्टुडियो में सीधी परिचर्चा।

(झ) आरडोस, चीन में 03.09.2011 से 11.09.2011 तक खेली गई एशियन चौम्पियनशिप ट्राफी हॉकी पर स्टुडियो में सीधी परिचर्चा।

(ञ) 05.05.2011 से 15.05.2011 तक आयोजित सुल्तान अजलान शाह इंटरनेशनल हाकी चौम्पियनशिप पर स्टुडियो में सीधी परिचर्चा।

(त) कामनवैल्थ गेम्स–2011, 16वें एशियन खेलों और 34वें राष्ट्रीय खेल–2011 के रिपैकेजिंग का कार्य।

डीडी स्पोर्ट्स के कार्यक्रम की अनुसूची डीडी स्पोर्ट्स दूरदर्शन महानिदेशालय द्वारा तैयार की जाती है किंतु प्रसारण केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र, दूरदर्शन द्वारा किया जाता है।

डीडीएचडी :

दूरदर्शन 15.10.2010 से डीडी एचडी नामक एक नया चैनल चला रहा है और सीपीसी, दूरदर्शन प्रतिदिन 19.00 बजे से 22.00 बजे तक तीन घंटे का कार्यक्रम प्रसारित करता है जिसमें खेलकूद, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आयोजन संबंधी कार्यक्रम होते हैं ।

डीडी उर्दू :

24X7 घंटे का प्रसारण किया जाता है। केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र, डीडी उर्दू पर प्रसारण हेतु कुछ इन–हाउस कार्यक्रम भी बनाता है।

डीडी इंडिया

(क) 24X7 घंटे का प्रसारण।

(ख) डीडी इंडिया पर प्रसारित करने के लिए यूअर्स ट्रूयली नामक साप्ताहिक कार्यक्रम का इन–हाउस निर्माण।

(ग) डीडी इंडिया पर प्रसारण के लिए फरवरी 2012 तक 60 मिनट की अवधि के "दिल्ली डेट लाइन" नामक कार्यक्रम का इन–हाउस निर्माण।

(घ) परीक्षक गुरु नामक टेली धारावाहिक की चार कड़ीयों का इन हाडस निर्माण।

(ड.) उड़ान एक नई दिशा की ओर कार्यक्रम का इन–हाउस निर्माण (महिलाओं, उच्च शिक्षा, आरटीई, गुमशुदा बच्चों पर कार्यक्रम)

(च) ए रिपोर्ट ऑन 48वीं एबीयू जनरल असेंबली का इन–हाउस निर्माण।

(छ) प्रवासी भारतीय दिवस 2012 पर इंडिया बियोंड ज्योग्राफिकल एन्टिटीज़ नामक कार्यक्रम का इन–हाउस निर्माण।

(ज) होली पर "होरी के रंग, राधा जू के संग" नामक विशेष कार्यक्रम का इन–हाउस निर्माण

(झ) दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय कला उत्सव, 2011 पर टीवी रिपोर्ट का इन–हाउस निर्माण।

(ञ) होली पर 'फागुन आयो रे' नामक कार्यक्रम का इन–हाउस निर्माण।

(त) 'नया साल नया उल्लास–2012' नामक नव वर्ष कार्यक्रम की रिपैकेजिंग का इन–हाउस निर्माण।

(थ) 'विश्व पुस्तक मेला 2012' पर वृत्तचित्र आधारित कार्यक्रम का इन–हाउस निर्माण।

(द) 'सूरज कुंड शिल्प मेला 2012' पर वृत्तचित्र आधारित कार्यक्रम का इन–हाउस निर्माण।

(ध) गोवा में आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह' पर टीवी रिपोर्टों पर आधारित कार्यक्रम की दो कड़ियों का इन–हाउस निर्माण।

(न) दिल्ली होर्स शो–2012 पर टीवी रिपोर्ट का इन–हाउस निर्माण।

डीडी नेशनल

(क) आमंत्रित दर्शकों के समक्ष 'लिविंग लिजेंड' नामक संगीत कार्यक्रम का इन–हाउस निर्माण।

(ख) स्वामी विवेकानंद पर 'अवेकनिंग' कार्यक्रम की 39 कड़ियों में से 26 कड़ियों का 31.03.2012 तक इन–हाउस निर्माण।

रोबोकॉन

भारत राष्ट्रीय रोबोकॉन 2011

दूरदर्शन द्वारा भारत में रोबोकॉन प्रतियोगिता केवल चार प्रतिभागियों के साथ 2002 में आरंभ की गई थी। राष्ट्रीय रोबोकॉन 2011 के दौरान प्रतिभागियों की संख्या बढ़कर 58 हो गई।

अंतर्राष्ट्रीय रोबोकॉन, 2011

अंतर्राष्ट्रीय रोबोकॉन प्रतियोगिता 2011 इम्पैक्ट अरेना, बेंगकाक, थाइलैंड में आयोजित की गई थी जिसमें 18 देशों के 19 इंजीनियरी कालेजों ने भाग लिया। एमसीओटी द्वारा रोबोकॉन 2011 का विषय 'लाइटिंग' हैप्पीनैस विद फ्रैंडशिप रखा गया था।

फिल्म अनुभाग

पैकेजिगं और विपणन की दृष्टि से प्रसारण को और अधिक आकर्षक एवं बेहतर बनाने के लिए दूरदर्शन ने नवीनतम ब्लॉक बस्टर फिल्में दिखाने के लिए फीचर फिल्म स्लाटों को "फ्राइडे हाउसफुल", सुपरहिट लोकप्रिय फिल्म दिखाने के लिए 'सैटरडे जुबिली' रविवार को सुपरहिट फिल्म निर्माताओं/कलाकारों/थीम आधारित फिल्में दिखाने के लिए 'रेट्रोस्पेक्टिव' तथा सोमवार से बुद्वार तक धारावाहिक के रूप में पुरानी लोकप्रिय फिल्में दिखाने के लिए 'बाइस्कोप' का नाम दिया है। हाल ही में दूरदर्शन पर इन श्रेणियों में ''पा'',''वेक अप सिड'', ''डू नॉट डिस्टर्ब'', ''ओए लकी लकी ओए'', ''अलादीन'', ''अर्थ'', ''लव आज कल'', ''गजनी'', ''राजनीति'', ''उड़ान'', ''जब वी मेट'', ''आई हेट लव स्टोरी'', ''अजब प्रेम की गजब कहानी'', ''खुदा के लिए'', ''तीस मार खां'', ''दबंग'', ''जोधा अकबर'' फिल्में दिखाई गईं। इसी प्रकार रेट्रोस्पक्टिव में साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्में "सफर शब्द से सेलुलाइड तक" शीर्षक से दिखाई गई।

राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त क्षेत्रीय फिल्में

दूरदर्शन प्रतिमाह दो राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त क्षेत्रीय फिल्में प्रसारित करता है। स्वर्ण कमल और रजत कमल पुरस्कार प्राप्त फिल्में तीन वर्ष के लिए बहु प्रसारण अधिकारों के साथ प्राप्त की जाती हैं तथा द्वितीय और चतुर्थ रविवार को रात्रि 11.30 डीडी–एनएनडब्ल्यू पर प्रसारित की जाती हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त पेरियार, नान कुदावल, विमुक्ति वसुंधरा–द अर्थ, शोब चरित्रो काल्पनिक (बंगाली), तन्मात्रा, पेरियार, चुटा छेदा फिल्में हाल में दिखाई गईं।

नई फिल्म दिशानिर्देश 2007 :– नई फिल्म दिशानिर्देश 2007 को संशोधित कर दिया गया है जिसके अंतर्गत फिल्मों को राजल्टी श्रेणी के अंतर्गत दूरदर्शन के सभी चैनलों पर प्रसारित करने के लिए फिल्म अनुभाग द्वारा केंद्रीय तौर पर क्रय किया जाता हैं।

आगामी वर्ष के लिए अनंतिम योजनाः नए फिल्म दिशा–निर्देशों के अधीन प्राप्त फिल्मों की अच्छी प्रतिक्रिया को देखते हुए दूरदर्शन राजस्व और दर्शकता को बढ़ाने के लिए नवीनतम ब्लॉक बस्टर फिल्मों के प्रस्ताव आमंत्रित करने की योजना बना रहा है। यशराज फिल्म्स, मैसर्स यूटीवी, आदि जैसे प्रतिष्ठित फिल्म निर्माताओं से पैकेज के रूप में नवीनतम ब्लॉक बस्टर फिल्में प्राप्त करने की प्रक्रिया चल रही है।

एनएनडब्ल्यू और क्षेत्रीय केंद्रों पर प्रसारण के लिए पुरस्कार प्राप्त क्षेत्रीय भाषा की फिल्मों और वाणिज्यिक क्षेत्रीय फिल्मों हेतु दिशा निर्देश तैयार किए जा रहे हैं।

हिंदी अनुभाग

राजभाषा नीति और अनुदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए दूरदर्शन महानिदेशालय में अलग से हिंदी अनुभाग है। वर्ष 2011–12 के दौरान अनुभाग द्वारा किए गए प्रमुख कार्य निम्नानुसार हैं:–

1. वर्ष के दौरान राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के तहत आने वाले सभी दस्तावेज द्विभाषी रूप में जारी किए गए। साथ ही हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए गए।
2. महानिदेशालय में राजभाषा नीति के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा हेतु वर्ष के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 04 बैठकें आयोजित की गईं।
3. अधिकारियों/कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने और उन्हें हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित करने के लिए समय–समय पर हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
4. महानिदेशालय की हिंदी गृह पत्रिका 'दर्शन' के 'षष्टम' अंक का प्रकाशन किया गया।
5. दिनांक 1 से 15 सितंबर, 2011 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया जिसके दौरान हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और सफल प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए ।
6. वर्ष के दौरान विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों द्वारा प्रकाशित सात हिंदी पत्रिकाओं पत्रिका पुरस्कार योजना के तहत शील्ड/ट्राफी प्रदान की गईं।

जनसंपर्क

जनसंपर्क एकांश द्वारा दूरदर्शन कार्यक्रमों की पूरी गाइड "दूरदर्शन इस सप्ताह" प्रकाशित की जाती है और पीटीआई, यूएनआई जैसी एजेंसियों सहित सभी मीडिया यूनिटों तथा इलैक्ट्रोनिक कार्यक्रम गाइडों

के लिए सभी समाचार पत्रों और डीटीएच प्लेटफार्मो को भेजी जाती है। जनसंपर्क एकांश दूरदर्शन की वेबसाइट को रोजाना अद्यतन बनाता है ताकि दर्शकों को कार्यक्रमों के संबंध में ताजा जानकारी प्राप्त हो सके। दूरदर्शन की बाउंड्री वाल पर इल्यूमिनेटिव बिल बोर्ड लगाए जाते हैं। आवश्यकतानुसार प्रैस के साथ मीडिया इंटरएक्शन की व्यवस्था की जाती है।

डीडी आर्काइव्स

किसी भी प्रसारण एजेंसी के लिए आर्काइविंग एक सतत प्रकिया है क्योंकि महत्वपूर्ण रिकार्डिंगों को भावी प्रसारण और अगली पीढ़ी के लिए संरक्षित किया जाता है और भारतीय प्रसारण भी इसका अपवाद नहीं है। दूरदर्शन सूचना, शिक्षा और मनोरंजन का सबसे बड़ा और पहला दृश्य श्रव्य प्लेटफार्म है। इसका इतिहास 50 वर्ष से अधिक पुराना है। लेकिन उस के विभिन्न चैनलों पर वर्षो से प्रसारित किए जा रहे दुर्लभ और बहुमूल्य कार्यक्रमों को संरक्षित करने की कोई व्यवस्था नहीं थी। वर्ष 1959 से 2003 तक डीडी आर्काइव्स कमोबेश एक स्टोर हाउस की तरह था और अलग–अलग व्यक्तियों द्वारा महत्वपूर्ण समझी गई रिकार्डिंगों को मिटने न देने की प्रक्रिया तक सीमित था। दूरदर्शन आर्काइव्स ने 2003 में एक नए दृष्टिकोण से अपनी प्रक्रिया को पहचाना और अपने आप को श्रव्य दृश्य डिजीटल विश्व की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया।

डीडी आर्काइव्स निम्नलिखित श्रेणियों में अपनी सेवाएं दे रहा है :

1.	बीटा	579
2.	यूमेटिक	193
3.	डीवीसी	152
4.	बीसीएन	94
कुल घंटे		**1018**

- कार्यक्रमों का डिजीटलीकरण

डीडी आर्काइव्स ने लाइन स्टोरेज पर 8 इंजेस्ट प्वांइट और 5 टेराबाइट सहित मीडिया असेट मैनेजमेंट सॉल्यूशन तथा 19 एलटीओ 4 टेपें प्राप्त करके डिजीटलीकरण की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम उठाया है जिनमें लगभग 1200 घंटे की डिजीटलीकृत सामग्री को स्टोर किया जा सकता है। अभिलेखीय कार्यक्रमों को डिजीटल डोमेन में रूपांतरित करने की दिशा में यह एक छोटी सी शुरूआत है। इस समय लगभग 1000 घंटे की डिजीटलीकृत सामग्री आर्काइव्स में रखी गई है।

वर्ष 2011 के दौरान डिजीटलीकृत (डबिंग) घंटों के ब्यौरे निम्नानुसार है :

- डीवीडी और सीडी जारी करना

आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा 29.06.2011 को आयोजित समारोह में माननीय सूचना और प्रसारण राज्यमंत्री डा.एस. जगतरक्षगन ने निम्नलिखित तीन डीवीडी जारी कीं :

1. कन्नानिन अरामुधु (वेल्लुकडी कृष्णन द्वारा तमिल में श्रीमद् भागवत गीता का प्रवचन)
2. भामाकलापम (अलेख्य पुंजला द्वारा कुचिपुडी में परंपरागत व्यावहारिक नृत्य)
3. लालगुडी जी. जयरमन, वायालिन प्रस्तुति।

- लेखागार में रखी जाने योग्य फुटेज की बिक्री।
- कस्टमाइज्ड डीवीडी

निम्नलिखित परियोजनाएं पूरी हैं किन्तु उन्हें अभी रिलीज किया जाना है

1. **शब्द शताब्दी परियोजनाः**

दूरदर्शन आर्काइव्ज ने शब्द शताब्दी परियोजना का कार्य पूरा कर लिया है जिसके दो खण्ड हैं। इसके साथ ही ई–बुक भी निकाली जाएगी जिसमें निम्नलिखित समकालीन कवियों की आवाज और फोटो होगी।

- शमशेर बहादुर सिंह
- अग्नेय
- नागार्जुन
- केदारनाथ अग्रवाल

2. **डीवीडी सुगम संगीत : पं. मोहिन्दर सरीन की रचना।**

3. निम्नलिखित शीर्ष पूरे होने वाले हैं :–

(क) पंडित कुमार गंधर्व – एक डीवीडी (शास्त्रीय)

(ख) ध्रुपद – धमार

डीडी आर्काइव्ज क्षेत्रीय चैनलों के प्रसारण के लिए साफ्टवेयर का निर्माण करता है।

दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार

दूरदर्शन ने इन–हाऊस कार्यक्रमों की विषयक, सौन्दर्य परक और तकनीकी विशिष्टता को सम्मानित करने तथा अभिनन्दन करने के लिए वर्ष 2001 में दूरदर्शन पुरस्कार की स्थापना की थी। इन पुरस्कारों का मुख्य उदेश्य गुणवत्ता तथा परिवर्तनकारी कार्यक्रमों के निर्माण के लिए कर्मचारियों में प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ाना है। वार्षिक पुरस्कार समारोह विभिन्न केंद्रों के प्रतिभाशाली निर्माताओं को जानकारी प्रदान करने और उनका हौसला बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। समारोह में 34 कैटेगिरी में पुरस्कार प्रदान किए गए। 10 वां दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह 25 मई, 2011 को नई दिल्ली में आयोजित हुआ जिसमें 32 कैटेगिरी में पुरस्कार प्रदान किए गए। माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री ने दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार 2011 के लिए इनोवेटिव आइडियाज एण्ड इनोवेटिव ट्रीटमेंट आधारित बैस्ट कमीशंड प्रोग्राम नामक एक नई कैटेगिरी की घोषणा की जिसे बाद में अन्तिम रूप दिया गया। 10 वें दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार समारोह में 80 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।

दर्शक अनुसंधान

दूरदर्शन का दर्शक अनुसंधान एकक सम्पूर्ण देश में फैले दूरदर्शन केंद्रो में स्थित 19 फील्ड यूनिटों के माध्यम से 1976 से ही प्रसारण के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान अध्ययन कर रहा है। वर्ष 2011–12 के दौरान यूनिट का योगदान निम्न प्रकार रहा है :

- साप्ताहिक आधार पर टीएएम टीवीआर का विश्लेषण और उसपर रिपोर्ट देना।

- प्रसार भारती की वर्ष 2011–12 तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय की वर्ष 2011–12 की वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना।
- "भारत में महिलाओं और परिवारों पर दूरदर्शन निजी, केबल और सैटलाइट चैनल का प्रभाव" पर रिपोर्ट को अन्तिम रूप दिया गया।
- सूचना और संचार प्रोद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति की सिफारिशों के आधार पर सम्पूर्ण भारत को कवर करते हुए 10 अगस्त से संशोधित ग्रामीण डार्ट के संबंध में नियमित रूप से महानिदेशक : दूरदर्शन को जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।
- 'डीटीएच रिसीवर के प्रावधान पर अध्ययन – इसकी उपयोगिता और दर्शकों के प्रत्यक्ष ज्ञान पर अध्ययन' पर रिपोर्ट मुद्रित की जा रही है।

प्रशासन

बजट अनुभाग देश भर में फैले सभी केंद्रों/दूरदर्शन अनुरक्षण केंद्रों/उच्च शक्ति प्रेषित्रों/लघु शक्ति प्रेषित्रों से बजट आकलन के उपरांत दूरदर्शन के लिए प्रत्येक वर्ष का बजट आकलन बनाता है। वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान बजट अनुभाग की मुख्य पहलें और गतिविधियां निम्नानुसार हैं:–

- बजट के समुचित प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए योजना और गैर–योजना के ट्रेंड की समीक्षा के लिए आवधिक समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं।
- 'आउटकम बजट' को तैयार करने की सामग्री का समेकीकरण करके प्रसार भारती भेजा गया।
- प्रसार भारती द्वारा आबंटित स्वीकृत बजट अनुदान का वितरण सभी केंद्रों/दूरदर्शन अनुरक्षण केंद्रों/उच्च शक्ति प्रेषित्रों/लघु शक्ति प्रेषित्रों को उनकी आवश्यकतानुसार कर दिया गया है।
- वर्ष के लिए संशोधित आकलन को प्रस्तुत करते समय सभी केंद्रों/दूरदर्शन अनुरक्षण केंद्रों/उच्च शक्ति प्रेषित्रों/लघु शक्ति प्रेषित्रों को दूरदर्शन को पूर्ण रूप से वितरित किया गया।
- प्रसार भारती द्वारा संशोधित आकलन का वितरण सभी केंद्रों दूरदर्शन अनुरक्षण केंद्रों/उच्च शक्ति प्रेषित्रों और लघु शक्ति प्रेषित्रों को किया गया।
- सभी फील्ड इकाइयों के संबंध में मुख्यालयों द्वारा योजना और गैर–योजना व्यय की निगरानी सभी संबंधितों से मासिक व्यय विवरणी प्राप्त की गई और उसको समेकित कर प्रसार भारती को भेजा गया।

इस प्रकार के रूप 31.12.2011 को समूहवार सत्ता स्थिति, दूरदर्शन में है:
समूहवार कुल

प्रशासन स्कंध	स्वीकृत स्ट्रेंथ	भरी	रिक्त
समूहवार सकल			
वर्ग 'क'	1119	551	568
वर्ग 'ख'	4236	3427	809
वर्ग 'ग'	11971	9034	2937
वर्ग 'घ'	4374	2935	1439
कुल	21700	15947	5743

सूचना अधिकार वार्षिक रिटर्न सूचना प्रणाली (2011–2012)

स्थानीय /क्षेत्रीय दूरदर्शन केंद्र

2011–12 में स्थानीय/क्षेत्रीय दूरदर्शन केन्द्रों का विकास					
	अथशेष 01.01.2012 को	तिमाही में प्राप्त (अन्य लोक प्राधिकरण को भेजे मामले)	अन्य लोक प्राधिकरण को स्थानांरित मामले	आवेदन/अपील को रद्द करने का निर्णय	आवेदन/अपील की स्वीकृति के निर्णय
आवेदन	शून्य	2223	105	0	2118
प्रथम अपील	शून्य	112	30	शून्य	82

किसी अधिकारों के विरूद्ध लिए गए अनुशासनात्मक कार्रवाई के मामले	शून्य

सीएपीआईओ पद नामित की संख्या	सीपीआईओ पद नामित की संख्या	एए पदनामित की संख्या
59	321	24

मदों की संख्या जहॉ आवेदन ठुकराते हुए विभिन्न प्रावधान लागू किए गए													
सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की संबंधित धारा													
धारा 8(1)										धाराएं			
क	ख	ग	घ	ड	च	छ	ज	झ	ण	9	11	24	अन्य
					07	04	09		11				18

प्रभार में संग्रहित राशि (रूपए में)		
पंजीकरण फीस राशि	अतिरिक्त फीस और अन्य प्रभार	दंड राशि
12,245	14,138	शून्य

सम्पूर्ण देश में फैले कार्यक्रम निर्माण केंद्र अपने–अपने कवरेज क्षेत्र में क्षेत्रीय/स्थानीय भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। इन क्षेत्रीय/स्थानीय दूरदर्शन केन्द्रों और इनके द्वारा वर्ष 2011–12 के दौरान किए गए कार्यकलापों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :

दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली

दूरदर्शन दिल्ली देश का मुख्य केंद्र है तथा इसका श्रेय न केवल सितम्बर 1959 में भारत में टेलीविजन की शुरूआत करने तथा कार्यक्रम आरंभ करने को जाता है अपितु अपनी स्थापना से ही शेष भारत में राष्ट्रीय प्रसारण करने को भी जाता है। केंद्र द्वारा बीते दिनों लगभग 50 वर्ष पहले शुरू किए गए कृषि दर्शन ओर चित्रहार जैसे कार्यक्रम की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है तथा भारत में परिवारों में आज भी इस नाम को जाना जाता है।

इसका उत्तरदायित्व 24X7 घंटे डीडी –1 तथा डीडी भारती का प्रसारण करना तथा साथ ही साथ दिल्ली, इसके आस–पास के क्षेत्रों तथा देश के दूरदराज के क्षेत्रों में फैले अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों के क्षेत्रीय केंद्र के रूप में कार्य करना है ।

केन्द्र प्रधान केन्द्रीय हब भी है जो राष्ट्रीय नेटवर्क पर वार्षिक तौर पर 150 से भी अधिक लाइव आउटडोर प्रसारण के कार्यक्रम तैयार करता है। इसके अतिरिक्त सभी अन्य दूरदर्शन केंद्रों द्वारा स्थलीय तौर पर प्रसारित होने वाले इन कार्यक्रमों में से कई कार्यक्रम राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के होते हैं जिनका भारत में आधारित सैटेलाइट चैनलों और अन्य अन्तर्राष्ट्रीय चैनलों द्वारा भी उपयोग किया जाता है।

दूरदर्शन पर प्रसारित अन्तर्राष्ट्रीय खेल से संबंधित सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों जिनमें भारत के विशेष रूचि वाले खेल कार्यक्रम भी शामिल हैं जैसे एक दिवसीय क्रिकेट मैच, डेविस कप मैच, हाकी टैस्ट, आदि को डाउनलिंक किया जाता है और तत्पश्चात् उसका देश के शेष भागों में प्रसारण किया जाता है।

केंद्र डीडी एच डी चैनल के लिए 19.00 से 22.00 बजे तक दैनिक तीन घंटे के प्लेआउट और आकाशवाणी स्थित डीडी आर्काइव्ज की प्लेबैक सुविधाओं सहित स्टेट आफ द आर्ट आर्काइविंग एण्ड रेस्टोरेशन इक्विपमेंट का समन्वय भी करता है। इसके अतिरिक्त केंद्र डीडी न्यूज को तकनीकी सुविधा और सहयोग भी प्रदान करता है।

राष्ट्रीय नेटवर्क के लिए 2011–12 के दौरान मुख्य लाइव कवरेज :–

- भारत के राष्ट्रपति द्वारा संयुक्त बजट सत्र के अभिभाषण का संसद भवन से सीधा प्रसारण।
- संघ का रेलवे बजट/आम बजट 2011–12 प्रस्तुत करना – संसद भवन से सीधा प्रसारण।
- भारतीय निर्वाचन आयोग का हीरक जयंती समारोह – ताज पैलेस होटल से सीधा प्रसारण।
- प्रधान मंत्री द्वारा मुख्य मंत्रियों के सम्मेलन का उद्घाटन – विज्ञान भवन से सीधा प्रसारण ।
- केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 88वीं महिला बटालियन का रजत जयंती समारोह – झडौदा कलां से सीधा प्रसारण।
- प्रेजेन्टेशन आफ एमओयू एण्ड स्कोप एक्सिलेंस अवार्ड सेरेमनी विज्ञान भवन से सीधा प्रसारण।
- नवोन्मेश– 2011: डीडी आर्काइव का डीवीसी जारी करने का समारोह, जिसका उद्घाटन सूचना और प्रसारण मंत्री श्रीमती अंबिका सोनी द्वारा किया गया था – श्री सत्य साई आडिटोरियम से सीधा प्रसारण।
- स्वामी विवेकानन्द की 150 वीं जयंती का उद्घाटन – विज्ञान भवन से सीधा प्रसारण।

- स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर भारत के माननीय राष्ट्रपति का संदेश।
- लाल किले पर माननीय प्रधान मंत्री द्वारा ध्वजारोहण समारोह – लाल किले से सीधा प्रसारण।
- प्रधानमंत्री श्रम पुरस्कार वितरण समारोह–विज्ञान भवन से सीधा प्रसारण।
- अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह – 2011 विज्ञान भवन से सीधा प्रसारण।
- 57वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वितरण समारोह विज्ञान भवन से सीधा प्रसारण।
- श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि पर उनकी याद में संगीत रचना– 1 अकबर रोड से सीधा प्रसारण।
- संयुक्त राज्य अमेरिका तथा भारत के प्रधान मंत्री का संयुक्त संवाददाता सम्मेलन–हैदराबाद हाउस से सीधा प्रसारण।
- संसद के संयुक्त सत्र में अमरीका के राष्ट्रपति का अभिभाषण – संसद से सीधा प्रसारण।
- बीटिंग रिट्रीट : गणतंत्र दिवस – 2012 विजय चौक से सीधा प्रसारण।
- फोर्थ अम्पायार : त्रिकोणीय ओडीआई क्रिकेट श्रृंखला : डीडी स्टुडियो से सीधा प्रसारण।
- प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटित 10वां इंदिरा गांधी सम्मेलन – तीन मूर्ति से सीधा प्रसारण।
- सेना दिवस परेड – 2011 : गैरिजन परेड ग्रांउड से सीधा प्रसारण ।

गणतंत्र दिवस– 2012 की लाइव कवरेज का विशेष उल्लेख किया जा सकता है। वर्ष 2011 में आप्टिकल फाइबर नेटवर्क उपयोग करते हुए केंद्र अपने इतिहास में पहली बार इस नेटवर्क से जुड़ा। इंडिया गेट पर लगाई गई पहली ओबी वैन में 5 कैमरे लगाए गए थे तथा दूसरी ओबी वैन राजपथ पर लगाई गई थी। अमर जवान ज्योति, इंडिया गेट पर लगाई गई ओबी वैन जिसका कि पहले केवल 5 मिनट उपयोग किया जाना था, राजपथ से शेष परेड का अभिन्न और सतत भाग बनी रही।

वर्ष 2011 में दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली अपनी निर्माण योजना में परिवर्तन ला सका और राजपथ के सलामी मंच पर जिम्मी–ज़िब कैमरा लगाकर परेड और झांकियों का विहंगम दृश्य पा सका इस प्रकार पहली बार परेड के दृश्य इतनी ऊंचाई से लिए गए जिसके फलस्वरूप दर्शकों को झांकियों के न केवल एक केवल एक ओर के बल्कि अन्दर के दृश्य भी दिखा सका। इसके अतिरिक्त झांकियों के ऊपर से नीचे तथा सामने के दृश्य भी दिखाए जा सके।

दूरदर्शन केंद्र, कोलकाता

दूरदर्शन कोलकाता 9 अगस्त, 1975 को प्रांरभ हुआ। मार्च, 1978 में सर्विस रेंज को 50 किलोमीटर से बढ़ाकर 80 किलोमीटर किया गया। ओबी वैन के जरिए बाहर कवरेज करने सहित रंगीन प्रसारण 6 जून, 1983 को आंरभ हुआ। एक घंटे के दैनिक कार्यक्रम के साथ दूरदर्शन कोलकाता के दूसरे चैनल का उद्घाटन 19 नवम्बर, 1987 को किया गया। दूसरे चैनल पर कार्यक्रम की अवधि 19 नवम्बर, 1988 से बढ़ाकर दो घंटे की गई तथा 26 जनवरी, 1990 से बढ़ाकर तीन घंटे की गई (07.30 बजे से 10.30 बजे तक)। दिसम्बर, 2001 को पहले सम्पूर्ण डिजिटल स्टूडियो ने अपना कार्य करना शुरू किया। जनवरी, 2002 से दूसरा डिजिटल स्टूडियो प्रचालन में आया। वर्ष 2011–2012 के दौरान कार्यकमों में 96.3 प्रतिशत के साथ पहला स्थान बंगला का है तत्पश्चात् संगीत/नृत्य कार्यक्रम (1.2 प्रतिशत), उर्दू (1.1 प्रतिशत), हिंदी और नेपाली, प्रत्येक (0.7 प्रतिशत) का रहा।

वर्ष 2011–2012 के दौरान 13,58,44,835/– रुपए का राजस्व अर्जित किया गया। इनमें 2,29,45,000/–रुपए प्रायोजित कार्यक्रमों से तथा 11,28,99,835/– रुपए इन– हाउस कार्यक्रमों से अर्जित किए गए।

वर्ष 2011–2012 के दौरान दूरदर्शन, कोलकाता की उपलब्धियां :–

- "बारशो बिदे" विशेष कार्यक्रम– बंगाली वर्ष की समाप्ति पर 14.04.2011 को 2000 बजे।
- "बैसाखी बैठक" विशेष कार्यक्रम– बंगाली नववर्ष पर 15.04.2011 को 0700 बजे।
- जोड़ाशंखो, ठाकुरबाड़ी में 9.5.2011 को 2000 बजे गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम।
- 'टैस्ट–ट्यूब बेबी' स्वास्थ्य कार्यक्रम पर ''हेलो डॉक्टर बाबू'' के अंतर्गत सीधा फोन इन कार्यक्रम (मध्यमवर्गीय लोगों की पहुंच के भीतर) 29.06.2011 को 2030 बजे।
- दूरदर्शन कोलकाता की वर्षगांठ पर 'कोलकाता छोत्तीश' नाम के विशेष कार्यक्रम का 09.08.2011 को 20.00 बजे से 21.00 बजे तक आयोजन।
- रामकृष्ण मठ, बेलूर से 3.10.2011 को 0602 बजे महा सप्तमी पूजा का सीधा प्रसारण
- 'भासन' – देवी दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन का सीधा प्रसारण 07.10.2011 को 2000 बजे बाजा कदमतल्ला से।
- 'तमसोमा ज्योतिर्गमय' 26.10.2011 को 2000 बजे काली पूजा/दीपावली पर कार्यक्रम
- 14.11.2011 को बच्चों द्वारा 'चाचा नेहरु' पर कार्यक्रम
- 14.11.2011 एवं 17.11.2011 को कोलकाता फिल्म समारोह पर टी.वी. रिपोर्ट।
- 10.12.2011 को 2030 बजे भूपेन हजारिका पर 'गानेर जजाबार' कार्यक्रम
- 31.12.2011 को 2100 बजे 'एबार बारो' विशेष नव वर्ष कार्यक्रम
- 12.01.2012 को गोलपार्क, रामकृष्ण मिशन में आयोजित स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती पर विशेष कार्यक्रम।
- 6 मार्च, 2012 को जोराशांको, ठाकुरबाड़ी में आयोजित 'बसंतोत्सव' (आस्थगित प्रसारण) कार्यक्रम
- राज्य विधान सभा से 15 मार्च, 2012 को राज्यपाल का अभिभाषण।

दूरदर्शन केंद्र, मुंबई

दूरदर्शन केंद्र, मुंबई भारत के टेलीविजन मैप पर 2 अक्टूबर,1972 को उभरा। इसका दूसरा चैनल डीडी मैट्रो 1 मई 1985 को शुरु हुआ। किंतु 9 अगस्त, 1986 से क्षेत्रीय सेवा के प्रारंभ होने के साथ ही महाराष्ट्र को मराठी कार्यक्रम उपलब्ध होने प्रारंभ हो सके। विभिन्न अवस्था से गुजर कर आज दूरदर्शन केंद्र, मुंबई एक मुख्य केंद्र बन गया है एवं वर्ष 2005–2006 में यहां स्टूडियो का डिजीटलीकरण हुआ। वर्तमान में दूरदर्शन केंद्र, मुंबई 24 घंटे के दो चैनलों डीडी नेशनल एवं सहयाद्रि (आरएलएससी) का प्रसारण करता है। कुल तकनीकी एवं निमार्ण संबंधी विकास के परिणामस्वरुप आज दूरदर्शन केंद्र, मुंबई 70% कार्यक्रमों का स्वयं निर्माण करने में सक्षम है । इसके कार्यक्रम मराठी (85.7%) हिंदी में (2.4%), सिन्धी (0.7%) भाषा में प्रसारित किए जाते हैं। यह राज्य के 77.5% क्षेत्रफल को एवं 87.1% की जनसंख्या को कवर करता है।

वर्ष 2011–12 के दौरान महत्वपूर्ण गतिविधियां

तिथि	आयोजन का नाम/स्थल	सीधा/रिकार्ड किया हुआ	अवधि (घंटो में)	प्रसारण चैनल
30 एवं 31.08.11	आल इंडिया सीनियर मेजर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप	सीधा	9 घंटा 35 मिनट	डीडी स्पोर्टस
25.09.11	आकाशवाणी संगीत सम्मेलन 2011, अहमदनगर	रिकार्ड किया हुआ	3 घंटा 30 मिनट	डीडी नेशनल
13.10.11	थाने से आयोजित नेशनल टेबिल टेनिस चैंम्पियनशिप 2011	सीधा	8 घंटा 00 मिनट	डीडी स्पोर्टस
12 एवं 13.01.2012	आकाशवाणी चर्चगेट, मुंबई में शास्त्रीय, संगीत कार्यक्रम	रिकार्ड किया हुआ	13 घंटा 30 मिनट	डीडी भारती
22.04.2011	बालवाड़ी, पुणे से रोल बाल वर्ल्ड कप 2011	सीधा	5 घंटा 30 मिनट	डीडी स्पोर्टस
1 एवं 2.6.11	नागपुर से 28वां नेशनल वास्केट बॉल 2011	सीधा	11 घंटा 00 मिनट	डीडी स्पोर्टस
25.09.11	आकाशवाणी, मुंबई में आकाशवाणी संगीत सम्मेलन	रिकार्ड किया हुआ	3 घंटा 20 मिनट	डीडी नेशनल
6.10.11	सांई बाबा मंदिर, शिरडी से काकड़ आरती	सीधा	2 घंटा 20 मिनट	डीडी 1 एवं डीडी 10
13.10.11	आकाशवाणी, मुंबई में दिवाली संगीत सम्मेलन	रिकार्ड किया हुआ	2 घंटा 30 मिनट	डीडी भारती
18 एवं 19.11.11	आईटीएफ मेन्स चैंपियनशिप, 2011 पुणे	सीधा	10 घंटा 00 मिनट	डीडी स्पोर्टस
23.11.11	42वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह 2011 के उद्घाटन समारोह का मडगांव, गोवा से प्रसारण	सीधा	02 घंटा 00 मिनट	डीडी नेशनल
29.11.11	जांबिया बनाम भारत का फुटबाल मैच, मडगांव, गोवा से प्रसारण	सीधा	2 घंटा 15 मिनट	डीडी स्पोर्टस
3.12.11	42वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह 2011 के समापन समारोह का पणजी, गोवा से प्रसारण	सीधा	2 घंटा 00 मिनट	डीडी नेशनल एवं न्यूज
23.12.11	आकाशवाणी मुंबई से चिरस्मरणीय संगीत कार्यक्रम	रिकार्ड किया हुआ	2 घंटा 00 मिनट	डीडी भारती
6 से 8.01.12	वाडला, मुंबई से 59वें सुपर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप का प्रसारण	सीधा	14 घंटा 30 मिनट	डीडी स्पोर्टस
14 एवं 15.01.12	आल इंडिया सोवियो कप (बास्केट बाल) 2011 का माटुंगा, मुंबई से प्रसारण	सीधा	5 घंटा 20 मिनट	डीडी स्पोर्टस
3.02.12	एनसीपीए, मुंबई से एमआईएफएफ 2012 का उद्घाटन	सीधा	1 घंटा 10 मिनट	डीडी भारती एवं सहयाद्रि
9.02.12	एनसीपीए, मुंबई से एमआईएफएफ 2012 का समापन समारोह	सीधा	1 घंटा 35 मिनट	डीडी नेशनल
21.02.12	वाई.बी. चौहान ऑडिटोरियम मुंबई से आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार 2012 का प्रसारण	रिकार्ड किया हुआ	3 घंटा 00 मिनट	डीडी भारती एवं सहयाद्रि
3.03.12	बालवाडी, पुणे से नेशनल रोबोकान 2011 का प्रसारण	सीधा	2 घंटा 50 मिनट	डीडी स्पोर्टस

दूरदर्शन केंद्र, चेन्नै

इस केंद्र में 1982 में उपग्रह लिंक की स्थापना की गई जिससे रंगीन प्रसारण सहित, दिल्ली केंद्र द्वारा प्रसारित नेशनल कार्यक्रम को डाउनलिंक किया जा सके। 14 जनवरी 1987 को कोडाइकनाल पहाड़ी शीर्ष पर 10 कि.वा. के उच्च शक्ति ट्रांसमीटर की स्थापना की गई जिससे दूरस्थ केंद्रों तक कार्यक्रम का प्रसारण किया जा सके। 16 दिसम्बर, 2004 को डीटीएच सेवा प्रारंभ हुई। वर्तमान में तमिल भाषा में क्षेत्रीय सेवा को 10 उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों, 54 अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों एवं 7 अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों से पूरे तमिलनाडु राज्य में कार्यक्रमों को प्रसारित करने हेतु किया जाता है।

यह केंद्र दक्षिण क्षेत्र में स्थित अन्य केंद्रों को बीटीआर सेवा का सहयोग देता है । इस सेवा को विस्तारित कर अब दूरदर्शन केंद्र मदुरै, दूरदर्शन केंद्र कोयम्बटूर एंव दूरदर्शन केंद्र पुदुच्चेरी तक कर दिया गया है। 2011–12 में केंद्र द्वारा अर्जित राजस्व 7.11 करोड़ है।

वर्ष 2011–12 के दौरान महत्वपूर्ण आयोजन :–

तारीख	घटनाएं
27.04.11	पुताभारती, आंध्र प्रदेश से श्री सत्य साईं बाबा का अंतिम संस्कार
15.05.11	मद्रास विश्वविद्यालय सेनटेनरी आडिटोरियम में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह
15.07.11	श्री हरिकोटा से पीएसएलवी सी17/जी सैट–12 का प्रक्षेपण
15.07.11	सेंट जार्ज किला, चेन्नै में स्वाधीनता दिवस समारोह
09.08.11	चेन्नै में 78वां राष्ट्रीय स्नूकर चैंपियनशिप–2011
13.08.11	अलपुझा, केरला में नेहरु ट्राफी नौका दौड़
18.09.11	थाजाथानगडी में 112वां कोट्टायम नौका दौड़
06.10.11	मैसूर में दशहरा जुलूस
12.10.11	श्री हरिकोटा से पीएसएलवी–सी18/मेघा–ट्रापिक्स का प्रक्षेपण
12/14.10.11	तृतीय अखिल भारतीय इन्विटेशन बास्केटबाल टूर्नामेंट
20.10.11	बैंगलोर में मेट्रो रेल का उद्घाटन
11/12.11.11	नुनगम्बकम, चेन्नै में यूएस 10 के आईटीएफ फ्यूचर मेनस टूर्नामेंट का एसडीएटी टेनिस स्टेडियम, लेक एरिया में आयोजन
08.12.11	तिरुवनमल्लै में कातिगाई दीपम उत्सव ।
05.1.12	05.01.2012 को श्रीरंगम में बैकुंठ एकादशी उत्सव ।
8/14.01.12	त्यागराज अराधना, तिरुवलरु, तंजावूर
26.01.12	मरिना से गणतंत्र दिवस परेड एवं ध्वजा रोहण समारोह
05.02.12	मेलमारुवातूर में थाई पूसम उत्सव
20/24.02.12	चिदम्बरम में नाट्यांजलि उत्सव
28.02.12	चेट्टीकुलंरगा में कुंभ भरनी उत्सव
26.03.12	तमिलनाडू विधानसभा में बजट 2012–13 की प्रस्तुति

दूरदर्शन केंद्र, बंगलुरू

दूरदर्शन केंद्र, बंगलोर 1975–76 में एसआईटीई केंद्रों में से एक था। इसने अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों के कमीशनिंग के साथ 1 नवंबर, 1981 से कार्यक्रमों का अनुप्रसारण शुरु किया। बाद में 19.11.1983 को यह पूर्णरूप एक दूरदर्शन केंद्र बन गया। केंद्र की आधारभूत संरचना के आवर्धन उपरांत 28.10.2003 को डिजीटल भू–केंद्र की संस्थापना की गई। यह राज्य की 82.4 प्रतिशत जनसंख्या एवं 76.2 प्रतिशत क्षेत्र की मीडिया संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। 2011–12 के केंद्र द्वारा 56.5% निर्मित एवं कमीशंड कार्यक्रम थे एवं 43.95 प्रतिशत कार्यक्रम प्रायोजित थे। इस केंद्र द्वारा 98.38 प्रतिशत कार्यक्रम कन्नड में 1.62 प्रतिशत उर्दू, कोडवा, कोंकणी एवं तुलु भाषा में होते हैं।

इस केंद्र द्वारा 2011–12 में अर्जित राजस्व रु.7,38,29,978/– है।

सम्मान

नई दिल्ली में 14 सितम्बर, 2011 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में केंद्र की हिंदी गृह पत्रिका "आदित्य" को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

2011–12 के दौरान अन्य महत्वपूर्ण आयोजन इस प्रकार के थे:–

1. केएसआरपी परेड ग्राउंड, कोरमंगला, बंगलोर से 02.04.2011 को प्रातः 8.00 बजे पुलिस फ्लैग डे का आस्थगित सीधा प्रसारण।
2. कांटीरवा स्टेडियम, बंगलोर में 11.06.2011 से 14.06.2011 तक आयोजित 51वें नेशनल सीनियर एथलेटिक चैंपियनशिप का कवरेज।
3. परेड ग्राउंड, बंगलोर से प्रातः 8.55 बजे स्वाधीनता दिवस का सीधा प्रसारण।
4. मैसूर दशहरा का 06.10.2011 को अप. 12.55 बजे से सीधा कवरेज।
5. बयापानहल्ली से एम.जी. रोड तक नामा मेट्रो की पहली लाईन के उद्घाटन का 20.10.2011 को प्रातः 10.00 बजे से सीधा कवरेज।
6. परेड ग्राउंड, बंगलोर में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह का सीधा कवरेज।
7. भारतीय समागम सभा, चौदाई मेमोरियल हाल, बंगलोर में 5 फरवरी, 2012 को प्रातः 10.00 बजे से अप. 12.30 तक आयोजित 'त्यागराजोत्सव' एवं 'पुरंधर अराधना' का सीधा प्रसारण।
8. विशेष रूप से आयोजित बजट विश्लेषण कार्यक्रम के साथ दिनांक 14.03.2012 को वर्ष 2012–13 का रेल बजट, 16.03.2012 को 2012–13 का आम बजट एवं 21.03.2012 को 2012–13 के राज्य बजट का सीधा प्रसारण।
9. निमहंस कन्वेंशन सेंटर में 31 मार्च, 2012 को प्रातः 10.30 बजे आयोजित 14वीं राजीव गाँधी यूनीवर्सिटी ऑफ हेल्थ सर्विसेज के दीक्षांत समारोह का आस्थगित सीधा प्रसारण।

दूरदर्शन केंद्र, हैदराबाद

दूरदर्शन केंद्र, हैदराबाद का उद्घाटन 23 अक्टूबर, 1977 को हुआ एवं आंशिक रूप से यहाँ रंगीन प्रसारण 05.01.1983 से प्रारंभ हुआ। केंद्र द्वारा समाचार एवं विज्ञापन सेवा क्रमशः नवम्बर एवं दिसम्बर, 1983 में

प्रारंभ किया गया। नियमित रूप से रंगीन प्रसारण का शुभारंभ 06 जनवरी, 1986 को हुआ। रामंतापुर, हैदराबाद स्थित परिसर में 27.11.1988 को स्टुडियो को लाया गया। केंद्र को डिजीटल मोड में प्रसारण प्रारंभ करने में करीब 11 वर्ष लगे (15.08.1999 से प्रारंभ)। इसकी डिजीटल अपलिंकिंग प्रणाली 13.10.2003 को प्रारंभ हुई। वर्तमान में इसकी सेवा पूरे राज्य में, देश के कुछ हिस्सों में साथ ही विश्व के कुछ भाग में भी प्राप्त होती है। 2011–12 की नियत बिन्दु तालिका के अनुसार इस केंद्र द्वारा निर्मित कार्यक्रमों का भाषावार विवरण इस प्रकार से है:–

तेलुगू (97.7%), उर्दू (1.5%) एवं हिंदी (0.8%).

इस केंद्र द्वारा वर्ष 2011–12 में अर्जित राजस्व रु 8.01 करोड़ है।

2011–12 के दौरान महत्वपूर्ण आयोजन एवं गतिविधियां :

- आमंत्रित दर्शकों के समक्ष विश्व कप–2011 क्रिकेट मुशायरा का आयोजन।
- विश्व एड्स दिवस (01.12.2011) पर एड्स जागरूकता अभियान का प्रसारण किया गया।
- त्यागराज गण सभा, हैदराबाद में 25.09.2011 को रेडियो संगीत सम्मेलन का आयोजन।
- नववर्ष की पूर्व संध्या पर 'न्यू ईयर हंगामा' और उर्दू शायरी, बाल कार्यक्रम और 'नववर्ष पर हिंदी में हास्य कवि सम्मेलन', परिहासपूर्ण मुशायरा (उर्दू) एवं विशेष दर्शनीय स्थल इत्यादि।
- उगादी की पूर्व संध्या पर उगादी विशेष कार्यक्रम, उगादी कवि सम्मेलन, हास्यवदनम एवं गिरीजन जीवितम लो नव वसंतम इत्यादि कार्यक्रम।
- अवतार मेहर बाबा की 118वीं जयंती समारोह पर अनितारा सांध्यम – आ मौना मुनित्वम – विशेष कार्यक्रम का आयोजन।
- डॉ. सामला सदाशिव, राष्ट्रीय साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता पर एक विशेष वृत्तचित्र स्वरामि जीवितम – लय साहित्यम का निर्माण।

केंद्र को अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं राज्य सरकार से प्राप्त सम्मान :

1. इस केंद्र के वरि. संवाददाता श्री इमानी कृष्णा राव ने जापान पुरस्कार 2011 प्राप्त किया।
2. एचआईवी/एड्स संक्रमित बच्चों पर सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम हेतु टीवी अवार्ड 2011।
3. दो यूनीसेफ पुरस्कार – 'इनकेनालू' और 'जोगिनी'।
4. नंदी सम्मानः इस वित्तीय वर्ष के दौरान वर्ष 2009 हेतु केंद्र को आंध्र प्रदेश सरकार के 5 नंदी पुरस्कार एवं वर्ष – 2010 हेतु तीन नंदी पुरस्कार प्राप्त हुए।

दूरदर्शन केंद्र, अहमदाबाद

गुजरात में पिज गाँव में 1 कि.वा. एम.डब्ल्यू. टी.वी. प्रसारण 15.03.1977 को प्रारंभ हुआ जोकि खेडा कम्यूनिकेशन परियोजन के बैनर के अंतर्गत था एवं इस हेतु 30 मिनटों की कार्यक्रम निर्माण सुविधा इसरो, अहमदाबाद के पास थी। 100 फीट के अस्थायी मास्ट (1 कि.वा. की कम क्षमता पर) 19.11.1983 से, वर्तमान में थालतेज, अहमदाबाद स्थित 10 कि.वा. के ट्रांसमीटर से दूरदर्शन के कार्यक्रमों का प्रसारण प्रारंभ किया गया। आवश्यक निर्माण सुविधा वाले वर्तमान दूरदर्शन स्टुडियो का प्रचालन 02.10.1987 में आरंभ हुआ। यद्यपि शुरू में इसने सिर्फ 10 मिनटों के समाचार एवं 30 मिनटों के विशुद्ध कृषि कार्यक्रम का प्रसारण किया पर वर्तमान में यह केंद्र चौबीस घंटे कार्यक्रमों का प्रसारण कर रहा है।

दूरदर्शन केंद्र, अहमदाबाद में 7 जनवरी, 1988 को विज्ञापन सेवा शुरू की गई। बहु–प्रतीक्षित क्षेत्रीय लिंक–अप का उद्घाटन 30.12.1992 को किया गया। 01.05.1994 को अहमदाबाद में डीडी–2 मेट्रो प्रसारण का उद्घाटन किया गया जो बाद में 3 नवम्बर, 2003 को चौबीस घंटे के समाचार चैनल में परिवर्तित कर दिया गया। इस केंद्र के कार्यक्रमों का अनुप्रसारण 8 उ.श.ट्रां., 61 अ.श.ट्रां. एवं 3 अति अ.श.ट्रां. से किया जाता है जो गुजरात, दमन एवं दीव में स्थित है एवं राज्य के 93.8% क्षेत्रफल को और 94.7% जनसंख्या को कवर करते हैं।

केंद्र की कार्यक्रम संरचना में समाचार एवं समसामयिकी मामले, शिक्षा, मनोरंजन फिल्मों पर आधारित, सूचनाप्रद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, ग्रमीण विकास, कृषि, महिला, बाल, युवा, पाक–विधि शो, ब्यूटी टिप्स, हास्य, साहित्यिक एवं कलात्मक कार्यक्रम भी शामिल हैं। विकास संबंधी कथा, के अतिरिक्त टेलीफिल्मों, संगीत, नृत्य, नाटक/धारावाहिक, विज्ञान एवं तकनीकी/पर्यावरण, खेल–कूद, क्विज एवं भाषायी अल्पसंख्यक (वर्ग) के कार्यक्रम जैसे सिंधी और उर्दू के कार्यक्रम हिंदी के कार्यक्रम के रुप में दिखाए जाते हैं।

केंद्र द्वारा 2011–12 के दौरान अर्जित राजस्व रु 4,86,82,648/– है।

2011–12 के दौरान गतिविधियाँ

- दूरदर्शन केंद्र अहमदाबाद के रजत जयंती वर्ष के समारोह में इस वर्ष डीडी गिरनार द्वारा 'गिरनार शिरोमणि' पुरस्कार की शुरुआत की गई ये पुरस्कार डीडी गिरनार के एक अविस्मरणीय प्रयास है जो व्यक्ति विशेष की उपलब्धियों हेतु है और गुजरात में फिल्म, थियेटर, संगीत साहित्य, नारी प्रबुद्धता, समाज सेवा औद्योगिक, कृषि, खेल आदि
- 'अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण द्वारा' (आईसीवीडी) भी केंद्र में पहली बार 10 जनवरी 2012 को स्कूल के बच्चों के साथ एक विशेष कार्यक्रम तैयार कर मनाया गया।
- 12 अक्टूबर 2011 को आरटीआई प्रकोष्ठ, द्वारा केंद्र में "सूचना का अधिकार" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 9 दिसम्बर 2011 को आरक्षण नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए "राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग" के माननीय सदस्य श्री राजू परमार ने केंद्र का दौरा किया।
- दूरदर्शन की निःशुल्क डीटीएच प्रणाली "डीडी डायरेक्ट प्लस" के प्रचार के लिए आईईटीई, अहमदाबाद द्वारा 23 से 25 सितम्बर 2011 तक राजपथ क्लब, अहमदाबाद में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक तकनीकी कॉनक्लेव एवं आईईटीई एक्सपो 2011 में एक स्टॉल बुक किया गया। पब्लिक के लिए अभिलेखीय डीवीडी/सीडी उपलब्ध करवाने हेतु पहली बार स्क्रोल विज्ञापन जागरुकता प्रदशनी सह विक्रय कांउटर लगाया गया।
- रथ यात्रा का सीधा प्रसारण दिखाया गया।

दूरदर्शन केंद्र, जालन्धर

दूरदर्शन केंद्र जालन्धर के कार्यक्रम निमार्ण की शुरुआत 13 अप्रैल 1979 से उसके स्थापना दिवस से की गई। 01.06.1981 को एक 10 कि.वा. ट्रांसमीटर के साथ पूर्णरूप से केंद्र में कार्य शुरु किया गया। अब

जालन्धर केंद्र अपने नेटवर्क के रिले ट्रांसमीटर द्वारा अमृतसर, भटिंडा, फाज़िल्का, पठानकोट, गुरदासपुर, फिरोजपुर, अबोहर, पटियाला, तलवाड़ा एवं चंडीगढ़ सहित पूरे पंजाब को और साथ ही हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, एवं संघराज्य चंडीगढ को भी कवर करता है। केंद्र में 31 घंटे 30 मिनट के कार्यक्रम प्रति सप्ताह तैयार किया है, केंद्र द्वारा काफी संख्या में कार्यक्रम क्षेत्रीय भाषा जैसे पंजाबी (87.5%) में तैयार किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त पड़ोसी राज्यों की जरूरतों का ख्याल रखते हुए हिंदी, उर्दू, हरियाणवी, हिमाचली एवं डोगरी में भी कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं।

केंद्र द्वारा प्रति सप्ताह लगभग 50 अलग–अलग कार्यक्रम तैयार किए जाते है जिसमें नाटक, रूपक, अनेक प्रकार के कार्यक्रम, विधि संबंधी सुझाव, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, वातावरण कृषि, हास्यप्रद कार्यक्रम, कला, सौंदर्यबोध, सांस्कृतिक धरोहर, लोक गीत, साहित्य, समसामयिकी, खेल विकास, विज्ञान एवं तकनीकी अन्य विषयों पर सामान्य एवं विशेष दर्शक वर्ग के लिए निर्मित किए गए। यह केंद्र 93.4% स्वनिर्मित कार्यक्रम एवं 6.6% प्रायोजित कार्यक्रम का प्रसारण करता है। समसामयिक मामलों पर कार्यक्रम जालन्धर के डीडी न्यूज चैनल द्वारा (रात–दिन) प्रसारित किया जाता है।

2011–12 के दौरान केंद्र द्वारा अर्जित राजस्व (डीसीडी को छोडकर) रु 4,92,93,065/– था।

2011–12 के दौरान आयोजित कार्यक्रम

- दूरदर्शन स्थापना दिवस : 15 सितम्बर 2011 को दूरदर्शन स्टुडियो में आंमत्रित दर्शकों के समक्ष 'जश्न दी शान' नामक एक रंगीन कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- नव वर्ष की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम : दूरदर्शन परिसर में आंमत्रित दर्शकों के समक्ष "मौज बहारां 2012" रिकार्ड किया गया जिसमें समकालीन पंजाबी संगीत के कलाकारों का प्रदर्शन मुख्य आकषर्ण के रूप में था।

परस्पर संवाद कार्यक्रम

केंद्र अनेक परस्पर संवाद कार्यक्रम (फोन–इन–प्रोग्राम) का सीधा प्रसारण कर रहा है, उनमें से कुछ निम्नांकित हैं।

गल्लां ते गीत, कानूनी नुक्ते, खपतकर सुर्खिया, वूमेन हैल्प लाईन, टैक्सलाईन, भवन निर्माण कला, आदि। फ्लैगशिप प्रोग्राम के अन्तर्गत क्षेत्र के लोगों को भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के संदर्भ में जानकारी प्रदान की जाती है।

दूरदर्शन केंद्र, लखनऊ

27 नवम्बर, 1975 को दूरदर्शन लखनऊ देश के टेलीविजन मानचित्र में सातवें केंद्र के रूप में सामने आया। तब से केंद्र सामाजिक आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है और राज्य में राष्ट्रीय अखंडता, एवं सांप्रदायिक सद्भावना को प्रोत्साहन देने, कला एवं शिल्प, कलात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां खेल–कूद आदि को बढावा दे रहा है। प्रसारण का समय 10.00 पूर्वा. से 10.30 पूर्वा. (सोमवार से शुक्रवार) ईटीवी (दीक्षा) हेतु है और 04.00 अप. से 08.00 अप. (सोमवार से शनिवार) और 06.30 अप. से 08.00 अप. (रविवार) सामान्य कार्यक्रम पूर्णरूपेण स्वनियंत्रित क्षेत्रीय न्यूज रूम दूरदर्शन केंद्र, लखनऊ का (15 अगस्त 2005) से देश के सबसे बड़े राज्य को कवर कर बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। हिंदी क्षेत्र की मुख्य भाषा है और हिंदी को अधिक समय (81%) के बाद उर्दू को

(3%) दिया जाता है। केंद्र 47% इन–हाउस कार्यक्रम, 31% प्रायोजित कार्यक्रम और शेष 22% अन्य कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है। यह उत्तरप्रदेश के क्षेत्रफल के 90.4% को कवर करता है साथ ही 96.4% से अधिक जनसंख्या को कवर कर रहा है। यह केन्द्र भी उत्तर प्रदेश एवं उतराचंल के अन्य पीजीएफ से समन्वय कर रहा है और सम्पर्ण हिन्दी क्षेत्र के लिए नोडल एंजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है।

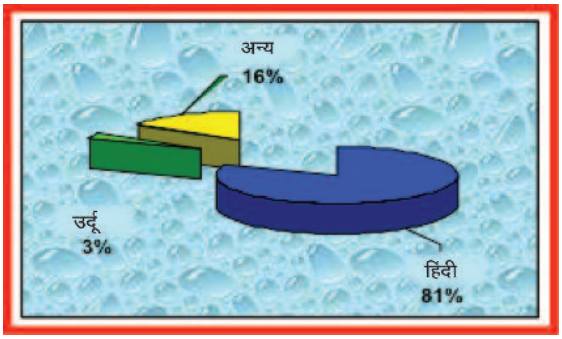

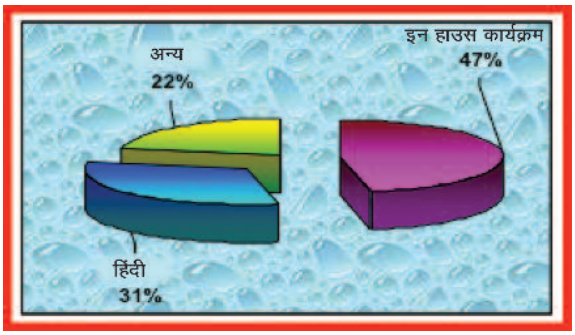

2011–12 के दौरान केन्द्र का अर्जित राजस्व रू 11.01 करोड़ है । जिसमें यू.पी. एड्स नियंत्रण, आईईसी ब्यूरो, पल्स पोलियो एवं एनआरएचएम का महत्वूर्ण योगदान हैं ।

2011–12 के दौरान गतिविधियॉं

- बुंदेलखण्ड के दर्शकों के साथ एकसारता और लोक गीत को बढावा देने के लिए ललितपुर में 'ललित के रंग' नामक सांस्कृतिक मेला आयोजित किया गया। 2011
- महत्वपूर्ण शहरों वाराणसी, अयोध्या और चित्रकूट जैसे धार्मिक शहरों की जीवन शैली के धार्मिक एवं सांस्कृतिक सभ्यता को दिखाने हेतु 'नगरकथा' नामक एक कार्यक्रम दिखाया गया। 2011
- हिन्दी के क्षेत्र में हाई टैक विकास पर जागरूकता प्रदान करने हेतु केन्द्र में 'यूनीकोड के माध्यम से मानक हिंदी का प्रयोग' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। 2011
- 2011 में लखनऊ में एक सप्ताह तक चलने वाले 'बैडमिटंन एशिया चौम्पियनशिप' के आयोजन का यूथ अंडर –19 सीधा प्रसारण किया गया।

सम्मान

2012 में यूपी गवर्नर हाऊस, लखनऊ में आयोजित क्षेत्रीय फूल एवं बागवानी प्रदर्शनी–2012 में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया।

दूरदर्शन केन्द्र, भुवनेवर

उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र अगस्त 1974 में सैटेलाइट इंस्ट्रयूमैंटल टेलीविजन एक्सपैरीमैटं (एसआईटीई) के लिए कार्यक्रमों को उपलब्ध करवाने के लिए कटक में स्थापित किया गया। लगभग 80–100 कि.मी. की परिधि के प्रसारण क्षेत्र में आने वाले दर्शको के लिए इनसेट–बी द्वारा कार्यक्रमों का प्रसारण करने के लिए 10.3.1985 को दूरदर्शन केन्द्र, कटक में एक उ.श.ट्रा. को कमीशंड किया गया। 7.9.91 से उड़ीसा नेटवर्क को क्षेत्रीय कार्यक्रम अप–लिंकिंग सुविधा उपलब्ध करवाई गई। जिससे राज्य के सभी उ.श.ट्रा./अ.श.ट्रा. द्वारा क्षेत्रीय कार्यक्रमों का प्रसारण किया जा सका। डीडी काम्पलैक्स भुवनेश्वर ने 10.11.1992 से कार्यचालन शुरू किया। 1992 में क्षेत्रीय नैटवर्क में कार मेला का पहली बार सीधा प्रसारण किया गया। इसी प्रकार 18.09.1994 से विज्ञापन सेवा आरम्भ की गई। वर्तमान में दूरदर्शन केन्द्र भुवनेश्वर 88.7% भू क्षेत्र और राज्य की जनसंख्या का 93.3% कवर कर रहा है। दूसरी ओर डीडी.न्यूज भू क्षेत्र का 12.4% और राज्य की जनसंख्या का 25.3% कवर कर रहा है।

क्षेत्रीय समाचार एकक (आर.एन.यू.) दूरदर्शन केन्द्र भूवनेश्वर, 15 मिनट की अवधि का 2 प्राइम बुलेटिन और, 3.00 अप. एवं सायं 5.00 बजे 2 मिनट की अवधि के मुख्य समाचार प्रसारित कर रहा है। प्रत्येक गुरूवार को सायं 5.02 बजे 28 मिनट का समाचार एवं समसामयिकी पर 'परिक्रमा' नामक लाइव कार्यक्रम का निर्माण भी करता है।

2011–12 की अवधि में दूरदर्शन केन्द्र, भुवनेश्वर द्वारा राजस्व अर्जन 10,79,950 रू (डीसीडी से 5,02,97,200 रू सहित) था।

2011–12 के दौरान केन्द्र की गतिविधियां:

- डीडी–6 (उड़ीया) की वर्षगांठ एवं उत्कल दिवस के अवसर पर 1 अप्रैल 2011 को आमंत्रित दर्शकों के समक्ष डेढ घंटे की अविध के विशेष प्रोग्राम 'उत्कल प्रज्ञान सम्मान 2011' का सीधा प्रसारण किया गया।
- 03.07.2011 को 8 घंटे 30 मिनट की अवधि के लिए प्रातः 8.30 से सायं 5.00 बजे तक भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के विश्व प्रसिद रथ यात्रा का पुरी से सीधा प्रसारण किया गया।
- 12.07.2011 को 3 घंटे की अवधि के लिए देवताओं के सुना वेश (स्वर्ण वस्त्र) का डीडी–1 (क्षेत्रीय सेवा) पर पुरी से सीधा प्रसारण किया गया।

रथ यात्रा का दृश्य

2011–12 में अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का प्रसारण :–

- 15.09.2011 को दूरदर्शन के स्थापना दिवस पर 'सप्तरंग' नामक कार्यक्रम।
- 31 दिसम्बर 2011 को नव वर्ष पर एक विशेष कार्यक्रम 'स्वागत 2012' और 1 जनवरी 2012 को "बदलउची कैलेन्डर" दिखाया गया।
- केआईआईटी कैम्पस भुवनेश्वर में आयोजित 99वें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का विस्तृत कवरेज दूरदर्शन द्वारा किया गया। 3 जनवरी और 7 जनवरी 2012 की अवधि में आयोजित विज्ञान सम्मेलन के अन्य दिनों पर भी टीवी रिपोर्ट का प्रसारण किया गया।
- राज्य सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा 14 से 16 जनवरी 2012 के दौरान आयोजित भुवनेश्वर नृत्योत्सव का आयोजन किया गया, और राजरानी नृत्योत्सव 18 से 20 जनवरी 2012 के दौरान आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया।
- 11 से 13 जनवरी 2012 के दौरान 6वां 'राष्ट्रीय फिल्म समारोह' आर्ट एंड अर्टिस्ट का आयोजन जतिनदास सैंटर फॉर आर्ट भुवनेश्वर द्वारा आयोजित किया गया और इसे दूरदर्शन द्वारा कवर

किया गया। 12 से 14 जनवरी 2012 की अवधि में रिपोर्टस एवं 10 जनवरी 2012 को एक पूर्वावलोकन का प्रसारण किया गया।

दूरदर्शन केंद्र, जयपुर

01 अगस्त, 1975 को राजस्थान की जनता द्वारा देखा जाने वाला पहला टेलीविजन कार्यक्रम एस आई टी ई प्रोजैक्ट के अर्न्तगत जयपुर, सवाई माधोपुर एवं कोटा जिले में दिखया गया। 01 जून 1987 को जयपुर दूरदर्शन केन्द्र झालना डूंगरी में स्थापित किया गया और 06 जुलाई 1987 को यहां से प्रसारण शुरू किया गया, पहले केन्द्र 30 मिनट के कार्यक्रम प्रस्तुत करता था और धीरे–धीरे यह अवधि लगभग 04 घंटे हो गई। अजमेर, उदयपुर, जोधपुर एवं बीकानेर में स्थित अ.श.ट्रां. बूंदी में स्थित उ.श.ट्रा. 2 अक्टूबर 1993 से दूरदर्शन केन्द्र जयपुर के साथ कार्यक्रम प्रसारण के लिए सैटेलाइट द्वारा जोड़े गए। 01.05.1995 को डीडी–2 कार्यकमों का प्रसारण जयपुर से 100 वाट के अ.श.ट्रा. से शुरू किया गया जो डीडी न्यूज का प्रसारण 2000 से एक 10 कि.वा. के उ.श.ट्रा. द्वारा कर रहा है। न्यूज चैनल की पहुँच क्षेत्र वार 11% और जनसंख्या वार 32% है। अधिकतर कार्यक्रम हिन्दी में और राजस्थान की क्षेत्रीय भाषा में प्रसारित किए जाते हैं।

वर्तमान में केन्द्र 4 घंटों का दैनिक कार्यक्रम (25 घंटे 30 मि. साप्ताहिक) हिन्दी में और राजस्थानी में निर्मित कर रहा है। यहां से कार्यक्रम सिंधी, उर्दू, अंग्रेजी और संस्कृत में भी प्रसारित किए जाते हैं। 11 फरवरी 1990 से 15 मि. की अवधि का हिन्दी में क्षेत्रीय न्यूज बुलेटिन और राजस्थानी भाषा में इसे अप्रैल 2000 से शुरू किया गया। इस समय केन्द्र दो न्यूज बुलेटिन प्रतिदिन एक हिन्दी में और दूसरा राजस्थानी में प्रसारित कर रहा है डीडी न्यूज में प्रतिदिन 17.40 बजे राज्यों से समाचार में नियमित योगदान सहित राष्ट्रीय बुलेटिन के लिए महत्वपूर्ण समाचार कथा उपलब्ध करवाता है।

डीडी–14(जयपुर) की पहुंच 79.3% जनसंख्या तक एवं राजस्थान के 72.4% क्षेत्र तक है एवं डीडी न्यूज की पहुंच राज्य की 36% जनसंख्या तक एवं 13.2: क्षेत्र तक है।

वर्ष 2011–12 के दौरान केन्द्र द्वारा राजस्व अर्जन 7.07 करोड़ रुपए है।

2011–12 में दूरदर्शन केन्द्र जयपुर की महत्वपूर्ण कवरेज

1. गणगौर पर विशेष कार्यक्रम "पूजन दो गणगौर"
2. रनकपुर जैन मंदिर – वृत चित्र
3. महाबीरजी मेले पर टी.वी. रिपोर्ट
4. विश्व पर्यावरण दिवस पर क्विज प्रोग्राम
5. अजमेर उर्स पर टी.वी. रिपोर्ट
6. विशेष पर्व तीज पर कथाचित्र
7. संस्कृत दिवस की पूर्व संध्या पर राज्यपाल श्री शिवराज सिहं पाटिल का संदेश
8. स्वतन्त्रता दिवस पर टी.वी. रिपोर्ट
9. दूरदर्शन जयपुर के स्थापना दिवस पर विशेष कार्यक्रम
10. स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती पर टीवी रिपोर्ट
11. (1) ईद–उल–जुहा और (2) पुष्कर मेला पर विशेष कार्यक्रम
12. आनन्द भवन पर वृतचित्र
13. श्री कृष्णा जन्माष्टमी पर विशेष कार्यक्रम

14. डेजर्ट कालिंग – वृत चित्र
15. अखिल भारतीय ब्रज भाषा कवि सम्मेलन पर टीवी रिपोर्ट
16. नववर्ष की पूर्व संध्या पर मुशायरा
17. 10वें प्रवासी दिवस के समापन समारोह पर माननीय राष्ट्रपति 'श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल' का भाषण
18. स्वामी विवेकानन्द की 150वीं जयंती पर विशेष कार्यक्रम
19. गणतन्त्र दिवस की पूर्व संध्या पर राज्यपाल 'श्री शिवराज सिंह पाटिल' का संदेश
20. शिल्पग्राम उत्सव, उदयपुर पर नन्ही दुनिया कार्यक्रम
21. 'सीरत–ए–नबी पैगाम ईद–ए–मिलाद' पर विशेष कार्यक्रम
22. जयपुर साहित्य समारोह पर टीवी रिपोर्ट
23. 'ये हैं शहरयार' – एक रिपोर्ट
24. महाशिवरात्रि पर विशेष कार्यक्रम
25. श्री खाटू श्याम जी मेले पर टीवी रिपोर्ट
26. होली पर विशेष प्रोग्राम
27. रंगीलो महोत्सव पर टीवी रिपोर्ट
28. महाराणा मेवाड़ पर टीवी रिपोर्ट
29. 'अम्मी' टेलीफिल्म

दूरदर्शन केन्द्र, रांची

25 सितम्बर 1984 को दूरदर्शन केंद्र रांची की स्थापना की गई। केंद्र 2 अप्रैल 2002 तक 'एरिया स्पेसीफिक प्रोग्राम' का निर्माण करता था जब केन्द्र ने एक क्षेत्रीय इकाई के रूप मे पूरे झारखंड को कवर कर लिया। इसी दिन केन्द्र द्वारा क्षेत्रीय समाचार के प्रसारण का दूसरा उल्लेखनीय कार्य सम्पन हुआ। दूरदर्शन केन्द्र रांची स्टुडियो द्वारा पहला सीधा प्रसारण 02.04.2002 को शुरू किया गया। 2 मार्च 2003 को भू–केन्द्र को भी डिजीटल रूप में परिवर्तित किया गया। बाद में 28.2.2007 को नया डिजीटल स्टुडियो स्थापित किया गया। वर्तमान में डीडी नेशनल और डीडी न्यूज क्रमशः 96.7% और 15.7% क्षेत्र और 97.4% एवं 23.4% जनसंख्या को कवर कर रहा है। इसमें अधिकतर कार्यक्रम हिन्दी भाषा में (86.52%) जनजाति भाषाओं में (05.24%) एवं अन्य भाषाओं में (भोजपुरी, बगांली, राजस्थानी पंजाबी आदि में (08.24) प्रसारित किए जाते हैं।

2011–2012 के दौरान केंद्र द्वारा राजस्व अर्जन रु. 1,97,23,907/– था

2011–12 के दौरान गतिविधियाँ:

01. वर्षगांठ संबंधी कार्यक्रमों का प्रसारण जैसे विश्व रैडक्रास दिवस (8.5.2011), शिक्षक दिवस (5.9.2011), विश्व साक्षरता दिवस (8.9.2011), डाक दिवस (10.10.2011), बाल दिवस (14.11.2011), विश्व एड्स दिवस (01.12.2011), विश्व विकलांग दिवस (3.12.2011), गणतंत्र दिवस (26.1.2012) एवं अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8.3.2012)।
02. विभिन्न धार्मिक उत्सवों जैसे रमज़ान (30.8.2011), ईद–उल–फितर (31.8.2011), दीवाली (26.10.2011), दुर्गा पूजा (27.9.2011), मुहर्रम (26.12.2011) एवं होली (8.3.2012) आदि पर विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण ।

शीर्ष कार्यक्रम एवं शासन में नवप्रवर्तन संबंधी कार्यक्रमः

जनता के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे नरेगा, सर्वशिक्षा अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य योजना, आईसीडीएस, स्वच्छ पेयजल, मिड डे मील, जवाहरलाल नेहरू नैशनल अरबन रीन्युवल के प्रति जागरूक करने के लिए केंद्र ने कई कार्यक्रम/लघु फिल्में इसके शीर्ष कार्यक्रम "भारत निर्माण", "भारत में है विश्वास" के अंतर्गत निर्मित की है ।

दूरदर्शन केंद्र, श्रीनगर

दूरदर्शन केंद्र, श्रीनगर दूरदर्शन के सबसे पुराने केंद्रों में से एक है जिसका शुभारंभ 26 जनवरी, 1973 को दिल्ली और मुंबई के शुभारंभ के उपरांत किया गया। इसने 100 वा. अ.श.ट्रां. से क्रमशः 1994 एवं 1995 में आरआर–2 एवं डीडी–कशीर का प्रसारण शुरू किया। बाद में इन दोनों ट्रांसमीटरों का उन्नयन क्रमशः 1999 एवं 2000 वर्ष में 1 कि.वा. के ट्रांसमीटर में किया गया । इसके उपरांत मार्च, 2006 में दोनों ट्रांसमीटरों का प्रतिस्थापन 10 कि.वा. आरएवंएस ट्रांसमीटर, डीडी–I ट्रांसमीटर सहित, से किया गया। केंद्र की आधारभूत संरचना की बढ़ोत्तरी के लिए, डिजीटल भू–केंद्र का प्रचालन 10 जून, 2005 को आरंभ हुआ। यहाँ अधिकतर कार्यक्रम निम्नलिखित भाषाओं में बनाए जाते हैः– कश्मीरी (46%), उर्दू (41%), डोगरी (03%), लद्दाखी एवं हिंदी (02% प्रत्येक), पंजाबी, गोजरी, पहाड़ी, पश्तों, शीना एवं बालती (01: प्रत्येक) ।

2011–12 के दौरान विज्ञापन द्वारा कुल राजस्व अर्जन रु. 22,48,655/–

मुख्य गतिविधियाँ, पहल एवं उपलब्धियाँ

- बजट सत्र का जम्मू एवं कश्मीर विधान परिषद एवं विधान सभा से सीधा प्रसारण 07–03–2011 को।
- ललित महल, श्रीनगर में 24.4.2011 को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का सीधा प्रसारण।
- एम्पोरियम गार्डन में 13.6.2011 को नातिया मुशायरा।
- एसकेआईसीसी, श्रीनगर में 17.6.2011 को शशरंग संगीत कार्यक्रम।
- एसकेआईसीसी में 25.6.2011 से 4.7.2011 तक नाट्य महोत्सव।
- बक्शी स्टेडियम, श्रीनगर में 6.7.2011 को पुलिस शहीद फुटबाल फाइनल।
- एसके स्टेडियम, श्रीनगर में 28.7.2011 को टी–20 क्रिकेट फाइनल।
- डीपीएस स्कूल, अथवाजन में 03.08.2011 को केएलपीटी–20 फाइनल।
- जोरावर ऑडिटोरियम, जम्मू में 10.12.2011 को जश्न–ए–फैज।

दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी

असम का बीहू नृत्य

बोडो जनजाति का बागडूमरा नृत्य

उत्तर–पूर्व क्षेत्र के महत्व को ध्यान में रखते हुए दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी का कार्यचालन 24 मार्च, 1985 को प्रारंभ किया गया जिसको आर.जी. बरूआ रोड के स्थायी परिसर में 7.2.92 को स्थानांतरित किया गया था। असम में स्थित सभी ट्रांसमीटर 1.5.93 से क्षेत्रीय सेवा से जुड़ गए। ये ट्रांसमीटर सारे असम की 83% जनसंख्या और 79% भौगोलिक क्षेत्र को कवर करते हैं। यहाँ 01 अक्टूबर, 1994 से विज्ञापन सेवा की शुरुआत राजस्व बढ़ाने के लिए की गई।

एक क्षेत्रीय अभिलेखागार व्यवस्था इस केंद्र में स्थापित की जा रही है जिसका कार्य अभी प्रगति पर है। इस केंद्र के कार्यक्रमों में इन–हाउस कार्यक्रम 68% है, इसके उपरांत प्रायोजित कार्यक्रम (15%) एवं कमीशंड कार्यक्रम (7%) तथा अन्य (10%) है। कार्यक्रमों की विषय–वस्तु के अनुसार, सूचनात्मक कार्यक्रम 42% यानी अधिकतम है। शिक्षाप्रद कार्यक्रम 30% एवं मनोरजंक कार्यक्रम 28% है । असमी को केंद्र की मुख्य भाषा होने के कारण (85%) अधिकतम प्रसारण समय प्राप्त है, अंग्रेजी (7%) हिंदी (3%) बोड़ो (4%) एवं अन्य उप भाषाओं (1%) की तुलना में।

2011–12 की अवधि में दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी का कुल राजस्व अर्जन रु. 2,32 करोड़ था ।

2011–12 के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमः

01. दूरदर्शन केंद्र, गुवाहाटी परिसर में 30 एवं 31, जनवरी, 2012 को उत्तरी–पूर्वी केंद्रों के कृषि दर्शन कार्यक्रम के निर्माताओं के साथ एक आंचलिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में, भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अधिकारीगण, दूरदर्शन के अधिकारीगण, वैज्ञानिक और प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

02. अन्वेषण (अभिनव कार्यक्रमों की श्रृंखला): इसको प्रथम कड़ी में जिसका प्रसारण 26.1.2012 को किया गया उसमें जीरो हैड टरबइन (प्रवर्तक – श्री न्रीपेन कलिता) एवं वीवींग मशीन (प्रवर्तक – श्री दीपक भराली) थे। दूसरी कड़ी में स्पीच थैरेपी के विषय सहित (प्रवर्तक – श्री मुनीन्द्र कलिता, सरस्वती बाघधानी केंद्र, गुवाहाटी) एवं हस्तचलित लकड़ी काटने की और चावल तोड़ने की मशीन (प्रवर्तक – श्री करूणा नाथ) थे।

03. असम की विभिन्न सामुदायिक संस्कृति को प्रोत्साहित करने एवं सुरक्षित रखने के लिए ग्रामीण समीत समारोह की श्रृंखला (जनकृषि समारोह) का आयोजन पहली बार किया गया। 2010–11 के दौरान पहला एवं दूसरे समारोह का आयोजन किया गया, तीसरा समारोह 18/12/2011 को असम क्षेत्र मे बीटीएडी के उदलगुरी में आयोजित किया गया और चौथा समारोह 11/2/2012 को बारपेटा जिले के बारपेटा रोड में आयोजित किया गया।

04. 8 नवम्बर, 2011 को डॉ. भूपेन हजारिका को अंतिम श्रद्धांजलि एवं 9.11.2011 को जलूकबाड़ी शमशान भूमि, जजेज फील्ड, गुवाहाटी से डॉ. भूपेन हजारिका के अंतिम संस्कार का विशेष सीधा कवरेज किया गया। डॉ. भूपेन हजारिका के गीतों पर आधारित एक श्रृंखला का प्रसारण भी, पूरे महीने समय–समय पर किया गया।

05. 30.11.11 को 7.30 (सायं) पर डॉ. मामोनी रायसम गोस्वामी प्रसिद्ध साहित्यकार, शिक्षाविद, ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता लेखक की मृत्यु पर विशेष कार्यक्रम 'श्रद्धांजलि' दिखाया गया।

06. बच्चों की प्रतिभा को दर्शाने हेतु बाल दिवस की पूर्व संध्या पर एसओएस विलेज अजारा से 13. 11.11 को सायं 5.00 बजे 2.00 घंटे के विशेष कार्यक्रम "ज्योतिस्नान" का सीधा प्रसारण किया गया ।

दूरदर्शन केंद्र, भोपाल

अ.श.ट्रां. की स्थापना पर 19 नवम्बर, 1982 को दूरदर्शन केंद्र, भोपाल ने कार्यक्रमों का अनुप्रसारण शुरू किया। जबकि 20 अक्टूबर, 1992 को इसका कार्यचालन प्रारंभ हुआ। 24 अक्टूबर, 1984 को इसे फिर से 10 कि. वाट के उ.श.ट्रां. में उन्नत किया गया। बाद में एनइसी ट्रांसमीटर द्वारा 28 दिसम्बर, 2003 को इस ट्रांसमीटर को प्रतिस्थापित कर दिया गया। इस समय केंद्र से (सोमवार से शनिवार) सायं 4.00 बजे से 8.00 बजे तक और (रविवार) सायं 6.30 बजे से 8.00 बजे तक कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। डीडी–15 (भोपाल) की पहुँच जनता के 79.2% और राज्य के 78.1% भौगोलिक क्षेत्र तक है। डीडी न्यूज के संदर्भ में यह राज्य की 37.0% जनसंख्या और 19.9% राज्य क्षेत्र को कवर करता है। अन्य कार्यक्रमों के अतिरिक्त, केंद्र प्रतिदिन दो हिंदी न्यूज बुलेटिन एक 10 मि. और दूसरा 15 मि. की अवधि का प्रसारण करता हैं। यहाँ के प्रसारण की मुख्य भाषा हिंदी है फिर भी इसके अतिरिक्त बघेली, बुंदेली, निमरी और मालवी उपभाषाओं में कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए प्रयास किया जाता है।

डीसीडी द्वारा 2011–12 में केंद्र में विज्ञापन राजस्व अर्जन रु. 1,75,75,500/–और 7,69,79,500/– हुआ।

2011–12 के दौरान सीधा प्रसारणः

1. ऐशबाग स्टेडियम, भोपाल में 19.6.2011 का हॉकी टूर्नामैंट
2. टी.टी. नगर स्टेडियम, भोपाल में (2.9.11 से 4.9.11) नैशनल एथलेटिक मीट
3. डी.डी. के परिसर, भोपाल में 19.10.2011 को कव्वाली
4. इंदौर में (09.11.2011 से 13.11.2011) नैशनल खो–खो चौम्पियनशिप
5. डी.डी. भारती के लिए स्टूडियों से (26.11.2011 से 27.11.2011)/रुपद समारोह

आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष दूरदर्शन केन्द्र भोपाल में ध्रुपद जुगलवंदी उत्सव

6. ग्वालियर में 17.12.2011 को सिंधिया गोल्ड कप हॉकी टूर्नामैंट
7. डी.डी. के परिसर, भोपाल में 01.01.2012 को हास्य कवि सम्मेलन
8. नई दिल्ली में 17.1.2012 से 22.1.2012 तक अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी टूर्नामैंट
9. बैतूल से 72 कि.मी. दूर घने जंगलों में कार्बन फ्लक्स टॉवर का उद्घाटन किया गया, जिसमें, मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री, राज्य वन अधिकारियों एवं आईएसआरओ अधिकारियों ने स्टूडियों से ओ.बी. स्पोट के बीच परस्पर वार्ता की जहाँ डीएसएनजी 31.01.2012 को लगाया गया था।
10. खजुराहो में (01.02.2012 से 07.02.2012) खजुराहो नृत्य समारोह का आयोजन।

दूरदर्शन केंद्र, पटना

दूरदर्शन केंद्र, पटना का उद्घाटन 13 अक्टूबर, 1990 को एक अंतरिम सेट–अप सहित छज्जूबाग, पटना में किया गया। बाद में 15 मार्च, 1996 को सभी आधुनिक उपकरणों और साधनों सहित तैयार नए स्टुडियो भवन का उद्घाटन किया गया।

केंद्र ने अपने 1 घंटे की कार्यक्रम अवधि के साथ 15 मि. के हिंदी न्यूज बुलेटिन की शुरुआत की। 5 मि. का उर्दू न्यूज बुलेटिन बाद में मई 1992 में शुरू किया, जो बाद में वर्ष 1993 में बढ़ाकर 10 मि. कर दिया गया। बिहार के सभी ट्रांसमीटरों को साथ जोड़ने के लिए 1994 मे एक उपग्रह लिंक स्थापित किया गया। केंद्र द्वारा विज्ञापन सेवाएँ भी वर्ष 1995 में दी जाने लगी। केंद्र के आधारभूत संरचना में विस्तार के लिए डिजीटल अर्थ सैटेलाइट स्टेशन 20.12.2003 को स्थापित किया गया। इस समय दूरदर्शन राज्य की कुल जनसंख्या के 93.4% को कवर कर रहा है। इसके साथ ही दूरदर्शन नि:शुल्क डीटीएच सेवाएं केयू बैंड द्वारा कवरेज क्षेत्र में नहीं आने वाले भाग को उपलब्ध करवा रहा है।

2011–12 के दौरान केंद्र द्वारा विज्ञापन अर्जन रु. 3,55,82410/– था ।

2011–12 के दौरान केंद्र की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

- बाबू जगजीवन राम पर "चंदवा के चाँद" वृत्तचित्र का 5.4.2011 को प्रसारण।
- स्व. जानकी बल्लभ शास्त्री पर "तापी धूप और फूल खिले" फिल्म का 8.4.2011 को सीधा प्रसारण।
- "रजत रघुबीर धीर" रामनवमी पर कार्यक्रम 12.4.2011 को।
- बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर 17.5.2011 को नृत्य नाटिका।
- 17.6.2011 को सर्वभाषा कवि सम्मेलन।
- बाबू जगजीवन राम की जयंती पर 2.7.2011 को एक टी.वी. रिपोर्ट।
- 26.8.2011 को इतिहासकार स्व. श्री राम शरण शर्मा पर कार्यक्रम।
- श्री रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर 17.9.2011 को विशेष कार्यक्रम।

2011/09/17 पर रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर विशेष कार्यक्रम.

- 23 एवं 24 सितम्बर को कविकर गोपाल सिंह नेपाली का शताब्दी समारोह।
- 1.11.2011 को आस्था का पर्व "छठ" पर कार्यक्रम।
- 19.11.2011 को सोनपुर मेला पर एक टी.वी. रिपोर्ट ।
- 24.11.2011 को माननीय डॉ. ए.पी. अब्दुल कलाम का दौरे पर बिहार विधान सभा आगमन ।
- पटना शहर पर वृत्तचित्र (दो एपीसोड) "हर गली की अलग कहानी" 27.11.2011 एवं 6.12.2011।
- 21 एवं 24 दिसम्बर, 2011 को "अखिल भारतीय कवि गोष्ठी"।

- 29.12.2011 से 31.12.2011 तक गुरू गोविन्द सिंह जयन्ती का सीधा प्रसारण।
- 31.12.2011 को विशेष नववर्ष कार्यक्रम सहित वार्षिक साहित्य समीक्षा, विशेष रात्रिकालीन विदाई गीत एवं स्वागत गीत, प्लेटफार्म का चक्कर (हास्य नाटक), हास्य कवि गोष्ठी, बाल गीत, यादें 2011 एवं नव वर्ष प्रोग्राम (लोक नृत्य एवं गप्प गोष्ठी)।
- 1.1.2012 से रंगारंग म्यूज़िकल कार्यक्रम, शुभारम्भ–2012।
- 17.2.2012 से 19.2.2012 तक "बदलते बिहार ग्लोबल सम्मेलन" पर एक टीवी रिपोर्ट।
- 21.2.2012 से 4.4.2012 तक 15वें बिहार विधान सभा का पाँचवा सत्र।
- 1.3.2012 से 4.3.2012 तक विश्व कप कबड्डी पर सीधा प्रसारण।
- 3.3.2012 को सेमी–क्लासिकल म्यूज़िक पर आधारित "फागुन के दिन चार" विशेष कार्यक्रम।
- 23 एवं 24.3.2012 को बिहार शताब्दी समारोह पर टीवी रिपोर्ट का प्रसारण।

दूरदर्शन केंद्र, तिरुवनंतपुरम

तिरुवनंतपुरम में 19 नवम्बर, 1982 को एक अ.श.ट्रां. की स्थापना ने राज्य को टीवी से परिचित कराया। 1 जनवरी 1985 में तिरुवनंतपुरम में कार्यक्रम निर्माण केंद्र के साथ क्षेत्रीय टेलीविजन की स्थापना एक वास्तविकता हो गई। पहला 10 कि.वा. एचपीटी ने 14 अप्रैल, 1985 से केरल के तिरुवनंतपुरम में दूरदर्शन परिसर में कार्यचालन प्रारंभ किया। 18 मार्च 1987 को सभी सुविधाओं से युक्त स्टुडियो भी परिसर में स्थापित किया गया। 24 अक्टूबर 1993 से क्षेत्रीय नेटवर्किंग सुविधा की शुरुआत के साथ और कालीकट एवं कन्नूर में एचपीटी का कार्यचालन शुरु होने से सारा राज्य दूरदर्शन केंद्र, तिरुवनंतपुरम से मलयालम टीवी सिग्नल को प्राप्त करने योग्य हो गया।

1985 में केंद्र में प्रथम बार सीधा प्रसारण केंद्र के उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। राज्य में कई वर्षों तक केंद्र कई बार प्रथम बार किसी विशेष प्रसारण का श्रेय प्राप्त कर सका – प्रथम सीधा न्यूज बुलेटिन, प्रथम मलयालम सोप ऑपेरा, छोटे पर्दे पर प्रथम मलयालम फीचर फिल्म इत्यादि। 6 सितम्बर, 2009 को तिरुवनंतपुरम में प्रथम पूर्णतयाः ऑटोमेटिड रीजनल न्यूज यूनिट (आरएनयू) के उद्घाटन के साथ प्रथम सामाजिक वास्तविक शो, ग्रीन केरल एक्सप्रैस को अत्यधिक प्रचार मिला और इसके उल्लेख के बगैर हमारे द्वारा प्रसारित उत्कृष्ट कार्यक्रमों की सूची अपूर्ण रहेगी। वर्तमान विषय–सूची का विश्लेषण करने पर, मनोरंजन के लिए समय निर्धारण 31.13% शिक्षा के लिए 35.13% और सूचनाओं के लिए 33.56% एवं इसी प्रकार 99.31% कार्यक्रम स्थानीय भाषा (मलयालम) में प्रसारित किए जा रहे हैं।

2011–12 के दौरान केंद्र को कुल राजस्व अर्जन डीसीडी के रु. 11.40/– करोड़ सहित रु. 22.56/– करोड़ हुआ।

2011–12 के दौरान केंद्र की महत्वपूर्ण गतिविधियाँः

12.05.11	त्रिशुर पूरम
18.05.11	नई कैबिनेट का शपथ समारोह
14.07.11	चम्पाकुलम बोट रेस (नौका दौड़)
13.08.11	नेहरू ट्राफी बोट रेस (नौका दौड़)
15.08.11	स्वतन्त्रता दिवस

थ्रिसूर पुरम सांस्कृतिक कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

18.09.11	कोट्टयम बोट रेस (नौका दौड़)
06.10.11	कल्लडा नौका दौड़
16.12.11	फिल्म फैसटिवल (फिल्म समारोह)
15.01.12	सबरीमाला मकरवीलक्कू
26.01.12	गणतन्त्र दिवस
28.02.12	चेत्तिकुलंगर भरणी
07.03.12	अत्तुकल पोंगल
19.03.12	राज्य बजट 2012–2013
04.04.11	जन्मअंशु
18.06.11	म्यूज़िकल प्रोग्राम
10.07.11	सप्लैश 2011
21.10.11	डीडीके रीक्रीयेशन क्लब प्रोग्राम
21.01.12	ए.आई.आर. पटमनड्रम
23.01.12	प्रेम नजीर अवार्ड
24.02.12	किलेम्बू 2012
03.03.12	व्यलोप्पल्ली
11.15.03.12	आकाशवाणी संगीत सम्मेलन
20.03.12	आकाशवाणी समारोह
26.03.12	कृषि दर्शन

मंकोक्बू में दूरदर्शन केंद्र तिरूवतंतपुरम द्वारा आयोजित फमल संगोष्ठी

दूरदर्शन केंद्र, शिमला

दूरदर्शन शिमला द्वारा 7 जून, 1995 को प्रचालन प्रारंभ किया गया। इस समय केंद्र क्षेत्रीय कार्यक्रमों का सोमवार से शनिवार 4.00 (अप.) से 8.00 (रात्रि) एवं रविवार को 6.30 (संध्या) बजे प्रसारण कर रहा है।

वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान केंद्र द्वारा विज्ञापन से राजस्व अर्जन रु. 1.10/– करोड़ था ।

2011–12 के दौरान महत्वपूर्ण योगदान एवं उपलब्धियाँ:

i) दूरदर्शन शिमला में भाषा एवं संस्कृति विभाग शिमला (हि.प्र.) के सौजन्य से गेटी थियेटर में 17.7.11 से 19.7.11 तक "संगीत उत्सव" 3 दिन के लिए आयोजित किया गया।

ii) 31.7.11 को मो. रफी की पुण्य तिथि पर उदय फोरम सोलन द्वारा रफी नाइट का आयोजन गेटी थियेटर, शिमला में किया गया, जिसे बाद में डीडी शिमला के क्षेत्रीय प्रसारण में भी प्रसारित किया गया।

iii) दूरदर्शन केंद्र, शिमला के स्टूडियों में 29.9.11 को हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

iv) 19.10.11 को 4.30 (अप.) से 6.00 (संध्या) तक राज्य के पुलिस विभाग के सौजन्य से चौट शो "पुलिस एज सर्विस प्रोवाईड – चौलैंजस एवं कांसट्रैटस" का सीधा प्रसारण।

v) एक विशेष कार्यक्रम "शरद उत्सव" भाषा एवं संस्कृति विभाग, हि.प्र. के सौजन्य से 25.11.2011 को गेटी थियेटर, शिमला में आयोजित किया गया, जिसे बाद में क्षेत्रीय प्रसारण में दूरदर्शन केंद्र, शिमला से प्रसारित किया गया।

vi) अंर्तराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा हिमाचल प्रदेश के जिला कुल्लू में 06.10.11 से 12.10.11 तक मनाया गया उसकी कवरेज पर टीवी रिपोर्ट 03.11.11 से 10.11.11 तक सायं 7.25 पर प्रसारित किया गया।

vii) विशेष नव वर्ष कार्यक्रम "स्वागत"–2012, 31.12.2011 के रात्रि 9.00 से रात्रि 10.00 तक प्रसारित किया गया। यह कार्यक्रम डीडी–1 नेशनल नेटवर्क और डीडी भारती पर भी प्रसारित किया गया।

viii) एक नया कार्यक्रम "इंडिया इनोवेट्स–पहल" 12.02.12 से शुरू किया गया, जो प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को सायं 7.20 पर दिखाया गया, अब प्रत्येक माह के दूसरे मंगलवार को 7.30 अप. पर यह प्रसारित किया जाता है।

ix) क्रॉप सेमिनार का आयोजन 23.05.11 को सुन्दर नगर, जिला मंडी में, 07.10.11 को नंनग्रेन, जिला ऊना में, 19.02.12 को रोहरू, जिला शिमला में किया गया।

दूरदर्शन केंद्र, राजकोट

दूरदर्शन केंद्र, राजकोट ने 30 अगस्त, 1984 को कार्य प्रारंभ किया और इस समय 01.06.2011 से (सोमवार से वीरवार) सायं 5.00 से 6.00 केवल 1 घंटे का प्रसारण और शुक्रवार को 5.30 (सायं) तक प्रसारण किया जाता है। सभी कार्यक्रम गुजराती भाषा में इन–हाऊस निर्माण हैं। आरएलएससी पर प्रसारण हेतु डीडी–गिरनार के लिए 1 घंटे के कार्यक्रम का योगदान भी किया जाता है और साथ ही आवश्यकतानुसार भूस्थलीय मोड में एवं आरएनयू में भी प्रसारण किया जाता है।

2011–12 के दौरान विभिन्न स्रोतों से केंद्र का राजस्व अर्जन रु. 8,24,505/– था।

2011–12 के दौरान महत्वपूर्ण योगदान एवं उपलब्धियाँ निम्नांकित है:

1. आकाशवाणी, राजकोट द्वारा कवि सम्मेलन का प्रसारण, यह कार्यक्रम डीडी भारती के लिए भी भेजा गया।
2. आकाशवाणी, राजकोट में आकाशवाणी संगीत सम्मेलन के आयोजन का प्रसारण।
3. "चट सवाल पट जवाब" क्वीज प्रोग्राम के बदले नया प्रोग्राम "पुश्ती महा रश्दें ऑन हवेली संगीत" 16.02.2012 से, प्रत्येक गुरुवार को प्रसारित किया जाता है।
4. केंद्र ने अपने उत्कृष्ट कार्य के लिए नगर राजभाषा समिति से दो शील्ड प्राप्त किए।

5. अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर फोन–इन–कार्यक्रम सीधे प्रसारित एवं संशोधित वोटर लिस्ट जिसमें जिला क्लैक्टर द्वारा दर्शकों के प्रश्नों के उत्तर का सीधा प्रसारण।

दूरदर्शन केंद्र, रायपुर

1 कि. वा. के कार्यक्रम का प्रसारण दिनांक 1.6.1987 से शुरु हुआ। उपग्रह माध्यम से डीडीके दिल्ली के सम्पूर्ण कार्यक्रमों का केंद्र पोस्ट साईट कन्टीन्यूटी स्टेशन के रूप में ग्रामीणों के लिए कार्यक्रम प्रसारण हेतु अग्रप्रसारण कर रह है। 17.8.1998 से केंद्र ने 90 मिनट का स्थानीय प्रसारण शुरू कर किया है। डिजीटल अर्थ स्टेशन सितम्बर, 2002 में स्थापित किया गया और इसके साथ ही क्षेत्रीय सेवाएं और क्षेत्रीय न्यूज छत्तीसगढ़ राज्य के लिए शुरू की गई। केंद्र 6.2.2006 से सोमवार से शनिवार 4 घंटे का क्षेत्रीय प्रसारण कर रहा है और 90 मिनट का प्रसारण प्रत्येक रविवार को कर रहा है। क्षेत्रीय न्यूज यूनिट, दूरदर्शन केंद्र, रायपुर 20.09.2002 से प्रतिदिन 15 मिनट की अवधि का न्यूज बुलेटिन सायं 7.00 बजे प्रसारित कर रहा है। यह राज्य के कुल क्षेत्र को 69.2% और 79.5% जनसंख्या को मीडिया संबंधी आवश्यकता की पूर्ति कर रहा है।

2011–12 के दौरान केंद्र द्वारा विज्ञापन राजस्व अर्जन रु. 1,41,83,582/– था। केंद्र 2011–12 के दौरान "क्वैक्शन हॉवर" के प्रसारण शुल्क और प्रस्तुति लागत के रूप में लगभग रु. 50.95 लाख का राजस्व अर्जन किया ।

2011–12 के दौरान केंद्र की उपलब्धियाँ:

- 15.9.2011 को केंद्र के संस्थापना दिवस पर आमंत्रित दर्शकों के समक्ष विशेष कार्यक्रम
- नव वर्ष की पूर्व संध्या पर विशेष कार्यक्रम
- नए कार्यक्रमों को शुरू किया "आज की रसोई" (किचन रैसीपी) हैलो डॉक्टर (सीधा फोन–इन प्रोग्राम), आपका शहर (नो योअर सीटी), आप की बातें (सीधा इन्टरएक्टिव–इन प्रोग्राम) और अभिव्यक्ति (व्यक्तित्व पर आधारित लोक एवं शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम)

दूरदर्शन केंद्र, जगदलपुर

राज्य के बस्तर क्षेत्र में दूरदर्शन केंद्र, जगदलपुर ने 15.08.2000 को प्रचालन शुरु किया, इस समय, केंद्र 30 मिनट का कृषि दर्शन कार्यक्रम (नैरोकास्ट), स्थानीय भाषा जैसे छत्तीसगढ़ी में निर्मित एवं प्रसारित अ. श.ट्रां. कांकर हलबी, एवं उ.श.ट्रां., जगदलपुर और गोंडी और साथ ही अ.श.ट्रां. बइलादिला और नारायणपुर से सप्ताह में 4 दिन (सोमवार, मंगलवार, वीरवार एवं शुक्रवार) 5.30 सायं को प्रसारण कर रहा है। केंद्र 30 मिनट के कार्यक्रम 'बस्तर के आंचल से' डीडी के रायपुर की क्षेत्रीय सेवा के लिए भी मंगलवार, बुधवार एवं वीरवार को सायं 5.00 बजे उपलब्ध करवा रहा है। यह केंद्र शत–प्रतिशत कार्यक्रम हिंदी में ही प्रस्तुत कर रहा है।

2011–12 के दौरान दूरदर्शन ने अपना स्थापना दिवस मनाया और कल्याणी हैल्थ क्लब गतिविधियों द्वारा महिलाओं को विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया ।

आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष ''स्थापना दिवस'' समारोह

कल्याणी स्वास्थ्य क्लब की गतिविधियां

दूरदर्शन केंद्र (पीजीएफ), त्रिशूर

दूरदर्शन केंद्र, त्रिशूर ने अपनी गतिविधियाँ 6 सितम्बर, 2001 से प्रारंभ की। केंद्र ने 29.9.2011 से 2.10.2011 तक अपने दसवें वार्षिक समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में मीडिया मीट,.स्टाफ मीट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, थियेटर स्कैच, विभिन्न लोक कलाओं पर कार्यशाला, गांधी कलोस्वम, कर्षक संगमम् रूलर डिवैलॉपमैंट मीट एवं प्रदर्शनी भी शामिल थी। दूरदर्शन केंद्र, त्रिशूर एक पीजीएफ केंद्र है।

इस केंद्र द्वारा 25 मिनट के कृषि संबंधी कार्यक्रम (नैरोकास्ट) के सिवाय अलग से अपना कोई प्रसारण नहीं किया जाता, जो यह केंद्र सप्ताह में दो दिन (मंगलवार एवं शुक्रवार) 05.05 (अप.) बजे केंद्र परिसर में स्थापित अ.श.ट्रां. से और विभिन्न जिलों में स्थापित 5 अति अ.श.ट्रां. से प्रसारित करता है। केंद्र मोहिनीअट्टम, कथाकली, मुदीयेत्तु, कलमएजुथु, चवितुंतकम् आदि पर शोध–आधारित वृत्त–फीचर प्रस्तुत कर रहा है।

2011–12 के दौरान केंद्र की मुख्य उपलब्धियां गुरूव्युर एकादशी, संगीत समारोह और त्रिशूर पूरम समारोह का सीधा प्रसारण थीं।

दूरदर्शन केंद्र, सम्बलपुर

दूरदर्शन केंद्र : सम्बलपुर ने अपना नियमित प्रसारण 30 अप्रैल, 1987 से प्रारंभ किया। यहाँ दो ट्रांसमीटर है जो ब्रूक हिल, पर स्थित है, जो सुरक्षित वन का एक हिस्सा भी है। इस समय यहाँ 2 ट्रांसमीटर डीडी–1 एवं डीडी–2 के कार्यक्रमों को प्रसारित करने के लिए हैं, प्रत्येक ट्रांसमीटर 10 कि. वाट शक्ति के हैं, जो अपने उन्नयन के दिन वर्ष 2000 से पूर्णतः प्रचालित हैं।

सामान्य कार्यक्रम आवृत्ति सप्ताह में दो दिन (सोमवार, गुरुवार) सायं 5.02 से 5.30 तक है। सम्बलपुरी लोक गीत, लोक नृत्य, इकोटूरीजम पर कार्यक्रम, हेल्थ एंड फैमिली वैल्फेयर, विधिक जागरूकता, खेलकूद, साहित्य, बच्चों एवे विभिन्न क्षेत्रों के सांस्कृतिक पहलुओं के मुख्य तथ्य इन स्लॉट में हैं।

2011–12 के दौरान केंद्र की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

- विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण जैसे नववर्ष, नुआनखाई, भजीयुंतिया, दशहरा, स्वतंत्रता दिवस, होली,

दूरदर्शन स्थापना दिवस, प्रसार भारती बोर्ड दिवस।

- इस केंद्र ने वृत्तचित्र श्रेणी में "पक्षीरा नीड़ा" तथा नृत्य श्रेणी में "पश्चिम सुर" नामक दो कार्यक्रमों में दूरदर्शन वार्षिक पुरस्कार प्रतियोगियता 2010 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- इस केंद्र का "ग्रीन माइंड, ग्रीन एक्शन" नामक कार्यक्रम कॉमनवेल्थ ब्राडकास्टिंग एसोसिएशन, लंदन में विज्ञान प्रोग्रामिंग तथा रिपोर्टिग श्रेणी में अंत तक बना रहा।
- 'फ्लाई फ्लाई माइ बटर फ्लाई" नामक कार्यक्रम म्यूनिख, जर्मनी में प्रिक्स ज्यूनेस्स अंतर्राष्ट्रीय बाल महोत्सव–2012 में अंत तक बना रहा।

केंद्र में पुरस्कार बांटती हुई माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री

म्यूजिक जर्मनी में प्री ज्यनेय अंर्तराष्ट्रीय बाल समारोह में फाइनलिस्ट के रूप में चयनित ''फ्लाई फ्लाई माई बटरफ्लाई

दूरदूर्शन केंद्र भवानी पटना

दूरदर्शन केंद्र भवनी पटना 20.01.1992 में कमीशंड किया गया। 03.09.2000 में स्टुडियो की स्थापना हुई। इस पीजीएफ केंद्र से स्थानीय प्रसारण दूरदर्शन के स्थापना दिवस के अवसर पर 15.09.2004 से शुरू हुआ । वर्तमान में दूरदर्शन केंद्र भवानी पटना सोमवार तथा वीरवार को सांय 05.02 बजे 58 मिनट तथा मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार को सांय 05.30 बजे 30 मिनट का कार्यक्रम प्रसारित करता है। इस केंद्र के सभी कार्यक्रम इस क्षेत्र के साहित्य, संस्कृति तथा लोक कला पर आधारित उड़िया भाषा में इन–हाउस प्रोडक्शन हैं।

दूरदर्शन केंद्र भवानी पटना न केवल अपने लिए ही कार्यक्रमों का निर्माण और प्रसारण करता है बल्कि दूरदर्शन केंद्र भुवनेश्वर के लिए भी 30 मिनट के कार्यक्रम का नियमित रूप से प्रसारण करता है। इसके अतिरिक्त इस केंद्र ने डीडी–6 पर प्रसारण के लिए कार्यक्रमों का ठोस योगदान दिया है। यह केंद्र नई दिल्ली स्थित दूरदर्शन के सेंट्रल आर्काइव्ज को भावी पीढ़ीयों के लिए संरक्षित आर्काइवल वैल्यू के कार्यक्रम भेजता है।

2011–12 के दौरान डीडी–1, आरएलएमसी तथ सेंट्रल आर्काइव्ज को दिए गए योगदान का ब्योरा निम्न प्रकार है :–

(क)	डीडी–1 (स्थलीय)	:–25 घंटे 30 मिनट
(ख)	आरएलएसएस (डीडी6)	:–90 घंटे 30 मिनट

(ग) सेंट्रल आर्काइव्ज :–8 घंटे 30 मिनट

नाटक के दृश्य – देशे पेन (कालाहांडी उत्सव के दौरान आयोजित)

वर्ष 2011–12 के दौरान कवर किए गए मुख्य आयोजनः–

1. कालाहांडी उत्सव : 14–17 जनवरी, 2012
2. रथ यात्रा 3 जुलाई, 2011 एवं 11 जुलाई, 2011,
3. स्वाधीनता दिवस,
4. गणतन्त्र दिवस समारोह,
5. डीडी स्थापना दिवस कार्यक्रम,
6. नव वर्ष कार्यक्रम,
7. क्रॉप सेमिनार – 2 – 22 अप्रैल, 2011 एवं 10 फरवरी, 2012
8. 18.04.2011 को सूखे पर उच्च स्तरीय समिति के दौरे की टीवी रिपोर्ट।

दूरदर्शन केंद्र, जम्मू

दूरदर्शन केंद्र, जम्मू 1993 में पीजीएफ के रूप में शुरू किया गया। एक विस्तृत स्टुडियो डिजीटल उपकरणों के साथ संस्थापित किया गया और 2011 से इसने कार्य करना प्रारंभ किया। दूरदर्शन केंद्र, जम्मू रविवार के अतिरिक्त प्रतिदिन साढ़े 3 घंटे का प्रसारण करता है। रविवार को यह सिर्फ डेढ़ घंटे का कार्यक्रम प्रसारित करता है क्योंकि राष्ट्रीय प्रसारण 6.30 बजे सायं तक चालू रहता है। यह क्षेत्र की आठ भाषाओं जैसेः–डोगरी, उर्दू, पंजाबी, हिन्दी, गोजरी, पहाड़ी, भद्रवी एवं कश्मीरी में भी अपनी सेवाएं देता है।

क्षेत्रीय समाचार इकाई की शुरुआत केन्द्र ने जुलाई 1999 में 10 मिनट के न्यूज बुलेटिन से की और इसकी अवधि 2002 में बढ़ा कर 15 मिनट कर दी गई। एक अन्य न्यूज बुलेटिन 5 मिनट की अवधि का दिनांक 22.08.2007 में शुरू किया गया। यह केन्द्र दो न्यूज बुलेटिनों का प्रसारण डोगरी भाषा में करता है। राज्य में फ्लेगशिप कार्यक्रमों और विकास संबंधी कार्यक्रमों की विशेष कवरेज की जाती है।

2011–2012 के दौरान दूरदर्शन द्वारा राजस्व कमाई डीसीडी से 35 लाख सहित, 55 लाख है।

वर्ष 2011–12 के दौरान प्रमुख उपलब्धियां

1. जोरावर सिंह ऑडिटोरियम जम्मू में आयोजित दो दिनों के जश्न–ए–फैज को कवर किया जिसमें लगभग 15 पाकिस्तानी कवियों और बुद्धिजीवियों ने भाग लिया।
2. जोरावर सिंह ऑडिटोरियम में 'जश्न–ए–बहारा' वार्षिक आईएमपीसी कार्यक्रम को कवर किया गया। इस समारोह में राज्य का प्रत्येक मीडिया यूनिट का सम्मिलित था।
3. केन्द्र द्वारा जे एवं के विधान सभा से बजट अभिभाषण और जे एंड के के गर्वनर द्वारा विधान सभा के संयुक्त सत्र के संबोधन का सीधा प्रसारण पहली बार किया गया।

दूरदर्शन केंद्र, डालटनगंज

दूरदर्शन के कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए 10 मार्च 1991 को एक उ.श.प्रे., डालटनगंज में स्थापित किया गया। बाद में कार्यक्रम निर्माण सुविधा (पीजीएफ) का उद्घाटन 25.6.95 को किया गया। इस समय केंद्र का प्रसारण समय सोमवार से शुक्रवार सायं 5.30 से सायं 6.30 है।

2011–12 में प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमः

• डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जयंती पर परिचर्चा	14.04.11
• अग्निशमन सेवा सप्ताह पर कार्यक्रम	15.04.11
• विश्व रैड क्रास दिवस (जनसेवा में रैड क्रास का योगदान) पर कार्यक्रम	07.05.11
• अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस	26.05.11
• विश्व पर्यावरण दिवस (पर्यावरण संरक्षण क्यों और कैसे)	04.06.11
• विश्व जनसंख्या दिवस (छोटा परिवार समग्र विकास)	16.07.11
• विश्व नेत्रहीनता पखवाड़ा	28.10.11
• अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	08.03.12

दूरदर्शन केंद्र, पोर्ट ब्लेयर

दूरदर्शन केंद्र, पोर्ट ब्लेयर ने एशियन गेम्स के दौरान नवम्बर, 1982 में 100वा के अ.श.ट्रां. से प्रचालन शुरू किया जो दिल्ली से चल रहे कार्यक्रमों का अनुप्रसारण 10 किलोमीटर की परिधि में रहने वाले लोगों के लिए करता था। अन्य एक अल्प शक्ति ट्रांसमीटर 100वा के क्षमता के साथ जिसमें 10 किलोमीटर की परिधि को कवर करने की क्षमता थी उसे कार निकोबार में लगाया गया। एक नए स्टूडियो के उद्घाटन सहित, फरवरी 1996 में क्षेत्रीय कार्यक्रम का निर्माण शुरू हुआ। डीडी मैट्रो सेवा के लिए पोर्ट ब्लेयर में मार्च 1997 में एक और 100वां का एलपीटी स्थापित किया गया। उन एलपीटी के अतिरिक्त 18 वीएलपीटी, दूरदराज के क्षेत्रों में सिग्नल पहुँचाने के लिए विभिन्न द्वीपों पर स्थापित किए गए। वर्ष 2005 मे अर्थ स्टेशन चालू किया गया और सुनामी के बाद नेटवर्क प्रोग्राम में इसने न्यूज फीड देना प्रारंभ किया।

2007 में अंडमान निकोबार आइलैंड में स्वचलित स्वीचिंग यूनिट स्थापित किया गया जिससे सभी सप्ताह दिवस में संध्या 6.00 से 7.30 तक क्षेत्रीय कार्यक्रम दिखाए जा सकते हैं। दो 100वा. अ.श.प्रे. का 1 कि.

वा. के एचपीटी ट्रांसमीटर में मार्च, 2008 में, डीडी के कवरेज क्षेत्र को बढ़ाने के लिए, परिवर्तित किया गया।

घने जंगल और पहाड़ी क्षेत्र के कारण कवरेज एरिया यहाँ सीमित हैं। पोर्ट ब्लेयर हेतु 10 चैनलों को इन्सैट 4बी पर चलाने के लिए डीटीएच सी–बैंड अपलिंकिंग कर इस समस्या का निदान किया जा चुका हैं। शैडोजोन के कारण अनकवर्ड पॉकेट के लिए उनके विभिन्न विभागों द्वारा वितरण के लिए अंडमान निकोबार प्रशासन द्वारा 1000 डीटीएच सी–बैंड टीवी सैट उपलब्ध करवाए गए। इस द्वीप पर दूरदर्शन एकमात्र, टेलीविजन प्रोग्राम प्रोडक्शन सैन्टर है। यह सात अलग–अलग भाषाओं (हिन्दी, बंगाली, तमिल, तेलगु, मलयालम, पंजाबी ओर निकोबारी) में यहां कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है।

रियलिटि शो की लोकप्रियता को देखते हुए दूरदर्शन केंद्र, पोर्ट ब्लेयर ने प्रथम फार्म रियलिटी शो के निर्माण का प्रस्ताव रखा है जिससे अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में सर्वश्रेष्ट किसान का चयन किया जा सके।

2011–12 के दौरान विज्ञापन राजस्व रु. 10/– लाख को पार कर गया जोकि पहले शून्य था।

वर्ष 2011–12 के दौरान गतिविधियाँः

- इस द्वीपसमूह के स्कूल विधार्थियों के लिए प्रथम म्यूजिक रियलिटी शो 'तारे अंडमान के'।
- डीडी भारती, नेशनल चैनल एवं दूरदर्शन केंद्र, पोर्ट ब्लेयर पर द्वीप पर्यटन उत्सव का सीधा प्रसारण।
- प्रथम विकासात्मक वाद–विवाद श्रृंखला 'विजन–2020' जिसमें मुख्य सचिव और महाविधालय के छात्रों के बीच परस्पर वार्ता की गई।
- वर्ष की सभी महत्वपूर्ण घटनाओं पर एक नजर डालने हेतु प्रथम बार 'न्यूज रिकॉल' कार्यक्रम का निर्माण।
- देश की एकमात्रा जीवित ज्वालामुखी पर वृत्तचित्र 'बैरन आइलैंड', 'आलिव रिडले टर्टल नैस्टिंग' जो यहाँ के समुद्रतट पर होने वाली अनोखी प्रक्रिया है, बड़तांग एवं पैरोट आइलैंड, लाईम स्टोन केवस, महात्मा गाँधी मैरीन नेशनल पार्क, जनगणना–2011 इत्यादि।
- नाको द्वारा निर्मित प्रायोजित धारावाहिक का प्रसारण।
- स्कूली छात्रों के लिए अंतरू द्वीपसमूह क्विज एवं जैव–विविधता पर एक वृत्तचित्र निर्माण की प्रक्रिया में है जिसे सीओपी 2011 में हैदराबाद में प्रदर्शित किया जाएगा।

दूरदर्शन केंद्र, शांतिनिकेतनः

नोबेल पुरस्कार द्वारा सम्मानित महाकवि रबीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित केंद्रीय विश्वविधालय विश्व–भारती के कारण शांतिनिकेतन कला एवं संस्कृति का केंद्र है। भारत के प्रधान मंत्री इस विश्वविधालय के कुलपति हैं। शांतिनिकेतन एक और नोबेल पुरस्कार से सम्मानित विद्वान डॉ. अमर्त्य सेन का गृह नगर भी है। यह पर्यटकों को अपने प्राकृतिक सौन्दर्य, शांति एवं प्रदूषणमुक्त वातावरण के कारण अपनी ओर आकर्षित करता है। यहाँ विश्व–भारती, शांतिनिकेतन एवं निकटवर्ती क्षेत्र वीरभूम, वर्द्धमान, मुर्शिदाबाद एवं बांकुड़ा जिलों से गुणी कलाकारों को लेकर कृषि, संगीत, नृत्य एवं वृत्त–चित्रों का निर्माण बंगला भाषा में किया जाता है।

वर्ष 2011–12 के दौरान महत्वपूर्ण गतिविधियाँ:

- टैगोर की गीतांजलि पर आधारित धारावाहिक "सिमर माझे आसीम तूमी" कार्यक्रम का निर्माण।
- रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150वी जयंती पर उनकी जीवन एवं कृति पर आधारित 50 मिनट के वृत्त–चित्र, "एई अमीर अन्वेषण" का निर्माण।
- पौष मेला, बसंतोत्सव एवं लोक नृत्योत्सव पर कार्यक्रम।
- पद्म विभूषण श्री के.जी. सुब्रमण्यिम के शांतिनिकेतन में भित्रि–चित्र पर साक्षात्कार।

पद्म विभूषण से सम्मानित, श्री के.जी. सुब्रमण्यम के साथ साक्षात्कार

दूरदर्शन केंद्र, हिसार

01 नवम्बर, 2002 को हरियाणा की जनता के लिए दूरदर्शन केंद्र, हिसार का उद्घाटन किया गया था। यहाँ समाचारकथा का समावेश करने के लिए पहले से उपयोग में लाई जा रही प्रणाली बदली जा चुकी हैं। अब इसके लिए ई–मेल, एफटीपी प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है जिससे दैनिक समाचार बूलेटिंग में नवीनतम समाचारों का समावेश हो जाता है।

वर्ष 2011–12 के दौरान विभिन्न स्रोतों से केंद्र की विज्ञापन आय रु. 16.01 लाख है।

2011–12 के दौरान केंद्र की गतिविधियाँ:

- 'मस्ती 2012' 55 मिनट की अवधि के विशेष नव वर्ष कार्यक्रम का प्रसारण 31.3.2011 को किया गया जो हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत की मुख्य विशेषताएं दर्शाता था।
- भारत निर्माण अभियान का पूर्व प्रचार एवं व्यापक कवरेज जिला कैथल के पुंडरी में (दिनांक 07.02.2011 से 09.02.2011) और जिला हिसार के हांसी में (दिनांक 20.12.2011 से 22.12.2011) में किया गया।
- स्वतन्त्रता सेनानियों, महत्वपूर्ण घटनाओं और वार्षिकी एवं जयंतियों पर विशेष कार्यक्रम।
- 'कन्या भ्रूण हत्या' पर विशेष कार्यक्रमों बालिकाओं को बचाने के लिए।

डीडीके पुदुचेरी

15 अगस्त 1922 को डीडीके पुडुचेरी स्थापित किया गया जिसमें 10 किलो वाट का ट्रांसमीटर डीडी नेशनल/क्षेत्रीय/स्थानीय कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए था जो 90 कि.मी. के क्षेत्र को स्थलीय मोड में कवर करता है, और एक 100 वा. का ट्रांसमीटर डीडी न्यूज के लिए है जो 20 कि.मी. के क्षेत्र हेतु कार्यक्रमों का प्रसारण स्थलीय मोड में करता है। दूरदर्शन में इस समय यह केंद्र केवल इन–हाऊस कार्यक्रमों का निर्माण कर रहा है और सोमवार से शुक्रवार सायं 5.00 से 7.00 के बीच इनका प्रसारण कर रहा है जो स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण, सामयिक मामले, फिल्मी गीतों एवं क्लिपिंगस, युवा, घरेलू एवं चंक जो पुंडुवायकदौर (सीटी राउंड–अप) कहलाता है। यहाँ कोई भी प्रायोजित या कमीशंड कार्यक्रम नहीं हैं। कार्यक्रम की भाषा तमिल है।

इसे डीडी–पोढ़िगै मे एक चंक आबंटित है जिसमें शनिवार को 1.00 अप. से 1.30 अप. के बीच कार्यक्रमों का प्रसारण किया है। स्वास्थ्य और बच्चों का कार्यक्रम प्रत्येक चौथे गुरुवार को 25 मि. के लिए प्रसारित किया जाता है। दोनों कार्यक्रमों का निर्माण दूरदर्शन केंद्र, पुदुच्चेरी में ही किया जाता है।

वर्ष 2011–12 के दौरान केन्द्र द्वारा विभिन्न स्रोतों से वाणिज्यिक आय रु. 1, 67,591 है।

इसके अतिरिक्त, तकनीकी स्कन्ध का राजस्व अर्जन रु. 3,51,856 का विवरण निम्नांकित है:

क)	इन–प्लांट ट्रेनिंग	रु. 2,90,651/–
ख)	औद्योगिक भ्रमण	रु. 37,605/–
ग)	ऑफ टेलीकास्ट रिकार्डिंग	रु. 23,600/–
	कुल	रु. 3,51,856/–

2011–12 के दौरान महत्वपूर्ण गतिविधियाँ:

- दूरदर्शन केंद्र, पुंडुचेरी की 19वीं वर्षगाँठ पर एवं स्वतन्त्रता दिवस पर जिपमेर ऑडिटोरियम में आमंत्रित दर्शकों के समक्ष 13 अगस्त, 2011 को विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- तमिल नववर्ष, दिवाली, क्रिसमस, नववर्ष और पोंगल त्यौहार के अवसर पर विशेष कार्यक्रम।

दूरदर्शन केंद्र, पटियाला

दूरदर्शन पटियाला में 13.04.2006 को एक स्टूडियों के उद्घाटन से कार्यक्रम निर्माण प्रारंभ हुआ। इससे पूर्व अरबन इस्टेट फेस–I में वर्ष 2001–02 से कार्यक्रम निर्माण सुविधा उपलब्ध थी। जिसका शिलान्यास 10.01.1995 को किया गया था। अपने स्थापनाकाल से ही केंद्र मालवा क्षेत्र की स्थानीय प्रतिभा को प्रोत्साहित कर रहा है।

2011–12 में महत्वपूर्ण गतिविधियाँ:

- युवाओं के लिए 'चढ़े सूरज' नामक कार्यक्रम का निर्माण।
- पटियाला दर्पण/मैगजीन कार्यक्रम का निर्माण।
- नियमित रूप से डीडी जालंधर द्वारा प्रसारण हेतु कार्यक्रम निर्माण।

दूरदर्शन केंद्र, वारंगल

उच्च शक्ति ट्रसंमीटर, वारंगल दिनांक 03.12.2001 से प्रचालन में है और 16.06.2002 को औपचारिक रूप

से इसका उद्घाटन किया गया। इसका कवरेज क्षेत्र लगभग 70 कि.मी. की हवाई दूरी तक है वारंगल जिले में अपनी कवरेज के अतिरिक्त नालगोंडा एवं करीमनगर जिले के अधिकतम हिस्से भी इसके कवरेज क्षेत्र में आते हैं। दूरदर्शन स्टूडियों का उद्घाटन 14.04.2005 को किया गया था। उद्घाटन के पश्चात अगस्त, 2005 से स्टूडियों में रिकार्डिंग शुरू की गई। यह वारंगल शहर और उसके आसपास के क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार सेवा प्रदान कर रहा है ।

2011–12 के दौरान मुख्य गतिविधियाँ:

- शिवरात्रि पर विशेष रिपोर्ट
- उगादी पर कवि सम्मेलन
- महिना दिवस पर विशेष कार्यक्रम
- रमजान एवं दशहरा पर विशेष कार्यक्रम
- काजीपेट वुरूसु पर विशेष कार्यक्रम
- 100 वर्ष पुराने चर्च की कवरेज

दूरदर्शन केंद्र, चंडीगढ़

दूरदर्शन केंद्र, चंडीगढ़ ने सोमवार से शुक्रवार तक आधे घंटे के कार्यक्रम के साथ 3 सितम्बर, 2001 से प्रसारण प्रारंभ किया जो अब 24 अप्रैल, 2006 से बढ़कर दो घंटे (सायं 5.00 से 7.00) तक हो गई है। इस केंद्र का कवरेज क्षेत्र (चंडीगढ़ एवं निकटवर्ती क्षेत्र) 25 कि.मी. है।

24 अप्रैल, 2006 को समाचार इकाई की स्थापना के साथ दूरदर्शन केंद्र, चंडीगढ़ से समाचारों का प्रसारण शुरु हो गया है। वर्तमान में मंगलवार एवं गुरूवार को शाम 5.45 बजे हिन्दी में क्षेत्रीय समाचारों का प्रसारण होता है। शुक्रवार को यह सायं 5.30 बजे प्रसारित होता है और मंगलवार एवं बुधवार को सायं 5.30 बजे पंजाबी भाषा में समाचार प्रसारण होता है। डीडी न्यूज चैनल द्वारा प्रसारित 'राज्यों से समाचार' के अंतर्गत मंगलवार, गुरूवार एवं शुक्रवार को इस केंद्र से हिन्दी समाचारों का प्रसारण किया जाता है।

वर्ष 2011–12 के महत्वपूर्ण प्रसारण:–

"लिगल हिंटस", "भक्ति संगीत" (शब्द/भजन), "हेल्थ लाईन", "संगीत कार्यक्रम", राज्यों से समाचार, "शहर–ए–खूबसूरत", "दूसरे केंद्रों से" (उच्च महत्व के कार्यक्रम), "खजाना अनुभव का" (वयोवृद्ध व्यक्तियों पर कार्यक्रम), "कैरियर गाइडेंस", (युवाओं के कार्यक्रम), "घर परिवार" (महिलाओं के कार्यक्रम), "सुफियाना कलाम", "बात वतन की", (सशस्त्र सेना पर कार्यक्रम), "पर्यावरणध्उपभोक्ता मंच", "खेल कार्यक्रम", "शीर्ष कार्यक्रम" इत्यादि।

दूरदर्शन केंद्र, नागपुर

दूरदर्शन केंद्र, भारत के प्रसारण मैप पर 15 अगस्त 1982 को आया जब इसके 1 कि. वाट के ट्रांसमीटर द्वारा दिल्ली के कार्यक्रमों का अनुप्रसारण किया गया। दूरदर्शन केंद्र, नागपुर द्वारा निर्मित क्षेत्र विशेष से संबंधित कार्यक्रमों का निर्माण एवं प्रसारण नागपुर, चंद्रपुर, गढ़चिरौली एवं गोंडा में इंसैट के माध्यम से नई दिल्ली से किया गया। इसके 1 कि. वाट के ट्रांसमीटर को 10 कि. वाट के ट्रांसमीटर में उन्नयन अक्टूबर, 1985 में किया गया एवं इसने 1988 से दूरदर्शन केंद्र, मुंबई को कार्यक्रम उपलब्ध कराना प्रारंभ किया। नब्बे के दशक के अंत में यहाँ स्टूडियों निर्माण हुआ और इसका प्रचालन 20.05.1999 को प्रारंभ हुआ। केंद्र ने दूरदर्शन केंद्र, मुंबई को नियमित रूप से कार्यक्रम उपलब्ध करवाना सितम्बर, 2011 से प्रारंभ

किया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने नागपुर में एक अपलींकिंग सुविधा संस्थापित की है। इसके द्वारा भारतीय उप–महाद्वीप में कहीं भी इस क्षेत्र की मुख्य घटनाओं को अपलिंक किया जा सकता है। इसके पास नेशनल कार्यक्रम एवं न्यूज कार्यक्रम प्रसारित करने के लिए 10 कि. वाट के दो ट्रांसमीटर हैं। पहले ट्रांसमीटर पर, डीडी–1, नेशनल हिन्दी चैनल कार्यक्रम, क्षेत्रीय सहयाद्रि कार्यक्रम मराठी में एवं एक घंटे के स्थानीय कार्यक्रम का प्रसारण 1800 से 1900 बजे तक किया जाता है। डीडी न्यूज दूसरे ट्रांसमीटर पर डीडी न्यूज के समाचार एवं ससामयिक मामलों से संबंधित कार्यक्रमों को प्रसारित किया जाता है। स्थानीय कार्यक्रम निर्माण एवं प्रसारण का विवरण इस प्रकार है:–

सभी कार्यक्रमों का निर्माण केंद्र द्वारा ही किया जाता है जिसमें 90% सूचनात्मक एवं शिक्षाप्रद और 10% मनोरंजक कार्यक्रम है।

तरल द्वारा ठंडा रखा जाने वाला 10 कि. वाट आर एवं एस ट्रांसमीटर को नेशनल कार्यक्रम के लिए पहले से उपलब्ध ट्रांसमीटर के स्थान पर 10.06.2005 को चालू किया गया और यह उत्कृष्ट गुणवत्ता वाली चित्रों को प्रसारित करता है। विभिन्न स्रोतों से 2011–12 के दौरान विज्ञापन राजस्व अर्जन का विवरण निम्नांकित है:–

कार्यक्रम विज्ञापन राजस्व	रू. 9,42,258/–
इंजीनियरिंग प्रशिक्षण भ्रमण	रु. 4,89,961/–
तकनीकी निरीक्षण बंगले से अर्जन	रु. 30,400/–
कुल	**रु. 14,62,619/–**

2011–12 के दौरान महत्वपूर्ण कवरेज एवं कार्यक्रम:–

1. 'धम चक्र प्रवर्तन दिन' पर विशेष कार्यक्रम।
2. भारत के माननीय राष्ट्रपति की अमरावती यात्रा की टीवी रिपोर्ट।
3. डीडी स्पोर्टस चैनल पर प्रसारण हेतु नागपुर में आयोजित एनपीएल फुटबाल मैच का डीडी के भोपाल के साथ सीधा प्रसारण।
4. चन्द्रपुर में आयोजित अखिल भारतीय–मराठी साहित्य सम्मेलन कार्यक्रम।
5. दूरदर्शन और आकाशवाणी, नागपुर द्वारा आमंत्रित दर्शकों के सम्मुख आदिवासी लोक कला महोत्सव का आयोजन किया गया था।
6. 01 से 15 सितम्बर, 2011 तक हिन्दी पखवाडा समारोह मनाया गया था। कर्मचारियों के प्रतिदिन के हिन्दी में काम करने के लिए प्रोत्साहित किए जाने हेतु भिन्न–भिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

निदेशक (अभि.), हिंदी पख़वाड़ा, 2011 शुभारंभ

हिंदी पख़वाड़ा, 2011

दूरदर्शन केंद्र, मदुरै

दक्षिणी तमिलनाडु के विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक और बौद्धिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए 15 अगस्त, 2005 को मदुरै में एक कार्यक्रम निर्माण केंद्र चालू किया। इस समय केंद्र में एक एकल स्टुडियो है जो कि डिजीटल है। यहाँ सांस्कृतिक, धार्मिक, औद्योगिक, सामाजिक एवं बौद्धिक प्रकार के कार्यक्रम बताए जाते हैं ये कार्यक्रम संपादन के बाद दूरदर्शन केंद्र, चेन्नै प्रसारण के लिए भेजे जाते हैं।

2011–12 में केंद्र द्वारा राजस्व अर्जन रु. 2,60,210/– था।

निम्नांकित कार्यक्रमों का निर्माण एवं प्रसारण 2011–12 के दौरान किया गया था:

कार्यक्रम का नाम

- शास्त्रीय एवं लोक संगीत कार्यक्रम
- महाविद्यालय, विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम
- शिक्षाविद्, लेखकों, खेल के क्षेत्र के महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साक्षात्कार
- महिला कार्यक्रम
- बाल कार्यक्रम

दूरदर्शन केंद्र, गोरखपुर

गोरखपुर में 13.8.1984 को एक उच्च शक्ति ट्रांसमीटर का उद्घाटन किया गया था, लेकिन इसे 14.11. 1984 तक इंतजार करना पड़ा जब दूरदर्शन, गोरखपुर द्वारा पहला प्रसारण किया गया। 01.07.2008 को अपनी बिल्डिंग में जो शहर के मुख्यालय से 04 कि. की दूरी पर रापतीनगर में स्थित है, केंद्र ने कार्य शुरू कर दिया। जून 1997 में दूरदर्शन केंद्र, गोरखपुर ने विज्ञापन सेवा शुरू कर दी थी।

केंद्र द्वारा विज्ञापन राजस्व अर्जन 2011–12 के दौरान रु. 5,77,359/– था।

2011–12 के दौरान महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का निर्माण:

1. "काव्य संध्या" 13 नवम्बर 2011 को प्रसारण।
2. "संगीत संध्या" 14 नवम्बर 2011 को प्रसारण।
3. "नौटंकी संध्या" 11 जनवरी 2012 को प्रसारण।
4. "जनवाणी" कार्यक्रम 29 और 31 जनवरी 2012 को प्रसारण।
5. "फूलल टेसू उड़ल गुलाल" कार्यक्रम 26 फरवरी 2012 को प्रसारण।

दूरदर्शन केंद्र, मऊ

इस दूरदर्शन केंद्र का उद्घाटन 30.08.1997 को हुआ था और 11.9.1997 से प्रत्येक शुक्रवार को आधे घंटे के साप्ताहिक प्रसारण के साथ इसने कार्यक्रम शुरु किया गया। बाद में प्रसारण की बारंबारता सप्ताह में 3 बार (मंगलवार, बुधवार और गुरुवार) कर दी गई और बाद में सप्ताह में 5 दिन (सोमवार से शुक्रवार) तक सायं 5.05 बजे 55 मिनट की अवधि के लिए किया गया। उसमें दूरदर्शन केंद्र, लखनऊ और डीडी नेशनल के 17.05 से 17.30 बजे तक प्रसारित कार्यक्रम समाहित है ।

2011–12 की उपलब्धियां

- नव वर्ष पर आमंत्रित दर्शकों के समक्ष 'कवि सम्मेलन एवं मुशायरा' का राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- मऊ जिले के विभिन्न सरकारी संगठनों और स्कूलों में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोहों पर टीवी रिपोर्ट और देश भक्ति गीत प्रसारित किए गए।
- महात्मा गाँधी और पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्म दिवस के अवसर पर विशेष संगोष्ठी आयोजित की गई।
- राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के उपलक्ष्य में 11 नवंबर 2011 को संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें मौलाना अबुल कलाम आजाद के कार्यों पर प्रकाश डाला गया।

दूरदर्शन का वर्तमान नेटवर्क और सेवाएं

इस समय दूरदर्शन के 35 उपग्रह चैनल हैं। जिनके ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:

निःशुल्क डीटीएच "डीडी डायरेक्ट"

अखिल भारत चैनल (7)	डीडी नेशनल	डीडी राज्य सभा	डीडी उर्दू	डीडी भारती
	डीडी स्पोर्टस	डीडी ज्ञान दर्शन	डीडी न्यूज	
प्रादेशिक चैनल (11)	डीडी पौढ़ीगई	डीडी उत्तर पूर्व	डीडी उडीया	डीडी बांग्ला
	डीडी केरालम	डीडी चांदना	डीडी गिरनार	डीडी पंजाबी
	डीडी सप्तगिरी	डीडी सह्याद्रि	डीडी कशीर	
राज्य नेटवर्क (15)	उत्तराखंड	अरूणाचल प्रदेश	बिहार	मिजोरम
	झारखंड	हिमाचल प्रदेश	त्रिपुरा	राजस्थान
	मेघालय	मध्य प्रदेश	मणिपुर	नागालैंड
	छत्तीसगढ़	उत्तर प्रदेश	हरियाणा	
अंर्तराष्ट्रीय चैनल (1)	डीडी इंडिया			
डीडी–एचडी	डीडी–एचडी टीवी			

दूरदर्शन ने 33 टीवी चैनलों के बुके के साथ अपनी निःशुल्क डीटीएच सेवा "डीडी डायरेक्ट" दिसंबर 2004 में शुरु की थी। बाद में डीटीएच प्लेटफार्म की क्षमता बढ़ा कर 59 चैनल कर दी गई। एक छोटे आकार की डिश रिसीव यूनिट की सहायता से डीटीएच सिग्नल देश में कहीं भी (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह को छोड़कर) प्राप्त किए जा सकते हैं। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के लिए 10 चैनलों के बुके के साथ सी बैंड में डीटीएच सेवा सितंबर 2009 में आरंभ की गई थी। सरकार द्वारा 11वीं योजना के अंग के रूप में 75.43 करोड़ रुपए की लागत पर दूरदर्शन के डीटीएच प्लेटफार्म की क्षमता बढ़ाकर 97 चैनल करने की परियोजना अनुमोदित की गई है। सभी चैनल निःशुल्क होंगे और दर्शकों को कोई अंशदान नहीं देना होगा।

दूरदर्शन के डीटीएच प्लेटफार्म "डीडी डायरेक्ट" पर उपलब्ध टीवी चैनल

दूरदर्शन चैनल	अन्य टीवी चैनल	अन्य टीवी चैनल
1. डीडी नेशनल	20. लोक सभा	40. शक्ति टीवी
2. डीडी न्यूज	21. रशिया टूडे	41. जय हिंद टीवी
3. डीडी स्पोर्टस	22. यास टीवी	42. महुआ
4. डीडी इंडिया	23. शारदा	43. कलैगनार टीवी
5. डीडी भारती	24. अमृता टीवी	44. डीडब्ल्यू टीवी
6. डीडी बांग्ला	25. आईबीएन लोकमत	45. स्टार उत्सव
7. डीडी चांदना	26. 9एक्स	46. स्माइल टीवी
8. डीडी गिरनार	27. स्टार जलसा	47. बी4यू
9. डीडी कशीर	28. 9एक्स एम	48. ज्ञानदर्शन–2
10. डीडी नार्थ ईस्ट	29. टाइम टीवी	49. मेगा टीवी
11. डीडी उड़िया	30. ज्ञानदर्शन–11	50. कैराली टीवी
12. डीडी पोढ़गै	31. पीटीसी न्यूज	51. एनएचके वर्ल्ड
13. डीडी पंजाबी	32. आस्था	52. न्यूज लाइव
14 डीडी सह्याद्रि	33. ईटीसी म्यूजिक	53. एबीएन आंध्र ज्योति
15. डीडी सप्तगिरि	34. प्राज्ञ टीवी	54. इंडिया न्यूज
16. डीडी मलयालम	35. जी स्माइल	55. न्यूज 24
17. डीडी राज्य सभा	36 जी जागरण	56. एंटर 10
18. डीडी उर्दू	37. एमएच वन	57. आजाद न्यूज
19. ज्ञानदर्शन–1	38. पी–7 न्यूज	58. एसवी भक्ति
	39. टोटल टीवी	59. एचडीटीवी

वर्ष 2011–12 के दौरान विकासात्मक गतिविधियाँ

स्टुडियो परियोजना

- डीडीके, लेह में 12.09.2011 को पूर्णतया डिजीटल स्थायी स्टूडियों सेटअप द्वारा कार्यचालन प्रारंभ।
- तिरूपति में बने स्टूडियों केंद्र का संस्थापना कार्य समाप्त होने को है।
- 31 आंशिक डिजीटल स्टूडियों के डिजीटलीकरण संबंधी परियोजना कार्यान्वयन अधीन है।

राज्य नेटवर्क

लेह राज्य में स्थित 18 अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों से क्षेत्रीय प्रसारण की शुरुआत 13.09.2011 को हुई। ऑटोमोड अ.श.ट्रांसमीटर (पुराने अ.श.ट्रांसमीटर के प्रतिस्थापन में)

निम्नलिखित पाँच ऑटोमोड अ.श.ट्रांसमीटर (500 वाट 11 के विन्यास में) का कार्यचालन प्रारंभ किया गया।

नारनौल (हरियाणा)	पिलीभीत (उत्तर प्रदेश)
खरगौन (मध्य प्रदेश)	जगदीशपुर (उत्तर प्रदेश)
चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)	

उपर्युक्त 5 के अलावा निम्नलिखित छः स्थानों पर भी संस्थापन कार्य पूर्ण कर लिया गया है:

पन्ना (मध्य प्रदेश)	भिंड (मध्य प्रदेश)
कुण्णूर (तमिलनाडु)	सोरानूर (केरल)
आजमगढ़ (डीडी न्यूज) (उत्तर प्रदेश)	चंदेरी (मध्य प्रदेश)

उ.श.ट्रांसमीटर

- कुंभकोणम में 150 मी. की पूरी उँचाई के टावर का निर्माण किया गया।
- अमृतसर में पूरी उँचाई के टावर का निर्माण किया गया।

भूकेंद्र का उन्नयन

10 भूकेंद्रों का (1+1) विन्यास से (2+1) विन्यास में उन्नयन हेतु परियोजनाएं गंगटोक, इम्फाल, कोहिमा, ईटानगर, अगरतला, लेह, चंडीगढ़, पोर्ट ब्लेयर, हिसार एवं पणजी में कार्यान्वयन के अधीन हैं। उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में 5 भूकेंद्रों के एसआईटीसी हेतु आदेश दे दिए गए हैं। इन भू–केंद्रों का कार्यचालन फरवरी, 2012 से प्रारंभ हो जाने की अपेक्षा है। अन्य 5 भूकेंद्रों का उन्नयन वर्ष 2012 तक कर दिया जाएगा। इन भूकेंद्रों के उन्नयन से कार्यक्रम योगदान एवं वितरण साथ ही साथ संभव हो जाएगा।

नये भूकेंद्र

विजयवाड़ा, इंदौर, ग्वालियर, राजकोट एवं गोरखपुर में 5 भूकेंद्रों का स्थापना संबंधी कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और अभी यह कार्यान्वयन के विभिन्न अवस्था में है।

नई पहलें

डिजीटलीकरण

दूरदर्शन की रु. 620 करोड़ की परिव्यय वाली डिजीटलीकरण योजना को अप्रैल 10 में अनुमोदित किया गया था। इस योजना के अंतर्गत मुख्य परियोजनाएं निम्नलिखित हैं :–

- 39 स्टूडियो केन्द्र का पूर्णतया डिजीटलीकरण

  (31 आंशिक डिजीटल एवं 8 एनालॉग स्टूडियो केंद्र)

- 40 स्थानों पर डिजीटल एचपीटी की स्थापना

अनुलग्नक IV में स्टूडियो (39) के स्थान संबंधी विवरण दिए गए है जिन्हें पूर्ण रूप से डिजीटल किया गया है। प्रस्तावित डिजीटलीकृत किए जाने वाले उ.श.प्रे. (40) के स्थान संबंधी विवरण अनुलग्नक–V में दिए गए हैं। उपर्युक्त परियोजनाओं को कार्यान्वित किए जाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। वर्ष 2012 तक स्टूडियो केंद्रों को पूर्णतया डिजीटल कर दिया जाना अपेक्षित है। डिजीटल उ.श.प्रे. को चरणबद्ध रूप से वर्ष 2013–14 में संस्थापित किए जाने की अपेक्षा है।

एचडीटीवी:

एचडीटीवी का अर्थ पारंपरिक टेलीविजन प्रणाली (स्टैंडर्ड डेफिनीशन टीवी) 5 गुणा अधिक भेदन की वीडियो प्राप्ति है। एचडीटीवी को मुख्य विशेषताएं पूर्णतया परिष्कृत एवं शोर रहित छवि, वास्तविक रंग संयोजन, पूरे विस्तार की छवि एवं अन्य दृश्यात्मक वास्तविकता है।

11वीं योजना के एक हिस्से के रूप में निम्नलिखित एचडीटीवी परियोजना कार्यान्वयन के अधीन है:

(i) दिल्ली एवं मुंबई में एचडीटीवी स्टूडियो

(ii) दिल्ली, कोलकाता, मुंबई एवं चेन्नै में एचडीटीवी फील्ड निर्माण, निमार्णोत्तर एवं पूर्वावलोकन सुविधएं

(iii) दिल्ली, कोलकाता, मुंबई एवं चेन्नै में एचडीटीवी ट्रांसमीटर

(iv) दिल्ली एवं मुंबई में बाहरी निर्माण एवं प्रस्तुति हेतु बहु कैमरा ओबी वैन (2)

उपर्युक्त परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं एवं इन्हें चरणबद्ध रूप से वर्ष 2013 तक पूरा कर लिया जाना है।

स्टूडियो एवं ट्रांसमीटर उपस्करों का आधुनिकीकरण:

ट्रांसमीटर एवं स्टूडियो उपस्करों का आधुनिकीकरण, प्रतिस्थापन एवं आवर्धन योजना रु. 299 करोड़ के परिव्यय वाली इस योजना को फरवरी, 2011 में अनुमोदित किया गया। इस योजना के अंतर्गत अन्य मुख्य परियोजनाएं इस प्रकार से हैं :–

(i) 15 स्थानों में वर्तमान में उपलब्ध पुराने उच्च शक्ति प्रेषितों का प्रतिस्थापन।

(ii) ऑटोमोड (1+1) 500 वॉट के अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों से वर्तमान 60 अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों को प्रतिस्थापित किया जाना

(iii) पुराने उपस्करों जैसे–कैमरा, चेन, प्रोडक्शन स्वीचर, लोगो जेनरेटरों, कलर मानीटरों इत्यादि को प्रतिस्थापित कर 20 स्टूडियो केंद्रों का आधुनिकीकरण।

परिशिष्ट–I

दूरदर्शन की प्रगति

तिथि	स्टुडियो केंद्र	प्रेषित				
		उ.श.ट्रां.	अ.श.ट्रां.	अ.अ.श.ट्रां.	टी/पी	कुल
31.03.1959	–	–	–	–	–	–
31.03.1960	1	1	–	–	–	1
31.03.1970	1	1	–	–	–	1
31.03.1980	10	18	–	–	–	18
31.03.1990	19	59	374	72	18	523
31.03.2000	49	97	719	255	19	1090
31.03.2002	58	146	823	319	20	1308
31.03.2007	64	204	826	351	18	1399
31.03.2011	66	214	812	371	18	1415

अनुलग्नक– II

दूरदर्शन/केंद्र (स्टुडियो केंद्र)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	पूर्णतः डिजिटल स्टुडियो केंद्र	आंशिक डिजटलीकृत स्टुडियो केंद्र	एनालॉग स्टुडियो केंद्र
आंध्र प्रदेश	हैरादाबाद	विजयवाड़ा	वारंगल*
अरुणाचल प्रदेश	–	ईटानगर	–
असम	गुवाहाटी		
		डिब्रुगढ़	
		गुवाहाटी (पीपीसी)	
		सिलचर	–
बिहार	पटना	मुजफ्फरपुर	–
छत्तीसगढ़	–	रायपुर	जगदलपुर
गोवा	–	पणजी	–
गुजरात	अहमदाबाद	राजकोट	–
हरियाणा	हिसार	–	–
हिमाचल प्रदेश	–	शिमला	–
जम्मू एंड कश्मीर	श्रीनगर	जम्मू	
	लेह		
	राजौरी	–	
झारखंड	–	रांची	–
		डाल्टनगंज	–
कर्नाटक	बंगलौर	गुलबर्गा	
केरल	त्रिवेंद्रम	–	त्रिचुर
			कालीकट*
मध्य प्रदेश	भोपाल	इंदौर	ग्वालियर
महाराष्ट्र	मुंबई	पुणे	नागपुर
मणिपुर	–	इंफाल	–
मेघालय	–	शिलांग	
		तुरा	–
मिजोरम	–	आइजोल	–
नागालैंड	–	कोहिमा	–
उडीसा	भुवनेश्वर	संबलपुर	भवानीपटना
पंजाब	जालंधर	–	पटियाला*

दूरदर्शन/केंद्र (स्टुडियो केंद्र)			
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	पूर्णतः डिजिटल स्टुडियो केंद्र	आंशिक डिजटलीकृत स्टुडियो केंद्र	एनालॉग स्टुडियो केंद्र
राजस्थान	जयपुर	–	–
सिक्किम	–	गंगटोक	–
तमिलनाडु	चेन्नै	–	कोयंबटूर
	मदुरै		
त्रिपुरा	–	अगरतला	–
उत्तर प्रदेश	लखनऊ	इलाहाबाद	वाराणसी
		बरेली	मथुरा
	गोरखपुर	मऊ	
उत्तराखंड	–	–	देहरादून
पश्चिम बंगाल	कोलकाता	जलपाईगुडी	शांतिनिकेतन
अंडमान एंव निकोबार	–	पोर्ट ब्लेयर	–
चंडीगढ़	–	चंडीगढ़	–
दिल्ली	दिल्ली	–	–
	दिल्ली (सीपीसी)		
पांडिचेरी	–	पांडिचेरी	–
कुल	**22**	**11**	**13**

टिप्पणी:

1. निम्नलिखित स्टुडियो केंद्रों को पूर्णतया डिजीटल स्टुडियो केंद्रों में परिवर्तित किया जा रहा है।

   (क) 11वीं योजना के एक हिस्से के रूप में सभी 31 आंशिक डिजीटल स्टुडियो केंद्र।

   (ख) 8 एनालॉग स्टुडियो केंद्र जो जगदलपुर, त्रिचुर, ग्वालियर, नागपुर, भवानीपटना, कोयम्बटूर, वाराणसी, मथुरा में स्थित हैं।

2. देहरादून में स्थायी स्टुडियो केंद्र का निर्माण पूर्णतया डिजीटल रूप में किया जा रहा है।

* 12वीं योजना में डिजीटलीकृत किए जाने वाले स्टुडियो केंद्र।

अनुलग्नक–III

क्रम सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	प्राइमरी चैनल (डीडी 1) ट्रांसमीटर					न्यूज चैनल (डीडी न्यूज) ट्रांसमीटरों की संख्या				डीडी–1 ट्रांसमीटर प्रसारण की संपूर्ण अवधि के दौरान क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रसारित कर रहे			
		उ.श.ट्रां.	अ.श.ट्रां.	अ. अ.श.ट्रां.	ट्रांस.	कुल	उ.श.ट्रां.	अ.श.ट्रां.	अ. अ.श.ट्रां.	कुल	उ.श.ट्रां.	अ.श.ट्रां.	अ. अ.श.ट्रां.	कुल
1	आंध्र प्रदेश	9	75		1	85	4	6		10			10	10
2	अरुणाचल प्रदेश	1	3	39	1	44	1			1				0
3	असम	4	20	1	1	26	2	1		3				0
4	बिहार	4	32	2		38	2	2		4				0
5	छत्तीसगढ़	4	15	8		27	1			1				0
6	गोवा	1				1	1			1				0
7	गुजरात	7	51			58	4	3		7			3	3
8	हरियाणा	2	13			15	1	7		8				0
9	हिमाचल प्रदेश	3	7	39	2	51	2	1		3				0
10	जम्मू और कश्मीर	10	7	69	1	87	5	3		8	4	8	18	30
11	झारखंड	3	17	2		22	2	2	1	5				0
12	कर्नाटक	8	47			55	4	2		6			7	7
13	केरल	4	20			24	3	2		5			4	4
14	मध्य प्रदेश	8	60	6		74	4			4				0
16	महाराष्ट्र	8	78			86	5	10		15			20	20
17	मणिपुर	2	1	4		7	1			1				0
15	मेघालय	2	3	2	1	8	2			2				0
18	मिजोरम	2	1	2	1	6	1	1		2				0
19	नागालैंड	2	2	6	2	12	1	1		2				0
20	उड़ीसा	5	62		1	68	2	7	2	11			16	16
21	पंजाब	4	4		1	9	3	1		4				0
22	राजस्थान	7	65	17	2	91	4	4		8				0
23	सिक्किम	1		6		7	1			1				0
24	तमिलनाडु	6	44		1	51	2	9		11	1		7	8
25	त्रिपुरा	1	5	1	1	8	1	1		2				0
26	उत्तर प्रदेश	11	52	3		66	7	10	1	18				0
27	उत्तराखंड	1	15	33	2	51	1	2		3				0
28	पश्चिम बंगाल	8	19			27	4	2		6	1		1	2
29	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	1	1	18		20	1	1	6	8				0
30	चंडीगढ़		1			1				0				0
31	दादरा और नगर हवेली		1			1				0				0
32	दमन और दीव		2			2				0				0
33	दिल्ली	1				1	1			1				0
34	लक्षद्वीप समूह		1	1		2			7	7			7	7
35	पुदुच्चेरी	1	1	1		3		1		1			1	1
	कुल	**131**	**725**	**260**	**18**	**1134**		**79**	**17**	**169**	**6**	**8**	**94**	**108**

टिप्पणी: उपर्युक्त ट्रांसमीटरों के अतिरिक्त चार महानगरों में चार डिजीटल ट्रांसमीटर (उच्च शक्ति ट्रांसमीटर) कार्य कर रहे हैं। ट्रांसमीटरों की कुल संख्या – 1415

अनुलग्नक–IV

11वीं योजना के अंग के रूप में पूर्णतः डिजीटलीकृत बनाए जाने वाले स्टुडियो केंद्र

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	पूर्णतः डिजीटलीकृत बनाए जाने वाले स्टुडियो केंद्र
आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
अरुणाचल प्रदेश	ईटानगर
असम	डिब्रुगढ़
	गुवाहाटी (पीपीसी)
	सिलचर
बिहार	मुजफ्फरपुर
छत्तीसगढ़	रायपुर
	जगदलपुर
गोवा	पणजी
गुजरात	राजकोट
हिमाचल प्रदेश	शिमला
जम्मू एंड कश्मीर	जम्मू
झारखंड	रांची
	डाल्टनगंज
कर्नाटक	गुलबर्गा
केरल	त्रिचूर
मध्य प्रदेश	इंदौर
	ग्वालियर
महाराष्ट्र	नागपुर
	पुणे
मणिपुर	इंफाल
मेघालय	शिलांग
	तुरा
मिजोरम	आइजोल
नागालैंड	कोहिमा
ओडिसा	संबलपुर
	भवानीपटना
सिक्किम	गंगटोक
त्रिपुरा	अगरतला
उत्तर प्रदेश	मऊ
	वाराणसी
	इलाहाबाद
	बरेली
	मथुरा
पश्चिम बंगाल	जलपाईगुडी
	शांतिनिकेतन
अंडमान एंव निकोबार द्वीपसमूह	पोर्ट ब्लेयर
चंडीगढ़	चंडीगढ़
पुदुच्चेरी	पुदुच्चेरी

अनुलग्नक–V

डिजीटल ट्रांसमीटरों का स्थान

राज्यध्संघ राज्य क्षेत्र	डिजीटल ट्रांसमीटरों का स्थान
आंध्र प्रदेश	हैरादाबाद
	विजयवाड़ा
असम	गुवाहाटी
बिहार	पटना
छत्तीसगढ़	रायपुर
दिल्ली	दिल्ली
गुजरात	राजकोट
	सूरत
	वडोदरा
	अहमदाबाद
हिमाचल प्रदेश	कसौली
जम्मू एंड कश्मीर	श्रीनगर
झारखंड	रांची
कर्नाटक	बंगलौर
	मैसूर
केरल	तिरुवनंतपुरम
	कोचीन
मध्य प्रदेश	इंदौर
	ग्वालियर
	भोपाल
महाराष्ट्र	नागपुर
	पुणे
	मुंबई
	औरंगाबाद
उडीसा	कटक
पंजाब	जांलधर
	अमृतसर
राजस्थान	जयपुर
	कोडैकनाल
उत्तर प्रदेश	कानपुर
	वाराणसी
	इलाहाबाद
	बरेली
	लखनऊ
	आगरा
उत्तराखंड	मसूरी
पश्चिम बंगाल	कोलकाता
	कर्सियांग
	कृष्णानगर

प्रसार भारती – वित्त और लेखे

लेखांकन प्रणाली और लेखे

1 अप्रैल 2000 से प्रसार भारती ने सरकारी बजट प्रणाली के स्थान पर नई लेखांकन प्रणाली अपनाई है। इसके अंतर्गत प्रसार भारती को केंद्र सरकार से राजस्व व्यय (योजना और गैर–योजना) के एक भाग को पूरा करने के लिए सहायता अनुदान और पूंजीगत व्यय (योजना) के एक भाग को पूरा करने के लिए ऋण के रूप मे वित्तीय सहायता मिलती है प्रसार भारती द्वारा अर्जित किया गया राजस्व, जिसे सरकारी बजट प्रणाली के अंतर्गत पहले भारत सरकार की संचित निधि में जमा करना पड़ता था जो अब प्रसार भारती के पास ही रहता है। योजना और गैर–योजना दोनों मदों में प्रसार भारती के व्यय का एक भाग है प्रसार भारती द्वारा अर्जित आईईबीआर (बजट के आंतरिक और अतिरिक्त संसाधन) से पूरा किया जाता है।

22 मई 2000 को प्रसार भारती और सूचना और प्रसारण मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके अनुसार प्रसार भारती को मासिक व्यय और आय का लेखा सरकार को प्रस्तुत करना होता है। वार्षिक लेखा विवरणी भी तैयार करके उसकी लेखा परीक्षा भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक से करवानी पड़ती है। लेखा परीक्षा रिपोर्ट सहित नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा की गई लेखा परीक्षा प्रसार भारती का लेखा हर वर्ष केंद्र सरकार को भेजना होता है। इसके पश्चात उसे संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखा जाता है।

मार्च 2012 के अंत तक प्रसार भारती ने 2008–09 तक का लेखा संसद में रख दिया था। इसके साथ ही प्रसार भारती के लेखे अद्यतन हो जाएंगे। प्रसार भारती का वर्ष 2010–11 का लेखा परीक्षा संलग्नक–।।। में दिया गया है।

प्रोफार्मा एकाउंट

प्रसार भारती के निगम बनने से पहले दूरदर्शन और आकाशवाणी अपनी वाणिज्यिक गतिविधियों से संबंधित संचालन को दर्शाने के लिए प्रोफार्मा एकाउंट बनाते थे। ये एकाउंट पिछले कई सालों के बकाया थे। इन एकाउंटों को पूरा करने के लिए विशेष जोर दिया गया और आकाशवाणी और दूरदर्शन ने अब 31 मार्च 2000 तक के अपने एकाउंट पूरे कर दिए हैं। आंकड़ों में कुछ विसंगतियां हैं जिन्हें दूर किया जा रहा है।

निगम पर लगने वाले कर

निगम बन जाने के फलस्वरूप प्रसार भारती पर संपत्ति कर विद्युत उपभोग की बढ़ी हुई दरें, बिजली कर, सड़क कर, प्रवेश कर, चुंगी जैसे राज्य सरकारों और नगर निगमों के विभिन्न कर लगने लगे हैं। इन अतिरिक्त देनदारियों के कारण प्रसार भारती को लोक प्रसारक (पब्लिक ब्रॉडकास्टर) के रूप में अपनी भूमिका अदा करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

प्रसार भारती अधिनियम की धारा 22 के अधीन प्रसार भारती को हुए लाभ पर आयकर या किसी अन्य कर से छूट थी किंतु वित्तीय बिल 2002 से इस छूट को समाप्त कर दिया गया जिसके कारण प्रसार भारती पर आयकर और सेवाकर लगने लगे।

आय कर

प्रसार भारती ने स्वयं को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12 ए (1) (बी) के साथ पठित धारा 12ए के

अधीन समान्य जनोपयोगी उद्देश्यों की उन्नति के मार्ग में लगे परोपकारी संगठन के रूप में रजिस्टर करा लिया है। वर्ष के दौरान वित्तीय वर्ष 2009–10 के लिए प्रसार भारती की आय कर कार्यवाही आयोजित की गई। हालांकि वित्तीय वर्ष 2009–10 के लिए आयकर पर स्त्रोत के रिफंड प्राप्त हो चुके हैं, तथापि 'परोपकारी संगठन' के रूप में धारा 12 (क) के अंतर्गत प्रसार भारती का पंजीकरण आय कर अधिनियम की धारा 2 (15) में संशोधन के कारण दिनांक 13.02.2012 के आदेश सं.डी.आई.टी.(ई)12ए. ए(3)/2011–12/1275 के तहत वापस ले लिया गया। वार्षिक वर्ष 2010–11 (वित्त वर्ष. 2009–10) के लिए आय कर रिटर्न को मार्च 2012 में फाइल किया गया।

सेवा कर

वर्ष 2003–04 से 2007–08 तक के लिए डिमांड–कम शो कॉस नोटिस के अंतर्गत एक सुनवाई सेवा कर आयुक्त के चेंबर में नवंबर 2010 में आयोजित की गई जिन्होंने संबंधित वर्षों के लिए सेनवेट क्रेडिट के दावे के लिए सी.बी.ई.सी. को प्रतिवेदन कर का सुझाव दिया। हालांकि मामला प्रक्रियाधीन था, सीएसटी ने मई 2011 में आजतक सेवा कर विभाग को देय दंडों और प्रोद्भूत ब्याज सहित शॉर्टपेड सेवा कर के भुगतान के आदेश दिए। इसके अनुपालन में दिनांक 8.6.2011 को 160.28 करोड़ की राशि जमा की गई। पहले मई 2009 में जमा की गई रू. 10 करोड़ की राशि के अतिरिक्त, तथापि अगस्त 2011 में सेस्टाट के पास एक अपील दायर की गई, सेवा कर विभाग को अधि–भुगतान राशि के लिए। निम्न विवरण के अनुसार जुलाई, अगस्त और सितंबर 2011 के दौरान अनुवर्ती तीन वर्षों शॉर्ट सेवा कर भी जमा कराया गया:–

2008–09	रु. 8,19,59,321/–
2009–10	रु. 3,79,08,320/–
2010–11	रु. 6,85,02,221/–

मैसर्स एस. के. मित्तल एंड कंपनी का अनुबंध प्रसार भारती के अधीन लगभग 600 डी.डी.ओ. से प्राप्त डॉटा समेकित करने और अर्ध वार्षिक रिटर्न फाइल करने के लिए एक साल की आगामी अवधि के लिए बढ़ाया गया ताकि सेवा कर अधिनियम के अंतर्गत दृष्टिगत वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा करने में किसी प्रकार की चूक न हो।

राष्ट्रमंडल खेल पर कार्य अनुबंध कर

राष्ट्रमंडल खेल अनुबंधों में स्त्रोत दर आय कर को न काटने के संबंध में व्यापार और कर विभाग से 59(2) की धारा के अंतर्गत दिनांक 29.12.2011 का नोटिस प्राप्त हुआ। सुनवाई का आयोजन वेट, आंतरिक लेखा परीक्षा के कार्यालय में किया जाएगा। सरकारी बजटीय प्रणाली के अंतर्गत आंतरिक लेखा परीक्षा के कार्यकलापों का निर्वहन मुख्य लेखा नियंत्रक, सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा इस प्रयोजन के लिए चुने हुए पी.ए.ओ. (वेतन एवं लेखा कार्यालय) द्वारा किया जा रहा है। प्रसार भारती अपनी स्वयं की आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली के विकास की प्रक्रिया में है। अपनी स्वयं की आंतरिक लेखा परीक्षा के लंबित निपटान के लिए जो कि तभी संभव हो सकता है जब लेखा कार्मिकों के पदों को स्थानांतरित किया जाए, प्रसार भारती के निगमीकरण से पूर्व अपनाए जा रहे वही आंतरिक लेखा परीक्षा की प्रणाली को विद्यमान स्टॉफ से काम चलाने के लिए व्यवस्था के प्रावधान किए गए। मैसर्स एन. सी. मित्तल एंड कंपनी नामतः सी.ए. फर्म को बाह्य तौर पर वर्ष 2005–06 से 2009–10 तक पिछले 5 वर्षों के उनके लेखों के संबंध में दिल्ली में स्थित 49 स्थानीय डी.डी.ओ. का विशेष लेखा कराया गया। फर्म द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट अनुपालन हेतु महानिदेशालयों को अग्रेषित कर दी गई।

वार्षिक योजना 2011–12 आकाशवाणी

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आ. उटपुट	उपलब्धियां (दिनांक 31.03.2012 तक)	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
क	**जारी योजनाएं**					
1	जम्मू और कश्मीर विशेष पैकेज (फेस I और II)	2.50	2.72			
	पूंजीगत	0.50	0.69	**(i) जम्मू और कश्मीर पैकेज फेस–I** पूरी हो गई। **(ii) जम्मू और कश्मीर पैकेज फेस–II** योजना में शामिल। डीजी सैट और यूपीएस खरीदे गए। लधु कार्य जो लंबित है उसे 2011–12 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।	पूर्ण	
	राजस्व	2.00	2.03	जम्मू और कश्मीर फेस–I के अंतर्गत परियोजना में डीजल की खरीद और बिजली आपूर्ति पर व्यय कमीशंड	पूर्ण	
2	मीडियम वेव सेवाओं का विस्तार	0.40	0.03	पूर्ण		
3	एफ एम सेवाओं का विस्तार	20.52	31.89	10 कि.वा. एफ एम प्रेषित्र की 41 सं. की प्रतिस्थापना पूर्ण।	तिमाही–I साइट पर ट्रांसमीटर प्राप्त, तिमाही–II, प्रतिस्थापना की शुरूआत, तिमाही–III प्रतिस्थापना पूर्ण, तिमाही–4 टेस्टिंग और मेजरमैंट	सूर्यपेट में प्रेषित्र प्रतिस्थापना पूर्ण नहीं हो पाई क्योंकि नए भवन के निर्माण को बदला जाना है। नए केंद्रों और अतिरिक्त चैनलों को कमीशन करने के लिए। आर.सी.ई. प्रस्ताव मंत्रालय के पास है। ओ एंड एम स्टॉफ की स्वीकृति की आवश्यकता होगी।
				20 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर (4 सं.) की खरीद	पुनर्निविदा खोलने की तारीख– 10.01.2012	
				3. (20 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर) अमृतसर में सिविल कार्य पूर्ण।	कार्य पूर्ण	

वार्षिक योजना 2011–12 आकाशवाणी

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां (दिनांक 31.03.2012 तक)	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
				हल्दवानी, राय बरेली और चंपावत में साइटों का अर्जन।	**हल्दवानी** – अर्जन नहीं किया गया, हल्दवानी के लिए लैंड प्रीमीयम प्राप्त करने के लिए डिमांड नोट और भुगतान के लिए स्वीकृति जारी। **चंपावत**– अर्जन नहीं किया गया, वृक्षरोपण और एनपीवी के लिए भुगतान किया गया। **रायबरेली**– अर्जन नहीं किया गया।	**हल्दवानी** – तथापि भुगतान नहीं किया गया क्योंकि राज्य सरकार ने लैंड प्रीमियम 1 प्रतिशत से 10 प्रतिशत कर दिया जो कि काफी अधिक है। मामले का निपटान राज्य सरकार के साथ किया। **चंपावत** – लैंड प्रीमियम के लिए डिमांड नोट की प्रतीक्षा –राज्य सरकार द्वारा साइट को अभी भी क्लियर किया जाना है।
				वर्धमान, धनबाद और दार्जिलिंग में सिविल कार्य पूर्ण।	**वर्धमान और धनबाद :** एए एंडई एस जारी (3.6.11 और 21.6.11 क्रमश) कार्य प्रगति पर है। **दार्जिलिंग :** 10.01.2012 को पुनर्निविदित ट्रांसमीटर की खरीद पूर्ण।	
				बागेश्वर – 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर करीमनगर – 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर उज्जैन – 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर की प्रतिस्थापना पूर्ण	करीमनगर –पूर्ण **उज्जैन** – ट्रांसमीटर की प्रतिस्थापना पूर्ण। **बागेश्वर** – पूर्ण	
				स्रीकाकुलम –1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर नई टिहरी – 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर की और गैरसेन – 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर की प्रतिस्थापना पूर्ण।	**स्रीकाकुलम** –पूर्ण **गैरसेन** – सिविल कार्य पूर्ण। ट्रांसमीटर की प्रतिस्थापना को शिफ्ट किया जा रहा है। **नई टिहरी** – सिविल कार्य प्रगति पर है।	

वार्षिक योजना 2011–12 आकाशवाणी

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां (दिनांक 31.03.2012 तक)	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
				कूचबिहार और बलूरघाट में 10 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर की प्रतिस्थापना पूर्ण और वर्धमान, धनबाद और दार्जिलिंग में प्रतिस्थापना प्रगति पर।	पुर्ननिविदा – निविदा खोलने की दिनांक 10.01.2012	कोई भी निविदा उपयुक्त नहीं पाई गई।
4	निर्माण सुविधाओं का डिजिटलीकरण	0.18	0.14	प्रसारण (16) और रिकार्डिंग (17) कंसोल की प्रतिस्थापनाएं पूर्ण।	कंसोल प्राप्त और स्थापित।	
5	स्टूडियो सुविधाओं और अन्य योजनाओं का स्वचलीकरण	5.00	10.18	राजकोट में 1000 कि.वा. की प्रतिस्थापना पूर्ण।	पूर्ण	
				48 केंद्रों में हाई एंड सर्वर की प्रतिस्थापना पूर्ण	उपस्कर के लिए आदेश दिए जाने हैं।	प्रसार भारती बोर्ड से खरीद प्रस्ताव अनुमोदनाधीन है।
				सिल्चर और देहरादून में कैप्टिव अर्थ स्टेशन की प्रतिस्थापना पूर्ण	उपस्कर के लिए आदेश दिए जाने है।	खरीद प्रस्ताव अनुमोदनाधीन है।
6	नार्थ ईस्ट विशेष पैकेज	45.00	40.79	अनिनी (अरूणाचल प्रदेश) तामेग्लोंग और उखरूल (मणीपुर) में 1 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर के 19 सं. के लिए 3 लंबित साइट ग्रहण।	राज्य सरकार द्वारा उपयुक्त साइट आबंटित की जानी है।	राज्य सरकारों के साथ मामला विचाराधीन है। विभिन्न राज्यों के प्रमुख सचिवों को मुख्य कार्यकारी द्वारा अर्धशासी पत्र भेजे गए हैं।

वार्षिक योजना 2011–12 आकाशवाणी

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां (दिनांक 31.03.2012 तक)	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
	पूंजीगत	45.00	40.79	16 साइट जिनपर निर्णय ले लिया गया है। सिविल कार्य पूर्ण।	लुमडिंग, गोलपारा, तुईपंग, उदयपुर, नूतन बाजार, चम्फई, दापोरिजो और कोलासिब में सिविल कार्य पूर्ण। करीमगंज के लिए स्थायी सुरक्षा बाड़ और भवन के लिए सिविल कार्य की स्वीकृति के लिए ली गई। **जनेबोतो–** स्थान अर्जन किया गया।	बोमडिला, खोनसा, चांगलांग, करीमगंज, चेरापूंजी, वोखा, फेक में सिविल कार्य पूर्ण। बोमडिला और करीमगंज में सिविल कार्य सौंपा गया – सर्वे का कार्य प्रगति पर है।
	राजस्व	0.00	0.00	6 स्थानों पर कार्य– 1 कि.वा. एफ एम प्रेषित्र की स्थापना पूर्ण।	पूर्ण	
				2. सिल्चर – 5 कि.वा. एफएम प्रेषित्र : स्थापना पूर्ण।	पूर्ण	
				3. गंगटोक – 10 कि.वा. एफएम प्रेषित्र – स्थापना पूर्ण।	पूर्ण	
				4. चिनसुरा – 1000 कि.वा. मी.वे. प्रेषित्र – स्थापना पूर्ण।	साइट पर ट्रांसमीटर प्राप्त और स्थापनाधीन है।	
				5. कावरती – 10 कि.वा. मी.वे. प्रेषित्र – स्थापना पूर्ण।	साइट पर ट्रांसमीटर प्राप्त और स्थापनाधीन है।	
				6 डीएसएनजी सिस्टम (3 सं.) उपस्कर की खरीद और लगाना।	उपस्कर के लिए आदेश दे दिए गए है।	उपस्कर की प्राप्ति लागू आवृति क्लीयरेंस की शर्तों पर होगा।

वार्षिक योजना 2011–12 आकाशवाणी

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां (दिनांक 31.03.2012 तक)	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
7	स्टॉफ आवास (मैट्रो एस/क्यू)	1.00	2.00	**दिल्ली** –फेस ।। पूर्ण (203 क्वार्टर्स)पूर्ण	पूर्ण	
				मुंबई – 68 क्वाटरर्स पूर्ण	कार्य प्रगति पर है।	
				चैन्ने – 52 क्वार्टर्स के लिए कार्य आबंटित	योजना 12वीं प्लान को स्थानांतरित	योजनाओं की क्लीयरेंस हेतु मामला सीएमडीए पर विचाराधीन
				कोलकाता – 61 क्वाटरों के लिए कार्य आबंटित	योजना 12वीं प्लान को स्थानांतरित	कोलकाता उच्च न्यायलय में केएमडीए (कोलकाता मैट्रो विकास प्राधिकरण) द्वारा भूमि का स्वरूप वापस लेने पर याचिका दायर की गई है। कोर्ट ने स्टे लगा दिया है और मामला न्यायालयधीन है।
2	**नई योजनाएं**					
2.1	**प्रेषित्रों,स्टूडियों, कनेक्टिविटी और डीटीएच चौनल का डिजिटलीकरण**	133.77	68.46			
	एम डब्ल्यू डीआरएम प्रषित्र					
1	मौजूदा केंद्रों पर 31 पुराने मी.वे. प्रेषित्रों को नए डीआरएम मी. वे. प्रेषित्रों में बदलना					
	20 कि.वा.–5 संख्या (दिल्ली विविध भारती, बाड़मेर एवं बिकानेर (राज.), चैन्ने (तमिल नाडु) विविध भारती) गुवाहटी 'बी'			1. सिविल कार्य पूर्ण, उपस्कर की खरीद व संस्थापना।	1. सिविल कार्य पूर्ण, प्रेषित्र प्राप्त।	

वार्षिक योजना 2011–12 आकाशवाणी

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां (दिनांक 31.03.2012 तक)	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
	50 कि.वा.–1 (मुंबई 'सी' (महाराष्ट्र)			1. सिविल कार्य पूर्ण, उपस्कर की खरीद व संस्थापना।	सिविल आकलन प्रगति में।	प्रेषित्र खरीद आदेश दिया जाना है। उपस्कर के आदेश दिए जाने है।
	100 कि.वा.–10 संख्या (विजयवाडा (आंध्र प्रदेश), पटना (बिहार), पणजी (गोवा), रांची (बिहार), मुंबई 'ए' (महा), मुंबई 'बी' (महा.), पूणे (महा.), त्रिचुरापल्ली (त.ना.), वाराणसी (उ.प्र.), कोलकाता 'बी' (प.बं.)			1. सिविल कार्य पूर्ण, उपस्कर की खरीद व संस्थापना	सभी सिविल आकलन स्वीकृत, कार्य प्रगति पर।	प्रेषित्र के आदेश दिए जाने है। प्रसार भारती बोर्ड के अनुमोदनार्थ प्रक्रिया में है।
	200 कि.वा.–9 (दिल्ली 'ए', अहमदाबाद (गुजरात), बंगलूरू एवं धारवाड (कर्नाटक), जबलपुर (म.प्र.), अजमेर (राज), चेन्नै 'ए' (त. ना.), सिलीगुडी एवं कोलकाता 'ए' (प.बं.)			1. सिविल कार्य पूर्ण, उपस्कर की खरीद व संस्थापना	सभी सिविल आकलन स्वीकृत, कार्य प्रगति पर	प्रेषित्र के आदेश दिए जाने हैं। प्रसार भारती बोर्ड के अनुमोदनार्थ प्रक्रिया में है।
	300 कि.वा.–6 संख्या (डिब्रूगढ (असम), राजकोट (गुजरात), जम्मू (जेएंडके), जालंधर (पंजाब), सूरतगढ (राज), लखनऊ (उ.प्र)			1. सिविल कार्य पूर्ण, उपस्कर की खरीद व संस्थापना	सभी सिविल आकलन स्वीकृत, कार्य प्रगति पर	प्रेषित्र के आदेश दिए जाने हैं। प्रसार भारती बोर्ड के अनुमोदनार्थ प्रक्रिया में हैं।
2	अरूणाचल – चीन सीमा पर 3 एम डब्ल्यू डीआरएम प्रेषित्र अद्यतन कैप्टिव पॉवर प्लांट					
	पासीघाट –100 कि.वा. (10 कि.वा. की प्रतिस्थापना)			1. सिविल कार्य पूर्ण। 2.उपस्कर की खरीद। 3.उपस्कर की संस्थापना	सभी सिविल आकलन स्वीकृत, कार्य प्रगति पर	प्रेषित्र के आदेश दिए जाने है। प्रसार भारती बोर्ड के अनुमोदनार्थ प्रक्रिया में है।
	इटानगर 200 कि.वा.(100 कि. वा. की प्रतिस्थापना			1. सिविल कार्य पूर्ण, उपस्कर की खरीद व संस्थापना	सभी सिविल आकलन स्वीकृत, कार्य प्रगति पर	प्रेषित्र के आदेश दिए जाने है। प्रसार भारती बोर्ड के अनुमोदनार्थ प्रक्रिया में है।

वार्षिक योजना 2011–12 आकाशवाणी

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां (दिनांक 31.03.2012 तक)	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
	त्वांग –20 कि.वा. (10 कि.वा. प्रतिस्थापना)			1. सिविल कार्य पूर्ण, 2. उपस्कर की खरीद व 3. संस्थापना	I) सिविल कार्य पूर्ण II) प्रेषित्र प्राप्त	कार्य प्रगति पर
3	6 नं. 10 कि.वा. मोबाइल का मी.वे. डीआरएम प्रेषित्रों द्वारा प्रतिस्थापना			लघु लंबित कार्यों की संपूर्णता	प्रेषित्र प्राप्त	
4	मौजूदा 36 डीआरएम कम्पेटिबल मी.वेव प्रषित्र का डीआरएम में बदलाव			1. डीआरएम उपस्कर की प्राप्ति। संस्थापना कार्य पूर्ण	19 हैरिस प्रेषित्रों के बदलाव के पीएसी प्रस्ताव का अनुमोदन। औपचारिक टिप्पणी का अनुरोध। 19 प्रेषित्रों से ऊपर डीआरएम उपस्कर के आदेश दिए एवं निरीक्षण किए गए। थामसन के 17 प्रेषित्रों के लिए पीएसी प्रस्ताव प्रक्रियाधीन।	17 प्रेषित्रों के बदलाव हेतु पीएसी अनुमोदन का प्रस्ताव प्रक्रियाधीन
5	**एफएम डिजिटल कम्पैटिबल प्रेषित्र**					
	मौजूदा 24 आकाशवाणी/टी वी साइटों पर एफएम विस्तार			I) सिविल कार्य पूर्ण II) उपस्कर की खरीद III) उपस्कर संस्थापना पूर्णः 1 कि.वा. (12) व 5 कि.वा. (12)	कडप्पा, भद्रावती, त्रिचुर, टूटीकोरिन, परभनी व रामपुर। **1 कि.वा. एफएम प्रेषित्र** (12) का आदेश दिनांक 05/07/11 को दिए। एलसी खुलने के 8 माह बाद और एलसी खोली गई। **5 कि.वा. एफएम प्रेषित्र** (12) दिनांक 1/7/11 को आदेश दिया गया, डीपी 29.2.12	अन्य स्थानों पर प्रगति अधीन
	दूरदर्शन/आकाशवाणी के 100 उ.श.प्रे. पर 100 कि.वा. एफएम प्रेषित्र			I) उपस्कर की खरीद II) उपस्कारों की स्थापना पूर्ण (100 नं.)	05.07.11 को क्रय आदेश जारी	उपस्कर का निरीक्षण। 6/4/12 को डीपी की गई।

वार्षिक योजना 2011–12 आकाशवाणी

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां (दिनांक 31.03. 2012 तक)	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
6	मौजूदा 40 केंद्रों पर एफएम/मी. वे. प्रेषित्रों की उ.श. वाले प्रेषित्रों में प्रतिस्थापना			I) सिविल कार्य पूर्ण II) 6 कि.वा. एफएम प्रेषित्र (27 संख्या) तथा 13 संख्या कि.वा. एफएम प्रेषित्र (10) की खरीद III) संस्थापना पूर्ण	**6 कि.वा. एफएम प्रेषित्र (27 संख्या)**–काठगोदाम व चित्रदुर्ग में सिविल संशोधन कार्य पूर्ण। अन्य जगहों व कार्यों हेतु सिविल आकलन स्वीकृत व प्रगति पर। **प्रेषित्र :** यह पुनः निविदा किया गया। **10 कि.वा. एफएम प्रेषित्र (13)** अदिलाबाद में सिविल कार्य पूर्ण। 6 जगहों के लिए सिविल कार्य आकलन स्वीकृत। **प्रेषित्र :** नए निविदा जारी। टीओडी 10.01.2012	19 स्थानों के लिए सिविल आकलन स्वीकृति अधीन
7	एस डब्ल्यू डीआरएम 5 एस डब्ल्यू प्रेषित्रों की प्रतिस्थापना (दिल्ली–2 अलीगढ़–2, बंगलूरू–1)			1. दिल्ली (किंग्जवे) 100 कि.वा. एस. डब्ल्यू (2) प्रेषित्र 2, अलीगढ़ (उ.प्र.)250 कि.वा. एस डब्ल्यू प्रेषित्र (2), प्रेषित्र 3 बंगलूरू (वीबी) (कर्नाटक) 500 कि. वा. एस डब्ल्यू की खरीद	**बंगलूरू**– सिविल कार्य प्रगति पर, प्रेषित्र के लिए फाइनल एटी 12.9.11 की गई। **अलीगढ़**– सिविल कार्य प्रगति पर। प्रेषित्रों की खरीद का प्रस्ताव प्रसार भारती बोर्ड के अनुमोदनार्थ।	डीपी– एलसी खुलने के 9 माह बाद
	स्टूडियो					
8	98 स्टूडियो का डिजिटलिकरण व नेटवर्किंग			1. 11 स्टूडियो का सुसज्जीकरण 2. विविध उपस्कर जैसा कि एसी प्लांट, डीजी सेट इत्यादि की खरीद एवं स्थापना। 3. 48 स्टूडियो केंद्रों के डिजिटलीकरण की पूर्णता	हैंड हेल्ड रिकार्डर (एचएचआर) व पोर्टेबल डिजिटल रिकार्डर (पीडीआर) जांचे व सुपुर्द किए गए। फोन–इन–कन्सोल व डिजिटल ओ बी मिक्सर जांच के अधीन। आंचलिक कार्यालयों ने एसी प्लांट, डीजी सैट खरीद तथा विभागीय कार्यों की शुरूआत पर कार्य आरंभ कर दिया है।	केंद्रीकृत स्टोरेज, डब्ल्यू/एस सर्वर तथा सिस्टम साफ्टवेयर और कंसोल व डिजीटल केबलिंग खरीद एसआईटीसी हेतु प्रस्ताव प्रसार भारती बोर्ड के अनुमोदनार्थ हेतु प्रक्रियाधीन है।

वार्षिक योजना 2011–12 आकाशवाणी

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां (दिनांक 31.03.2012 तक)	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
				स्टूडियो नेटवर्किंग–केंद्रीय स्टोरेज व सिस्टम साफ्टवेयर वाला एसआईटीसी कार्य	विशिष्टताएं संपूर्णता की ओर	
9	दिल्ली में अभिलेखगार सुविधा का संवर्धन तथा चैन्ने, मुंबई, कोलकाता तथा हैदराबाद में अभिलेखगार सुविधा का सृजन			उपस्कर की खरीद व एसआईटीसी (आपूर्ति, संस्थापना परीक्षण तथा कमीशनिंग) कार्य की प्रगति	विभिन्न स्थानों पर अभिलेखागार के संवर्धन और सृजन हेतु एसआईटीसी के लिए निविदा जारी। टीओडी 08.12.2011 हैदराबाद में सिविल कार्य पूर्ण।	
10	मौजूदा 44 समाचार एकांशों का स्वचालन व 7 नए प्रादेशिक समाचार एककों– जोधपुर (राज.), राजकोट (गुजरात), विशाखापटनम (आ.प्र), दरभंगा (बिहार), संबलपुर (उडीसा), करगिल (जेएंडके) व पासीघाट (अरूणाचल)			1. 44 मौजूदा प्रादेशिक समाचार एकांशों में डिजिटलिकरण का कार्य पूर्ण	डब्ल्यू/एस के लिए एसआईटीसी के लिए आदेश जारी, प्रादेशिक समाचार एकांशों के लिए स्टोरेज व सिस्टम साफ्टवेयर के लिए आदेश दिए गए।	
				2. 7 नए प्रादेशिक समाचार एककों के डिजिटलीकरण का कार्य पूर्ण	डब्ल्यू/एस के लिए एसआईटीसी के लिए स्टोरेज व सिस्टम साफ्टवेयर के लिए आदेश दिए गए।	
				3. 13 स्थानों पर न्यूज–ऑन फोन सेवा का अद्यतन तथा 16 नई जगहों (29) से इस सेवा का परिचय	विभिन्न स्थानों पर एनओपी सेवा हेतु एसआईटीसी के लिए एनआईटी जारी। टीओडी–09.12.2011 कोई निविदा स्वीकार्य नहीं। पुनः निविदा किया जाना है।	
	डिजिटल कनेक्टिविटी					

वार्षिक योजना 2011–12 आकाशवाणी

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां (दिनांक 31.03.2012 तक)	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
11	एसटीएल कनेक्टिविटी की प्रतिस्थाना			80 स्थानों पर मौजूदा एसटीएल का डिजिटलीकरण की पूर्णता एवं खरीद।	कोई भी निविदा तकनीकी रूप से स्वीकार्य नहीं। नए निविदा जारी। **टीओडी–** 14.12.2011	
12	सीईएस एवं एसटीएल के नए प्रस्ताव			35 स्थानों पर नए डिजिटल एसटीएल तथा त्रिचरापल्ली, मदुरै एवं धारवाड में कैप्टिव अर्थ स्टेशन की संस्थापना का कार्य पूर्ण।	**सीईएस हेतु–** नए निविदा जारी। **टीओडी–** 16.12.2011 निविदाएं तकनीकी मूल्यांकन अधीन है। एसटीएल हेतु– नए निविदा जारी। **टीओडी–** 14.12.2011 निविदाएं तकनीकी मूल्यांकन अधीन है।	–कोई निविदा तकनीकी रूप से स्वीकार्य नहीं। –कोई निविदा तकनीकी रूप से स्वीकार्य नहीं।
13	सी–बैंड आरएनटी (44 सं.) का प्रावधान			एसआईटीसी कार्य पूर्ण	खरीद प्रस्ताव अनुमोदनार्थ प्रस्तुत	
14	डीटीएच चौनल का संवर्धन			उपस्कर की खरीद। अपलिंक/डाउनलिंक डीटीएच (18 स्थानों) की संस्थापना पूर्ण।	आदेश प्रस्तुत। कार्य संपूर्ण।	
2.2	**विदेश सेवाओं का सुदृढीकरण**	**0.50**	**0.00**			
	ग्राह्य विदेश सेवा शार्ट वेव प्रेषित्रों का डीआरएम (दिल्ली 250 किला वाट शार्ट वेव–2 संख्या में बदलाव			250 कि.वा. शा.वे. प्रेषित्रों का दो प्रत्येक दिल्ली और अलीगढ़ ये डीआरएम मोड में उपस्कर के बदलाव की खरीद और संस्थापना।	कंटेंट सर्वर और माडयुलेटरस के लिए आदेश जारी। डीपी–01.08.2012। पीएसी (प्रापराइटरी आर्टीकल सर्टिफिकेट) के प्रस्ताव के लिए बदलाव असैपचारिक निविदा प्राप्त और तकनीकी आकलन के अंतर्गत।	

वार्षिक योजना 2011–12 आकाशवाणी

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आ. उटपुट	उपलब्धियां (दिनांक 31.03.2012 तक)	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
2.3	**ई–गर्वनेन्स, प्रशिक्षण, संसाधन, सुरक्षा, आईओएफ, तटीय इलाकों के लिए डीआईजी, अतिरक्ति कार्यालय आवास, कल्याण गतिविधियां तथा स्टॉफ क्वार्टर आदि**	**25.50**	**8.56**			
1	ई–गर्वनेन्स तथा आईटी सुवधाओं का अद्यतन			231 आकाशवाणी केंद्रों/कार्यालयों में अतिरिक्त 924 कम्प्यूटरों की खरीद	योजना आयोग के सुझावानुसार एसएफसी प्रस्ताव का संशोधन किया जा रहा है।	
2	कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (का.), प्रादेशिक प्रशिक्षण संस्थानों का संवर्धन					31.08.2010 को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रस्ताव अनुमोदित।
	कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तक.), प्रादेशिक प्रशिक्षण संस्थानों का संवर्धन			सभागार/सम्मेलन कक्ष व स्वागत कक्ष का सिविल कार्य पूर्ण।	सभागार के लिए वास्तविकता का अध्ययन किया जा रहा है। स्वागत कक्ष का कार्य पूर्ण।	
	कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (का.), तिरूवनंतपुरम में होस्टल आवास का निर्माण				मौजूदा आबंटन में इस स्थान पर होस्टल बनाना परिहार्य नहीं है। अतः प्रस्ताव को छोड़ दिया गया है।	
	कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (का.), हैदराबाद में होस्टल आवास का निर्माण				मौजूदा आबंटन में इस स्थान पर होस्टल बनाना परिहार्य नहीं है। अतः प्रस्ताव को छोड़ दिया गया है।	
	कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (का.), लखनऊ में होस्टल आवास का निर्माण				मौजूदा आबंटन में इस स्थान पर होस्टल बनाना परिहार्य नहीं है। अतः प्रस्ताव को छोड़ दिया गया है।	
	कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (का.), अहमदाबाद में होस्टल आवास का निर्माण				मौजूदा आबंटन में इस स्थान पर होस्टल बनाना परिहार्य नहीं है। अतः प्रस्ताव को छोड़ दिया गया है।	

वार्षिक योजना 2011–12 आकाशवाणी

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आ. उटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2012 तक	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
	कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तक.), मलाड़ में होस्टल एवं प्रशिक्षण सुविधा			होस्टल, लेक्चर हॉल, कंप्यूटर लैब, आफिस कक्ष आदि का निर्माण	मौजूदा आबंटन में इस स्थान पर होस्टल बनाना परिहार्य नहीं है। अतः प्रस्ताव को छोड़ दिया गया है।	
	कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तक.), दिल्ली में अनालॉग स्टूडियो का डिजिटल में बदलाव			उपस्कर की खरीद और संस्थापना	उपस्कर की खरीद प्रक्रियाधीन है।	
3	मौजूदा केंद्रों पर आई.ओ.एफ.					
	आपात स्थिति में 5 अंचल कार्यालयों में मोबाइल एफ एम प्रेषित्र का प्रावधान			उपस्कर की खरीद	मोबाइल एफ एम की विशिष्टताएं तैयार की जा रही हैं।	
	स्टूडियो के लिए माप उपस्कर का प्रावधान			उपस्कर की खरीद	उपस्कर की खरीद प्रकियाधीन है।	
	23 स्थानों पर रिमोट कंट्रोल हेतु मी.वे. प्रेषित्र पर टेलिमेट्री का प्रावधान				डीटीई तैयार है और अनुमोदन के लिए भेजी गई है।	
	80 स्थानों पर मौजूदा एफ एम केंद्रों पर यूपीएस का प्रावधान				कुछ स्थानों पर यूपीएस खरीद हो गई है और बाकि जगहों पर प्रक्रिया में है।	
	ग्वालियर, रत्नागिरि और सांगली में स्टूडियो का पुनर्सृजन				प्रगति में है।	
4	गुवाहटी में कार्यालय आवास/स्टॉफ क्वार्टर और श्रीनगर में होस्टल आवास			उत्तर पूर्व अंचल में गुवाहटी में कार्यालय आवास/स्टॉफ क्वार्टर और श्रीनगर में होस्टल सुविधा का निर्माण	आकलन स्वीकृत और कार्य सौंप दिया गया है। कार्य प्रगति पर है।	
2.4	**नई तकनीक व विज्ञान एवं तकनीक (आर एंड डी)**	**1.00**	**0.67**			

वार्षिक योजना 2011–12 आकाशवाणी

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2012 तक	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
	नई प्रौद्योगिकी					
1	वेबकास्टिंग/पोड कास्टिंग			प्रतिस्थापना पूर्ण हुई और कार्यक्रम विषयवस्तु विकसित की जा रही है।	कार्यक्रम विषयवस्तु विकसित हुई और औपचारिक रूप से वेबसाइट शुरू की जानी है।	
2	अनुसंधान एवं विकास			एस एंड टी स्कीम पूर्ण हुई।	1 कि.वा. के लिए क्रास फील्ड एंटीना की खरीद की पुनर्निविदा दी गई और 18.11.11 को निविदा खोली गई। एक कि.वा. डीआरएम मेगावाट ट्रांसमीटर की पुनर्निविदा दी गई। निविदा खोलने की तिथि – 15.12.11	
2.5	साफ्टवेयर	14.73	11.89	1. नए और ताजा विषयवस्तु का सृजन 2. रेडियो कार्यशाला संगीत सम्मेलन, संगोष्ठी आदि। 3. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं की कवरेज। 4. फ्लेगशिप प्रोग्राम प्रोडक्शन 5. आकाशवाणी अभिलेखागार का डिलिटलीकरण	प्रगति पर है।	
2.6	जम्मू एवं कश्मीर राज्य को कवर ना किये गये क्षेत्र में लघु शक्ति एफएम ट्रांसमीटर तथा सीमा क्षेत्रों में उच्च शक्ति टीवी तथा एफएम ट्रांसमीटरों की स्थापना	10.00	0.68	एफएम एवं टीवी उ.श.प्र. ट्रांसमीटरों की सेटिंग के लिए 3 नई जगहों की प्राप्ति। सिविल कार्य पूर्ण, उपस्कारों की खरीद और नौशेरा में 100 वाट के 4 एफएम ट्रांसमीटर लगाने का कार्य संपूर्ण, 10 कि.वा. एफएम ट्रांसमीटर और राजौरी में 5 कि.वा. के 2 टी वी ट्रांसमीटर लगाने का कार्य संपूर्ण।	हिंबोटिंगला एवं ग्रीन रीज – जगह आबटित औपचारिक लेने का कार्य प्रगति पर है। रक्षा मंत्रालय के साथ नाथाटोप ज्वांइट ट्रेल का ईएमआई इंटरफ्रेंस का लागू होना। 14 संख्या 100 वाट एफ एम प्रेषित्र के लिए आदेश जारी। एसईटीसी 10 कि.वा. (1+1) वीएचएफ एफएम और यूएचएफ टीवी प्रेषित्र के लिए एनआईटी जारी। निविदा खुलने की दिनांक–05.01.2012	एमओडी का अनुमोदन प्राप्त होना है। डीपी–अप्रैल, 2012
	आकाशवाणी का सर्वयोग	**243.37**	**164.09**	**पूंजीगत**		
		16.73	**13.92**	**राजस्व**		
		260.10	**178.01**	**योग**		

वार्षिक योजना 2011–12 दूरदर्शन

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2012 तक	टिप्पणी
जारी योजनाएं						
1	**जम्मू एवं कश्मीर विशेष योजना फेस–I और फेस–II (पूंजीगत)**	**2.20**	**0.77**	डीडी 1 और डीडी (समाचार) का आरंभ होना और 300 मीटर टॉवर पर लगे एंटीना सहित अमृतसर में प्रेषित्र ट्रांसमीटर	टावर को 283 मीटर की पूर्ण ऊचाई पर खड़ा किया भवन निर्मित किया।	एजेंसी द्वारा काम धीमी गति से हुआ। विद्यमान ट्रांसमीटर पर (जो विद्यमान केंद्र पर लगा हुआ है) एंटीना फीडर केबल लगाने का कार्य आरंभ हो गया है, जिसका उपयोग किया जाना है।
	राजस्व	**53.89**	**63.42**			
2	**निर्माण सुविधाओं का डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण**	**3.00**	**1.74**	17 मुख्य दूरदर्शन केंद्रों में स्टूडियो केंद्रों का आधुनिकीकरण, केंद्रित रिकार्डिंग, एडिटिंग और प्ले बैक ओबी सुविधाओं का संवर्धन और समाचार डिलीवरी सिस्टम में तेजी	प्रगति पर	
3	**पूर्वोत्तर विशेष पैकेज फेस–2 (पूंजीगत)**	**1.91**	**0.79**	पूर्वोत्तर के लिए 4 डीएसएनजी एकक और अंडमान एवं निकोबार के लिए एक।	एक डीएसएनजी का आर्डर दे दिया	4 डीएसएनजी एककों की आपूर्ति पहले की जा चुकी है और एक डीएसएनजी एकक की आपूर्ति नवंबर 2012 में की जा चुकी है।
	राजस्व	**20.25**	**22.67**			
4	**डीटीएच**	**0.00**	**0.00**			डीटीएच सेवा पहले ही भेज दी गई है।

वार्षिक योजना 2011–12 दूरदर्शन

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां	टिप्पणी
5	एचडीटीवी	0.40	0.19			एचडीटीवी के लिए मुख्य परियोजना पूर्ण
6	अन्य स्लीप ऑवर एक्स योजना अनुमोदित स्कीम	25.00	24.83			
क				4 मेट्रो स्थानों पर स्टॉफ क्वार्टरों का निर्माण		आकाशवाणी द्वारा परियोजनाओं की निगरानी
				11 गैर मेट्रो स्थानों पर स्टॉफ क्वार्टरों का निर्माण	9 जगहों पर स्टॉफ क्वार्टर पहले ही तैयार हो चुके हैं। पटना और संबलपुर में स्टॉफ क्वार्टरों का निर्माण प्रगति पर है, संबलपुर में 16 में से 12 स्टॉफ क्वार्टरों का निर्माण हो चुका है। इंस्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा की बहुत सी स्कीमें पूरी हो चुकी हैं।	10 जगहों पर स्टाफ क्वाटर तैयार हो चुकें हैं। शेष जगह पर 65% कार्य पूरा हो चुका है जहां पर पिछले अनुबंध को निरस्त किया गया था। शेष कार्यों के लिए नये निविदाएं मगाई गई और कार्य आवंटित किया गया।
ख	ट्रांसमीटर संबंधी स्कीमें			ऑटोमोड एलपीटी–50	50 ऑटोमोड एलपीटी की खरीद के लिए पहले आमंत्रित निविदा तकनीकी कारणों से रद्द की गई। नई निविदाएं आमंत्रित की गईं।	31.7.2012 को ऑटोमोड एलपीटी की खरीद का आदेश दिया। डीपी 30.01.2013/30.04. 2013/30.07.13
				उ.श.प्रे. – 2	I) महबूब नगर में एचपीटी के लिए ट्रांसमीटर और एंटीना आपूर्ति के लिए आदेश दिए गए। एंटीना का निरीक्षण किया और रिपोर्ट प्रेषित की गई। ट्रांसमीटरों का निरीक्षण करने को कहा। II) महबूब नगर में 150 मेगावाट टॉवर के लिए आदेश दिए गए। III) कुंबकोणम में स्थायी रूप से (एचपीटी) 30.3.2012 को प्रचालन आरंभ हुआ। एचपीटी महबूब नगर में विद्यमान टॉवर कर प्रयोग करते हुए 8.12. 2012 को अंतरिम सैटअप आरंभ हुआ।	08.12.12 को एचपीटी महबूब नगर में विद्यमान टावर द्वारा अंतरिम सेटअप आरंभ किया गया।

वार्षिक योजना 2011–12 दूरदर्शन

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां	टिप्पणी
	नई स्कीमें					
1	ट्रांसमीटरों का डिजटलिकरण, ट्रासमीटर उपस्कर का आधुनिकीकरण, संवर्धन एवं प्रतिस्थापना	20.00	16.81			
	(क) ट्रांसमीटर का डिजटलिकरण,			डिजीटल एचपीटी–19	1) डिजीटल ट्रांसमीटरों की खरीद के लिए निविदाएं प्राप्त हुईं और उनका तकनीकी मूल्यांकन किया जा रहा है। 2)उपर्युक्त एचपीटी के लिए टॉवर सुदृढ़िकरण सहित एंटीना सिस्टम के लिए एसआईटीसी के लिए आर्डर दिया गया।	19 ट्रांसमीटरों की खरीद के लिए निविदा का तकनीकी रूप से मूल्यांकन किया गया कमर्शियल बोली खोली गई और क्रय प्रस्ताव स्वीकृति की प्रक्रिया में है। ट्रांसमीटर सुदि्ढ़करण सहित एंटीना सिस्टम के लिए आर्डर दे दिया। एंटीना सिस्टम और फीडर केबल प्राप्त हुई।
	(ख) ट्रांसमीटर उपस्करों का आधुनिकीकरण संवर्धन और प्रतिस्थापना					फरवरी 2011 में स्कीम अनुमोदित हुई
2	स्टूडियो डिजटलिकरण: **स्टूडियो/ओबी उपस्करों का आधुनिकीकरण संवर्धन और प्रतिस्थापना**	80.00	47.49			
	(क) स्टूडियो का डिजटलिकरण			छोटे केंद्रों में 31 स्टूडियो का आंशिक से पूर्ण डिजटलिकरण और 8 केंद्रों में पूर्ण डिजटलिकरण	1) 31 आंशिक डिजटलिकरण स्टूडियो के डिजटलिकरण के लिए 36 में से 26 उपस्कर मदों का आर्डर दे दिया है और बाकि उपस्करों की पूर्ति कर दी गई है। 2) 8 एनालॉग स्टूडियों के पूर्ण डिजटलिकरण के लिए 10 उपस्कर मदों का आर्डर दिया। बाकि उपस्कर मदों की खरीद प्रगति पर है।	बाकि उपस्कर की खरीद प्रक्रियाधीन है।
	(ख) स्टूडियो उपस्करों का आधुनिकीकरण संवर्धन और प्रतिस्थापना			**सभी बड़े और छोटे केंद्रों में उत्पाद का, उत्पाद पश्चात, ऑडियो, लाइट और बिजली आपूर्ति का संवर्धन 66 स्थानों पर।**		फरवरी 2011 में स्कीम अनुमोदित हुई।

वार्षिक योजना 2011–12 दूरदर्शन

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/ सुपुर्दगी योग्य/ वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां	टिप्पणी
3	**डीटीएच उपग्रह प्रसारण उपस्कर का आधुनिकीकरण संवर्धन और प्रतिस्थापना**	**20.00**	**12.79**			
	(क) डीटीएच			डीटीएच प्लेटफार्म पर चैनलों की वृद्धि		75 चैनलों पर डीटीएच प्लेटफार्म के उन्नयन के लिए दी गई निविदा रद्द करनी पड़ी क्योंकि दूरदर्शन में 97 चैनलों के डीटीएच प्लेटफार्म के विस्तार के लिए अतिरिक्त ट्रांसपोंडर आबंटित किए गए। 59 टीवी चैनलों से 97 चैनलों तक डीटीएच प्लेटफार्म के उन्नयन के लिए फिर से निविदाएं आमंत्रित की गईं और 15.1.13 तक खोली जाएंगी।
	(ख) उपग्रह प्रसारण उपस्कर का आधुनिकीकरण संवर्धन और प्रतिस्थापना					
				भू केंद्रों की संख्या 10 तक बढ़ाना	I) जुलाई 2011 में 5 भू केंद्रों के उन्नयन के लिए आर्डर दिए। II) बचे हुए 5 भूकेंद्रों के लिए निविदा प्राप्त हुई और तकनीकी रूप से मूल्यांकन किया। कमर्शियल बोली भी खुली।	पांच भूकेंद्रों जैसे अगरतला, इम्फाल, गंगटोक, ईटानगर और कोहिमा का उन्नयन हुआ। चंडीगढ़, हिसार, लेह, पणजी और पोर्ट ब्लेयर के भूकेंद्रों के उन्नयन हेतु आर्डर दिए। डीपीः लेह–15.4.13, पोर्ट ब्लेयर–15.3.13, चंडीगढ़, हिसार और पणजी–15.02.2013
				5 जगहों पर भूकेंद्र कमर्शियल उपस्कर की प्रतिस्थापना	3 जगहों पर कम्प्रेशन उपस्कर लगाए गए (अपकन्वर्टर को छोड़कर)	I) तकनीकी कारणों से एक स्थान पर पहले आमंत्रित निविदा रद्द की गई II) एक स्थान पर भवन निर्माण प्रगति पर है। भवन निर्माण पश्चात् उपस्कर खरीदे जाएंगे।
				डीएसएनजी एककों की प्रतिस्थापना – 6 जगहों पर	अगस्त 2011 में डीएसएनजी को खरीद के आर्डर दिए	डीएसएनजी की पूर्ति में देरी
				डीवीबी–एस–2 आधारित आईआरडी से विद्यमान आरआरडी की प्रतिस्थापना	विशिष्टता को अंतिम रूप दिया	
				सीपीसी और दूरदर्शन, श्रीनगर में अपलिंक पीडीए और अन्य साम ग्री की प्रतिस्थापना	जुलाई 2011 में अपलिक पीडीए के लिए आर्डर दिया	मार्च 2012 तक काम पूरा हो सकता है।

वार्षिक योजना 2011–12 दूरदर्शन

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य /सुपुर्दगी योग्य/ वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां	टिप्पणी
				नए डीएसएनजी–9		निविदा 10.7.2012 को खुली और उनका तकनीकी मूल्यांकन किया जा रहा है।
				नए भू केंद्र – 5	निविदा प्राप्त हुई और मूल्यांकित की गई। कमर्शियल बोली भी खुली	4 भू केंद्रों के लिए आर्डर दिए गए। डीपीः 28.2.2013
4	**हाई डेफिनेशन टी वी**	**29.00**	**18.17**	दिल्ली एवं मुंबई में एचडीटीवी उत्पाद सुविधा	निविदा प्राप्त हुई और मूल्यांकन की जा रही है।	28.2.2012 को आर्डर दिए, फर्म ने जगह देखी डीपीः 23.2.2013
				दिल्ली में प्ले आउट सुविधा	उपस्कर आपूर्ति	
				दिल्ली, मुंबई, कोलकाता व चेन्नै में उत्पाद पश्चात सुविधा	आंशिक उपस्कर (7) खरीदे गए। शेष उपस्करों की खरीद प्रगति पर है।	एचडीटीवी, जूमलेंस को छोड़कर अन्य सभी उपस्कर की खरीद का आदेश दिया। 10 एचडीटीवी जूमलेस के आदेश दिए। खरीदे गए। शेष 10 जूमलेस के लिए एनआईटी जारी। देय तिथि–10.1.13
				दिल्ली, मुंबई, कोलकाता व चेन्नै में क्षेत्र उत्पादन सुविधा	आंशिक उपस्कर (2) खरीदे गए। शेष उपस्करों की खरीद प्रगति पर है।	एचडीटीवी, जूमलेंस को छोड़कर अन्य सभी उपस्कर की खरीद का आदेश दिया। 10 एचडीटीवी जूमलेस के आदेश दिए। खरीदे गए। शेष 10 जूमलेस के लिए एनआईटी जारी। देय तिथि–10.1.13
				दिल्ली, मुंबई, में बाह्य उत्पादन सुविधा हेतु मल्टी कैमरा मोबाइल उपस्कर	निविदा प्राप्त हुई और मूल्यांकित की गई। कमर्शियल बोली भी खोली गई।	पहले प्राप्त निविदाओं को तकनीकी आधार पर रद्द किया गया नई निविदाएं जारी और 5.12.12 को खोली गई।
				दिल्ली में फ्लाईअवे उत्पादन सैटअप	विशिष्टताओं को अंतिम रूप दिया जाना है।	
				दिल्ली, मुंबई, कोलकाता व चेन्नै में प्रीव्यू सुविधा	आंशिक उपस्कर (7) खरीदे गए। शेष उपस्करों की खरीद प्रगति पर है।	सभी उपस्करों के लिए आदेश दिए गए/खरीदे गए।
				दिल्ली, मुंबई, कोलकाता व चेन्नै में एचडीटीवी ट्रांसमीटर	।)एचडीटीवी की ट्रांसमीटरों की खरीद के लिए निविदाएं प्राप्त हुई और मूल्यांकन किया जा रहा है।	एचडीटीवी ट्रांसमीटरों की खरीद हेतु 29.11.12 को आदेश दिए। डीपीः 28.5.2013 एंटीना सिस्टम के एसआईटीसी तथा टावरों के सुदृढीकरण हेतु आदेश दिया। एंटीना, फील्ड केबल तथा अन्य संबंधित उपस्करों की आपूर्ति।

वार्षिक योजना 2011–12 दूरदर्शन

क्र.सं.	योजना का नाम/कार्यक्रम	परिव्यय 2011–12 (योजना बजट)	31.03.2012 तक व्यय	नापने योग्य/सुपुर्दगी योग्य/वास्तविक आउटपुट	उपलब्धियां दिनांक 31.03.2012 तक	टिप्पणी
					।।) टावर के सुदृढ़ीकरण सहित एंटीना सिस्टम के एसआईटीसी का आदेश दिया। एंटीना का निरीक्षण किया और रिपोर्ट प्रेषित की।	टावर सुदृढीकरण कार्य (पीतमपुरा, दिल्ली) में पूरा हुआ। एंटीना और फीडर केबल भी लगाई गई और उनका परीक्षण किया। टॉवर सुदृढीकरण कार्य कोलकाता में पूरा हुआ। एंटीना भी लगाई गई। नई फीडर केबल का आदेश दिया और जल्द ही आपूर्ति की आशा है। टॉवर सुदृ ढीकरण कार्य चेन्नै में पूरा हुआ। एंटीना और फीडर केबल भी लगाई गई। आगे का कार्य प्रगति पर। मुंबई में कार्य किया जा रहा है।
5	**स्टॉफ क्वार्टर और अन्य विविध स्कीम**	**15.00**	**14.32**	निर्माण 1) स्टॉफ क्वार्टर – 7 जगहों पर) अतिथि गृह – 22 जगहों पर 3) सामूदायिक केंद्र – 10 जगहों पर 4) आंचलिक कार्यालय भवन गुवाहटी में 5) डीएमसी भवन – 17 जगहों पर 6) एलपीटी भवन – 10 जगहों पर 7) डीडी भवन कांप्लेक्स में टॉवर 'सी' भवन 8) विद्यमान दूरदर्शन कार्यालयों के आधारभूत ढांचे और सुरक्षा का संवर्धन और सुधार	।) टॉवर 'सी' भवन के लिए कार्य संपन्न ।।) 8 भवनों का कार्य पूर्ण (पीएच–5, सीसी–1, एलपीटी–2) ।।।) अन्य 47 भवनों पर कार्य प्रगति पर iv) 7 अन्य भवनों के लिए प्रारंभिक आंकलन स्वीकृत	43 भवनों का कार्य पूर्णः 16 अतिथि गृह, 7 सामुदायिक केंद्र, 10 डीएमसी, 10 एलपीटी
	साफ्टवेयर अर्जन/ उत्पादन	**1.00**	**47.78**	इन हाउस कार्यक्रम		
	पूंजी	**196.51**	**137.90**			
	राजस्व	**75.14**	**133.87**			
	कुल	**271.65**	**271.77**			

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) 31.03.11 के तुलन पत्र

		रुपये	रुपये
	अनुसूची	31.03.11 की स्थिति	31.03.10 की स्थिति
कॉर्पस/पूंजीगत निधि और देनदारियां			
कॉर्पस/पूंजीगत निधि	**1**		
रिजर्व्स और अधिशेष	2	-	-
उद्दिष्टअक्षय निधि	3	28972740230	27225798417
सुरक्षित कर्जे	4	-	-
असुरक्षित कर्जे	5	60991672000	56843372000
आस्थागित जमा देनदारियां	6	-	-
वर्तमान देनदारियां एवं शर्तें	7	66628978089	59621055000
योग		**156593390319**	**143690225417**
परिसंपत्तियां			
नियत परिसंपत्तियां	**8**	**7420819245**	**8393251955**
चालू पूंजीगत कार्य	8	7022859706	6427767666
निवेश 1. उद्दिष्ट/अक्षय निधि	9	-	-
(ii) अन्य	10	-	-
वर्तमान परिसंपत्तियां, कर्जे और अग्रिम	11	15935578458	12696022655
विविध व्यय		-	-
आय और व्यय लेखा के अनुसार घाटा		126214132910	116173183141
योग		**156593390319**	**143690225417**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	25	
आकस्मिक देनदारियां और लेखा टिप्पणियां	26	
CWG- 2010 गतिविधिया लेखा की विवरणी	27	

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
31 मार्च 2011 के लिए आय और व्यय लेखा

		रुपये	रुपये
	अनुसूची	31.03.11 की स्थिति	31.03.10 की स्थिति
आय			
बिक्री और सेवा से आय	**12**	**11742560455**	**10016452564**
अनुदान/आर्थिक सहायता	13	15176503853	11693233213
फीस/अंशदान	14	89597035	9316363
निवेश से आय (उद्दिष्ट/अक्षय निधियों के निवेश से आय)	15	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	16		-
अर्जित ब्याज	17	440396961	315625240
अन्य आय	18	1384226775	1003804265
योग–क		**28833285079**	**23038431645**
व्यय			
स्थापना व्यय	19	15638628768	17361186356
अन्य प्रशासनिक व्यय	20	6849648784	6683626142
कार्यक्रमों से संबंधित व्यय	21	8271600813	5326761946
अनुदान/आर्थिक सहायता पर व्यय	22	-	-
ब्याज	23	5406006520	5082691116
मूल्य ह्रास	8	2124282483	6501558013
योग–ख		**38290167368**	**40955823573**
आय से अधिक व्यय के अंतर का शेष (क–ख)		**-9456882289**	**-17917391928**
घटा/जमाः– अवधिपूर्व के समायोजन	24	-584067480	-56502537
जमाः पिछले वर्ष से अग्रेनित शेष		-116173183141	-98199288676
तुलनपत्र को अग्रेनित घाटा शेष		-126214132910	-116173183141

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	25		
आकस्मिक देनदारियां और लेखा टिप्पणियां	26		
CWG- 2010 गतिविधिया लेखा की विवरणी	27		

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2011 के तुलन पत्र का भाग है।

	रुपये	रुपये
अनुसूची–। कॉर्पस/पूंजीगत निधि	**31.03.11 की स्थिति**	**31.03.10 की स्थिति**
वर्ष के प्रारंभ में शेष	-	-
जमा : वर्ष के दौरान सहायतार्थ अनुदान	-	-
कॉर्पस/पूंजीगत निधि शेष	-	-
आय और व्यय लेखा	-	-
वर्ष के अंत में शेष	-	-
अनुसूची–2 आरक्षित एवं अधिशेष		
1. पूंजीगत आरक्षित		
अंतिम लेखे के अनुसार	-	-
वर्ष के दौरान शामिल	-	-
कुल	-	-
2. सामान्य आरक्षित		
अंतिम लेखे के अनुसार	-	-
वर्ष के दौरान शामिल	-	-
घटारू वर्ष के दौरान घाटा	-	-
कुल	-	-
अनुसूची–3 उद्दिष्ट/अक्षय निधि		
1. पूंजीगत परिसंपत्तिया/निधियां		
क. निधियों का अर्थ शेष	27225798417	25653027296
ख. निधियों में जमाः पूंजीगत व्यय/अग्रिमः खर्च के लिए कॉर्पस/पूंजीगत निधि से हस्तांतरित राशि	1746941813	1572771121
वर्ष के अंत में निबल शेष (क+ख)	28972740230	27225798417
अनुसूची–4 सुरक्षित कर्जे और उधार		

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2011 के तुलन पत्र का भाग है।

	रुपये	रुपये
	31.03.11 की स्थिति	31.03.10 की स्थिति
अनुसूची–5 असुरक्षित कर्जे		
1. शाश्वत कर्जे	42580802000	42580802000
2. केंद्र सरकार	-	-
3. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से पूंजीगत कर्ज	11721310000	10274470000
4. कर्ज चुकौती देय है पर भुगतान नहीं की गई	5060360000	3988100000
5. राष्ट्रमंडल खेल 2010 के लिए बिना ब्याज का कर्ज	1629200000	-
कुल	**60991672000**	**56843372000**
अनुसूची–6 आस्थागित देनदारियां	**-**	**-**
अनुसूची–7 वर्तमान देनदारियां और उपबंध	**-**	**-**
क. वर्तमान देनदारियां	-	-
प्राप्त अग्रिम निक्षेप कार्य के बदले	962122375	764531374
निक्षेप, बयाना, जमानती रुपया/प्रतिभूति जमा	461811513	433008881
शाश्वत कर्जों पर ब्याज	32787217540	29806561400
पूंजीगत कर्जों पर ब्याज	12001426644	9970200000
ब्याज पर ब्याज/मूलधन	1437585323	1052000000
अन्य वर्तमान देनदारियां–वेतन और मजदूरी इत्यादि से वसूली	2463545	2387771
स्रोत पर काटा गया आयकर/बिक्रीकर विविध ऋण दाता	1131700000	1265100000
मार्च माह का उपार्जित वेतन	-	-
मुख्यालय पारगत डी.डी.ओ/समायोजन से प्रेषित रुपया	2558925919	2587374416
कुल–क (संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–5,9व 10)	**51343252859**	**45881163842**
ख. व्यवस्था		
स्पेक्टरम/स्पेस सेगमेंट खर्चे के लिए	13050200000	11781332520
अन्य खर्चे के लिए (सी ए जी लेखा परिक्षा फीस समेत)	2235525230	817412972
सहायता अनुदान राशि का शेष		1141145666
(संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी	-	-
कुल–ख	**15285725230**	**13739891158**
योग (क+ख)	**66628978089**	**59621055000**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2011 के तुलन पत्र का भाग है।

अनुसूची 8–नियत परिसंपत्तियां

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्य ह्रास		निबल ब्लॉक	
	01.04.10 को लागत	वर्ष के दौरान सिविल विंग से परिवर्धन/ हस्तांतरण	वर्ष के दौरान कटौती/ हस्तांतरण/ निपटान/ पुनः वर्गीकरण	31.03.11 को समाप्त वर्ष को लागत	वर्ष के लिए	वर्ष तक संचयी	31.03.11 की स्थिति	31.03.10की स्थिति
अ. नियत परिसंपत्तियां								
1.भूमि	15280761			15280761			15280761	15280761
2.भवन/अन्य	118967092	5442443		124409535	2433766	11917359	112492176	109483499
अन्य								
3.संयत्र मशीनरी और उपस्कर								
क) स्टूडियो	21640034223	202488201		21842522424	681297860	19256733970	2585788454	3064598112
ख) ट्रांसमीटर	31514416718	691114585		32205531303	996825150	28985503638	3220027665	3525738230
ग) मशीनरी/ उपस्कर	1888739753	192920376		2081660129	183970156	1046184805	1035475324	1026525104
घ) विद्युत संस्थापन	39792841	5812386		45605227	1707961	6946145	38659082	34554658
4. वाहन	68378163	4885462		73263625	7229176	61167285	12096340	14440053
5. फर्नीचर/ फिक्सचर	112062431	12779402		124841833	7403258	38713250	86128583	80752439
6. कार्यालय उपस्कर	138172586	15007749		153180335	11507980	118571777	34608558	31108788
7. कंप्यूटर	133714537	21399169		155113706	15846562	127186246	27927460	22374854
अन्य नियतपरिसंपत्तियां								
विभिन्न योजनाओं पर पूंजीगत व्यय	9970061214			9970061214	216060614	9717726372	252334842	468395456
वर्तमान वर्ष का योग(क)	65639620319	1151849773		66791470092	2124282483	59370650847	7420819245	8393251955
(ख) प्रमुख कार्य प्रगति पर कार्य योग	6427767666	595092040		7022859706			7022859706	6427767666
योग	**72067387985**	**1746941813**		**73814329798**	**2124282483**	**59369886088**	**14443678951**	**14821019621**
गतवर्ष	**70494616864**	**1572771121**		**72067387985**	**6501558013**	**57246368364**	**14821019621**	

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2011 के तुलन पत्र का भाग है।

	रुपये	रुपये
	31.03.11 की स्थिति	31.03.10 की स्थिति
अनुसूची–9 उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश		
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियां	-	-
3. अन्य	-	-
योग	**-**	**-**
अनुसूची–10 निवेश अन्य	**-**	**-**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. अन्य	-	-
योग	**-**	**-**
अनुसूची–11 वर्तमान परिसंपत्तियां, कर्जे और अग्रिम इत्यादि		
क. वर्तमान परिसंपत्तियां		
वस्तु सूचियां	108619413	91991370
विविध कर्जदार–सामान्य	2239854335	1519261546
विविध कर्जदार–सन्देहपूर्ण	-	-
नकद शेष/अग्रदाय	37728189	61453396
बैंक में शेष राशि	-	-
अनुसूचित बैंकों में	6488669581	6629062063
चालू खातों में	471590990	64698025
संग्रहण खातों में	3290077170	608223524
जमा खाते और अन्य एफ.डी.आर. में	2891017833	3395830545
विभिन्न कार्यालयों में	43299676	25777588
अंशदायी भविष्य निधि खातों में	**15570857187**	**12396298057**
योग (क)(संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–14 व 15)		
ख. कर्जे/अग्रिम		
1. कर्जे/अग्रिम		
कर्मचारीगण	134616881	107597437
अन्य विभागीय	160254598	154833007
उचंत खाते	-	-
2. अग्रिम और नकद माल या कीमत के रूप में वसूल की जाने वाली अन्य राशि		
पूंजीगत खातों पर पूर्व भुगतान	-	-
अन्य	-	-
3. प्राप्त ब्याज		
उद्दिष्ट/अक्षय निधि में निवेश पर	-	-
अन्य निवेशों पर	3809589	-
अन्य	-	-
4. आयकर जमा	66040203	37294154
योग (ख)	**364721271**	**299724598**
योग (क+ख)	**15935578458**	**12696022655**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2011 के तुलन पत्र का भाग है।

	रुपये	रुपये
	31.03.11 की स्थिति	31.03.10 की स्थिति
अनुसूची–12 बिक्री सेवाओं से आय		
सेवाओं से आय		
आकाशवाणी और दूरदर्शन को विज्ञापन से आय	12196525157	10315014385
घटाः अन्य एजेंसियों के शेयर	462932200	305969315
सी.डी./वी.सी.डी. की बिक्री	8967498	7407494
जोड़ें: डीटीएच आय	-	-
योग	**11742560455**	**10016452564**
अनुसूची–13 अनुदान/परिदान		
जमाः भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय योजना से वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान	560300000	485000000
जमाः भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय गैर योजना से वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान	14123500000	12472150000
राष्ट्रमण्डल खेल– 2010 वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान	1098500000	1450000000
जमाः पिछले वर्ष से आगे लिया गया सहायता अनुदान	1141145666	-
घटाः पूंजीगत परिसंपत्ति निधि को हस्तांतरित	1746941813	1572771121
घटाः अनुदान–राष्ट्रमण्डल खेल – 2010 का पिछले वर्ष का शेष	-	1009865666
घटाः सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय योजना से पिछले वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान का शेष	-	131280000
योग	**15176503853**	**11693233213**
अनुसूची–14 फीस/अनुमोदन		
व्यवसायिक/परामर्श सेवाओं की फीस		
घटाः अन्य फर्मो के हिस्से	289379487	9316363
योग	199782452	-
अनुसूची–15 निवेश से आय	**89597035**	**9316363**
सावधि जमा पर ब्याज	चिन्हित फंड से निवेश	
योग	–	–
अनुसूची–16 रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय		
अनुसूची–17 अर्जित ब्याज		
अनुसूचित बैंकों में मियादी जमा से	391579051	264856847
कर्मचारी के अग्रिम इत्यादि जैसे अन्य	28154491	7272457
आकाशवाणी व दूरदर्शन की अप्राप्त राशि	20663419	43495936
योग	**440396961**	**315625240**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2011 के आय व व्यय लेखा

		रुपये 31.03.11 की स्थिति	रुपये 31.03.10 की स्थिति
अनुसूची–18–अन्य आय			
क. टॉवरों/स्टॉफ क्वार्टरों की फीस सहित अन्य प्राप्तियां			
क) टावर की लाइसेंस फीस		502991538	459183442
ख) स्टाफ क्वार्टरों की लाइसेंस फीस		19732004	18686044
ग) डी टी एच आय		243700000	326542800
घ) अन्य		576372520	175278833
योग क		**1342796062**	**979691119**
ख. परिसंपत्तियों की बिक्रीधनिपटान से लाभ		-	-
क. मालकीय परिसंपत्तियां		2126319	1192955
ख. अनुदान या निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां		96678	103833
ग. 1.4.2000 से पहले अर्जित परिसंपत्तियां		39207716	22816358
योग ख		**41430713**	**24113146**
योग (क+ख)		**1384226775**	**1003804265**

अनुसूची–19–स्थापना और अन्य प्रशासनिक व्यय	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
	2010–11			2009–10
	योजना	गैर योजना		योग
स्थापना व्यय				
क. वेतन और मजदूरी	-	13594767587	13594767587	14586381058
ख. भत्ते और बोनस	-	528940241	528940241	382455183
ग. अंशदायी भविष्य निधि में अंशदान	-	1768843	1768843	2794792
घ. कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति/सेवांत व्यय/पेशन आदि पर व्यय	-	1305156062	1305156062	2160100384
ण. कर्मचारी कल्याण व्यय	-	1322833	1322833	1766103
च) छात्रवृत्ति छात्रवृत्ति	-	5829368	5829368	6371348
च. अन्य (चिकित्सा प्रतिपूर्ति सहित)	-	200843834	200843834	221317488
योग	**-**	**15638628768**	**15638628768**	**17361186356**
(संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–8)				

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2011 के आय व व्यय लेखा

अनुसूची–20–अन्य प्रशासनिक व्यय

	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
	2010–11			2009–10
	योजना	गैर योजना		योग
बिजली और पावर	-	1917085357	1917085357	1869243820
जल प्रभार	-	30392432	30392432	22532168
संयत्र और मशीनरी का बीमा	-	69441	69441	24323
संयत्र और मशीनरी की मरम्मत और रखरखाव	-	7360326	7360326	150694786
भूमि और भवन का बीमा	-	-	-	-
किराया, महसूल और कर	-	144474896	144474896	148684182
वाहनों की मरम्मत और रख–रखाव,	-	293042636	293042636	272813062
डाक टेलीफोन और संचार प्रभार	-	119675938	119675938	129021320
प्रिंटिंग और लेखन सामग्री	-	108265183	108265183	94095664
यात्रा–घरेलू और वाहन व्यय स्थानीय	-	286736808	286736808	247341254
यात्रा विदेश	-	5109039	5109039	5005684
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	-	7616636	7616636	8766780
आतिथ्य सत्कार व्यय	-	7359409	7359409	7377756
व्यवसायिक प्रभार	-	680533707	680533707	598294635
डूबा और संदिग्ध ऋण/अग्रिम के लिए व्यवस्था	-	-	-	-
गैर वसूली योग्य राशि–बट्टे खाते में डाली गई	-	-	-	-
विज्ञापन और प्रचार	-	53345429	53345429	36820719
बैंक प्रभार	-	522925	522925	586285
उपभोगीय वस्तु एवं आपूर्ति	-	476573408	476573408	498862459
अन्य प्रशासनिक खर्चे	-	572585990	572585990	476304372
उपकरण एवं औजार	-	1083333894	1083333894	1051410663
सेवा कर	-	1055560608	1055560608	1065746210
बिक्री कर	-	4722	4722	-
योग	**-**	**6849648784**	**6849648784**	**6683626142**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
अनुसूचियां जो 31.03.2011 के आय व व्यय लेखा

	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
	2010–11			2009–10
अनुसूची–21 कार्यक्रम संबंधी व्यय	**योजना**	**गैर योजना**	**योग**	**योग**
रॉयल्टी	-	83394874	83394874	247629935
पीटीआई/यूएनआई को भुगतान	-	138476879	138476879	152016126
कार्यक्रम की कमिशनिंग	-	974196966	974196966	999942599
पैनम सेटेलाइट व्यय	-	231632818	231632818	827405185
खेल–कूद आयोजनों पर व्यय	-	155312545	155312545	75726609
कलाकारों को भुगतान	-	990250792	990250792	1050083796
अन्य कार्यक्रम व्यय	-	79311509	79311509	140364317
जम्मू एवं कश्मीर पैकेज	350559044	-	350559044	247483045
उत्तर पूर्वी पैकेज	149590600	-	149590600	75000000
स्पेकट्रम और स्पेस सेगमेंट प्रभार	-	794800000	794800000	1070976000
राष्ट्रमंडल खेल	3499355813	184718973	3684074786	30134334
राष्ट्रमंडल खेलों के लिए आई टी पी ओ को स्थानांतरित राशि	640000000		640000000	410000000
योग	**4639505457**	**3632095356**	**8271600813**	**5326761946**
अनुसूची 22– अनुदान, परिदान आदि पर व्यय				
	योजना	गैर योजना	योग	योग
अनुदान पर व्यय	2010–11			2009–10
	.	.	.	.
अनुसूची – 23 ब्याज				
	योजना	गैर योजना	योग	योग
	2010–11			2009–10
कर्जे पर ब्याज–केंद्र सरकार	-	2031226644	2031226644	1790200000
शाश्वत कर्ज पर ब्याज	-	2980656140	2980656140	2980656140
अन्य ब्याज	-	385585323	385585323	306400000
अन्य प्रभार	-	8538413	8538413	5434976
कुल ब्याज	**-**	**5406006520**	**5406006520**	**5082691116**
(संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी–4 और 5				
अनुसूची–24 पूर्व अवधि समायोजन				
	योजना	गैर योजना	योग	योग
	2010–11			2009–10
पूर्व अवधि उपदान/ऋण की वापसी	110000000	-	110000000	113800000
पूर्व अवधि आय, मूल्यह्रास	-	-	-	57297463
पूर्व अवधि व्यय – खेल गतिविधियां और स्पेस	-	474067480	474067480	-
योग	**110000000**	**474067480**	**584067480**	**56502537**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
31.03.11 को समाप्त वर्ष के लिए खातों की अनुसूचियां

अनुसूची–25 महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

लेखांकन पद्धति

प्रोदभूत पद्धति का प्रयोग करके ऐतिहासिक लागत परिपाटी के आधार पर नियम के लेखों का लेखांकन तैयार किया गया है। इसके आधार पर राजस्व और संबंधित परिसंपत्तियों को अर्जन होने पर मान्यता प्राप्त होती हैं

2. वस्तुसूची का मूल्यांकन

भंडार सामग्री और पुर्जों (मशीनी पुर्जों सहित) का मूल्य निर्धारण उनकी कीमत पर किया जाता हैं।

3. नियत परिसंपत्तियॉ

'नियत परिसंपत्तियॉ' में प्रसार भारती को हस्तांतरित परिसंपत्तियों की हस्तांरण राशि आती है और तदनुरूप जमा राशि में 'शाश्वत ऋण' आता है। केंद्र सरकार द्वारा परिसंपत्तियों का हस्तांतरण वास्तविक मूल्यांकन और सत्यापन के अधीन है। आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं पर किए गए पूंजीगत व्यय के संबंध में सभी संबंधित और सह व्यय पूंजीगत है।

4. मूल्यह्रास पद्धति

आई.एम.जी की सिफारिशों के आधार पर परिसम्पत्तियों की आजीवन उपयोगिता परिकलन दरों के अनुसार मूल्यह्रास को सीधी पद्धति द्वारा लगाया गया है। तदनुसार अंगीकार की गई दरें इस प्रकार हैं: भवन–2%, स्टुडियो, ट्रांसमीटर, मशीन और उपस्कर और अन्य नियत परिसंपत्तियां–10%, विद्युतीय संस्थापनाए–4%, वाहन–20%, फर्नीचर और फिक्सचर्स–6.64%, और कंप्यूटर 33.33%।

5. विदेशी मुद्रा का लेन देन

विदेशी मुद्रा का लेन देन का हिसाब लेने देने की तिथि की विद्यमान विनियम दर पर किया जाता है।

6. लाइसेंस शुल्क और परामर्श शुल्क

लाइसेंस शुल्क और परामर्श शुल्क की पहचान तभी की जाती है जब वह प्राप्त होता है।

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
31.03.11 को समाप्त वर्ष के लिए खातों की अनुसूचियां

अनुसूची–26 लेखा और आकस्मिक देनदारियों पर टिप्पणियां

लेखा टिप्पणियां

1. प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) की स्थापना एक सामान्य लोक उपयोगी संस्था के रूप में की गई हैं, तथ यह 'लाभ के लिए नहीं संगठन' के अंतर्गत आता है। तदनुसार आम स्वीकार्य लेखा पद्धतियों (जीएपी) और आयकर अधिनियम की धारा 145 के आधार पर यह नियम लेखांकन की रोकड़ या वाणिज्यिक पद्धति अपना सकता है।

संगठनात्मक ढ़ाचे, पूर्व पद्धतियों और सहज पहलू को ध्यान में रखते हुए लेखांकन की नगद आधारित पद्धति को अपनाया गया। महानिदेशक लेखा परिक्षा, केन्द्रीय राजस्व की सलाह के अनुसार दिनांक 1.4.2005 से लेखों को आंरभिक तौर पर क्षेत्रीय इकाई स्तर पर नकद के आधार पर समेकित किया जाता है और बाद में दोनों महानिदेशलयों से समेकित जानकारी के आधार पर संभवतः प्रोधभूत आधार पर परिवर्तित की गई। तथापि प्रसार भारती ने क्षेत्रीय कार्यालयों मे भी कैश से प्रोधभूत लेखांकन मे पूर्ण बदलने के प्रभाव का निर्माण लिया। तथापि, संगठनात्मक ढांचा और क्षेत्रीय इकाइयों में प्रशिक्षित लेखांकन स्टाफ की जटील प्रकृति के कारण इसमें समय लगेगा।

2. आकस्मिक देनदारियां

2.1 एनटिटी जिन्हें ऋण नहीं माना गया, के लिए दावे	रूपये	शून्य
2.2 के विषय में		
एनटिटी की ओर से दी गई बैंक गारंटियां	रूपये	शून्य
एनटिटी की ओर से बैंक द्वारा क्रेडिट देने का पत्र	रूपये	शून्य
राष्ट्रमंडल खेल 2010 की गतिविधियों के लिए बैंक गारंटी भुनाई	रूपये	24.60 करोड़

मैसर्स एसआईएस लाइव की 24.60 करोड़ रूपये की बैंक गारंटी मांगी गई। इस संबंध में मध्यस्था प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी गई है। मैसर्स एसआईएस लाइव ने अनुबंध के अनुसार 106.88 करोड़ रूपये के बराबर दावा प्रस्तुत किया है, 24.60 बैंक गारंटी तथ जी.बी.पी. 9381098 की हानि दिखई गई। 106.88 करोड़ रूपये की राशि को देनदारियों में शामिल किया गया है। मैसर्स एसआईएस लाइव के हानि दावे को देनदारी के रूप में नहीं माना गया है इसमे 147.60 करोड़ रूपये की राशि के लिए एक प्रतिदावा भी प्रस्तुत किया है।

3. केंद्रीय सरकार से प्राप्त अनुदान को आय माना जाता है और जिसका उपयोग उसका पूंजीगत परिसंपत्ति निर्माण और राजस्व खर्चों के लिए किया जाता है।

4. सरकार द्वारा मंजूर शाश्वत ऋण पर 7 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज देय है। ओर 1.4.2000 से31.03.2006 के दौरान सरकार द्वारा प्राप्त पूंजीगत ऋण पर ब्याज की दर 14.5 प्रतिशत वार्षिक है। जबकि 1.4.2006 के बाद सरकार द्वारा प्राप्त पूंजीगत ऋण पर ब्याज की दर 11.5 प्रतिशत वार्षिक है।

5. प्रसार भारती के लिए निर्मित मंत्री मंडलीय समूह ने शाश्वत ऋण और पूंजीगत ऋण को अनुदान में बदलने और उसपर टयाज को माफ करने का निर्णय लिया है। यधपि अभी तक इस संबंध में अधिसूचना जारी की जानी है।

6. केंद्र सरकार द्वारा खाता मूल्य पर प्रसार भारती को हस्तांतरित नियत परिसंपत्तियों की राशि मुख्य लेखा नियंत्रक के पत्र संख्या–सीसीए/आई एण्ड बी/2002 दिनांक 3.09.2012 पर आधारित मानी गई है तथा यह वास्तविक सत्यापन और मूल्यांकन के अधीन है।

7. कर प्रणाली

प्रसार भारती को आयकर अधिनियम की धारा 12ए धारा 12एए(1)बी के साथ पठित के अंतर्गत गैर लाभ वाली सस्था के रूप में पूंजीकृत किया गया है। यद्पि इसे आय कर विभाग द्वारा उनके दिनांक 13.02.2012 के पत्रानुसार वित्तीय वर्ष 2008–09 से वापिस लिया गया है

8. प्रसार भारती द्वारा अवकाश वेतन और कर्मचारियों के पेंशन संबंधी लाभों के तहत भूगतान किया जाता है। क्योंकि प्रसार भारती की ओर से भारत सरकार को नियम में हस्तांतरित करने की अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है।

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
31.03.11 को समाप्त वर्ष के लिए खातों की अनुसूचियां

अनुसूची–26 लेखा और आकस्मिक देनदारियों पर टिप्पणियां

लेखा टिप्पणियां

9. अन्तर्कार्यालयी अंतरण खातेः

सामान्यतया इन खातों में भिन्नता वित्त वर्ष के समापन में पारगमन काल में धन भेजने को दर्शाती है। तदनुसार इन्हें लेखा में इसी तरह दर्शाया जाता है। समीक्षा करते हुए यह महसूस हुआ कि इसमें और पूंजीगतम कार्य और विकास के अंतर्गत दिए गए आकडों में सामजस्य की आवश्यकता है। तद्नुसार समय पर कार्य पूरा करने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि यह कार्य सामंजस्यता के लिए बाहय स्त्रोत के रूप में एक एकाउंटेट फर्म को दिया जाए।

10. डिपोजिट वर्क्स

कार्य के व्यय के लिए समायोजन के बाद पार्टियों से डिपोजिट वर्क्स के लिए प्राप्त राशि इस शीर्ष में रखी जाती है।

11. प्रसार भारती के लेखा परीक्षा के लिए नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की फीस की व्यवस्था लेखा में की गई है।

12. विविध कर्जदारों के आकड़ों में 60.76 करोड़ रूपयें ब्याज घटक भी शामिल है

13. संदिग्ध ऋण के निगम द्वारा वसूली की आरंभिक कानूनी कार्यवाई के संबंध में लिए लेखे में कोई प्रवधान नहीं है क्योंकि वर्तमान स्थिति में संदेहास्पदता की सीमा नहीं है। यद्पि संदिग्ध ऋण के आकडों का पता लगाने के लिए समाधान प्रक्रिया की जा रही है।

14. राजस्व आंबटन के संबंध में राष्ट्र मंडल खेलों की संगठन समिति के साथ एक विशेष करार किया गया है। तदनुसार, संगठन समिति से अंतराष्ट्रीय अधिकार लेखा और एयरटाइम बिक्री से क्रमशः 15.54 करोड़ रूपये और 20.58 करोड़ रूपये प्राप्त हुए। निगम द्वारा अर्जित व्यवसायिक राजस्व से उनके हिस्से के लेखा का संगठन समिती के 22.46 करोड़ रूपये की राशि 13.66 करोड़ जोकि संगठन समिति से प्राप्त होने हैं, यह विविध कर्जदारों के आकडों में शामिल है।

15. स्पैक्ट्रम और स्पेस सेगमेंट प्रभाग आनुमानित आधार पर रखे गए है। प्रसार भारती के मंत्रीमंडलीय समूह ने निर्णय लिया है कि स्पैक्ट्रम और स्पेस सेगमेंट के 31.03.2010 तक के संचित प्रभार को माफ कर दिया जाए। तथापि इस संबंध में अधिसूचना अभी जारी की जानी है।

16. सेवा कर विभाग ने 2003–04 से 2007–08 की अवधि के लिए सेवा कर के बकाया 87.10 करोड़ रूपये के लिए एक मांग सह कारण बताओ नोटिस का मुद्दा उठाया गया है। यद्पि प्रवंधन निर्धारण के अनुसार 1.86 करोड़ रूपये अतिस्क्ति राशि का दावा किया गया है। सेनवेट क्रेडिट न लेने की अनुमति के बाद इस राशि को सेवा कर विभाग का वापिस करने का और सेवा कर विभाग द्वारा की गई सकल परिकलन राशि की गणना का मामला उठाया गया है।

17. जैसे और जहां भी लागू हो आय में सेवा कर घटक शामिल हैं

18. सरकारी निर्देशों के मतानुसार अनुसूची 27 के राष्ट्रमंडल खेल के लेखों को अलग से दिखाने के लिए शामिल किया गया।

जवाहर सरकार	**ए.के जैन**	**जे.एस.पी. चावला**
मुख्य कार्यकारी अधिकारी	**सदस्य (वित्त)**	**वरि0 जीएम (बी एंड ए)**
स्थानः नई दिल्ली		
दिनांक––		

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)

31.03.11 को समाप्त वर्ष के लिए खातों की अनुसूचियां

राष्ट्रमंडल खेल 2010 गतिविधियों की अनुसूची 27 की विवरणी

राष्ट्रमंडल खेल 2010 गतिविधियों के लिए 31.03.11 तक का तुलनपत्र

		रूपये
	उप–अनुसूची	31.03.11 तक
कॉर्पस/पूंजीगत निधि और देनदारियां		
कॉर्पस/पूंजीगत निधि		-
रिजर्व्स और अधिशेष		-
उद्दिष्ट/अक्षय निधि		
सुरक्षित कर्जे		-
असुरक्षित कर्जे	I	1629200000
आस्थागित जमा देनदारियां		-
वर्तमान देनदारियां एवं शर्तें	II	1399051726
योग		**3028251726**
परिसंपत्तियां		
नियत परिसंपत्तियां	IX	6182332
चालू पूंजीगत कार्य		
निवेश (I) उद्दिष्ट/अक्षय निधि		-
(II) अन्य		-
वर्तमान परिसंपत्तियां, कर्जे और अग्रिम	III	1645085575
विविध व्यय		-
आय और व्यय लेखा के अनुसार घाटा		1376983819
योग		**3028251726**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)

31.03.11 को समाप्त वर्ष के लिए खातों की अनुसूचियां

राष्ट्रमंडल खेल 2010 गतिविधियों की अनुसूची 27 की विवरणी

राष्ट्रमंडल खेल 2010 गतिविधियों के लिए 31.03.11 तक का तुलनपत्र

		रूपये
	उप–अनुसूची	31.03.11 तक
आय		
ब्रिक्री और सेवा से आय	IV	372363975
अनुदान/आर्थिक सहायता	V	2108365666
फीस/अंशदान	VI	65722910
निवेश से आय (उद्दिष्ट/अक्षय निधियों के निवेश से आय)		
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय		
अर्जित ब्याज		
अन्य आय	VII	401400000
योग–क		**2947852551**
व्यय		
स्थापना व्यय		
अन्य प्रशासनिक व्यय		
कार्यक्रमों से संबंधित व्यय	VIII	4324074786
अनुदान/आर्थिक सहायता पर व्यय		
ब्याज		
मूल्य ह्रास	IX	761584
योग–ख		**4324836370**
आय से अधिक व्यय के अंतर का शेष (क–ख)		-1376983819
घटा/जमाः– अवधिपूर्ण के समायोजन		
जमाः पिछले वर्ष से अग्रेनित शेष		
तुलनपत्र को अग्रेनित घाटा शेष		-1376983819

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)

31.03.11 को समाप्त वर्ष के लिए खातों की अनुसूचियां

राष्ट्रमंडल खेल 2010 गतिविधियों की अनुसूची 27 की विवरणी

	रूपये
	31.03.11 तक
उप अनुसूची । असुरक्षित कर्ज	
1. शाशवत कर्ज	
छूट के लिए लिया गया ब्याज	
(संदर्भ अनुसूची 26, लेखा टिप्पणी के टिप्पणी 4	
2. केन्द्र सरकार	
3. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से पूंजीगत कर्ज	
4. कर्ज चुकौती देय है पर भुगतान नहीं की गई	
5. छूट देने के लिए ब्याज दिया गया, अनुसूची 26 लेखों पर टिप्पणी की टिप्पणी 5 का संदर्भ	
6. ब्याज/मूल देय पर दंण्डात्मक ब्याज	
7. राष्ट्रमंडल खेलो 2010 के लिए मुक्त ऋण	1629200000
योग	**1629200000**
उप अनुसूची ।। वर्तमान देनदारियां और उपबंध	
क. वर्तमान देनदारियां	
प्राप्त अग्रिम निक्षेप कार्य के बदले	
निक्षेप, बयाना, जमानती रूपया/प्रतिभूति जमा	51187118
अन्य वर्तमान देनदारियां–वेतन और मजदूरी इत्यादि से वसूली	
मार्च माह का उपर्जित वेतन	
स्त्रोत पर काटा गया आयकर/बिक्रीकर विविध ऋण दाता–अन्य	
मुख्यालय पारगत डी.डी.ओ/समायोजन से प्रेषित रूपया	
योग क	**51187118**
ख. व्यवस्था	
स्पेक्टरम/स्पेस सेगमेंट खर्चे के लिए	
अन्य खर्चे के लिए (सी.ए.जी लेखा परिक्षा फीस के समेत)	1347864608
अनुप्रयुक्त सहायता अनुदान हेतु	
(संदर्भ अनुसूची 26, लेखा टिप्पणी का टिप्पणी 12)	-
योग ख	**1347864608**
योग (क+ख)	**1399051726**
संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणीयों की टिप्पणी–15	
उप अनुसूची ।।। वर्तमान परिसंपत्तियां, कर्जे और अग्रिम इत्यादि	
क. वर्तमान परिसंपत्तियां	
वस्तु सूचियां	0
विविध कर्जदार–सामान	206236245
विविध कर्जदार–असामान	
नकद शेष/अग्रदाय	
बैंक में शेष राशि	
चालू खातों में	1438849330
संग्रहण खातों में	
जमा खाते और अन्य एफ.डी.आर में	
विभिन्न कार्यालयों में	
अंशदायी भविष्य निधि खातों में	
योग (क) (संदर्भ अनुसूची 26–लेखा टिप्पणीयों की टिप्पणी–9)	**1645085575**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)

उप अनुसूची IV–बिक्री सेवाओं से आय	
सेवाओं से आय	
आकाशवाणी और दूरदर्शन को विज्ञापन से आय	**रूपये**
	31.03.11 तक
	596996175
	224632200
योग	**372363975**
उप अनुसूची v–अनुदान/परिदान	
जमाः भारत सरकार	
जमाः भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय गैर योजना से	
वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान–राष्ट्रमण्डल खेल–2010	1098500000
जमाः सहायता अनुदान पिछले वर्ष से आगे लाया गया	1009865666
घटाः पूंजीगत परिसंपत्ति निधि को हस्तांतरित	
घटाः अनुदान –राष्ट्रमण्डल खेल–2010 का पिछले वर्ष का शेष	
घटाः सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय योजना से पिछले वर्ष के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान का शेष	
योग	**2108365666**
उप अनुसूची vi फीस/अंशदान	
व्यवसायक/परामर्श सेवाओं की फीस	265505362
घटाः अन्य फर्मों के हिस्से	199782452
योग	65722910
उप अनुसूची –vii अन्य आय	
क. टॉवरों/स्टॉफ क्वार्टरों की फीस सहित अन्य प्राप्तियां	
क) स्टाफ क्वार्टरों की लाइसेंस फीस	d0
ख) टावर की लइसेंस फीस	0
ग) डीटीएच आय	0
घ) अन्य बैंक गारंटी का नकदीकरण और अंतराष्ट्रीय अधिकारों से प्राप्त आय	401400000
योग क	**401400000**

उप अनुसूची viii स्थापना और अन्य प्रशासनिक व्यय

	रूपये	**रूपये**	**रूपये**
	2010.11		
	योजना	**गैर–योजना**	**योग**
राष्ट्रमण्डल खेल			
कवरेज और प्रसारण इवेंटस	2467671218		2467671218
आईबीसी का निर्माण एंव संचालन	659087290		659087290
प्रसारण सुविधा स्थल	198526556		198526556
मेजबान प्रसारक समन्वय निगरानी			0
संभार तंत्र और सहायक सेवाएं	83653488		83653488
आकस्मिक	90417261		90417261
आईटीपीओ को स्थानातरित राशि	640000000		640000000
अधिकारधारक प्रसारक		184718973	184718973
योग	**4139355813**	**184718973**	**4324074786**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)

राष्ट्रमंडल खेल गतिविधियों के लिए 31.03.11 को समाप्त वर्ष का तुलनपत्र

राष्ट्रमंडल खेल 2010 गतिविधियों की अनुसूची 27 की विवरणी

उप अनुसूची IX नियत परिसंपत्तियां

विवरण		सकल ब्लॉक			मूल्य ह्रास		निबल ब्लॉक	
	01.04.10 को लागत	वर्ष के दौरान सिविल विंग से परिवर्धन /हस्तातरण	वर्ष के दौरान कटौती/ हस्तांतरण /निपटान / पुनः वर्गीकरण	31.03.11 को समाप्त वर्ष को लागत	वर्ष के लिए	वर्ष तक संचयी	31.03.11 की स्थिति	31.03.10 की स्थिति
नियत परिसंपत्तियां								
1. भूमि								
2. भवन								
अन्य								
3. प्लांट मशीनरी तथा उपस्कर								
(क) स्टूडियो								
(ख) प्रेषित्र								
(ग) मशीनरी तथा उपस्कर								
(घ) इलैक्ट्रिकल संस्थापन		7500		7500	150	150	7350	
4) वाहन								
5) फर्नीचर/ फिक्सचर		2273957		2273957	71061	71061	2202896	
6) कार्यालय उपस्कर		1039922		1039922	86677	86677	953245	
क) कंप्यूटर्स		3622537		3622537	603696	603696	3018841	
अन्य नियत परिसंपत्तियां								
विभिन्न योजनाओं पर पूंजीगत व्यय								
वर्तमान वर्ष का योग(क)		6943916		6943916	761584	761584	6182332	
(ख) प्रमुख कार्य प्रगति पर कार्य								
योग (ख)								
योग		**6943916**		**6943916**	**761584**	**761584**	**6182332**	
गतवर्ष								

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

वर्ष 2010–11 का प्राप्ति और भुगतान लेखा

	2010–11 का प्राप्ति खाता	आकाशवाणी योग	दूरदर्शन योग	प्रसार भारती	कुल योग
I.	**शेष**				
	(क) नकद रोकड़	1211617	7814326		9025943
	(ख) बैंक शेष	0	0		0
	(1) चालू खाते में	0	0		0
	प्राप्ति खाता (फील्ड कार्यालय)	110011592	26731917		136743509
	दूरदर्शन (11084233390)	0	0	3612234	3612234
	आकाशवाणी (11084233414)	0	0	61085791	61085791
	व्यय खाता (फील्ड कार्यालय)	1677976501	1581110535		3259087036
	एसबीआई खाता (11084239041)	0	0	4406143803	4406143803
	कैनरा बैंक, खाता (1730)	0	0	2218712412	2218712412
	अंडियन ओवरसीज़ खाता (7430)	568157	1805216		2373373
	बैंक ऑफ इंडिया खाता (12255)	0	1832475		1832475
	(2) जमा खाते में (सावधि जमा)	50899556	163132822		214032378
	(3) सी.पी.एफ जमा खाते	0	0	25777588	25777588
	(ग) अग्रदाय खाता	8174455	44252998		52427453
II.	**प्राप्त अनुदान**				
	क) भारत सरकार से				
	(1) पूंजीगत				
	(2) राजस्व योजना	0	0	560300000	560300000
	गैर योजना	0		12829200000	12829200000
	राष्ट्रमंडल खेल	0	0	1098500000	1098500000
	(3) अन्य मंत्रालय विभाग	0	0		
	(पी बी से भरे जाने वाले (मुख्यालय)	0	0		
III	**प्रसार भारती मुख्यालय द्वारा चालू खाते में अंतर्हस्तांतरण**				
	क) प्रसार भारती से प्राप्त निधि	12540509541	15675401208		28215910749
	ख) अन्य स्टेशन/केन्द्र/कार्यालय	238163525	114237540	11861080514	12213481579
	ग) सी.पी.एफ	0	0	17832276	17832276
	घ) एच.बी.ए की कटौती और अन्य अग्रिम	4287433	4576479		8863912
IV.	**प्राप्त ब्याज**				
	क) बैंक में जमा पर (एफडीआर)	14506560	11657421	361605481	387769462
	ख) ऋण और अग्रिम आदि				
	(1) कर्मचारियों से	411205	198637		609842
	(2) अन्य	1737368	25807281		27544649
	ग) बकाया देय राशि पर देय ब्याज	951020	5115597		6066617
V.	**अन्य**				
	क) आ./दू. के क्ला. का किराया/ला.	14403594	5328410		19732004
	ख) आ./दू. के टॉवरों की ला. फीस	502991538	0		502991538
	ग) परि. सं. के वि./निपटान का लाभ	0	0		
	(1) अपनी परिसंपत्तियां	2126319	0		2126319
	(2) सरकारी अनुदान से प्राप्त की गई परिसंपत्तियां	96678	0		96678
	(3) विविध आय (1.4.2000 से पहले प्राप्त की गई परि.)	16183144	23024572		39207716

वर्ष 2010–11 का प्राप्ति और भूगतान लेखा

	2010–11 का प्राप्ति खाता	आकाशवाणी योग	दूरदर्शन योग	प्रसार भारती	कुल योग
	(1.4.2के करने से पहले व अन्य अर्जित संपत्ति के लिए आय)				
	घ) अन्य	2980899	3707451		6688350
VI.	**उधार ली गई राशि**				
	क) सरकार से पूंजीगत ऋण			2519100000	2519100000
	ख) राष्ट्रमंडल खेल 2010 के लिए बिना ब्याज का कर्ज			1629200000	1629200000
VII.	**विक्रय से आय**				
	क) वाणिज्यिक प्राप्तियां	0	0		
	आकाशवाणी	2323912660	0		2323912660
	दूरदर्शन	0	8997256580		8997256580
	क) वाणिज्यिक प्राप्तियां: (राष्ट्रमंडल खेल)	4811838	316715892		321527730
	ख) सी.डी./वी.सी.डी की बिक्री	867951	8099547		8967498
	ग) डी.टी.एच	0	243700000		243700000
VIII.	**सेवाओं से आय**	**0**	**0**		**0**
	(1) व्यवसायिक/परामर्श सेवाएं	22064459	1809666		23874125
	(2) व्यवसायिक सेवाएं और बीएच	0	265505362		265505362
IX.	**अन्य प्राप्तियां**				
	क) प्रतिभूति जमा/बयाना राशि	199610520	27944754		227555274
	ख) डिपोजिट कार्य	1071473957	28903044		1100377001
	ग) कर्मचारियों के लिए अग्रिम	0	0		
	1) गृह निर्माण अग्रिम	997413	12237552		13234965
	2) कार अग्रिम	619031	264401		883432
	3) मोटर साइकिल अग्रिम	2939482	727594		3667076
	4) कंप्यूटर अग्रिम	3003827	0		3003827
	5) साइकिल/मोपेड अग्रिम	53624	0		53624
	6) अन्य अग्रिम	797280	1201118		1998398
	घ) इयरमार्कड फंड सीपी फंड	3215120	0		3215120
	ड) अन्य	131942978	60941192		192884170
X.	**सरकारी व्यापार से प्राप्ति**	**0**	**0**		
	मंत्रा./वि. के अनुसार ब्यौरा	0	0		
Xi	**एफ.डी.आर**	**224722053**	**34212631**		**258934684**
	योग	**19179222895**	**27695254218**	**37592150099**	**84466627212**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

	2010–11 का भुगतान लेखा	आकाशवणी योग		दूरदर्शन योग		प्रसार भारती	सी. डब्लू. जी	कुल योग	
	2010–11 के खाते संलग्न	गैर–योजना	योजना	गैर–योजना	योजना			गैर–योजना	योजना
I.	व्यय								
	क) संस्थापना खर्च								
	(ब्यौरा संलग्नक 1 के अनुसार)	7369768931	0	7069356975	0			14439125906	0
	ख) प्रशासनिक व्यय	0	0	0	0			0	0
	(ब्यौरा संलग्नक 2 के अनुसार)	3425637421	0	2370951399	0			5796588820	0
	ग) कार्यक्रम संबंधी व्यय	0	0	0	0			0	0
	(ब्यौरा संलग्नक 3 के अनुसार)	892277873	2122169	2041734250	2919239288	640000000		2934012123	3561361457
	घ) अनुदान/परिदान पर व्यय	0	0	0	0			0	0
	(1) संस्थानों को दिया गया अनुदान	0	0	0	0			0	0
	(2) संस्थानों को दी गई परिदान राशि	0	0	0	0			0	0
	(3) अंतर चालू खाते में निधि हस्तांतरण	0	0	0	0			0	0
II.	**प्रसार भारती द्वारा चालू खाते में फंड का अंतहस्तांतरण**								
	क) प्रसार भारती को	2522709594	0	8885070394	0			11407779988	0
	ख) अन्य स्टेशन/केंद्र/कार्यालय को	148365326	0	83253785	0	27256532756		27488151867	
	ग) आई.ई.बी.आर (एच.बी.ए को)	699266	0	42785082	0			43484348	0
	घ) सी.पी.एफ. कटौती	3139346	0	0	0			3139346	0
III.	**जमा की गई राशि अपने धन से**	**350027483**	**0**	**61163023**	**0**			**411190506**	**0**
	(निवेश/अन्य एफ.डी.आर)	0	0	0	0			0	0
IV.	**नियत परिसंपत्तियों और पुंजी पर व्यय**	**0**	**0**	**0**	**0**			**0**	**0**
	कार्य प्रगति पर	0	0	0	0			0	0
	क) नियत परिसंपत्तियों का क्रय	0	0	0	0			0	0
	(ब्यौरा संलग्नक 4 के अनुसार)	37668104	637081372	19239580	451291052			56907684	1088372424
	ख) पूंजी पर व्यय कार्य प्रगति पर	0	0	0	0			0	0
	(1) प्रमुख कार्य	0	274195797	0	106813983			0	381009780
	(2) विविध कार्य योजना	0	214044386	0	37874			0	214082260
V.	**अधिशेष धन/ऋण की वापसी**								
	क) भारत सरकार को (पमेजी कर्ज)	0	0	0	0	110000000		110000000	0
	ख) प्रसार भारती मुख्यालय को	427438309	0	1117682501	0			1545120810	0
VI.	**वित्त प्रभाग (ब्याज)**								
	क) सरकार से ऋण पर	0	0	0	0			0	0
	ख) अन्य ऋण	0	0	0	0			0	0
	ग) अन्य	3373360	0	4809930	0			8183290	0
VII.	**अन्य भुगतान**	**0**	**0**	**0**	**0**			**0**	**0**
	क) एसडी/ईएम की वापसी	190050440	0	8702202	0			198752642	0
	ख) डिपोजिट कार्य पर व्यय	872125400	0	30660600	0			902786000	0
	ग) पार्टियों को अग्रिम	5183620	0	237971	0			5421591	0
	घ) स्टाफ को अग्रिम	0	0	0	0			0	0
	1) गृह निर्माण अग्रिम	1045270	0	12856285	0			13901555	0
	2) माटर कार अग्रिम	2408920	0	3071500	0			5480420	0

	2010–11 का भुगतान लेखा	आकाशवणी योग		दूरदर्शन योग		प्रसार भारती	सी. डब्लू. जी	कुल योग	
	2010–11 के खाते भुगतान	गैर–योजना	योजना	गैर–योजना	योजना			गैर–योजना	योजना
	3) कंप्यूटर अग्रिम	3295680	0	1179500	0			4475180	0
	4) मोटर साइकिल अग्रिम	1380000	0	2527352	0			3907352	0
	5) साइकिल/मोपेड अग्रिम	0	0	0	0			0	0
	6) अन्य अग्रिम	21273482	0	822777	0			22096259	0
	ड) आय कर	26421888	0	222134	0	2102027		28746049	0
	च) सेवा कर	234142722	0	784507453	0			1018650175	0
	छ) बिक्री कर	4722	0	0	0			4722	0
	ज) बैंक प्रभार	181065	0	28938	0	312922		522925	0
	झ) अन्य	80338000	0	17097262	0			97435262	0
VIII.	**सरकारी व्यापार से प्राप्तियों पर खर्च**	**0**	**0**	**0**	**0**			**0**	**0**
	(मां./वि. के अनुसार ब्यौरा)	0	0	0	0			0	0
IX.	**इतिशेष**	**-**	**0**	**0**	**0**			**0**	**0**
	क) नकद रोकड़	751433	0	1484695	0			2236128	0
	ख) बैंक शेष	0	0	0	0			0	0
	(1) चालू खाते में	0	0	0	0			0	0
	प्राप्ति खाता (फील्ड कार्यालय)	154486464	0	724745962	0			879232426	0
	दूरदर्शन खाता (11084233390)	0	0	0	0	375869643		375869643	0
	आकाशवाणी खाता (11084233414)	0	0	0	0	95721347		95721347	0
	व्यय खाता (फील्ड कार्यालय)	1179540854	0	832244553	0			2011785407	0
	एसबीआई (11084239041)	0	0	0	0	4096366688		4096366688	0
	केनरा बैंक (1730)	0	0	0	0	2389418459		2389418459	0
	इंडियन ओवरसीज बैंक (7430)	568157	0	1805160	0			2373317	0
	बैंक आफ इंडिया (12255)	0	0	511117	0			511117	0
	(2) जमा खाते में एफ. डी.आर	90381563	0	70722058	0	2582526581		2743630202	0
	(3) सी.पी.फंड खाता (30234030526)	0	0	0	0	43299676		43299676	0
	ग) अप्रदाय खाता	7094478	0	28397583	0			35492061	0
	योग	**18051779171**	**1127443724**	**24217872021**	**3477382197**	**36952150099**		**79221801291**	**5244825921**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

संलग्नक–I

2010–11 के वर्ष के लिए भुगतान खाता	आकाशवणी योग		दूरदर्शन योग		प्रसार भारती	सी.डब्लू. जी	कुल योग	
स्थापना खर्च	गैर–योजना	योजना	गैर–योजना	योजना			गैर–योजना	योजना
क) वेतन और मज़दूरी (मानदेय/एलटीसी/टीएफ सहित)	7062843820	0	6612733137	0	0	0	13675576957	0
1) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	96797839	0	87154022	0	0	0	183951861	0
ख) समयोपरि भत्ते/स.शि. भत्ते और बोनस	183803299	0	353640049	0	0	0	537443348	0
(ग) अ.भ निधि में अंशदान (यदि कोई हैं)	0	0	1768843	0	0	0	1768843	0
(घ) स्टाफ कल्याण व्यय	588653	0	734180	0	0	0	1322833	0
ड) अवकाश वेतन और पेंशन अंशदान सहित कर्मचारियों के सेवानिवृत्त और सेवांत लाभ	1966521	0	8889541	0	0	0	10856062	0
एल/एस एंड पेंशन सहित सेवांत लाभ	0	0	0	0	0	0	0	0
योगदान	0	0	0	0	0	0	0	0
च) स्थापना पूंजीगत	7894617	0	0	0	0	0	7894617	0
छ) अन्य	15874182	0	4437203	0	0	0	20311385	0
योग	**7369768931**	**0**	**7069356975**	**0**	**0**	**0**	**14439125906**	**0**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

सलग्नक–II

संलग्नक– II 2010–11 के लिए	आकाशवणी योग		दूरदर्शन योग		प्रसार भारती	सी.डब्लू.जी	कुल योग	
अन्य प्रशासनिक व्यय	गैर–योजना	योजना	गैर–योजना	योजना			गैर–योजना	योजना
क) स्वदेश यात्रा व्यय	136021049	0	144751943	0	0	0	280772992	0
ख) विदेश यात्रा व्यय	1261199	0	3847840	0	0	0	5109039	0
ग) किराया और कर	65500490	0	92973683	0	0	0	158474173	0
घ) विज्ञापन और प्रचार	7072051	0	46273378	0	0	0	53345429	0
ड) व्यवसायिक प्रभार, सशस्त्र गार्ड आदि	466598203	0	230140316	0	0	0	696738519	0
i) कानूनी खर्च	1538215		0	0	0	0	1538215	0
ii) अधिवक्ता फिस	459171		19880	0	0	0	479051	0
iii) अन्य/परामर्श फीस	674355		0	0	0	0	674355	0
च) छात्रवृत्ति/वजीफा	2016388	0	3756980	0	0	0	5773368	0
छ) आपूर्ति और समाग्री	167599317	0	200301782	0	0	0	367901099	0
ज) वाहन मरम्मत और अनुरक्षण	135985111	0	164945994	0	0	0	300931105	0
झ) विद्युत शुल्क और अनुरक्षण	1138954510	0	788995949	0	0	0	1927950459	0
ण) जल शुल्क और अनुरक्षण	20110637	0	10281795	0	0	0	30392432	0
त) डाक खर्च	10753680	0	7499244	0	0	0	18252924	0
थ) दूरभाष एवं संचार	0	0	0	0	0	0	0	0
(1) लैंडलाइन	60297923	0	34208222	0	0	0	94506145	0
(2) मोबाईल	4399531	0	2517338	0	0	0	6916869	0
द) अतिथ्य एवं सत्कार व्यय	4635141	0	3001946	0	0	0	7637087	0
ध) पी एंड एम पर बीमा	15513	0	53928	0	0	0	69441	0
न) भूमि एवं भवनों का बीमा	0	0	0	0	0	0	0	0
प) लेखा परिक्षक का पा. रिश्रमिक (प्रावधान में से)	8766780	0	20093	0	0	0	8786873	0
फ) प्रिटिंग और लेखन सामग्री	68569450	0	38370781	0	0	0	106940231	0
ब) अप्राप्य शेष–बट्टे खाते	0	0	0	0	0	0	0	0

संलग्नक–II

संलग्नक– II 2010–11 के लिए	आकाशवणी योग		दूरदर्शन योग		प्रसार भारती	सी.डब्लू. जी	कुल योग	
अन्य प्रशासनिक व्यय	गैर–योजना	योजना	गैर–योजना	योजना			गैर–योजना	योजना
भ) डूबा एवं संदेहात्मक उधार/अग्रिम के लिए प्रावधान	0	0	0	0	0	0	0	0
म) खरीद (भंडार)	4769580	0	11858463	0	0	0	16628043	0
य) माइनर वर्क्स	475127081	0	139213714	0	0	0	614340795	0
र) मशीनरी एवं उपस्कर, टूल प्लांटस	407477799	0	108051016	0	0	0	515528815	0
ल) उपभोज्य लेखा	44103304	0	64569005	0	0	0	108672309	0
व) स्थानीय परिवहन	3374970	0	2938660	0	0	0	6313630	0
श) पूंजीगत परिसंपत्तियों का परिचालन एवं अनुरक्षण	5143853	0	2216473	0	0	0	7360326	0
ह) अन्य	184412120	0	270142976	0	0	0	454555096	0
योग	**3425637421**	**0**	**2370951399**	**0**	**0**	**0**	**5796588820**	**0**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

संलग्नक–III

संलग्नक– खाता 2010–11 के लिए	आकाशवणी योग		दूरदर्शन योग		प्रसार भारती	सी. डब्लू. जी	कुल योग योग	
कार्यक्रम व्यय	गैर–योजना	योजना	गैर–योजना	योजना			गैर–योजना	योजना
क) रॉयल्टी	49087098	0	118841776	0	0	0	167928874	0
ख) यूएनआई / पीटीआई को भूगतान	126515760	0	12003119	0	0	0	138518879	0
ग) कार्यक्रमों की कमीशनिंग	163728469	0	837296497	0	0	0	1001024966	0
घ) पेनम उपग्रह व्यय	0	0	231632818	0	0	0	231632818	0
ड) खेल गतिविधियों पर व्यय	20424540	0	134849005	0	0	0	155273545	0
च) कलाकारों को भुगतान	529534731	0	452429984	0	0	0	981964715	0
छ) स्पेक्ट्रम चार्जिज	0	0	0	0	0	0	0	0
ज) जे एंड के पैकेज	0	2122169	0	408392875	0	0	0	410515044
झ) नार्थ ईस्ट पैकेज	0	0	0	149590600	0	0	0	149590600
ण) राष्ट्रमंडल खेल (अनुलग्नक–1)	0	0	174736817	2361255813	640000000	0	174736817	3001255813
ट) अन्य	2987275	0	79944234	0	0	0	82931509	0
योग	**892277873**	**2122169**	**2041734250**	**2926183204**	**640000000**	**0**	**2934012123**	**3561361457**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

संलग्नक– IV

संलग्नक– खाता 2010–11 के लिए	आकाशवणी योग		दूरदर्शन योग		प्रसार भारती	सी.डब्लू.जी	कुल योग	
नियत संपत्ति की खरीद	गैर–योजना	योजना	गैर–योजना	योजना			गैर–योजना	योजना
1) भूमि	0	0	0	0	0	0	0	0
2) भवन	0	0	0	0	0	0	0	0
(1) स्टूडियो	0	59844253	0	141053401	0	0	0	200897654
(2) प्रेषित्र	0	0	0	0	0	0	0	0
क) सामन्य	0	317606248	0	238355834	0	0	0	555962082
ख) जम्मू और कश्मीर	0	127248593	0	0	0	0	0	127248593
ग) उत्तर–पूर्व	0	2442018	0	33180	0	0	0	2475198
(3) कार्यालय	0	3639380	0	0	0	0	0	3639380
(4) अन्य	0	970697	0	276400	0	0	0	1247097
(3) प्लांट मशीनरी तथा उपस्कर	0	0	0	0	0	0	0	0
क) सामन्य	0	97938138	0	64616892	0	0	0	162555030
ख) जम्मू और कश्मीर	0	27392045	0	0	0	0	0	27392045
ग) उत्तर पूर्व	0	0	0	11429	0	0	0	11429
(4) वाहन	0	0	0	0	0	0	0	0
(क) ट्रक, जीप तथा वैन	150771	0	1751445	0	0	0	1902216	0
ख) मोटर कार	0	0	2924776	0	0	0	2924776	0
ग) मोटर साइकिल/स्कूटर तथा तिपहिया	0	0	0	0	0	0	0	0
घ) रिक्शा/साइकिल	17020	0	3075	0	0	0	20095	0
(5) फर्नीचर/फिक्सचर	0	0	0	0	0	0	0	0
क) कैबिनेट, अलमारी, फाईल रैक	1158054	0	3103634	0		1555524	4261688	1555524
ख) एसी/एसी प्लांट	2468174	0	411095	0			2879269	0
ग) एयर कूलर्स	479947	0	185459	0			665406	0
घ) वाटर कूलर	760788	0	176182	0			936970	0
ड) मेज/कुर्सी/सोफा/कारपेट	2607823	0	1601818	0		295528	4209641	295528
च) लकड़ी के पार्टीशन	0	0	309645	0		31500	309645	31500
छ) वोल्टेज स्टेबलाइज़र/यूपीएस प्रणाली	697174	0	787352	0		270002	1484526	270002
ज) अन्य	1071559	0	552530	0		121403	1624089	121403
(6) कार्यालय उपस्कर	0	0	0	0			0	0
क) टाईपराइटर	305812	0	91631	0			397443	0
ख) फोटोकोपियर/डुप्लीकेटर	3629639	0	1278234	0		866118	4907873	866118
ग) फैक्स मशीन	829384	0	155906	0		16999	985290	16999
घ) अन्य	331088	0	1262076	0		156805	1593164	156805

संलग्नक– IV

संलग्नक– खाता 2010–11 के लिए	आकाशवणी योग		दूरदर्शन योग		प्रसार भारती	सी.डब्लू.जी	योग	
अचल संपत्ति की खरीद	गैर–योजना	योजना	गैर–योजना	योजना			गैर–योजना	योजना
(7) कंप्यूटरस /पेरीफैरल्स	0	0	0	0	0	0	0	0
क) कंप्यूटस	10156088	0	2467941	0	0	3074828	12624029	3074828
ख) प्रिंटरस	1198287	0	776898	0	0	470709	1975185	470709
ग) फ्लापी	15225	0	42926	0	0	0	58151	0
घ) सी.डी	1228960	0	37841	0	0	0	1266801	0
ड) साफ्टवेयर	2307452	0	236923	0	0		2544375	0
च) अन्य	464952	0	0	0	0	77000	464952	77000
(8) इलैक्ट्रिकल संस्थापन	0	0	0	0	0		0	0
क) इलैक्ट्रिकल मशीनरी	2155381	0	486463	0	0		2641844	0
ख) इलैक्ट्रिकल लाइट/पंखे	479124	0	126994	0	0		606118	0
ग) स्वीचगीयर उपकरण	91747	0	65222	0	0	7500	156969	7500
घ) ट्रांसफार्मर	229442	0	9860	0	0		239302	0
ड) इलैक्ट्रिक वायरिंग एवं फिटिंग्स	515977	0	127750	0	0		643727	0
च) अन्य	1461554	0	9715	0	0		1471269	0
(9) पुस्तकालय की पुस्तकें	1237772	0	208709	0	0		1446481	0
(10) ट्यूब वैल तथा जल अपूर्ति प्रणाली	465736	0	47480	0	0		513216	0
(11) मध्यस्थ प्रभार	1153174	0	0	0	0		1153174	0
योग	**37668104**	**637081372**	**19239580**	**444347136**	**0**	**6943916**	**56907684**	**1088372424**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक––

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
वर्ष 2010–11 का प्राप्ति और भुगतान लेखा

	अनुलग्नक–1		रूपये	
	राष्ट्रमंडल खेल		गैर–योजना	योजना
1	कवरेज एंव प्रसाण इवेंटस			1483171218
2	आईबीसी का निर्माण एंव प्रचालन			593187290
3	प्रसारण सुविधा			126226556
4	लाजिस्टिक एंव सहायक सेवा निगरानी के लिए मेजबान स्वग्रही प्रसारक समन्वय			68953488
5	आकस्मिकता			89717261
6	आईटीपीओ को भुगतान			640000000
7	अधिकार धारक प्रसारक		174736817	
	योग		**174736817**	**3001255813**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांक—

ए.के जैन
सदस्य (वित्त)

जे.एस.पी. चावला
वरि0 जीएम (बी एंड ए)